हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 मार्च, 2007

खण्ड– 1, अंक– 2

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार 12 मार्च, 2007

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 1
नियम 5 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(2) 25
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2)32
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव	(2) 54
राज्य में भारी वर्षा तथा ओलावृष्टि के कारण फसलों की अति सम्बन्धी	(2)54
वक्तव्य–	(2) 55
कृषि मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी	(2)54
वाक आऊट	(2)60
अनुपस्थिति सबंधी सूचनाएं	(2)61
राज्यपाल के अभिभाषन पर चर्चा	(2) 62
अति विशिष्ट व्यक्ति का अभिनंदन	(2)62

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)62
धन्यवाद प्रस्ताव पर संशोधन की सूचना	(2) 97
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारन्भ)	(2) 97
बैठक का समय बढ़ाना	(2) 109
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2) 109
बैठक का समय बढाना	(2) 118
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)118

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 12 मार्च, 2007

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ़ में 2.00बजे (अपराह्न) हुई। अध्यक्ष (डा० रघुबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now question hour.

Setting up of Clusters

***576. Shri Dharampal Singh Malik:** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up clusters in the State for manufacturing of different items, togetherwith the criteria adopted for selecting the places for the purpose; and

(b) whether there is any proposal under consideration of Govt. to set up clusters for manufacturing of Niwar at Gohana being the biggest Niwar manufacturer of the Northern India ?

Industries Minister (Sh. Lachhaman Lass Arora): Sir, the reply is placed on the Table of the House.

(a) The Government of India, Ministry of Commerce & Industry has approved following two clusters for

upgradation of physical infrastructure:

Name of the Cluster	Project cost (Rs. in Crores)
Textile Industrial Cluster, Panipat	54.53
Light Engineering Industrial Cluster, Faridabad	79.56

In addition to above, a proposal of Auto Component Industrial Cluster, Gurgaon of Rs. 66.67 crore is under consideration of Ministry of Commerce & Industry, Government of India. State Government would also take up with the Government of India for upgradation of following clusters under the above scheme:

(i) Scientific Instruments Cluster, Ambala

(ii) Metal Industries Cluster, Jagadhri.

(iii) Agricultural Implements Cluster, Karnal.

(iv) Pharmaceutical Cluster, Sonipat.

(v) Agro Chemical and Industrial Chemical Cluster, Bahadurgarh.

Government of India identifies clusters under this scheme based on geographical location, concentration of industry and growth potential.

State Government is planning to set up Foot Wear Park at Bahadurgarh for development of footwear industrial

cluster.

Further, under National Programme on Rural Industrialization, Ministry of Agro and Rural Industries, Government of India has approved following four rural clusters in the State of Haryana:—

Name of Cluster	Amount (Rs. in lakhs)
Jutti Manufacturing Cluster, Ismailabad, district Kurukshetra	2.35
Jute/Cane Furniture Manufacturing Cluster, village Farukhnagar, district Gurgaon	2.50
Leather Footwear Manufacturing Cluster, village Odhi, district Rewari	2.50
Embroidery Frame Manufacturing Rural Cluster, village Tallot, district Mahendergarh	2.50

In this scheme, State Government sends proposals to Ministry of Agro & Rural Industries, Government of India for seeking assistance under the scheme on the recommendations of District Level Implementation Committee constituted under the Chairmanship of concerned Deputy Commissioner.

(b) Presently, there is no proposal under

consideration with the State Government to provide assistance for Niwar manufacturing industrial cluster at Gohana.

चौ० धर्मपाल सिंह मलिकः माननीय अध्यक्ष जी, मेरे प्रश्न का जवाब माननीय मन्त्री जी ने जो दिया है वह जो मेरा सवाल था उसके मुताबिक नहीं है। मेरा सवाल यह था कि सरकार जो कलस्टर स्थापित करती है उसके लिए क्राईटीरिया क्या है, किस चीज के आधार पर उस जगह का सिलैक्शन किया जाता है? जो नाम माननीय मन्त्री जी ने लिये हैं उनमें से दो तो भारत सरकार की तरफ से अनुमोदित हैं, पांच कलस्टरों के बारे में आप मान रहे हैं कि राज्य सरकार भारत सरकार से बात करेगी और ग्रामीण कलस्टरों के आपने नाम बताएं हैं कि वे मन्जूर हो चुके हैं। मैंने यह पूछा था कि कलस्टर स्थापित करने का क्राईटेरिया क्या है। एक जगह आपने बताया कि चमड़े की जुत्ती बनाने केलिए रिवाड़ी में कलस्टर बनाया है जब कि वहां पर चमड़े की कोई वस्तु नहीं बनती है। इसी तरह से चमड़े की जुत्ती इस्माईलाबाद जिला कुरूक्षेत्र में बनती ही नहीं है। मेरा सवाल पर्टिकुलरली यह था कि इनके लिए जो जगह का सिलेक्शन किया जाता है उसका क्या कारण है और किस तरह से चीजें स्थापित की जाएं इसके लिए मैंने सवाल किया था लेकिन मन्त्री जी ने जो जवाब दिया है उसमें उन्होंने इस बारे में कोई डिटेल नहीं दी है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि मैंने गोहाना के बारे मे स्पेसिफिक सवाल पूछा है लेकिन इन्होने इसके बारे में कुछ नहीं बताया है। गोहाना में निवार बहुत ज्यादा बनती हे। मैं फलोर ऑफ दि हाउस

यह कहना चाहता हूं कि यह रिकार्ड की बात है कि सारे हरियाणा में सबसे ज्यादा निवार का उत्पादन गोहाना में होता है।

श्री अध्यक्षः मलिक साहब, आप स्पैसिफिक सवाल पूछें।

श्री धर्मपाल सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि मिलिट्री और पैरामिलिट्री फोसिर्ज के लिए जो निवार की सप्लाई की जाती है वह गोहाना से की जाती है। मेरा सवाल यह है कि वहां पर निवार बनाने की कोई इण्डस्ट्री नहीं है क्या प्रॉयोरिटी बेसिज पर वहां पर ऐसा कलस्टर बनाया जाएगा जिससे वहां पर उद्योग डिवैल्प कर सकें? क्या माननीय मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार वहां पर निवार का कलस्टर स्थापित करने के लिए विचार करेगी?

श्री लछमन दास अरोडाः अध्यक्ष महोदय, गोहाना में एक टाईम था जब वहां पर निवार बनाने का काम किया जाता था। आजकल निवार का इस्तेमाल कम हो गया है। निवार का इस्तेमाल पलंग बनाने के लिए होता है ओर मिलिट्री मे भी इस वक्त बहुत थोड़ी निवार की सप्लाई होती है। अध्यक्ष महोदय, हमने इस बारे में सारा सर्वे करवा लिया है और उस सर्वे के मुताबिक निवार की डिमांड आजकल बहुत ही घट गई हे इसलिए वहां पर निवार का कलस्टर बनाने का सरकार का कोई विचार नही है।

चौ० धर्मपाल सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मन्त्री महोदय के नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि वहां पर

आज भी निवार काफी बड़ी मात्रा मे बनती हे। वहा पर रहने वाले लोग आज मी इस से होने वाली आमदनी पर निर्भर हें और वहां से 65 करोड़ रुपये की निवार आज भी बाहर जाती हे और मिलिट्री तथा पैरा मिलिट्री फोर्सिज में उसकी सप्लाई होती है। अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी यदि चाहें तो इसको एग्जामिन करवा ले। मन्त्री जी ने जो बात कही है वह गलत हे। गोहाना में आज भी निवार बनाने के 25 यूनिट चल रहे हैं जिनमे कम से कम पांच हजार वर्कर्ज काम करते हैं इसलिए वहां पर कलस्टर बनाया जाना जरूरी है ताकि वहां पर सही मार्कीट बन सके। जिस प्रकार से एस०ई०जैड के लिए जगह सिलैक्ट की गई है माननीय मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करें कि उसी प्रकार से वहां पर निवार उद्योग के लिए क्या क्या सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकती हैं ताकि वहां पर निवार का उद्योग डिवैल्प हो सके?

श्री लछमन दास अरोडाः अध्यक्ष महोदय, जहां तक माननीय साथी का सवाल है, मैं उनको बताना चाहूंगा कि जो भी इन्फ्रास्ट्रक्चर होता है या जिस भी चीज की नसैस्टी होती है वह हम प्रोवाईड करते हैं। इन्होंने एस०ई०जैड का जिक्र किया है। कलस्टर बनाने के लिए यह देखा जाता है कि कितने छोटे यूनिट् स लगाने हैं और उस उद्योग का सर्वे करवा कर सुविधाएं देने बारे निर्णय लिया जाता है। कलस्टर बनाने का मकसद यह होता है कि छोटे–बड़े और दरम्यानें उद्योग लग सकें वहां पर वे उद्योग डिवैल्प हो सकें।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मंत्री जी ने मलिक साहब के सवाल का जवाब दिया और मैं भी माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि गोहाना में 50–60 करोड़ रुपए से ज्यादा की निवार बनती है और वहां पर 19 इण्डस्ट्रियल यूनिट्स निवार बनाने के इस समय हैं जिनमें कुल इन्वैस्टमैंट 351 लाख है और 445 लाख रुपए का प्रोडक्शन वहां पर होता है। वहां पर 5000 नहीं कुल 176 लोग ही काम करते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह इन्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रकचर अपग्रेडेशन की स्कीम है। यह हरियाणा सरकार की स्कीम नहीं है यह भारत सरकार की स्कीम हैं। अध्यक्ष महोदय, जहां कहीं भी कोई इन्डस्ट्रि डवैल्प हुई हो वहां पर अतिरिक्त सुविधा देने का इस स्कीम के तहत प्रावधान है। इसमें एक स्पैशल परप्पज व्हीकल इन्डस्ट्रिलिस्ट के साथ मिलकर बनाया गया हैं और भारत सरकार से उसमें पैसा आता है। हमारा ऐसा मानना नहीं है कि 19 यूनिटस में कोई कलस्टर नहीं बनाया जा सकता है।

श्री लछमन दास अरोडा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगा कि हमने भिवानी के बारे में पता किया है कि वहां पर 38 इण्डस्ट्रीज हैं लेकिन वे लोग कलस्टर बनाने में इन्ट्रस्टिड नहीं हैं। अब ये 19 यूनिट्स पर कलस्टर बनाने की बात कर रहे हैं।

श्री के०एल० शर्मा: अध्यक्ष महोदय, 3 करोड़ 51 लाख की जहां पर प्रोडक्शन करने के लिए इन्वैस्टमैंट होती है वहां पर

कलस्टर वायबल नहीं है। मेरे ख्याल से ये अपने जवाब मे कलस्टर की बात को समझ नहीं पाए हैं कि कलस्टर एक छोटी सी इण्डस्ट्री नहीं है। इस्माइलाबाद में 2 लाख 35 हजार रुपए की लागत से कलस्टर खोलना है। स्पीकर सर, 2 लाख 35 हजार रुपए से कोई छोटी सी दुकान भी नहीं खुल सकती है। Cluster is a unit, where different types of products are produced. क्या ये एक छोटी दुकान कर रहे हैं। जहां तक भारत सरकार से मांगने की बात है, तो 2 लाख 35 हजार रुपए एक एक कांस्टीच्यूएंसी के लिए मांगे हैं यह मेरी समझ में नहीं आया है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, यह जो कलस्टर की बात कही है तो मैं इस बारे में यह बताना चाहूंगा कि यह सैन्टर गवर्नमैंट की स्कीम है इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन की स्कीम है और इसमें 75 प्रतिशत पैसा भारत सरकार से आता है, 15 प्रतिशत पैसा स्टेट गवर्नमैंट देती हुँ और 10 प्रतिशत पैसा जहां कलस्टर बनना होता है वहां के लोग देते हैं। इसकी मैक्सिमम लिमिट 50 करोड़ रुपए है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक गोहाना की बात है, तो मैं इस बारे में इनको यह कहना चाहता हूं कि हम वहां पर एग्जामिन करवाएंगे ताकि वहां पर कलस्टर की बजाए इण्डस्ट्रियल स्टेट बनाई जाए।

Opening of University Technical Institution in District Mahendergarh

***584. Sh. Naresh Yadav:** Will the Chief Minister be

pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to open any University or any Technical Institution in District Mahendergarh; if so, the details thereof ?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): No, Sir.

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल है कि जब भी नई सरकार बनती है और जहां के मुख्यमंत्री बनते हैं वहां पर एक यूनिवर्सिटी बनती है। भजन लाल जी दूसरी बार मुख्यमंत्री बन कर आए तो उन्होंने हिसार में गुरू जम्मेश्वर यूनिवर्सिटी बनाई। चौटाला जी मुख्यमंत्री बने तो सिरसा मे यूनिवसिटी बनी और अब की बार तो 3 यूनिवर्सिटीज बना टु। बावल के अन्दर हमारा एक विश्वविद्यालय चल रहा था, वह भी बन्द हो गया है, क्या अब वहां पर एक टैक्नीकल यूनिवर्सिटी बनाई जा सकती है ?

श्री अध्यक्षः नरेश जी, आप यूनिवर्सिटी में रहे हैं, क्या आप कम्पैरिजन कर सकते हैं कि whether it is a Regional University, State University or National University. What type of University it is ? Do you think, it is a Regional University ?

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष महोदय, रीजनल यूनिवर्सिटी की बात नहीं है। अगर गवर्नमैंट चाहे तो हमारे इलाके में एक टैक्नीकली यूनिवर्सिटी बना सकती है। जिला महेन्द्रगढ़ मे इसकी सख्त जरूरत है। हम 200 एकड़ भूमि भादसों में देने को तैयार हैं।

श्री अध्यक्षः यादव जी, प्रदेश की सक यूनिवर्सिटीज भी आपकी ही हें।

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष महोदय, रिवाड़ी से महेन्द्रगढ़ तक और मेवात के एरिया में कहीं पर भी एक भी टैक्नीकल इन्स्टीच्यूट हो, कोई मैडिकल कालेज हो। अगर कोई हो तो मंत्री जी सदन में बता दें। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि वहां पर एक टैक्नीकल यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी बनाने के लिए बजट मे क्या यह सरकार प्रावधान करने का कष्ट करेगी ताकि महेन्द्रगढ़ जिले और रिवाडी के बीच मे एक टैक्नीकल यूनिवर्सिटी हो ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। मैं आपकी अनुमति से सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि महेन्द्रगढ़ जिले में इस समय दो टैक्नीकल इंस्टीच्यूट्स हैं एक तो प्राईवेट इजीनियरिंग कालेज है इसका नाम डी०ए०वी० इंस्टीच्यूट ऑफ इजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी कालेज, कनीना है और दूसरा सरकारी पोलिटैक्निक कालेज है यह बी०के० गवर्नमैंट पोलिटैक्निक कालेज, नारनौल के नाम से है। माननीय सदस्य को यह जानकर खुशी होगी कि वहां पर इस समय 260 सीट्स हैं लेकिन जब से इतना ज्यादा जोर दे रहे हैं तो माननीय मुख्यमंत्री जी ने यह निर्णय लिया है कि जुलाई, 2007 से ये सीट्स बढ़ाकर 600 कर दी जाएंगी। इसके साथ साथ माननीय सदस्य ने यह भी कहा कि महेन्द्रगढ़ मे,

रिवाड़ी में या नारनौल मे कोई टैक्नीकल इंस्टीच्यूट नहीं है लेकिन मैं इनको यह भी कहना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी ने यह भी निर्णय लिया है कि लिसाना, रिवाड़ी में जोकि इनके पड़ौस में ही पड़ता है, वहां पर नया गवर्नमैंट पोलिटैक्निक कालेज सरकार खोलेगी। पिछले साल से हमने क्लासिज भी शुरू कर दी हैं और कंस्ट्रक्शन भी वहां पर शुरू कर दी गयी है। दक्षिणी हरियाणा में और एक नया पोलिटैक्निक कालेज हमारी सरकार बनाने जा रही है और इस पर 15 करोड़ रुपये खर्च होंगे। स्पीकर सर, मैं आपकी अनुमति से माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहूंगा कि इनकी यह बात सच है कि टैक्नीकल एजुकेशन में यह प्रान्त पिछड़ा हुआ है। 2001 से लेकर 2005 तक केवल दो गवर्नमैंट पोलिटैक्निक कालेज ही खोले गए और वह भी विशेष क्षेत्र के अन्दर। उस समय गवर्नमैंट पोलिटैक्निक कालेज नाधूसरी चोपटा में और दूसरा पन्नीवाला मोटा में ही खोले गए थे। इनके अलावा तो ऐजुकेशन से पूरे हरियाणा को उस समय महरूम कर दिया गया था। लेकिन सर, अब आपकी सरकार ने तीन पोलिटैक्निक कालेज तो दो सालो मे ही बनाने शुरू कर दिए हैं इन पर 45 करोड़ रुपये की लागत आएगी। ये हैं एक तो लसीना, रिवाड़ी जिले में और दूसरा सांगी, रोहतक जिले मे तथा तीसरा चीका, कैथल जिले के अंदर। इसके अलावा दो और नये पोलिटैक्निक कालेज 15– 15 करोड़ रुपये की लागत से खोलने के लिए सरकार ने एप्रूव किए हैं। ये हैं एक तो नरवाना, जींद जिले में और दूसरा सांपला, रोहतक जिले में है। इसके अलावा सोनीपत जिले में यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड

टैक्नोलॉजी भी हमने खोली है। स्पीकर सर, मैं आपकी अनुमति से सदन को यह भी बताना चाहूंगा कि 2004–05 में जब यह सरकार आयी तो उस समय टैक्नीकल ऐजुकेशन का बजट मात्र 29 करोड़ रुपये ही था। लेकिन वर्ष 2006–07 में यह बजट 90 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इस तरह से टैक्नीकल एजुकेशन के बजट में काफी इजाफा किया गया है। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से माननीय सदस्य और सदन इस बात को जानकर खुश होगा कि सरकार विशेष जोर टैक्नीकल ऐजुकेशन पर दे रही है।

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष महोदय, जहां तक पैसा लगाने की बात है, सरकार ने खूब पैसा कालेजिज की बिल्डिंग्ज पर लगाया है। मैं इसके लिए मना नहीं करता लेकिन मेरा कहना यह है कि जब भी कोई सरकार बनती है तो हर योजना में एक यूनिवर्सिटी बनती है। क्या इस सरकार के दिमाग में भी ऐसी कोई बात है और यदि हां तो जिला महेन्द्रगढ़ में कोई टैक्नीकल यूनिवर्सिटी खोली जाएगी ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, इसका जबाव शिक्षा. मंत्री जी देंगे।

शिक्षा मंत्री (श्री फूलचन्द मुलाना): माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय सदस्य को आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि वे यह बात जानबूझकर छिपा रहे हैं क्योंकि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार रीजनेलिल्म में विश्वास नहीं करती। मुख्यमंत्री जी का

मन सारे प्रान्त के समग्र विकास में रहता है। स्पीकर सर, ये बताएं कि यूनिवर्सिटी क्या होती है 7 यूनिवर्सिटी वह होती है जहां पर पोस्ट ग्रेज्यूएट कोर्सिज की पढ़ाई की जाती है। रिवाड़ी में रीजनल सैंटर महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी का चल रहा है। इस पर दस करोड़ रुपये तो अभी खर्च होने जा रहे हैं और बिल्डिंग अंडर कंस्ट्रक्शन है लेकिन वहां पर एम०ए० की क्लासिज चल रही हैं जिस एम०ए० की क्लासिज में ये दाखिला लेना चाहें तो ले लें। National University of law is under proposal. 25 acres of land has been given by the Government of Haryana and National institute of law is going to be started at Manasar.

डॉ सुशील इन्दौरा: धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों सरकार ने प्राइवेट यूनिवर्सिटी बिल को पास किया था। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सरकार के पास ऐसी कितनी प्रपोजल्ज उसके बाद आई हैं जिनसे हरियाणा में शिक्षा का स्तर बढ़ सके ?

Shri Phool Chand Mulana: Speaker Sir, this is pre-mature, अभी तो रूल बन रहे हैं।

Opening of Sanskrit Schools in the State

***645. Sh. Balwant Singh:** Will the Minister for Education be pleased to state the details of the number of Sanskrit Schools opened in the state during the period from 1st April, 2005 to till date, alongwith the details of their functioning and posting of required regular staff ?

Education Minister (Sh. Phool Chand): Sir, during the period since 1-4-2005 the Government has decided to open 20 Govt. Model Sanskrit Schools, one in each District. They will start functioning w.e.f. 1-4-2007. Posting of the required staff will also be completed before 1-4-2007.

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो ये 2 साल से घोषणाएं हो रही हैं कि राज्य में संस्कृति स्कूल सरकार खोलने जा रही है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि इन स्कूलों का कहां–कहां पर कितना–कितना काम हुआ है, कितनी बिल्डिंग बननी हैं और कितनी पूरी तरह से कंप्लीट हो गई हैं?

श्री फूल चंद मुलानाः अध्यक्ष महोदय, यह तो पहला कदम है जो हरियाणा सरकार ने लिया है। इससे पहले तो यह पता ही नहीं होता था कि संस्कृति मॉडल स्कूल क्या होता है 7 20 नये स्कूल खोलने हैं और हर जिले में एव। स्कूल खोलने का सरकार ने निर्णय लिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहता हूं कि स्कूल किस किस जिले में कहां कहां पर खोले जाएंगे। भिवानी में तोशाम में गवर्नमैंट सीनियर सेकैंडरी स्कूल, फरीदाबाद में धतीर, झज्जर में लाडेन में, हिसार में सिसाय में, जींद में बेलरखा में, कैथल में क्योड़क में, करनाल में तरावड़ी में, कुरुक्षेत्र में इस्माइलाबाद में, मेवात मे सरोली में, महेन्द्रगढ़ में प्रोपर महेन्द्रगढ़ में और पानीपत में जी०टी० रोड पर जो स्कूल है उसमें खोला जाएगा व रिवाड़ी

मे ततारपुर इस्त मुरार में और सिरसा में गवर्नमैंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिरसा में व सोनीपत में गवर्नमैंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गन्नौर तथा यमुनानगर में जहां का माननीय सदस्य श्री बलवंत सिंह जानना चाहते हैं वहां गवर्नमैंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिलासपुर में खोला जाएगा। अम्बाला में बराडा में, रोहतक में सांघी में फतेहाबाद में इन्दाचुई में, पंचकुला में सैक्टर 20 में व गुडगांव मै सुशांत लोक सैक्टर–43 में स्कूल खोला जाएगा। माननीय सदस्य ने यह भी जानना चाहा है कि बिल्डिंग बननी शुरू हो गई हैं तो मैं बताना चाहूंगा कि बिल्डिंग तो पहले से हैं। 50 लाख रुपये प्रति स्कूल के हिसाब से 20 स्कूलों पर खर्च होंगे और इनमें अंग्रेजी पढ़ाई जाएगी।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना नहीं चाहता था कि स्कूल जो प्रमोट किए जा रहे हैं उनमें नयी बिल्डिंग तो नहीं बनेंगी। मैं तो जानना चाहता था कि कहां कहां बिल्डिंग बनी हैं और उनमें क्या क्या सुविधाएं देंगे, क्या क्वालिटी होगी?

श्री फूल चंद मुलानाः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इनको सारा कुछ हमने रिटन में दे रखा है लेकिन पढ़ना ही न आए तो ये क्या करें। मैं पुनः बताना चाहूंगा कि 50 लाख' रूपया प्रति स्कूल के हिसाब से खर्च होंगे उनमें से 5 लाख रुपये अपग्रेडेशन ऑफ फिजिक्स लैबोरेटरी पर खर्च होंगे, 5 लाख रुपये कैमिस्ट्री लैबोरेटरी के अपग्रेडेशन पर खर्च होंगे। मैथ लैब के लिए तीन लाख रूपये, जोग्राफी लैब के लिए तीन लाख रुपये, पर्सनल

इंग्लिश के लिए तीन लाख रुपये, कम्प्यूटर लैब के लिए सात लाख रुपये, लायब्रेरी के अपग्रेडेशन के लिए अढ़ाई लाख रुपये, गाईडैंस और काउंसलिंग के लिए 50 हजार रुपये, म्यूजिक लैब के लिए दो लाख रुपये, स्पोर्टस एक्टिविटीज के लिए तीन लाख रुपये, एनवार्यनमैंटल टीचिंग और लर्निंग के लिए तीन लाख रुपये, इम्प्रूवमैंट ऑफ एक्सट्रा कुरीकुलर एक्टिविटीज के लिए तीन लाख रुपये, स्टाफ रूम के लिए एक लाख रुपये, आडियो विज्यूअल इक्विपमेंट के लिए दो लाख रुपये, सौलर पार्क के लिए दो लाख रुपये, एजूसैट के साईस विंग के लिए तीन लाख रुपये और आर्टस विंग के लिए डेढ़ लाख रुपये, इसमें नये रूम और लैबोरेटरीज भी बनाई जायेंगी।

Construction of Bus stand at Nangal Chaudhary

591. Sh. Radhey Shyam Sharma: Will the Minister for Transport be pleased to state the time limit by which the construction work of the bus stand of Nangal Chaudhary is likely to be started ?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, Proposal for bus stand will be considered as and when village panchayat provides suitable land for construction of bus stnd. Hence, no time limit can be indicated.

स्पीकर सर, इसके साथ ही साथ मैं यह भी बताना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की भी यही मन्शा है कि नांगल चौधरी मे बस अडा बनाया जाये। इस जगह पर जमीन की काफी

दिक्कत रही है। सरकार की नीति तो राह है कि ऐसी सब जगहों पर ग्राम पंचायत या नगर पालिकाएं जमीन दे दें तो बस अडा बनाया जा सकता है। हमने निर्णय किया है कि एक–एक एकड़ जमीन एक्वायर करके ऐसी सब जगहों पर बस अड्डे बनाये जायेंगे।

श्रीमती सुमिता सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से जानना चाहती हूं कि करनाल में बस अड्डा कब तक बनना शुरू हो जायेगा जोकि बहुत साल पहले बनने के लिए मन्जूर हो चुका है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहता हूं कि सरकार ने प्रदेश में पांच बस अड्डे बी०ओ०टी० बेसिस पर मॉडर्न सुविधाओं के साथ बनाने का निर्णय किया है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस बारे में एक विशेष कमेटी का गठन किया है। वह कमेटी इस बारे में जो पैरामीटर्ज फाईनल करके अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी तो उसके बाद फौरन इन बस अडों को बनाने के बारे में विज्ञापन दे दिया जायेगा।

श्री अर्जन सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि छछरौली का बस अड्डा कब तक बना दिया जायेगा?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि बस अड्डे बनाने के लिए सरकार

का रूख सकारात्मक हे और छछरौली का बस अड्डा अवश्य बनाया जायेगा।

Shifting of Old Anaj Mandi

672. Shri Devender Kumar Bansal: Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government for shifting of Old Anaj Mandi from Ambala Cantt. Main Bazar to outside Ambala Cantt; if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented ?

Agriculture Minister (Sardar H.S. Chatha): Yes, Sir. There is a proposal to establish New Grain & Vegetable Market in Ambala Cantt. For this purpose, the process for acquisition of land has been initiated. The existing mandi will be shifted after the process of acquisition of land is completed and requisite infrastructure is developed.

श्री देवेन्द्र कुमार बंसलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्रो जी से पूछना चाहता हूं कि अनाज मंडी और सब्जी मंडी के लिए लैंड एक्वायर का प्रोसैस शुरू हो चुका है या अभी शुरू करना है। यदि लैंड एक्वायर का प्रोसैस शुरू हो गया है तो क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि मंडी के लिए लैंड कब तक एक्वायर हो जायेगी ?

सरदार एच०एस० चट्ठाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि बहुत साल पहले अम्बाला छावनी से बाहर मंडी बनाने के लिए लैंड एक्वायर का

प्रोसैस शुरु हुआ था। 1995 में 20 एकड़ लैंड म्यूनिसिपल कमेटी ने मंडी बनाने के लिए अम्बाला छावनी से बाहर दी थी लेकिन वह जमीन बाद में म्यूनिसिपल कमेटी ने वापिस ले ली और मंडी नहीं बन पाई। उसके बाद हरियाणा अर्बन डिवैल्पमैंट एथोरिटी ने 1999 में 60 एकड़ जमीन मंडी बनाने के लिए ट्रांसफर की थी लेकिन कुछ दिनों बाद उन्होंने भी 35 एकड़ जमीन वापिस ले ली। अम्बाला छावनी मेन बाजार में जो अनाज मंडी है वह केवल चार एकड़ में है और सरकार यह महसूस करती है कि यह मंडी बाहर बननी चाहिए। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए हुड्डा साहब की सरकार ने 33 एकड़, 5 कनाल और 7 मरले जमीन एक्वायर करने का प्रोसैस शुरू कर दिया है जिसमें दफा– 4 के नोटिस जारी हो चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अम्बाला छावनी से बाहर तीन साल के अंदर–अंदर मंडी बना दी जायेगी।

श्री देवेन्द्र कुमार बंसलः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला छावनी मेन बाजार से पुरानी मंडी को अम्बाला छावनी से बाहर स्थानांतरित करने के लिए पिछले 15 सालों से प्रोसैस चल रहा है। मंडी बाजार के बीच में होने के कारण वहां पर किसानों को और आम लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। पूर्व मुख्यमंत्रियों द्वारा दो बार मंडी बनाने के लिए पत्थर रखे गये लेकिन कोई काम नहीं हुआ। जो पत्थर रखे गये थे वे पत्थर ट्रकों में रखकर वापिस ले गये। इसलिए मैं मंत्री जी से

स्पष्ट–स्पष्ट जवाब चाहता हूं कि किस तारीख तक यह मंडी बनकर तैयार हो जायेगी ताकि हम लोगों को जवाब दे सकें कि फलां तारीख तक अम्बाला छावनी के बाहर मंडी बनकर तैयार हो जायेगी।

सरदार एच०एस० चट्ठा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमारे मुख्यमंत्री हुड्डा साहब जिस किसी काम के लिए पत्थर रखते हैं वह काम समय पर पूरा होता है। वहां पर मंडी बनाने के लिए जमीन एक्वायर करने के लिए दफा–4 के नोटिस हो चुके हैं और जल्दी ही वहां पर मंडी बनवाने के लिए हुड्डा साहब पत्थर रखेंगे।

आई०जी० शेर सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जुलाना में ग्रेन मार्केट बनने जा रही है। क्या उस ग्रेन मार्केट में सरकार वैजिटेबल मार्केट भी बनायेगी?

सरदार एच०एस० चट्ठा: अध्यक्ष महोदय, आई० जी० साहब का अलग सवाल है इसलिए इस बारे में ये अलग से लिखकर दे दें। इन्हें जवाब भिजवा दिया जायेगा।

Construction of DIET Building

***603. Sh. Mahender Partap Singh:** Will the minister for Education be pleased to state the details of construction of the building of DIET in village Pali of Mewla Maharajpur (Faridabad) alongwith the details of starting of

classes in the said building?

Education Minister (Sh. Phool Chand Mullana): Sir, The building of DIET in Village Pali is under construction by the PWD B&R Department. The classes in this DIET building would be started after PWD (B&R) completes and hands over the building to the Education Department.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, शिक्षा मंत्री जी काफी श्याणे और सफाई से जवाब देने वाले मंत्री हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इरा डाइट की बिल्डिंग को बनाने का प्रोसैस कब शुरू हुआ और यहां पर बिल्डिंग बननी कब शुरू हुई?

श्री फूलचंद मुलानाः अध्यक्ष महोदय, शिक्षा विभाग ने पहले ही पी०डब्ल्यू०डी० (बी०एंड आर०) विभाग को 90 लाख 50 हजार रुपये दे दिए हैं और काफी सारा काम इस बिल्डिंग का पूरा हो चुका है। उसके बाद पी०डब्ल्यू०डी० (बी०एंड आर०) विभाग के मांगने पर 47 लाख रुपये उन्हें शिक्षा विभाग ने और दे दिए। अध्यक्ष महोदय, इस बिल्डिंग का काम मई, श्का तक पूरा हो जायेगा और साथ में मैं मेरे साथी को यह भी आश्वासन देना चाहूंगा कि 15 मई से आने वाले शिक्षा सत्र से इस डाइट में जे०बी०टी० की क्लासिज शुरू हो जायेंगी।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो जिस जवाब की जरूरत थी उसके लिए इन्होंने आश्वस्त कर दिया है लेकिन में यह कहना चाहता हूं कि इन्होंने एक प्रश्न का जवाब

नहीं दिया कि यह बिल्डिंग शुरू कब हुई। यह जानकारी विभाग ने इनको दी हे। यह बिल्डिंग 5 वर्ष पहले कम्पलीट हो चुकी है। बिल्डिंग का कोई काम बाकी नहीं हे। बिल्डिंग के शीशे तक टूट गये हैं तो फिर यह अधूरी कहां है यह शुरु। होने की बात 5 साल पहले की है। अगर यह बिल्डिंग 5 साल पहले कम्पलीट हो गई थी 5 वर्ष तक यह काम सफर किया है। यह जिम्मेदारी किसकी थी क्या इसकी जांच होगी। जनता का पैसा इसमें लगा है। सरकार की नीयत और विशेषकर मुख्य मंत्री जी और सरकार की नीयत शिक्षा के स्तर में गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए काफी चिन्तनशील चिन्ताशील है इसमें कोई दो राय नहीं है लेकिन पहले 5 साल और 2 साल अब भी इस सरकार को हो गये हैं यह मामला यूं ही पड़ा हुआ हे। अगर इस तरह की जानकारी हमें सरकार दे तो यह सरकार की नीयत और नीति दोनों को ही झूठा बताती है। क्या सरकार इसकी जांच करवायेगी कि अब तक वहां पर क्लासिज शुरू क्यों नहीं हुई? वहां पर पैसा बहुत लग चुका है और काम काफी समय पहले पूरा हो चुका। क्या मंत्री जी हमें आश्वस्त करेंगे कि इस सत्र से वहां पर एजूकेशन की क्लासिज लगाने का काम शुरू हो जायेगा?

श्री फूलचन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि यदि यह बिल्डिंग कम्पलीट हो चुकी होती तो हम क्लासिज शुरू करवा देते। बहां पर शीशे टूटे पड़े हैं खिड़कियां टूटी पड़ी हें।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, जिसके शीशे टूटे पड़े हैं तो वह काम कम से कम 5–7 साल पहले तो शुक हुआ होगा।

श्री फूलचन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, इस बारे मे पिछली सरकार की जांच भी करवानी पड़े तो वह भी हम करवायेंगे। अध्यक्ष महोदय, 2 साल में तो हमने एसैस किया कि वहां पर कितना पैसा लगाया गया है, लगा रहे हैं। अध्यक्ष जी, वहां पर खिड़कियां लगवानी हैं, बाऊडरी वाल नहीं है, एप्रोच रोड नहीं है, यह सारा काम हम पहली मई तक कम्पलीट करवायेंगे। वहां पर बच्चियों के लिए होस्टल नहीं है। जो बच्चियां दूर से आती हैं वे बिना होस्टल के वहां पर रह नहीं सकती हैं। हमने होस्टल के लिए भी पैसा दे दिया है और मैंने जैसा माननीय सदस्य को बताया कि इस सत्र से हम वहां पर क्लासिज शुरू करवा देंगे।

श्री भूपैन्द्र सिंह हुड्डा अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो यह पूछा है, मैं इस बारे में कहना चाहूंगा कि वहां पर बिल्डिंग काफी बनी हुई थी लेकिन अब तक एजूकेशन डिपार्टमैंट ने उसका पोजैशन नहीं लिया था क्योंकि वहां बिजली का कनैक्शन, सीवरेज वगैरह नहीं था। अप्रैल के आखिर तक एजूकेशन डिपार्टमैंट पोजैशन ले लेगा और वहां पर क्लासिज शुरू करवा देंगे। दूसरे होस्टल का तो अभी टैण्डर किया है। होस्टल

की तो कोई शुरूआत ही नहीं हुई है। अध्यक्ष महोदय, होस्टल दिसम्बर तक कम्पलीट बन कर तैयार हो जायेगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या इनका विभाग जो पिछले वर्ष में जे०बी०टी० सैन्टर जिन गांवों में होते थे और गैटी के नाम से ये संस्थाएं जे०बी०टी० की ट्रेनिंग दिया करती थी और जिस गांव में ये संस्था होती थी उस गांव के 5 बच्चों को जे०बी०टी० के कोर्स मे दाखिला देने का प्रावधान था। लेकिन जो पिछली सरकार इस हरियाणा में रही उन्होंने जाते–जाते इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया था। मैं आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि क्या इनके विभाग का इस सुविधा को दोबारा से उन गांवों में स्थापित करने का इरादा है? अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि जहां पर ये जे०बी०टी० सेन्टर्ज हैं उन गांवों के 5–5 बच्चों का दाखिला जरूर करें।

श्री फूल चन्द मुलानाः स्पीकर सर, जहां जहां डाइट की और गेटी की क्लासिज चल रही हैं उसी गांव से पांच बच्चों को हम दाखिला देने का प्रावधान करेंगे. यह दाखिला मैरिट के हिसाब से ही दिया जाएगा। कई बार माननीय सदस्य कहते हैं कि ये बच्चे नहीं आए। इसका अर्थ यह नहीं है कि अगर कोई बच्चा रिक्वायर्ड मार्क्स प्राप्त नहीं करता है तो उसको दाखिला नहीं मिलता। स्पीकर सर, हम ऐसे बच्चों के दाखिले के लिए प्रावधान करेंगे।

श्रीमती अनीता यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय की जानकारी में यह लाना चाहती हूं कि रिवाड़ी में डाइट सैंटर चल रहा है और वहां पर स्ट्रडैंट्स भी आ रहे हैं लेकिन वहां पर स्टूडैंट्स के रहने के लिए होस्टल नहीं है और न ही इस बिल्डिंग की बाउंडरी वील बनी हे। मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि रिवाड़ी में जो डाइट सैंटर चल रहा है क्या वहां पर स्टुडैंट्स के लिए होस्टल बनाने के बारे में विचार करेंगे?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि वहां पर होस्टल जरूर बनवाएंगे।

श्रीमती रेखा राणाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय को यह बताना चाहती हूं कि कुरक्षेत्र विश्वविद्यालय के बी०ए० फस्ट ईयर तथा बी०ए० सैंकड ईयर के प्रमाण–पत्रों में त्रुटियां पाई गई हैं। प्रमाण–पत्र पर फोटो किसी की है और मार्क्स किसी और के हैं, किसी सब्जैक्ट में मार्क्स दिए गए हैं और किसी सब्जैक्ट में मार्क्स नहीं दिये गये हैं। क्या माननीय शिक्षा मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इसमें उनका क्या विचार है और क्या इन त्रुटियों को दूर किया जाएगा ताकि बच्चों को दाखिला लेने के लिए भटकना न पड़े और वे अपनी शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ न हों ?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या श्रीमती रेखा राणा ने जो प्रश्न पूछा है उसका इस मेन सवाल से सम्बन्ध नहीं है। ये इस बारे में लिख कर भिजवा दें हम इसकी जांच करवा लेंगे और परोपर प्रबन्ध करवाएंगे।

प्रो० छतरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने एक सवाल पूछा था उसी से सम्बन्धित मेरा सवाल भी है। इन्होंने पर्टिकुलरली डाइट बिल्डिंग के बारे में पूछा है। माननीय मन्त्री महोदय दो साल से इस विभाग को देख रहे हैं। मैं आपके माध्यम से उनसे यह जानना चाहूंगा कि पूरे हरियाणा के अन्दर स्कूल्ज और कॉलेजिज की ऐसी कितनी अर बिल्डिंगज हैं जिनको बनाने में अथवा हैंडओवर करने में निर्धारित समय से ज्यादा विलम्ब हुआ है जिसके कारण सरकार के खजाने पर अतिरिक्त मार पड़ा है, क्या ऐसी बिल्डिंगज को आईडैटिफाई किया गया है और इसके लिए कौन अधिकारी दोषी हैं, क्या उनको आईडैंटिफाई किया गया है यदि ऐसे लैपसिस हैं तो क्या इनका विभाग इस बारे में कोई कार्यवाही कर रहा है?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि हरियाणा में 20 जिले हैं और 17 जिलों में डाइट सैंटर मन्जूर हैं और काम कर रहे हैं। राज्य में जो तीन सैंटर अभी तक नहीं बने हैं उनमें से दो सैंटर्ज मंजूर हो चुके हैं और उनको भी हम जल्दी ही चालू करवा देंगे। तीसरे जिले मेवात में भी डाइट सैन्टर इन्कलूड करवा देंगे। जहां तक

माननीय सदस्य ने विलम्ब के बारे में पूछा है वे इस बारे में लिख कर भिजवा दे। इसकी पूर्ण जांच करवा देंगे।

Admission of Student in B.Sc. (Hon's) Agriculture and B.V.Sc. (Vety. Surgeon) in Haryana Agriculture University

***613. Shri Karan Singh Dalal:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) the number of students admitted in B.Sc. (Hon's) Agriculture and B.V. Sc. (Vety. Surgeon) in CCS Haryana Agriculture University in the academic years 2005-06 and 2006-07; and

(b) the number of students in part (a) above who have passed their Senior Secondary Schools certificate from Govt. Senior Secondary School situated in Rural Area of Haryana ?

Agriculture Minister (Sardar H.S. Chatha)

(a) The number of students admitted in B.Sc. (Hons.) Agriculture and B.V.Sc. (Vety. Surgeon) in CCS, Haryana Agricultural University in the academic years 2005-06 and 2006-07 is given as under:—

Programme	2005-06	2006-07
B.Sc. (Hons.) Agriculture	83+10*=93	84+13*=97
B.V.Sc & A.H. (Vety. Surgeon)	53+8*=61	51+8*=59

*Admitted through ICAR/VCI on all India basis.

(b) The number of students in part (a) above who have passed their Senior Secondary Schools certificate from Govt. Senior Secondary Schools situated in Rural Areas of Haryana.

	2005-06		2006-07	
	B.Sc. (Hons) Agriculture	B.V.Sc. & A.H.	B.Sc. (Hons) Agriculture	B.V.Sc. & A.H.
No. of students Passed SSSC from Govt. Senior Secondary Schools situated in Rural Area of Haryana.	5	6	7	4
No. of students Passed SSSC from Non Govt. Senior Secondary Schools situated in Rural Area of Haryana.	18	12	20	10
Total No. of Students passed SSSC from Rural Area of Haryana.	23	18	27	14

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय. आपने स्वंय भी इसी विश्व विद्यालय से शिक्षा ग्रहण की है। अध्यक्ष महोदय, यह विश्वविद्यालय प्रदेश में ही नहीं समस्त देश में एक आदरणीय विश्वविद्यालय बना हुआ है। इस यूनिवर्सिटी से हमारे प्रदेश के ही नहीं बल्कि देश और विदेशों से भी बच्चे बी०एस०सी० और वैटनरी की डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय, ने अपने जवाब में एक ही बात कही कि बी०एस०सी० (ऑनर्ज) एग्रीकलचर में सत्र 2005–2006 और 2006–2007 में 93 और 97 बच्चे पास होकर निकले हैं और बी०वी०एसी० और ए०एच० (वैटनरी सर्जन) में सत्र 2005–2006 और 2006–2007 में 61 और 59 बच्चे ही पास होकर निकले हैं। अध्यक्ष महोदय, यह संख्या बहुत ही कम हैं। हमारी यह संस्था बहुत ही बड़ी है और बहुत लोकप्रिय है। 50 सीट्स एच०ए०यू० में और 50 सीट्स कौल में जो कि इनका एग्रीकल्चर कालेज है वहां पर हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से कृषि मंत्री जी से अनुरोध है कि हमारे प्रदेश के बच्चे और विदेशों से भी बच्चे एडमिशन लेकर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। क्या मंत्री जी यहां पर सीटों को 50 से ज्यादा बढ़ाने के बारे में कोई विचार करेंगे ?

अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ मेरे सवाल के बी पार्ट के बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने शिक्षा के विस्तार के लिए बहुत से साधन जुटाए हैं, नौजवानों को अच्छी शिक्षा मिले ऐसे प्रावधान कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके

माध्यम से कृषिमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या मंत्री जी गांवों में रहने वाले जो बच्चे गांवों से साइंस की शिक्षा पास करते हैं उन बच्चों की मात्रा विश्वविद्यालय में बहुत कम नजर आ रही है मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ये कोई ऐसा प्रावधान करेगे ताकि वे गांव वाले बच्चे भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन ले सकें ?

सरदार एच०एस० चट्ठाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को यह बताना चाहूंगा कि यह जो इन्होंने सीटें बढाने वाली बात कही है इस बारे में विचार कर लिया जाएगा। इसके अलावा इनकी दूसरी सप्लीमैंटरी यह है कि विश्वविद्यालय में गांवों के लड़के कम हैं। इस बारे में अमैडमैंट पहले की गई थी। एक दफा 10 प्रतिशत और 10 प्रतिशत एक ओर दफा की थी। ये दोनों अमैंडमैंट्स सुप्रीमकोर्ट से स्ट्रकडॉउन हो गई थी। यह मनोज कुमार वाला बहुत ही मशहूर केस है जिसकी वजह से हम रिजर्वेशन नहीं कर सकते हैं। जहां तक गांवों के बच्चों की संख्या के बारे में इन्होंने कहा है कि उनकी संख्या कम है। स्पीकर सर, इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि 23 लड़के वे दाखिल हुए थे जो गांव से 10.2 करके आए थे। इसके अलावा 43 लड़के और दाखिल हुए थे जिन्होंने मैट्रिक तो गांव से की हुई थी लेकिन 11 वीं और 12वीं दूसरी जगहों से की थी। रिप्रैजेन्टेशन के हिसाब से 18 लड़के वैटनरी मे थे। इसके अलावा 30 लड़के मैट्रिक करने के बाद प्लस 2 करने बाहर गए थे और वे भी गांवों के ही बच्चे थे। इस तरह से ये टोटल 48 हो गए हैं। स्पीकर सर,

27 लड़के बी०एस०सी० में नैन्व्ह ईयर में गए। वैटनरी में भी 46 लड़के वे थे जिन्होंने मैट्रिक गांव में की और प्लस 2 बाहर से की थी। जहां तक सैप्रेट कानून गांव के बच्चों के लिए बनाने की बात है तो अगर सुप्रीमकोर्ट में इस बारे में कोई प्रावधान हुआ तो हम बिलकुल कमी नहीं करेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जो प्रश्न ए के बारे में मंत्री जी ने जवाब दिया है कि यह सीटें बढ़ाने के बारे में विचार करेंगे उसके लिए मैं इनका धन्यवाद करता हूं और आपके माध्यम से मंत्री जी से फिर से यह जानना चाहता हूं कि अगर ये सीट्स बढ़ाएंगे तो कैटगरी वाईज एडमिशन यूनिवर्सिटी में जो होते चले आ रहे हैं और जो रिजर्वेशन की व्यवस्था उसमें की हुई है। क्या इस बात का आश्वासन मंत्री जी सदन में देंगे कि सीटों के बढ़ाने के बाद सभी कैटेगरी के बच्चे वहां पर उचित जगह पा सकेंगे ?

सरदार एच०एस० चट्ठाः स्पीकर सर, मैंने यह नहीं कहा है कि हम सीट्स बढाएंगे। मैंने यह कहा है कि इस बारे में विचार करेंगे। जब सीट्स बढ़ानी होंगी तब ही इनकी दूसरी बात के बारे में सोचा जाएगा।

प्रो० छत्तरपाल सिंह अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कृषि मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो वैटनरी साईसिज में क्वालीफाईड बच्चे हैं और एग्रीकल्चर स्ट्रीम से बच्चे बी०एस०सी०

और एम०एस०सी० करते हैं Being a professional courses उन बच्चों की कितनी इम्पलायमैंट परसैटेज है ? अब तक वहां से क्वालीफाईड बच्चों मे से कितने बेरोजगार बच्चे हैं? इस बारे में क्या वे कोई फिगर बता सकते हैं ?

Mr. Speaker Chhattar Pal ji, please, ask your specific question.

सरदार एच०एस० चट्ठा: अध्यक्ष महोदय ये फिगर्ज अभी मेरे पास नहीं है।

श्री नरेश यादव: स्पीकर साहब, ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का सवाल चल रहा है। अभी दलाल साहब अपना सवाल पूछ रहे थे लेकिन इनको शायद मालूम नहीं कि बी०एस०सी०, एम०एस०सी०, या पी०एच०डी० किए हुए बच्चे बहुत ज्यादा संख्या में बेरोजगार हैं उनके पास रोजगार का कोई साधन नहीं है इसलिए सीट्स बढ़ाने का कोई फायदा नहीं है। इसका फायदा तब है जब ऐग्रीकल्चर का कोर्स स्कूल लेवल पर ही कम्पलसरी किया जाए। अगर ऐसा होगा तभी गांवो के बच्चे इन कोर्सिज में ज्यादा एडमिशन ले सकेंगे और इन सीट्स को बढ़ाने का फायदा उनको मिलेगा।

श्री अध्यक्ष: यादव साहब, आप बैठिए।

Opening of Polytechnic College in Village Pabnawa, Pundri Constituency

***609. Sh. Dinesh Kaushik:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the sanction for opening of Polytechnic College at Village Pabnawa, Pundri Constituency was accorded in the years, 1995-96-97 and land has also been acquired for this purpose and

(b) if so, by what time the above said college is likely to be started functioning ?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala):

(a) Yes, Sir.

(b) The polytechnic could not be started by the Government due to paucity of funds Although it was accorded sactioned in the year 1995-96. However, it is now proposed to take up the project in public private partnership mode for which expression of interest has already been invited. At this stage, it is not possible to indicate any date for completion .

इसके साथ ही साथ मैं माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहूंगा कि दुर्भाग्यपूर्ण एक ऐसी सरकार पहले रही जिसने हायर ऐजुकेशन और टैक्नीकल ऐजुकेशन पर कोई ध्यान नहीं दिया। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी ने यह निर्णय लिया है कि इसको हम पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप मीड पर बनाएंगे। एक्सप्रैशन ऑफ इंट्रस्ट आलरेडी आ चुका है और जैसे ही यह फाईनेलाइज हो जाएगा वैसे ही जल्दी

इसका निर्माण हम शुरू कर देंगे। (विघ्न) मैं आपकी अनुमति से सदन की जानकारी के लिए यह भी बताना चाहूंगा कि केवल पबनावा में ही नहीं बल्कि नानकपूर, पंचकूला और उमरी, कुरुक्षेत्र में भी सरकार ने पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप मोड पोलिटैक्निक कालेज बनाने का निर्णय लिया है। ये उनके अलावा है जिनकी सूचना मैंने पहले सदन को दी है।

श्री दिनेश कौशिकः स्पीकर सर, मंत्री जी ने पहले जो तीन गवर्नमैंट पोलिटैक्निक कालेज बनाने की घोषणा की थी तो क्या उनमें इस पोलिटैक्निक कालेज को भी शामिल किया जा रहा है या इसको केवल पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप मोड पर ही बनाया जाएगा ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले बताया कि पिछले दो वर्षो में सरकार द्वारा तीन पोलिक्टैनिक कालेज खोलने का निर्णय किया गया है इन हर एक पर 16 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके अलावा दो और पोलिटैक्निक कालेज खोले जाएंगे। इस तरह पांच पोलिटैक्निक कालेज बनाए जाएंगे। इसके अलावा तीन पोलिटैक्निक कालेज और पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप मीड पर हम बनाएंगे। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब इस सरकार ने कार्यभार संभाला तो उस समय सभी गवर्नमैंट और ऐडिड पोलिटैक्नकक कालेजिज में बच्चों की इनटेक कैपेसिटी केवल 6215 ही थी लकिन वर्ष श्क7 में प्रपोज्ड इनटेक कैपेसिटी 11 हजार है तकरीबन डबल कैपेसिटी

इस सरकार ने पोलिटैक्निक और टैक्नीकल ऐजुकेशन के अंदर की है। 11 वीं पंचवर्षीय योजना में 1.5 लाख तक ले जाने का हमने इसका टारगेट रखा है।

श्रीमती अनीता यादवः अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने कोई भी पोलिटैक्निक कालेज हमारे यहां पर नहीं बनाया जबकि हमने कई बार रेजोल्युशन भिजवाए थे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार से जानना चाहूंगी कि क्या नाहड़ ब्लॉक के गुगोड़ गांव में कोई पोलिटैक्निक कालेज खोलने का सरकार का विचार है और यदि विचार है तो इसको कब तक बनवा दिया जाएगा? वहां की ग्राम पंचायत इसके निए सारी जमीन देने के लिए भी तैयार है। मैं इस बारे में एक रैजोल्यूशन भी लेकर आयी हूं तो कब तक वहां पर एक पोलिटैक्निक कालेज को बनवा दिया जाएगा? (विघन)

श्री अध्यक्षः डॉ० साहब, आप सीटिंग कमेंटरी न करें। बहन जी, अपना सवाल पूछ रही हैं आप उनको अपना सवाल पूछने दें। यह महिला सशक्तिकरण की भी बात है। जब एक सदस्य सवाल पूछ रहा है तो आप सीटिंग कमेंटरी न करें। Please you should honor the question.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इनको थोड़ी सी एक्साइटमैंट आयी हुई है आप इनको माफ कर दें ये ठीक हो जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, यदि इसके लिए एक पृथक

सवाल माननीय सदस्या लिखकर भिजवा दें तो मैं उसका जबाव उनको जरूर भिजवा दूंगा।

प्रो० छत्तरपाल सिंहः स्पीकर सर, मंत्री जी ने पबनावा, हल्का पुंडरी में एक पोलिटैक्निक कालेज खोलने की बात कही है मैं आपके द्वारा उनसे जानना चाहूंगा कि इसमें कौन–कौन से कोर्सिज चलाए जाएंगे और उनकी इनटेक कैपेसिटी कितनी होगी?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः जो पौलिटैक्निक में कोर्सिज हैं खे सारे के सारे पबनावा में भी चलाएगे और जो ये पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मीड का फैसला होगा उसके अनुसार ही ये सारे कोर्सिज चलाए जाएंगे।

Sexual Harassment in Government/ Private Schools/Institutions in the State

***630. Sh. Gain Chand:** Will the Minister for Education be pleased to state the details of cases of sexual harassments in various Government/Private Schools/Institutions in the State during the years 2005-2006 and 2007 alongwith the details of action taken against the guilty persons and also the details of steps taken to stop such recurrence in future ?

Education Minister (Sh. Phool Chand Mullana): Sir, a statement is placed on the Table of the House.

Statement

School Education

Eight cases of sexual harassment have been reported in High and Senior Secondary Schools during the years 2005, 2006 and 2007. The details of these cases are as follows:—

Sr. No.	Name of School and date/ period of incident	Name of the Employee	Design ation	Details of Allegations	Departmental Action
1.	GMS, Sadewala (Sirsa) 5-12-2005	Subhash Chander	Sanskri t Teacher	Committed rape on a girl student. A case was registered at Police station Rania vide FIR No. 50 dated 10-2-06 under section 376 IPC	He was placed under suspension on 9-2-06 and he was dismissed from service on 1-3-06.
2.	GSSS, Durjanpur (Jind)	Sh. Ram Kumar	Math Master	Charge of rape on girl student. FIR No. 21 under section 376 (b) of IPC was registered in Police Station Uchana (Jind) on 8-2-06.	He was placed under suspension on 7-2-06 He was dismissed on 1-3-06 from Government service under Article 311 (2)(b) of the Constitution of India.

		Rameshwar Singh	PTI	Charge of rape on a girl student. Criminal case was registered in Police station Uchana (Jind) under Section 376(b) of IPC vide FIR No. 21 dated 8-2-06.	He was placed under suspension on 8-2-06 and his services were dismissed on 1-3-06 under Article 311(2) (b) of Constitution of India.
	During the month Jan., 2006	Sh. Krishan Kumar	SS Master	As officiating Head of the School he failed to discharge his duty. Allegedly he was in connivance with the culprits.	Fie was placed under suspension on 8-2-06 and he was charge sheeted under rule 7 on 24-4-06. Dy. Director HQ has been appointed as enquiry officer and has been asked to complete the enquiry within 30 days.
		Sh. Krishan Chander	SS Master	He was in complicity with the two rape culprits.	He was placed under suspension on 8-2-06. and he was charge

					sheeted under rule 7 on 24-4-06. Dy. Director HQ has been appointed as enquiry officer and has been asked to complete the enquiry within 30 days.
		Sh. Hajuri Dass Bhatia	DPE Master	He was also in complicity with the two rape accused.	He was placed under suspension on 8-2-06. He was charge sheeted under rule 7 on 24-4-06. Dy. Director HQ has been appointed as enquiry officer and has been asked to complete the enquiry within 30 days.
		Sh. Khajan Singh	Science Master	The two accused commited rape due to his acts of omission and	He was placed under suspension on 8-2-06. He was charge sheeted

				negligence.	under rule 7 on 24-4-06. Dy. Director HQ has been appointed as enquiry officer and has been asked to complete the enquiry within 30 days.
3.	GHS, Dharana (Jhajjar) 3-2-2006	Sh. Ramesh Kumar	Math Master	He is accused of moles- ting several girl students on different dates.	He was placed under suspension on 6-2-06. He was charge sheeted under rule 7 and Sh. I.M. Khunger Retd. IAS has been appointed as enquiry officer.
		Sh. Jagat Singh	Science Master	Committed Obscene Acts against a girl student of class VIII during Science Practical. He tried to physically molest her.	He was placed under suspension on 6-2-06. He was charge sheeted under rule 7 and Sh. I.M. Khunger Retd. IAS has been appointed as enquiry officer.

4.	GHS, Chudiala (Ambala) 18-2-2006	Rajesh Kumar	Hindi Teacher	Committed rape on a girl student on 18-2-06. A case was registered at police station Brara vide FIR No. 22 dated 19-2-06 under section 376,376 (b), 34 & 506 IPC.	He was placed under suspension on 19-2-06. and his services were dismissed on 28-2-06.
5.	Vishwas Sr. Sec. School Hisar 12-9-06	Sh. Rishi Sagar	Director	DC Hissar vide letter dt. 18-9-06 informed that the accused is guilty of sexual harassment and exploitation of girl students.	A criminal case was registered vide FIR No. 463 dated 19-9-06 under sections 147/148/ 434/427/452 of the IPC. The Director has been removed from his post and the management of the school has been taken over by the department. The City Magistrate Hisar has been appointed as Administrator of

					the institute.
6.	GSSS, Panipat 13-12-06	Sh. Narinder Singh	SS Master	He tried to molest two girl students of VII class by calling them at his residence when his wife was away. FIR No. 956 under section 354, 506, IPC was registered on 16-12-06.	He was placed under suspension on 16-12-06. and he has been charge sheeted under rule 7 on 20-2-07 Reply not received. Enquiry Officer appointed.
7.	GHS, Chitana (Sonepat) 18-1-07.	Sh. Ranbir Singh	Math Master	Committed Obsence Act against one girl student of class IX on 18-1-07.	He was placed under suspension on 30-1-07 and Charge sheeted under rule 7 has been issued on 7-3-07.
8.	GMS, Anandpur (Rewari) 14-2-07.	Sh. Samai Singh	SS Master	Committed Obsence Acts against girl students. Case has been registered in police station Bawal (Rewari) under section 294, 506 1PC vide FIR	He was placed under suspension on 22-2-07 and charge sheeted U/R 7 has been issued.

				No. 23 dated 14-2-2007.	

lour cases of sexual harassment have been reported in Govt. Primary Schools during the year 2006 and 2007. The details of these cases are as follows:—

Sr. No.	Name of the District	Name of the teacher and school	Date of incident	Details of allegations	Date of arrest	Date of suspension	Remarks
1.	Yamuna Nagar	Surender Singh, JBT Narender Kumar, J.B.T. Govt. Primary School, Bichpari	14-7-2006	Mole-station of girl student	18-7-2006 FIR No. 70 dated 15-7-2006 from Police station, Khizrabad	15-7-2006	Teachers have been dismissed
2.	Sirsa	Harbans Singh, Govt. Primary School, Kirpal Patti	28-2-2007	Mole-station of girl student	1-3-2007 FIR No. 42 dated 1-3-2007 Police station, Ellanabad	1-3-2007	Teacher has been dismissed from service
3.	Bhiwani	Sanjay, JBT Govt. Primary School, Lalwas	8-3-2006	Mole-station of of girl student	8-3-2006 FIR No. 49 dated 8-3-2006 Police, station, Tosham	8-3-2006	Teacher has been dismissed from service.

					Reinstated vide Spl. Judicial Magistrate, Bhiwani Court order on 12-9-2006		
4.	Rohtak	Raj Singh, Head Teacher Govt. Girls Primary School, Bhaini Matu	27-2-2006	Mole-station of girl student by teacher as reported by Sar-panch of the village	27-2-2006 FIR No. 46 dated 27-2-2006 Police station, Meham		Teacher has been dismissed from service.

Higher Education

Details of cases received on the subject during the year 2005, 2006 & 2007 are as under:-

Year 2005: Four cases of Sexual harassment were reported in Maharshi Dayanand University, Rohtak. One complaint was anonymous. Despite best efforts made by Standing Committee to check the menace of Sexual Harassment and Violence against Women (SCSHVW) of the University, the complaint could not be traced. Three cases were decided by the SCSHVW as under:-

1. In the first case, Ms. Sumedha Dhani, Lecturer

in the Department of Journalism, Maharshi Dayanand University, Rohtak complained against Mr. Rakesh Kumar, (Haryana Police Employee). The SCSHVW recommended to S.P. Rohtak for taking disciplinary action against the Haryana Police Employee. The S.P. Office suspended the official and chargesheeted him. However, the charges were not substantiated in the inquiry.

2. In the second case, Head Department of Mathematics, Maharshi Dayanand University, Rohtak complained against misbehaviour of Mr. Kulvir Singh, CSIR-SRF, Department of Mathematics, Maharshi Dayanand University, Rohtak with a student. In this case the offender apologized in writing and warning was given to him for strict action in future.

3. In the third case Divya Jyoti, Student, National Law College, Sector-40, Gurgaon complained against Mr. Sandeep Yadav, a student of the College. The Committee (SCSHVW) called the parents of Mr. Sandeep Yadav, Apology was submitted by the student and warning was given to him for the strict action against recurrence of such behaviour.

Year 2006: 1. Kurukshetra University, Kurukshetra has reported only one case of sexual harassment in the year 2006. The case was enquired into by the Gender Sensitisation Committee Against Sexual Harassment. (GSCASH) of the University. The committee submitted its report on 2-3-07 and the charges have not been substantiated.

2. One case of Sexual harassment was reported in CCS Haryana Agricultural University, Hisar. The complaint

was enquired into by the University and was dropped as not proved.

3. Three cases of Sexual harassment were reported in Maharshi Dayanand University, Rohtak.

In the first case, Ms. Meena Dalal, Employee, Non-Teaching, Maharshi Dayanand University, Rohtak complained against Mr. Gyan Singh Dahiya, Employee Maharshi Dayanand Unversity, Rohtak on 28-9-2006 to SCSHVW. The case is under investigation of the committee.

In the second case, Ms. Sudesh Nayyar, Assistant Librarian, Maharshi Dayanand University, Rohtak complained against Mr. K.C. Dabas, Deputy Librarian, Maharshi Dayanand University, Rohtak on 6-12-2006 to SCSHVW. The case is under investigation of the committee.

In the third case, Ms. Rahita, Student of Journalism Department of Maharshi Dayanand University, Rohtak complained against Mr. Rajesh Rukhi, Student of Physical Education Department of the University. The offender student apologized in writing and a warning for strict disciplinary action was given to him.

Year 2007: No case of Sexual harassment has been reported in any University in the State.

STEPS TAKEN TO STOP RECURRENCE OF SUCH INCIDENTS IN FUTURE

1. Harsh steps like dismissal from service of the employes involved have already been taken. Enquiry against those who have been charge sheeted will be completed shortly

and they will also be suitably punished.

2. Directions have been issued to all the field officers to take such incidents most seriously in future. Departmental committees in the Head Office as well as field offices have been constituted to look into all such complaints with utmost seriousness.

3. The Department has decided not be posted male teachers below 50 years in institutions of girl students.

4. The officers of the Department have been sensitized in various departmental meetings regarding this menace. They have been directed to further sensitize the Heads of the individual institutions in the field.

5. The following committees have been constituted in the Universities to stop recurrence of cases of Sexual harassment:—

Sr. No.	Name of the University	Name of the Committee
	Kurukshetra University, Kurukshetra	Gender Sensitisation Committee Against Sexual Harassment. (GSCASH)
	Maharshi Dayanand University, Rohtak	Standing Committee of Sexual Harassment and Violence against Women (SCSHVW)
	Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural	Women Cell/Complaint

	University, Hisar	Committee.

श्री ज्ञान चंद ओढ़: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं. कि सरकार का यह फैसला है कि लड़कियों के कॉलेज में या तो लेडी टीचर्ज पढ़ाने के लिए लगाई जाएं या पचास साल से अधिक उम्र के अध्यापक लगाए जाएं जिससे बच्चों को पढ़ने में फायदा भी होगा और सहूलियत भी होगी और पिछले दिनों स्कूलों में जो शर्मनाक काम हुए हैं उनसे भी बच्चे बच सकेंगे।

श्री फूल चंद मुलाना: अध्यक्ष महोदय,माननीय सदस्य ने बिलकुल ठीक सवाल किया हे। सरकार ने यह निर्णय लिया है कि 50 साल से कम की आयु के अध्यापक स्कूलों में न लगाए जाएं। यदि महिला टीचर्ज उपलब्ध होती हैं तो प्रिफरैबली महिलाओं .... हैं यदि उपलब्ध नहीं होती तो 50 साल से अधिक उस वाले अध्याप कों को ही लडकियो के स्कूल में लगायेगे। ऐसे घिनौने कार्य जो हुए हैं उन घिनौने कृत्यों को रोकने के लिए चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में यह पहली सरकार है, जिसने 8 लोगों को डिसमिस किया है।

Kidnapping of Children and Youths in the State

***638. Sh. Ishwar Singh Plaka:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of cases of kidnapping of children and youths up to the age of 25 years that has come to notice

of the Government during the year 2005, 2006 and 2007 to till date; and

(b) whether any survey with regard to above has been conducted by the Government in this regard; if so, action taken or proposed to be taken against the guilty ?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala):

(a) & (b) A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) Number of cases registered regarding abduction/kidnapping of persons below the age of 25 during 2005, 2006 and 2007 are as follows .

2005	2006	2007 (upto till date)
214	251	52

(b) No special survey has been done by the Police Department. However the Police Department maintains data regarding all abductions/ kidnapping cases, since FIRs are registered in all such cases. Regarding missing children who run away from homes entries are made in the Daily Diary of the Police Station and enquiries are made to rule out foulplay. If parents suspect foulplay, FIRs are registered and suspected persons are interrogated.

श्री ईश्वर सिंह पलाका: अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2006 से लेकर आज तक ऐसे बहुत से केसिज हुए हैं कि बच्चे घर से

गायब हो गए थे। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि उन बच्चों के साथ क्या घटना घटी हे और ऐसे कितने केसिज सरकार के पास हैं?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: स्पीकर सर, वर्ष 2005 में किडनैपिंग फॉर रैनसम के 8 केसिज सरकार के नोटिस में आए थे और वे सभी केसिज दर्ज करके हल कर दिये गये थे। वर्ष 2006 में 10 केसिज दर्ज हुए और 10 के 10 केसिज में सरकार ने ट्रेस कर लिया। वर्ष 2007 में केवल एक केस दर्ज हुआ है और वह भी हमने ट्रेस कर लिया हे इसलिए 100 परसैंट सक्सेस है

Present Power Position in the State

***588. Dr. Sita Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state the present position of power supply being provided in the Rural as well as in the Urban Areas in the State ?

Revenue Minister (Capt. A jay Singh Yadav): Sir, at present 20-22 hrs electricity supply is being maintained in the Urban Sector and around 14-15 hrs supply is being maintained in the Rural Sector, which includes 7-8 hrs 3 phase supply to tube-wells.

डॉ० सीता राम: अध्यक्ष महोदय,मेरे सवाल के जवाब में मंत्री महोदय ने बताया है कि प्रदेश के अंदर शहरी क्षेत्रों में 20 से 22 घंटे बिजली उपलब्ध है और गांवों के बारे में बताया है कि 7 –8 घंटे तक बिजली तीन फेज के टयूबवैल्ज की सप्लाई के लिए

उपलब्ध है। एक तरफ तो सरकार और मुख्यमंत्री महोदय पब्लिक में जहां भी जाते हैं वहां कहते हैं कि बिजली की बड़ी भारी दिक्कत है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप इस बारे में स्पेसिफिक क्यैशचन पूछे।

डॉ० सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय के इस रिप्लाई से मैं संतुष्ट नहीं हूं। एक तरफ तो ये कहते हैं कि प्रदेश में इस समय 5 हजार मेगावाट बिनली की कमी है और दूसरी तरफ यह बात ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस कह रहे हैं कि शहरी क्षेत्रो में 20 से 22 घंटे बिजली उपलव्य है। जनता के बीच में जाकर के अलग आवाज है और ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस अलग आवाज है। यह विरोधाभास है। सरकार ऐल्चुअल स्थिति से अवगत कराए। मैं गांव में रहता हूं वहां 3–4 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं आती है। सरकार ने जो आकड़े दिये हैं वे .....

श्री अध्यक्षः सीता राम जी. जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि माननीय सदस्य ने क्या प्रश्न किया है। इनके प्रश्न के संदर्भ में प्रदेश में इस समय बिजली की जो स्थिति है उसके बारे में मैंने बताया है और इन्होंने यही पूछा हे कि "Whether the Chief Minister be pleased to state the present position of power

supply?". आज तो बरसात काफी हो गई है पावर की हालत आज ठीक है।

डा० सीता रामः सर मैंने जब यह प्रश्न दिया था उस समय की स्थिति माननीय मंत्री जी बता दें।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी जवाब दे रहे हैं इसलिए माननीय सदस्य पहले उनका जवाब सुन लें उसके बाद यह जितने चाहे सवाल पूछ सकते हैं उनका जवाब भी दे दिया जायेगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने दिसम्बर में यह प्रश्न दिया था। उसके संदर्भ में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि वर्तमान सरकार ने पावर सैक्टर के लिए बड़े कदम उठाये हैं। बिजली की जो आज कमी है उसके लिए जितनी यह सरकार जिम्मेवार है उतनी जिम्मेवार पिछली सरकारें भी रही हैं। इसके बारे में मैं सदन में आकड़े बता देता हूं। पिछली सरकार ने अपने पांच साल के समय में बिजली के बारे में जो टोटल कैपीटल एक्पैडीचर किया वह था 4095 करोड़ रुपये और टोटल इक्विटी थी 804 करोड़ रुपये। जबकि वर्तमान सरकार ने दो साल के समय में ही टोटल एऐक्सपैंडीचर किया है वह है 3748 करोड़ रुपये और जो शेयर सरकार का है वह है 1086 करोड़ रुपये। पिछली सरकार के समय में वर्ष 2003 –2004 में दूसरे प्रदेशों से शॉट टर्म के लिए बिजली खरीदने के

लिए जो पैसा दिया वह था आ. 15 करोड़ रुपये और वर्ष 2004–2005 में जो कि इलैक्शन ईयर था उसमें पिछली सरकार ने दूसरे स्टेट से शॉट टर्म के लिए बिजली खरीदने के लिए पैसा दिया वह था 814 करोड़ रुपये। जबकि वर्तमान सरकार ने दो साल के समय में दूसरे स्टेट से शॉट टर्म बिजली खरीदने के लिए 1240.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वर्ष 2005–2006 में प्रदेश में बिजली सप्लाई में 7 प्रतिशत वृद्धि हुई है और वर्ष 2006–07 में इसमें 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस प्रकार दो साल में 16 प्रतिशत पावर सप्लाई में वृद्धि हुई है। दूसरी बात मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि एग्रीकल्चर सैक्टर के लिए पिछली सरकार द्वारा दिसम्बर महीने में वर्ष 2004–2006 में जो बिजली सप्लाई की गई वह थी 278 लाख यूनिट प्रति दिन थी जबकि वर्तमान सरकार के समय में दिसम्बर महीने में बिजली की सप्लाई रही है 300 लाख यूनिट प्रति दिन इसलिए पिछली सरकार से वर्तमान सरकार ने हमेशा ही बिजली की सप्लाई ज्यादा की है। चाहें तो आप आकड़े देख सकते हैं। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि वर्तमान सरकार आने के बाद बिजली की सप्लाई को ठीक करने के लिए काफी कदम उठाये हैं जैसे 600 मैगावाट यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट का कार्य पूरा करने का काम इस सरकार ने किया है।

डा० सीता रामः अध्यक्ष महोदय, यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट का कार्य हमारी सरकार के समय शुरू किया गया था।

Mr. Speaker: Dr. Sahib, don't interrupt the House. I will provide you full opportunity to speak.

डॉ० सीता राम: अध्यक्ष महोदय, प्रश्न काल समाप्त होने वाला है लेकिन कैप्टन साहब बिजली के बारे में जवाब दे रहे हैं जो कि बहुत ही सैसटिव ईशु है। इसलिए इस पर सदन में आधे घण्टे की डिस्कशन होनी चाहिए। (विघन)

श्री अध्यक्ष: डाक्टर साहब, आप किस रूल के तहत डिस्क्शन चाहते हैं। प्लीज आप बैठें। माननीय सदस्यगण प्रश्न काल समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Distribution System of Ration

646. Sh. Harsh Kumar: Will the Deputy Chief Minister be pleased to state—

(a) the criteria adopted to distribute the kerosene oil, foodgrain and other food material to the three(green, yellow and pink) ration card holders; and

(b) whether any ration card holder can get his ration in the next month with regard to ration of previous months for which he was deprived of the ration ?

उप मुख्यमंत्री (श्री चन्द्र मोहन): श्री मान जी, विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

(क) लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गेहूं, चावल, चीनी तथा मिट्टी का तेल वितरित किया जाता है। हरे, पीले तथा गुलाबी राशन कार्डधारकों का इन वस्तुओं का मासिक वितरण पैमाना निम्न प्रकार से है –

श्रेणी		वस्तु		वितरण पैमाना
1	गरीबी रेखा से ऊपर के कार्डधारक (हरे कार्ड)	(1)	गेहूं	25 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड
		(2)	चावल	10 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड
	गरीबी रेखा से नीचे के कार्ड धारक (पीले कार्ड)	(1)	गेहूं	25 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड
		(2)	चावल	10 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड
		(3)	चीनी	235 ग्राम प्रति सदस्य
	अन्त्योदया राशन कार्ड धारक	(1)	गेहूं	25 किलोग्राम प्रति

	(गुलाबी कार्ड)			राशन कार्ड
		(2)	चीनी	235 ग्राम प्रति सदस्य
2	सभी कार्डधारक जिनके पास गैस कनैक्शन नहीं है।		मिट्टी का तेल	55 लीटर प्रति राशन कार्ड

(ख) हां श्रीमान जी।

Policy for Advertisement in News Papers/ Electronic Media

***650. Sh. Ranbir Singh Mahendra:** Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government has formulated any policy for releasing Government advertisements to the Newspapers and electronic media; if so, the details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): जी नहीं, श्रीमान।

Set up 220 KV Sub-station at Nangal Kalan, District Sonipat

***634. Shri Ramesh Kaushik:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 220 KV Sub-station at Nangal Kalan, District Sonipat; and

(b) whether there is also any proposal under consideration of the Government to upgrade the Sub-stations

of Rai constituency; if so, the name thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(ए) नहीं, श्रीमान।

(बी) नहीं श्रीमान।

Development Charges in M.C. Bhiwani

***647. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj:** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that before 28th August, 2006 in the name of change of property, the Municipal Committee, Bhiwani has charged Rs. 463/- per square yard from commercial and Rs. 120/- square yard from residential houses;

(b) whether the aforesaid charges are not illegal as the development charges are levied only at the time of getting the plan approved; and

(c) whether the aforesaid charges are contrary to Law; if so, the action taken or proposed to be taken against the officials who realized the said amount ?

शहरी विकास राज्य मंत्री (श्रीमती सावित्री जिन्दल):

(क) हां श्रीमान् जी, सरकारी नीति अनुसार विकास शुल्क लिये गये हैं।

(ख) नहीं श्रीमान् जी

(ग) नहीं श्रीमान् जी

Vacant Posts of Teachers in Government Colleges and Schools

***666. S.S. Surjewala & Sh. Ram Kumar Gautam and Sh. Dharmpal Singh Malik :** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the details of subject-wise vacant posts of teachers of all categories in Government Colleges and Schools in the State;

(b) up to what time these posts are likely to be filled up ; and

(c) whether there is any proposal under consideration to regularize services of guest teachers already working in the State ?

शिक्षा मंत्री (श्री फूल बन्द मुलाना): श्रीमान जी, वक्तव्य सदन के पटल पर रखा जाता है।

वक्तव्य

(क) हरियाणा राज्य में जे०बी०टी० अध्यापक का कोई पद रिक्त नहीं है क्योंकि सभी रिक्त पदों पर अतिथि अध्यापकों की नियुक्तियां की जा चुकी हैं।

राज्य उच्च विद्यालयों तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में सभी वर्गो के अध्यापकों के विषयवार रिक्त पद निम्नानुसार हैं: ––

क्र० सं०	विषय	कुल रिक्त पद
1.	जीव विज्ञान	0
2	रसायन शास्त्र	13
3.	वाणिज्य	0
4	कम्प्यूटर विज्ञान	0
5.	अर्थ शास्त्र	215
6.	अंग्रेजी	607
7	ललित कला	19
8.	भूगोल	147
9.	हिन्दी	730
10.	इतिहास	730
11	गृह विज्ञान	35
12.	गणित	35

13.	संगीत	11
14.	शारीरिक शिक्षा	21
15.	भौतिकी	34
16.	राजनीति शास्त्र	534
17.	मनोविज्ञान	15
18.	लोक प्रशासन	5
19.	पंजाबी	30
20.	संस्कृत	157
21.	समाज शास्त्र	26
	जोड	3122

टिप्पणीः अतिथि अध्यापकों की नियुक्तियां करके 2146 पद भर लिये गये हैं तथा कुल 976 पद रिक्त हैं।

मास्टरों के रिक्त पद

क्र० सं०	विषय	कुल रिक्त पद
1	डी०पी०ई०	716

2.	गृह विज्ञान	56
3.	गणित	1187
4.	विज्ञान	1585
5.	सामाजिक विज्ञान	1863
6.	कृषि विज्ञान	4
7	ललित कला	2
8.	संगीत	8
	जोड़	5421

टिप्पणी अतिथि अध्यापकों की नियुक्तियां करके 4034 पद भर लिये गये हैं तथा कुल 1387 पद रिक्त हैं।'

सी० एण्ड बी० अध्यापकों के रिक्त पद

क्र० सं०	विषय	कुल रिक्त पद
1.	कटाई एवं सिलाई	10
2	कला	1016
3.	हिन्दी	708

4.	पी०टी०आई०	2341
5	पंजाबी	112
6.	संस्कृत	100
7	उर्दू	1
	जोड़	5195

टिप्पणी अतिथि अध्यापकों की नियुक्तियां करके 1654 पद भर लिये गये हैं तथा कुल 3641 पद रिक्त हैं।

राजकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के पद विषयवार स्वीकृत नहीं किए गए हैं। अतः राजकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के रिक्त पदों की विषयवार गणना करना सम्भव नहीं है। तथापि, राज्य के सभी राजकीय महाविद्यालयों के लिए प्राध्यापकों के कुल 2415 पद स्वीकृत हैं। इस समय राजकीय महाविद्यालयों में 2187 प्राध्यापक नियमित आधार पर, 54 प्राध्यापक तदर्थ आधार पर तथा 125 प्राध्यापक अतिथि प्राध्यापकों के रूप में कार्यरत हैं, इस प्रकार प्राध्यापकों के 54 पद रिक्त हैं।

(ख) प्राध्यापकों के 814 पद, मास्टरों के 2418 पद तथा सी० एण्ड वी० अध्यापकों के 3798 पद भरने के लिए दिनांक 28–6–2006 को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग, पंचकूला को मांग भेजी गई है। इस मांग में जे०बी०टी० अध्यापकों के 3463 पद सम्मिलित हैं।

सी० एण्ड वी० वर्ग, मास्टर वर्ग तथा प्राध्यापक वर्ग में 50 प्रतिशत क्षितिजीय आरक्षण प्रदान करने के सरकार के निर्णय के विरूद्ध माननीय उच्च न्यायालय में एक सिविल रिट याचिका संख्या 13087/2006 दायर की गई है। माननीय उच्च न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 10– 10–2006 के अन्तर्गत निर्देश दिया है कि 'चयन प्रक्रिया सम्पन्न की जायेगी परन्तु इन लम्बित याचिकाओं का अन्तिम निर्णय होने तक उसका परिणाम घोषित नहीं किया जायेगा।' '

(ग) नहीं, श्रीमान जी।

New Excise Policy

***596. Dr. Sushil Indora:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the revenue realised under the new excise policy during the financial year 2006-2007; and

(b) whether the revenue realised during the current financial year 2006-07 is more or less in comparison of the revenue of the previous financial year 2005-06 ?

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) नई आबकारी नीति के तहत वर्ष 2006–07 के दौरान माह फरवरी, श्का तक 1073.63 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हो चुका है।

(ख) वर्ष 2005–06 में सम्बन्धित समय के दौरान 984.97 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ था। इस प्रकार चालू वर्ष के दौरान माह फरवरी तक पिछले वर्ष के सम्बन्धित समय की तुलना में 88.66 करोड़ रुपये अधिक राशि प्राप्त हुई जिसकी बढौतरी 9 प्रतिशत है।

Repair of Road from Kaliawas to Badli

***677. Sh. Naresh Kumar Sharma:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the portion of road from Kaliawas to Badli which is in deteriorated condition; if so, the time by which the aforesaid portion of the road is likely to be completed ?

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): हां, श्रीमान जी। कालियावास से बादली सड़क की मरम्मत को आठ महीने के समय में पूरा होने की संभावना है।

Untraced Murder Cases

•**660. Sh. Tejendera Pal Singh Mann:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of cases of Murder lying untraced in Kaithal district at present ; and

(b) whether any enquiry has been conducted in this matter; if so, the results thereof ?

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) एवं (ख) वांछित सूचना सदन के पटल में रखी जाती है।

सूचना

(क) (1) मुकदमा 47 दिनांक 30–3–2006 धारा 302 भा०द०स० थाना कलायत जिला कैथल जिसमें दोषी की मृत्यु होने पर दिनांक 10–5–2006 को अदमपता रिपोर्ट लिखी गई।

(2) हत्या के मुकदमा नं० 36 दिनांक 14–2–2006 धारा 302/392 भा०द०सा० थाना राजौन्द, जिला कैथल को अदमपता रिपोर्ट लिखकर दिनांक 31 –7– 2006 को न्यायालय में दिया जा चुका है, परन्तु दिनांक 8–12–2006 को न्यायालय के आदेश से दोबारा अनुसंधान के लिए दिया गया है।

(ख) जांच स्थानीय पुलिस से करवाई गई। जिसमें एक मुकदमा क्रमांक (1) जो दिनांक 10–5–2006 अदमपता रिपोर्ट लिखकर न्यायालय में भेज दिया है जो न्यायालय में विचाराधीन है और दूसरा अन्य क्रमांक (2) जिसमें दूसरे मुकदमा की तफतीश दिनांक 8–12–2006 को दोबारा अनुसंधान के लिए न्यायालय के आदेश से प्रबन्धक थाना राजौन्द को दिया गया है।

Opening of Anganwari Centre at Village Narnaund

681. Shri Ram Kumar Gautam: Will the Minister for Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open Anganwari

Centre at Village Narnaund in Narnaund Constituency ?

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Maintenance of Rest Houses of Market Committees in the State

61. Dr. Sushil Indora: Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. for the repair /proper maintenance of Rest Houses of the Market Committees in the State ; and

(b) whether there is also any proposal under consideration of the Government to appoint any Care-Taker in the Rest House of Market Committee, Rania, District Sirsa ?

कृषि मंत्री (सरदार एच०एस० चट्ठा):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) नहीं, श्रीमान् जी।

Construction of Railway Over Bridge on Palwal-Mohana-Alawalpur Road

51. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Railway Over Bridge on PalwalMohna-Alawalpur Road in Palwal constituency; and

(b) if so, the time limit by which the above-said proposal is likely to be materialized ?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख) उपर के संदर्भ में, कोई समय सीमा नहीं दी जा सकती।

Setting up Industries in Industrial Backward Areas

65. Sh. Balwant Singh: Will the Minister for Industries be pleased to state the details of the new Industries set up in the Industrial backward areas togetherwith the details of amount spent thereon in the State during the period from 1st April, 2005 to till date and details of persons employed in the above-said industries ?

उद्योग मंत्री (श्री लछमन दास अरोड़ा): श्रीमान राज्य के पिछड़े औद्योगिक क्षेत्रों में 1 –4–2005 से अब तक की अवधि में 384 नए उद्योग स्थापित किए गए जिन पर 13145.22 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है और उपरोक्त उद्योगों में 5250 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया है। इसकी जिलावार सूचना अनुबंध 'क' पर उपलब्ध है।

अनुबंध 'क

राज्य के पिछड़े औद्योगिक क्षेत्रों में 1 –4–2005 से अब तक की अवधि में 364 नए उद्योग स्थापित किए गए जिन पर

13145.22 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है और उपरोक्त उद्योगों में 5250 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया है। इसकी जिलावार सूधना नीचे दी गई है:––

क्र०	जिला का नाम	औद्योगिक दृष्टि से घोषित पिछड़े खण्ड का नाम	इकाइयां लघु तथा बड़े एवं मध्यम	उद्योगों द्वारा पूंजी निवेश (रु० लाखों में)	रोजगार
1.	अम्बाला	बराड़ा, नारायणगढ़, शाहजादपुर	11	85.62	112
2	भिवानी	भादरा, भिवानी खेड़ा, दादरी–।। लोहारू दादरी–। तोशाम, सिवानी, कैरू	10	365.00	78
3.	फरीदाबाद	होडल, पलवल, हासनपुर	27	2659.63	1921
4.	फतेहाबाद	भट्टूकलां, भूना, फतेहाबाद रतिया, टोहाना	7	244.39	173

5.	गुडगांव	पटौदी. फारूख नगर	10	3213.68	521
6.	हिसार	आदमपुर अग्रोहा, नारनौंद उकलाना, बरवाला	10	345.00	192
7.	झज्जर	बेरी, झज्जर, मातनहेल, साल्हावास	3	2.59	14
8.	जीन्द	अलेवा, जीन्द, जुलाना, नरवाना, पिलूखेड़ा, सफीदों, उचाना	8	129.50	68
9.	कैथल	कैथल, गुहला, कलायत, पुण्डरी, राजौंद	5	17.10	24
10.	करनाल	असंध, इन्दरी, नीसिंग	7	122.48	65
11.	कुरुक्षेत्र	लाडवा बाबैन	2	9.37	21
12.	मेवात	हथीन, तावडू, नूंह, नगीना, पुन्हाना, ले फिरोजपुर झिरका	6	3600.6	233
13.	महेन्द्रगढ़	नारनौल, नांगल चौधरी, अटेली, महेन्द्रगढ़,	7	23.45	38

		कनीना			
14.	पंचकूला	पिंजौर, मोरनी, बरवाला, रायपुररानी	66	628.75	452
15	पानीपत	इसराना, मडलौडा, बपौली, समालखा	3	193.38	50
16.	रिवाड़ी	खोल, जाटूसाना, नाहर	2	38.58	27
17	रोहतक	रोहतक, कलानौर, लाखन माजरा, महम, सांपला	75	649.88	483
18.	सिरसा	बारगुडा, डबवाली, ऐलनाबाद, नाथूसारी चौपटा, औंधान, रानिया, सिरसा	104	426.17	608
19.	सोनीपत	खरखौदा, गोहाना, मुंडलाना, कधूरा	15	98.58	92
20.	यमुनानगर	सढौरा, छछरौली, बिलासपुर, मुस्तफाबाद	6	91.43	78
			384	13145.22	5250

Work done in M.C. Bhiwani

72. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj: Will the State Minister for Urban Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that some works were done during the year 2003-04 in Municipal Council, Bhiwani without inviting tenders.

(b) if so, whether any enquiry has been conducted for the above said works; if so, the result thereof; and

(c) whether the payment for the said works have been made; if so, the total amount thereof ?

शहरी विकास राज्य मंत्री (श्रीमती सावित्री जिन्दल): (क।) नहीं, श्रीमान् जी।

(ख) नहीं, श्रीमान् जी।

(ग) नहीं, श्रीमान् जी।

Cases of Malaria and Dengue (Fever) in the State

48. Dr. Sita Ram: Will the Minister for Health he pleased to state the details of district-wise cases of Malaria and Dengue (Fever)) detected in the State since 2005 till date and deaths occurred due to it; alongwith the steps taken by the Government to control the above said diseases ?

स्वास्थ्य मन्त्री (बहिन करतार देवी): राज्य में वर्ष 2005 से अब तक जिलावार हुए मलेरिया तथा डेंगू (बुखार) के केसों का ब्यौरा अनुबन्ध–। व अनुबन्ध।। अनुसार है तथा इस सरकार द्वारा रोगों के नियन्त्रण हेतु निम्नलिखित पग उठाए गए हैं: –

(1) जिन क्षेत्रों में मलेरिया केस पाये जाते हैं वहां डैल्टामैथरीन या मैलाथीन कीटनाशक दवाई का छिड़काव किया गया हैय

(2) बीमारी फैलाने वाले मच्छरों के रोकथाम हेतू लारवानाशक कार्य और फौगिंग किए गए हैंय

(3) वातावरण अनुकुल लारवाभक्षक मछलियों को प्रयोग में लाया गया हैय

(4) जनता को इन रोगों के बारे, इनसे बचाव व इनकी रोकथाम के बारे में शिक्षित किया गया है,

(5) ज्वर ग्रस्त रोगियों की रक्त पट्टिकाए बनाई जाती हैं और जिनमें मलेरिया के कीटाणु पाए जाते हैं, उनका उपचार किया गया है।

अनुबन्ध– 1

जिलावार मलेरिया केसिस–2005 से जनवरी 2007 तक का ब्यौरा

जिले का नाम	2005			2006			2007 (जनवरी तक)		
	पी०वी० मलेरिया	पी०एफ० मलेरिया	मृत्यु	पी०वी० मलेरिया	पी०एफ० मलेरिया	मृत्यु	पी०वी० मलेरिया	पी०एफ० मलेरिया	मृत्यु

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अम्बाला	284	0	0	293	3	0	0	0	0
भिवानी	1613	2	0	1834	10	0	4	0	0
फरीदाबाद	161	24	0	188	97	0	0	0	0
फतेहाबाद	208	19	0	933	6	0	1	0	0
गुड़गांवा	124	3	0	91	3	0	0	0	0
हिसार	1731	25	0	3340	15	0	3	2	0
झज्जर	1305	2	0	1710	2	0	1	0	0
जीन्द	763	2	0	5932	12	0	12	0	0
कैथल	1162	1	0	1753	4	0	0	0	0
करनाल	6241	12	0	8817	17	0	13	0	0
कुरुक्षेत्र	145	1	0	106	4	0	0	0	0
मेवात	134	24	0	202	116	0	1	2	0
नारनौल	362	15	0	433	16	0	2	1	0
पंचकुला	108	2	0	411	53	0	0	0	0

पानीपत	7278	29	0	8137	20	0	29	0	0
रिवाड़ी	235	5	0	282	2	0	1	0	0
रोहतक	3374	3	0	4494	2	0	3	0	0
सिरसा	214	12	0	322	8	0	0	0	0
सोनीपत	7439	62	0	7067	115	0	13	1	0
यमुनानगर	125	1	0	228	2	0	0	0	0
कुलः–	33006	244	0	46570	507	0	83	6	0

अनुबन्ध–II

जिलावार डेन्गू केसिस–2005 से जनवरी 2007 तक का ब्यौरा

जिले का नाम	2005		2006		2007 (जनवरी तक)	
	केसिस	मृत्यु	केसिस	मृत्यु	केसिस	मृत्यु
1	2	4	5	7	8	10
अम्बाला	0	0	15	0	0	0
भिवानी	6	0	16	0	0	0

फरीदाबाद	56	0	301	1	0	0
फतेहाबाद	1	0	24	0	0	0
गुड़गांवा	2	0	206	0	0	0
हिसार	9	0	65	1	0	0
झज्जर	0	0	11	1	0	0
जीन्द	0	0	8	0	0	0
कैथल	0	0	0	0	0	0
करनाल	1	0	7	0	0	0
कुरुक्षेत्र	0	0	3	0	0	0
मेवात	0	0	4	0	0	0
नारनौल	0	0	9	0	0	0
पंचकुला	0	0	54	0	0	0
पानीपत	0	0	12	0	0	0
रिवाड़ी	0	0	7	0	0	0
रोहतक	1	1	26	1	0	0

सिरसा	6	0	24	0	0	0
सोनीपत	0	0	8	0	0	0
यमुनानगर	1	0	3B	0	0	0
कुल:–	183	1	838	4	0	0

Sanction of play Ground/Sports stadium in Village Dhal Palia Block Ellenabad

63. Dr. Sushil Indora: Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that any sanction was accorded by the previous Government for construction of Playground /Sports Stadium in village Dhal Palia, Block Ellenabad; and

(b) if so, the time limit by which the above said Playground/Sports Stadium will be completed ?

शिक्षा मंत्री (श्री फूलचन्द मुलाना):

(क) नहीं, श्रीमान् जी।

(ख) यद्यपि वर्तमान सरकार ने उपरोक्त गाँव धालपालिया, खण्ड ऐलनाबाद में ग्रामीण स्टेडियम बनाने कृषि विपणन बोर्ड द्वारा किया जायेगा। निर्माण कार्य दिनांक 15–6–2007 तक सम्पन्न होने की संभावना है।

Shifting of villages from Police Station Charihat to

Police Station Sadar Palwal

52. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Chief Minister be pleased to state that whether it is a fact that the following villages are being shifted/transferred from Police Station Charihat to Police Station Sadar Palwal in District Faridabad:-
-

1 Kikwari

2 Nangal brahamin

3 Talaka

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): जी श्रीमान्।

L.A.D.T. Fund of Municipal Committee, Bhiwani

73. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj: Will the State Minister for Urban Development be pleased to state—

(a) the details of the amount of L.A.D.T. fund released to Municipal Committee, Bhiwani after March, 2005 ; and

(b) whether the aforesaid amount has been equally distributed to all works of the Municipal Committee, Bhiwani; if so, the details thereof ?

शहरी विकास राज्य मंत्री (श्रीमती सावित्री जिन्दल):

(क) 2005 –06 300.00 लाख

2006 –07 192.99 लाख

(ख) हां श्रीमान् जी, कार्यो की सूचि संलग्न है।

सूची

1 सी० सी० पेविग आफ सट्रीट फरोम भारद्वाज नर्सिंग होम दू आनन्द नर्सिंग होग रोहतक गेट

2 –सम– फरोम राजू जोगी दु गोपाल कौशिक एवं गली बाबा किशोरी मंदिर

3. –सम– खिलाराम टू रामकुमार एवं हवा सिंह टू छबीलदास

4 ब्रीक पेविग स्ट्रीट विशाल टेलर दू रमेश चन्द्र भरत नगर वार्ड नं० 8

5. –सम– चन्द्र चौधरी दु सुरेश शर्मा बिहाइन्ड विवेकानन्द स्कूल

6. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट दयानन्द दू शिवकुमार अमरनाथ टिब्बा बस्ती वार्ड–।।

7. –सम– धन्ना बागडी दू रतनलाल सोलंकी, हनुमान गेट गली नं० 1

8. –सम– रमेश हवलदार दु श्याम डेरीवाला, हनुमान गेट गली नं० 2

9. –सम– अजीत सिंह दू फिता फैक्टरी नीयर विधान मंदिर वार्ड नं० 13

10. –सम– रतिराम दू वीरभान नीयर विधान मंदिर

11. –सम– सतपाल दी हट्टी दू मास्टर रघुनाथ बेक आफ दादरी आक्ट्राय

12. –सम– धर्मशाला अमरलाल दू वेदप्रकाश, रामगंज मौहल्ला।

13. –सम– मौहल्ला कुम्हारान, हनुमान गेट वार्ड नं० 13

14. –सम– जीनु पब्लिक स्कूल चोक दू सरकुलर रोड एण्ड धर्मशाला अमरलाल रामगंज मी० वार्ड 13

15 –सम– कृष्ण कुम्हार, राम गंज मौहल्ला वार्ड– 13

16. –सम– सुरेश कुमार दू रामकिशन मिस्त्री धनकान मौहल्ला नीयर चन्दगीरी स्कूल

17. –सम– गली गधधारे ब्राहमण, नानक मास्टर दू साधू चक्की एवं शिव शर्मा विरभान पाना वार्ड– 14

18. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रैन एवं सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट धानकान मौहल्ला. जेन चोक वार्ड– 14

19 –सम– राजकुमार अग्रवाल दू अनुप कुमार नीयर नीम चोक, वीरभान पाना वार्ड– 15 20. –सम– ओमप्रकाश सैनी दु वेदप्रकाश धानी सुगलान बीचवाना जौहर

21 –सम– शाप आफ पासी टू पवन गली, भगवान, हल्लु बाजार वार्ड– 16

22 कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रैन टाईप– 1 एवं सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट फरोम हाऊस आफ सुरेश टू रामअवतार बेक साईड तिलक भवन वार्ड– 17

23. सी०सी० पेविग अगरसैन दू बालकिशन दू गीरवार दू मांगेराम मैननान पाना वार्ड– 17 24. –सम– शॉप आफ खजान दू मामन एण्ड कृष्ण गोयल खाती जैन चोक

25 –सम– चोक मस्तान दू सोप आफ कलेन वार्ड– 18

26. –सम– पण्डितान की पारस दु चोक वार्ड– 18

27. –सम– मस्तान चौक दू श्याम सुभाष गली वार्ड– 16

28. –सम– ढाणी सरोजियन वार्ड– 19

29. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रैन टाईप–। हालु मौहल्ला

30. सी०सी० पेविंग कालू दु जयमल श्यामपुरा मौहल्ला वार्ड–23

31 –सम– हालुवास गेट नई बस्ती हाऊस आफ रामकुमार दू रामनिवास

32 बी०पी० विद ड्रैन देशराज दू मामन प्रजापत, शास्त्री नगर।

33. –सम– तौशाम बाईपास दू सुखीदेवी।

34. सी०सी० पेविग न्यू आदर्श नगर दू माल गोदाम रोड वार्ड 25

35 –सम– केशर सरदाना दू राजकुमार शर्मा वार्ड–25

36. –सम– अमित दू सोहनलाल बेक आफ वैश कालेज कृष्णा कालोनी

37. –सम– सोडा फैक्टरी बेक नीयर बीटीएम चोक वार्ड–26

38. –सम– महीपाल टू सूरजमल, अपोजिट पार्क कालोनी, बीटीएम रोड वार्ड–26

39. बी०पी० नीयर धर्मशाला मिढन, रेलवे स्टेशन वार्ड –26

40. –सम– शिव कालोनी नीयर दीनोद रोड वार्ड 27

41 –सम– प्रताप दु मोहिन्द्र रूद्रा कालोनी

42. –सम– लोगीदेवी टू धर्मेन्द्र वालिया वार्ड 29

43. सी०सी० पेविंग औमप्रकाश दु बालकिशन एवं मंगत टू लुक राम वार्ड 31

44. –सम– नन्दलाल दू रमेश दाण्डा वार्ड 31

45 –सम– बेकसाईड आफ सुन्दर सिंह टू जितेन्द्र पुत्र कैशवराम एवं बाबा चमनशाह मंदिर

46. बी०पी० मुरलीधर शास्त्री दू कुन्द रोड नीयर भारत गैस गौदाम

47 साइ०सी० पेविग शास्त्री बाला चौक दू मंदिर वाला चौक

48. –सम– बीकेपीएम खरोड़ भवन दू टिकिया भवन

49. –सम– मदनलाल जगत कालोनी

50. –सम– हाऊस नं० 53 टू 64 जगत कालोनी

51. –सम– नीयर हाऊस आफ कंवर पाल डी०सी० कालोनी

52 वी०पी० राजवीर दू सरवन वार्ड 29

53 कन्क्रक्यान आफ ड्रैन ढाणी चरखान

54 सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट हलवास गेट दू पवन सूट पार्क हलवास गेट वार्ड 23

55. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रैन टाईप– 1 एवं लेईग एवं सी०सी० येविग आफ स्ट्रीट बनी सिंह दू विमल शर्मा अजाद मौहल्ला वार्ड 20

56. सी०सी० पेविग श्री निवास दू नन्दकिशोर वार्ड 23

57 –सम– राजेन्द्र कुमार दु दिलबाग, धानकान मौहल्ला नीयर चांदगीरी स्कूल वार्ड 14

58. –सम– चौ० बन्सीलाल एक्स सी०एम० विजय नगर वार्ड उ०

69. बी०पी० प्रेम सिंह दु धन सिंह मामराज बेकसाईड आफ गवार फैक्टरी

60. सी०सी० पेविग प्रेमदास दू औमप्रकाश भोजावाला जोहड़ वार्ड–5

61 बी०पी० मैन रोड दु राजसिंह दयाल वार्ड 2

62. –सम– सुरेश दू बाबी, जागृति कालोनी वार्ड 29

63. सी०सी० पेविंग इनफरन्ट आफ गीता कुन्ज पार्क कालोनी

64. बी०पी० ओमप्रकाश दू चरण सिंह विद्या नगर 65. –सम– हनीफ अली दू राजकुमार गली नं० 6 लक्ष्मीनगर वार्ड 10

66. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रैन टाईप– 1 ढाणी झजरान

67. –सम– एवं सी०सी० पेविग कामरेड राम सरूप दू साधु पण्डित गली नाई भातन वार्ड 17

68. सी०सी० पेविग श्रीमति सुमित्रा फोगाट, शिव कालोनी, हांसी रोड

69. वी० पी० मैन रोड दू तेवर इन्दिरा कालोनी गली नं० 2 वार्ड–2

70. सी०सी० पेविग भीम दू बिहारी सैन, ढाणी चरखान वार्ड 23

71. –सम– राम दू अनिल एवं ब्रीजपाल दू मैन रोड नीम चोक

72. बी० पी० आफ स्ट्रीट ब्रहमा कालोनी

73. कन्स्कशन आफ ड्रैन टाईप– 1 धनकान मौहल्ला नीयर चन्द्रगीरी स्कूल 74 बी० पी० अशोक शर्मा टू पुरूषोतम मुक्ति धाम रोड वार्ड 11

75 –सम– राजेन्द्र बूरा दू गली मन्दिर वाली राजीव कालोनी

76. –सम– जय नारायण दू उदेयवीर, फ्रैन्डज कालोनी वार्ड– 1

77 –सम– बीजवासी कालोनी

78. सी०सी० पेविग राहुल ज्वैलर टू मालाराम हलवाई गली वैद्यहन वार्ड 16

79. बी० पी० सुरेन्द्र शर्मा दु कमला, शांति नगर वार्ड 9

80. –सम– महताब जाट दू हनुमान टेलर

81 सी० सी० पेविग सुनिल कयात दू सुगल हनुमान गेट वार्ड 12

82. बी० पी० दया हाई स्कुल दू नारायण दू सुरेश ब्रहम कालोनी वार्ड 28

83. सी०सी० पेविग रविदास मन्दिर वार्ड 7

84 कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रैन टाईप– 1 एवं सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट फरोम हाऊस आफ मदन जैन, गणेश एडवोकेट गली रूपा–चम्पा वार्ड 17

85. सी० सी० पेविग जगत सिंह एडवोकेट, विजय नगर वार्ड 30

86. –सम– मकान नं० 364 टू हाऊस आफ सुन्दर, राम नगर कालोनी

87. बी० पी० आफ स्ट्रीट हाऊस आफ सतबीर पटवारी दू रामकिशन, शांति नगर वार्ड 9

88. सी० सी० पेविग देशराज दू शीशराय एवं गोर्धन दू बीर सिंह दू ब्रीजमोहन मैननान पाना वार्ड –17

89. –सम– रोहतास दू सुरेश भारत नगर

90. बी०पी० कृष्ण तालु दू औमप्रकाश, अम्बेडकर कालोनी वार्ड 10

91 –सम– धन सिंह दू रामनिवास नीयर जीतू वाला जोहड वार्ड 25

92 सी०सी० पेविग रामदत्त की चक्की दू सुभाष ढाणी सुगलान वार्ड 15

93. –सम– जितेन्द्र दू अजित श्यामपुरा मौहल्ला वार्ड 23

94 बी०पी० सुभाष दू मंगत, ब्रजवासी कालोनी वार्ड 27

95. –सम– सुरेन्द्र शर्मा दु विडो कमला देवी शांति नगर

96. सी० सी० पेविग शांति प्रसाद बजाज दु लाजपत कम नगर कालोनी

97. –सम– रामचन्द्र दू नारायणदास, गांधी नगर वार्ड 25

98. बी० पी० रामफल ग्रोवर टू अहलावत, विद्या नगर

99. सी०सी० पेविग एव ड्रैन शाप आफ ज्ञानीराम दु अर्जन खादी मौहल्ला

100. –सम– आत्म प्रकाश दू अनिल कुमार गली नं० 2, परनामी नगर वार्ड 9

101 सी० सी० पेविग मास्टर रामकृष्ण दू टेकचन्द दिनोद गेट

102. बी० पी० लालचन्द टू गली नं० 1372 शांति नगर वार्ड 1०

103. सी० सी० पेविग नीयर पंजाबी कम्युनिटी सेन्टर, राम नगर कालोनी

104. –सम– हरीचन्द टू रूकमणी मूराद की हवेली वार्ड 7

103. बी०पी० जसवीर दू ईश्वर वार्ड नं० 28

106. –सम– सुरजीत सैनी दू रोहतास शांति नगर वार्ड 9

107. सी०सी० पेविग राम कुमार दू सीताराम ढाणी किरपाराम रोहतक गेट

108. बी०पी० दलीप दू रामफल एवं पाल दू झन्तु जागृति कालोनी वार्ड 29

109. सी०सी० पेविग हाउस नं० 293 दू 316 ओल्ड हाऊसिंग बोर्ड वार्ड 2

110. बी०पी० गोपाल कोच दू खुशीराम लाजपत नगर वार्ड 1

111, –सम– दिनोद रोड दू मोहिन्द्र धानक

112. सी०सी० पेविग जयभगवान डिपू वाला नीयर धोबी तालाब वार्ड 7

113. बी० पी० लीलू मनेजर दू सुनिता सिंह शांति नगर वार्ड 9

114. –सम– प्रताप सिंह दु सुखीपाल शांति नगर वार्ड 9

115. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रैन टाईप 1 इन चौखानी गेट वार्ड 6

116. वी० पी० जगदीश टू रामकुमार गली नं० 7 शांति नगर

117. सी० सी० पेविग नीयर भानसैनी दू तीर्थ दास एवं दूली दू हवा सिंह नीयर सैनी धर्मशाला वार्ड 7

118. –सम– एवं ड्रैन मुरारी लाल दू लखी आजाद मौहल्ला वार्ड 2०

119. कन्स्ट्रैक्शन आफ ड्रैन टाईप– 1 इन चन्द्रहेडा एवं चौकानी गली वार्ड 6

120. सी०सी० पेविग मोहन लाल टू डॉ० ध्यचाहल जेन गली वार्ड 25

121 बी०पी० गली सुधीरवाली नीयर मोहता फैक्टरी क्रीति नगर

122 सी० सी० पेविग चिडीमार मौहल्ला वार्ड 19

123. बी० पी० स्ट्रीट कालोनी औमप्रकाश जांगड़ा, बेकसाईड हनुमान मंदिर

124. साईड स्ट्रीट आफ सुखबीर दू अर्जन एवं लक्ष्मण दू बनी सिंह

125. बी० पी० आजाद दु हरीश सिंह जे०ई० राजीव कालोनी वार्ड 2

126. सी० सी० पेविग शेर सिंह दु सतनारायण दू मातुराम गली बैधान

127 –सम– दिनेश दू मोहन भाटा बागड़ी वार्ड 19

128. –सम– विक्रम दू किशोरी लाल हलवास गेट

129. बी० पी० शिव मन्दिर दू रेलवे लाईन वार्ड 29

130. सी० सी० पेविग चुहर सिंह की बाजारी वार्ड 1०

131 बी० पी० शोकत अली दू आनन्द फैक्टरी वाला आनन्द नगर गली नं० 12

132. बी० पी० सुरेन्द्र वालिया दू रोहतक रोड

133. सी० सी० पेविग रमेश चायवाला दु धर्मवीर बेकआफ भुजावाली देवी

134. बी० पी० मुकीराम दू प्रताप सिंह टैगोर नगर वार्ड 9

135. –सम– नर सिंह दु श्रीराम जॉगड़ा शांति नगर वार्ड 9

136. सी० सी० पेविग फरोम अनिल पण्डित दू चन्दर मिस्त्री, अशोक कालोनी वार्ड 25

137 कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रैन टाईप – 1 फरोम धर्मशाला दू जनार्धन बरसी मोहल्ला वार्ड नं० 22

138. ब्रीक पेविग आफ स्ट्रीट फरोम शोप आफ त्यागी दू हाऊस आफ मास्टर कमल सिंह विद्या नगर

139. ब्रिक पेविग एण्ड ड्रेन सत नारायण के मकान से महाबीर व ओम राठी तक विद्या नगर

140. सी० सी० पेविग आफ स्ट्रीट ज्ञानी राम के मकान से बिल्लू व राजेन्द्र से भगतू के मकान तक हालू मोहल्ला।

141 सी० सी० पेविंग आफ स्ट्रीट नजदीक नफे सिंह का मकान पटेल नगर वार्ड नं० 2

142. सी० सी० पेविग आफ स्ट्रीट लोहिया कटली से हालू बाजार, वार्ड नं० 16

143. ईन्टो की गली प्रताप गली से मातादीन शर्मा टू गूजर।

144. कन्स्ट्रक्शन आफ नाला सोमारी माता से नया बाजार रोड वार्डई नं० 6

145. सी० सी० पेविग आफ स्ट्रीट ढ़ानी चेजरान।

146. ईन्टों की गली घनश्याम के मकान से ईश्वर सिह के मकान तक सेवा नगर वार्ड 28

147. सी० सी० पेविग आफ स्ट्रीट जगन प्रसाद के मकान से सूरज मान के मकान तक नया बाजार।

148. ईन्टों की गली शिव कालोनी।

149. ईन्टो की गली राजबीर कुम्हार के मकान से कृष्ण के मकान तक शान्ति नगर वार्ड नं०9

150. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट महेश के मकान से राधे श्याम के मकान तक गली बागलान हालू बाजार वार्ड नं० 16

151 सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट मकान नं० 359 से 373 तथा उभ से 345 पुराना हाऊसिंग बोर्ड।

152 ईन्टो कीं गली मनोहर के मकान से राधेश्याम के मकान तथा महाबीर के मकान से लीला राम नजदीक शमशान घाट वार्ड नं० 11

153. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट नया बाजार से आर्य रोड रमेश दू सतबीर नया बाजार

154. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट आर० सी० कटारिया के मकान से सीता राम की फैक्टरी तक।

155 सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट ओम प्रकाश के मकान से सुमित के मकान तक व सुभाष के मकान से रूप चन्द के मकान तक वार्ड नं० 20

166. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट श्रद्धानन्द स्कूल से पानी की टैन्की दादरी गेट पार्ट 2

157. ईन्टो की गली तोशाम रोड से महिएन्द्र सिंह के मकान तक, रूद्रा कालोनी, वार्ड नं० 18

158. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट गली गुमानी लोहार पर्व मौहल्ला वार्ड नं० 22

159. सी०सी० पेविंग जवाहर चौक से अग्रसैन भवन हालु बाजार वार्ड नं० 16

160. ईन्टो की गली ब्रिजवासी कालोनी, वार्ड नं० 27

161 ईन्टों की गली धर्मेन्द्र के मकान से अमर सिंह व बलदेव के मकान तक फ्रैन्डस कालोनी

162. सी०सी० पेविग औफ स्ट्रीट मास्टर कमल सिंह के मकान से दया नन्द यादव के मकान तक विद्या नगर।

163. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट दीना नाथ के मकान से रिशी पंडित के मकान तक अशोका कालोनी, वार्ड नं० 25

164. सी०सी० पावेंग आफ स्ट्रीट सुरजीत बिसकुट से हवा सिह के मकान तक, दानी सुगलान, वार्ड नं० 15

165. ईन्टों की गली वधवा के मकान से गोपाल राय के मकान तक गली–सी, नया भारत नगर।

166. सी०सी० पेविंग विद ड्रेन राज डिसवाला के गुलशन के मकान तक लेबर चौक चिरन्जीव कालोनी।

167. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन एण्ड सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट से राजेश जांगड़ा के मकान तक, पर्व कालोनी।

168. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट कृष्ण आईस फैक्टरी से जवाहर कृष्ण कालोनी वार्ड 26

169. कन्क्रक्यान आफ ड्रेन एण्ड सी०सी० पेविग गली पटवारखाना।

170. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट विजय लम्बरदार के मकान से राम अवतार के मकान तक नया बाजार।

171. ईन्टों की गली सत नारायण मास्टर के मकान से जय भगवान ढाना रोड़ दू कांत रोड

172. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट पहलाद के मकान से रामेश्वर तथा ओम प्रकाश दू मास्टर केशव टिब्बा बस्ती वार्ड नं० 12

173. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट सुधार प्रीटिंग प्रैस से लाला राम दु पनमेशवरी के मकान तक ढाणी चजरन वार्ड नं० 15

174. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट विद ड्रेन ओम प्रकाश के मकान से कृष्ण आजाद मौहल्ला तक वार्ड नं० 20

175. ईन्दों की गली नौरंग के मकान से हवा सिंह के मकान तक देव नगर।

176. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट राम निवास के मकान से चन्द्र जाट के मकान तक टिब्बा बस्ती वार्ड नं० 12

177 ईन्टों की गली दरिया सिंह के मकान नै ओम प्रकाश के मकान तक उत्तम नगर।

178. सी०सी० पेविग विद साईड ड्रेन रमेश के मकान से रणधीर धोबी दीत मोहल्ला तक।

179. सी०सी० पेविंग सुरेश के मकान से ओम प्रकाश धोबी के मकान तक वार्ड नं० 16

180. सी०सी० पेविग नजदीक लाल मसजिद पानी की टंकी।

181 सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट सरोज के मकान से सरदार नरूला के मकान तक जगत कालोनी वार्ड नं० 30

182 सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट हरी चन्द के मकान से ईश्वर सिंह के मकान तक जगत कालोनी

183. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट सब्जी मण्डी चौक से प्रहलाद राय के मकान तक जवाहर नगर वार्ड नं० 26

184. ईन्टो की गली महाबीर सिंह के मकान से प्रमोद तथा ननद राम के मकान तक मेन रोड़, बैंक कालोनी वार्ड नं० 6

185. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट डॉ० ओम प्रकाश के मकान से गोकल चन्द के मकान तक जगत कालोनी।

186. कन्क्रक्शन आफ ड्रेन सी०२ई०० पेविग आफ स्ट्रीट से गली अहीरान वार्ड नं० 14

187. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट राम निवास के मकान से सरकुलर रोड तक वार्ड नं० 22

188. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट हलुवास गेट नजदीक बाबा जहांगीर।

189. सी०सी० पेविंग किसोरी लाल के दुकान से योगाश्रम तथा विनोद दहिया के मकान तक।

190. सी०सी० पेविग खिला राम के मकान से राम कुमार व दूली चन्द के मकान तक।

191 सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट श्रद्धानन्द स्कूल से पानी की टन्ही दादरी गेट भाग– 1 तक

192 ईन्दों की गली महाबीर मास्टर के मकान से राम निवास के मकान तक गली–बी, न्यू भारत नगर।

193. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट नजदीक अर्जन की पारस व दीप चन्द से वीरमान पाना, गोसियान चौक, वार्ड नं० 14

194 सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट जोगिवाला मन्दिर से मिश्रा प्रीटिंग प्रैस तक, वार्ड 21

195 ईन्टों की गली आनन्द सिंह, ए०डी०ए० से शेर सिंह के मकान तक फ्रैंड्स से कालोनी।

196. ईन्टों की गली उमेद चौधरी के मकान से आनन्द पूनिया के मकान तक, सेवा नगर वार्ड नं० 28

197 ईन्टों की गली बालाजी मन्दिर से गंगा राम के मकान तक बालाजी कॉलोनी वार्ड नं० 1

198. ईन्टों की गली रघुबीर से पवन कुमार, वार्ड नं० 9 कॉलोनी तक टैगोर नगर गली प्रताप से मातादीन शर्मा से गुज्जर।

199. अग्रसेन चौक स्ट्रीट हाई मास्टर लाईट।

200. महाराजा प्रताप चौक स्ट्रीट हाई मास्ट लाईट।

201 लाजपत राय चौक स्ट्रीट हाई मास्ट लाईट।

202. कृष्णा कालोनी चौक स्ट्रीट हाई मास्ट लाईट।

203. दादरी गेट स्ट्रीट हाई मास्ट लाईट।

204. कनैक्शन चार्जिज (डी०एच०बी०वी०एन०एल० को)

205. रैनोवेशन आफ शिव पार्क, कृष्णा कालोनी।

206. रिपेयर आफ पार्क इन फ्रन्ट आफ मकान नं० 42 पुरानी हाऊसिंग बोर्ड कालोनी वार्ड 2

207. रैनोवेशन आफ पार्क राम नगर कालोनी वार्ड नं० 30

क्र० सं० विकास कार्य का नाम

1 सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट मुख्य गली पुराना हाऊसिंग बोर्ड।

2 सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट मुख्य गली हुडडा से डिसपोजल पम्प।

3 सी०सी० पेर्विग आफ स्ट्रीट मुख्य गली पुराना हाऊसिंग बोर्ड से डिसपोजल पम्प हाऊस।

4. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट मेजर अमीर चन्द के मकान से सरोज चहल विद्या नगर के मकान तक।

5 सी०सी० पेविग आफ बलबीर सिंह के मकान से जी०पी० मित्तल महम ग्रेट नई बस्ती तक।

6. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट बजरंग के मकान से सतपाल के मकान तक नजदीक छोटी गुगा माडी।

7. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट मन्तु खाती के मकान से राजू जोगी के मकान तक नजदीक छोटी गुगा माड़ी धोलिया मन्दिर।

8. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट बाग कोठी गली नं० 1

9 ईन्टो की गली प्रमोद के मकान से सुरेश जाट बैंक कॉलोनी तक।

10. कन्स्ट्रक्शन आफ सी०सी० रोड राजबीर के मकान से ओम प्रकाश, सुरेश व प्रेम के मकान तक।

11 सी०सी० पेविग आफ र्स्ट्रेट भाना राम के मकान से उद्यमी व प्रभाती राम, हनुमान गेट तक।

12 कन्स्ट्रक्शन आफ रोड़ जगत नारायण के मकान से बिल्ज के मकान तक।

13. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट विद ड्रेन डॉ० मोहन लाल के मकान से नीलम सोडा वाला के मकान तक।

14. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट विद् ड्रेन मुंगिपा आफिस से धर्मशाला डूंगरमल गली शोरेवाली तक।

15. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप– 1 राम धारी के मकान से चुन्नी चाय वाला नजदीक अर्जुन की पारस तक।

16. कन्स्ट्रक्शन आफ सी०सी० रोड शिव कुमार के मकान से रघुबीर मास्टर तथा मांगे खाती से चिरन्जन लाल वैद्य तक।

17. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप– 1 गली सुधार प्रीटिंग प्रैस ढ़ानी सुगलन।

18. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट मानन पाना गली भी टार वाली ड्रेन।

19. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट गली जडवाली नजदीक पुरानी गऊशाला महाबीर के मकान से ओमी।

20. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट बाला गारमैन्ट से राजधानी हाऊस, गऊशाला मार्किट तक। 21 सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट फरोम श्याम मन्दिर।

22. सी०सी० पेविग एण्ड ड्रेन आफ स्ट्रीट घीसू से नरेन्द्र ठेकेदार नजदीक नरनाओडिया चौक तक।

23. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट ओम प्रकाश के मकान से सतीश बिजली वाला गली लोकमनिया तक।

24 सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट विद ड्रेन आदर्श धर्मशाला से श्याम सुन्दर गोयल धनी राय सिंह गली नं० 1 तक।

25 कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप– 1 एण्ड पेविग माना राम के मकान से ओम प्रकाश झाड वाला मोहल्ला तक।

26. सी०सी० पेविग स्ट्रीट विद साईड ड्रेन नामू राम से कंवर पाल के सामने का धापा देवी धर्मशाला तक।

27 कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप 1 गली वैद्य बनवारी दास।

28. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट सुन्दर दास के मकान से साधू चाय वाला कृष्णा कॉलोनी तक।

29. सी०साइ० पेविग आफ स्ट्रीट प्यारे लाल के मकान से श्री चन्द गली खाती कान सराय चोपटा तक।

30. ईन्टो की गली नरेन्द्र के मकान से मेन रोड फ्रैन्डस कॉलोनी तक।

31. सी०सी० पेविग आफ चौक सम्पत जैन।

32. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप– 1 चन्दर चौढ़ार से सुरेश शर्मा विवेकानन्द स्कूल के पीछे तक।

33. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट जय सिंह के मकान से राजेश इन्द्रा कॉलोनी तक।

34. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट शान्ती देवी के मकान से माघू शर्मा आजाद नगर तक।

35 ईन्टो की गली मेन रोड फ्रैन्डस कालोनी तथा विक्रम सिंह एस०वी०ओ० वाली गली।

36. ईन्टों की गली चन्द लाल के मकान से दीप चन्द के मकान तथा शिव मन्दिर से 27 रोड ब्रहमा की गली तक।

37. सी०सी० पेविग मास्टर रमेश की दुकान से भीम सिंह के मकान तक धनकन पतराम गेट।

38. ईन्टों की गली नरेश नाई के मकान से मन्दिर भट् ठा कॉलोनी तक।

39. ईन्टों की गली रामकिशन भारद्वाज के मकान से ठाकुर सुखपाल वाया दलबीर शान्ती नगर तक।

40. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट शान्ती विहार कॉलोनी तोशाम रोड।

41 ईन्टो की गली बालमुकन्द के मकान से रिशी पाल दु निर्मला भारत नगर तक।

42. ईन्टो की गली बाकाया के मकान से राजेन्द्र जागृति कॉलोनी के मकान तक।

43. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट चावला के मकान से डा० गिरधर के मकान तक।

44. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट रामेश्वर के मकान से महावीर जाहर गिरी कालोनी हलवास गेट तक।

45. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट सिरी पाल के मकान से राठी इलैक्ट्रोनिक्स, नया बाजार

45. ईन्टों की गली तेज सिंह कोच के मकान से राम चन्दर तथा सत नारायण से धर्म चन्द सोनी के मकान तक।

47 सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट श्यामा से तारा चन्द जाहरगिरी कॉलोनी

48. ईन्टों की गली मन्दिर से माल सिंह तथा मल सिंह दू पूर्ण चन्द भटठा कॉलोनी।

49 ईन्दों की गली सुन्द्र पंजाबी के मकान से चमेली के मकान तक।

50. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट रवि के मकान से नरेन्द्र सोनी आजाद नगर तक।

51. सी०सी० थेविग आफ स्ट्रीट सरकुलर रोड से ची वाला के मकान तक।

52 कन्स्ट्रक्शन आफ सी०सी० रोड नानक चन्द के मकान से प्रहलाद सैनी मुराड गली टू कर्म चन्द।

53 ईन्टो की गली सुनार रोहताश के मकान से राजेन्द्र हनुमान मन्दिर मार्ग तथा सुलतान से मास्टर हरि सिंह तथा मास्टर बारू दू अनूप सिंह शिवाजी मार्ग तक।

54 कन्स्ट्रक्शन आफ से नन्द लाल के मकान से दलबीर सिंह टैगोर बैंक कॉलोनी तक।

55. ईन्टो की गली रोड से राजबीर चमार न्यू ब्रह्मा कालोनी तक।

56. ईन्टों की गली सुन्दर के मकान से राम अवतार बाला जी कालोनी तक।

57. कन्स्ट्रक्शन आफ सी०सी० रोड़ कैलाश के मकान से हरी किशन तथा अमर नाथ से पवन तथा पूर्ण चन्द से ओम प्रकाश तक।

58. सी०सी० पेविग आय– स्ट्रीट माल गोदाम रोड से कोहारा राम दीपू वाला से हाटे राम तक।

59. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट ज्योति कामा सम०सी०सी० वाली गली से अशोका कालोनी तक।

60. सी०सी० पेविग आफ स्ट्रीट राज कुमार अग्रवाल के मकान से अनूप कुमार नजदीक नीम चौक बीरवा पाना वार्ड नं० 15

49. Dr. Sita Ram: Will the Chief Minister be pleased to state the number of cases of atrocities such as Murder, Beating and Rape committed on Scheduled Castes registered in the State since 2005 till date ?

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): वांछित सूचना निम्नलिखित प्रकार से है

क्र० सं०	अपराध का शीर्ष	2005	2006	2007 28—2—2007 तक
1	हत्या	10	6	4
2	मारपीट	22	29	3
3	बलात्कार	28	36	2

Construction of Bus-Stand at Rania

62, Dr. Sushil Indora: Will the Minister for Transport be pleased **to** state:—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Bus-Stand in Rania, District Sirsa; and

(b) if so, up to what time the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला):

(क) नहीं, महोदय।

(ख) सवाल ही पैदा नहीं होता।

Number of Senior Secondary Schools

53. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister for Education be pleased to state:—

(a) the District-wise number of Government Senior Secondary Schools in Urban and Rural areas separately as on 1st July, 2006.

(b) the District-wise number of schools in part (a) above in Rural areas in which Science subject (medical and non-medical) is being taught; and

(c) the number of schools in part (b) above in which Junior Lecturers of all teaching subjects are in position as on 1st July, 2006 ?

शिक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना):

(क) हरियाणा में 1 जुलाई, 2006 को 1223 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थे। जिला बार विवरण निम्न प्रकार से है:—

जिले का नाम	ग्रामीण	शहरी	कुल

अम्बाला	46	11	57
भिवानी	125	08	133
फरीदाबाद	37	19	56
फतेहाबाद	33	06	39
गुड़गावां	43	11	54
हिसार	85	10	95
झज्जर	81	06	87
जींद	59	6	65
कैथल	51	8	59
करनाल	51	13	64
कुरुक्षेत्र	31	7	38
महेन्द्रगढ़	58	8	66
मेवात	25	6	31
पंचकूला	18	6	24
पानीपत	33	4	37

रेवाड़ी	50	4	54
रोहतक	67	9	76
सिरसा	50	10	60
सोनीपत	85	9	94
यमुनानगर	28	6	34
कुल	1056	167	1223

(ख) 1 जुलाई, 2006 को हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में 113 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थे, जहां विज्ञान संकाय (मैडिकल एवं नान मैडीकल) संचालित थी। जिला वार विवरण निम्न प्रकार से है: –

जिले का नाम ग्रामीण

जिले का नाम	ग्रामीण	नान मैडीकल	मैडीकल	दोनो
अम्बाला	3	2	00	1
भिवानी	11	4	00	7
फरीदाबाद	7	3	00	4
फतेहाबाद	00	00	00	00

गुड़गावां	13	3	00	10
हिसार	7	2	00	5
झज्जर	4	3	00	1
जींद	2	00	00	02
कैथल	1	00	00	01
करनाल	6	4	00	2
कुरुक्षेत्र	4	2	00	2
महेन्द्रगढ़	8	5	00	3
मेवात	3	2	00	1
पंचकूला	4	2	00	2
पानीपत	6	2	00	4
रेवाड़ी	12	5	00	7
रोहतक	4	2	00	2
सिरसा	1	1	00	00
सोनीपत	9	2	00	7

यमुनानगर	8	1	00	7
कुल	113	45	00	68

(ग) इन 113 ग्रामीण वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में से, जहां विज्ञान शाखा चल रही थी, 1 जुलाई 2006 को 45 ऐसे विद्यालय थे, जिनमें पूर्ण शैक्षणिक अमला विशेषतः कनिष्ठ प्राध्यापक उपलब्ध थे।

Appointment of Guest Teachers/Lecturers

64. Dr. Sita Ram: Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the detail of Guest Teachers and Guest Lecturers appointed in the Government High Schools and Government Senior Secondary Schools by Education Department since, 2005 till date ;

(b) the number of S.C/B.C. candidates given appointments according to reservation policy ; and

(c) what was the age criteria of male appointees in girls schools adopted by the Education Department ?

शिक्षामंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना):

(अ) 2146 प्रवक्ता, 4034 मास्टर, 1654 सी०एण्ड वी० अध्यापक और 6926 जे०बी०टी० अध्यापक हरियाणा के विद्यालयों में अब तक अतिथि अध्यापक के तौर पर रखे गए हैं।

(ब) अतिथि संकाय में रखे गए अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग का विवरण निम्न प्रकार है:–

क्रमांक	वर्ग	सामान्य	अ०ज०	पि०व०	2005 से अब तक अतिथि संकाय में रखे गऐ कुल अध्यापकों की संख्या
1	प्राध्यापक	1560	170	416	2146
2	मास्टर	2851	361	822	4034
3	सी०एण्ड वी०	1147	134	273	1554
4	जे०बी०टी०	4307	1033	1586	6926
	योग	9865	1698	3097	14660

(स) अतिथि संकाय में रखे गए अध्यापकों के लिए आयु का कोई मापदण्ड नहीं।

Construction of By-pass (Western) in Palwal City

54. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether it is fact that a

proposal had been prepared by the Department of P.W.D. (B&R) to provide By-Pass (Western) in Palwal City during the year 1996-98; if so, the details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): हां, श्रीमान् जी। वर्ष 1996–97 में पलवल शहर के बाई–पास (पश्चिमी) के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया था। दो अलाइनमैंटस प्रस्तावित की गयी थी। पहली अलाइनमैंट 21.30 कि०मी० लम्बी थी जिसकी लागत 93.41 करोड़ रुपये थी। दूसरी अलाइनमैंट की लम्बाई 1० कि०मी० थी जिसकी लागत 4346 करोड़ रुपये थी। एक प्रस्ताव जिसमें दोनो अलाइनमैंट्स का ब्यौरा सम्मिलित था, भूतल परिवहन मंत्रालय (अब पोत, सड़क परिवहन व उच्च मार्ग मंत्रालय) भारत सरकार, नई दिल्ली को 28–11–1996 को परीक्षण व 1997–98 के वार्षिक योजना में शामिल करने हेतु भेजा गया था। भारत सरकार ने यह प्रस्ताव अपने पत्र क्रमांक संख्या एन०एच०/12014/955/96/एन०/एच० आर० दिनांक 11 –7–97 के द्वारा अस्वीकृत करके वापिस भेज दिया कि यह कार्य वार्षिक योजना मे शामिल नहीं था।

राष्ट्रीय राजमार्ग नं० 2, वर्ष 2002 में भारतीय राष्ट्रीय उच्च मार्ग प्राधिकरण (एन०एच०ए०आई०) को मुरम्मत व अपग्रेडेशन के लिए सौपा जा चुका है।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–

राज्य में भारी वर्षा तथा ओलावृष्टि के कारण फसलों की क्षति संबंधित

15.00 बजे

Mr. Speaker: Hon'ble members I have received a calling attention notice from Dr. Sushil Indora and two other M.LAs regarding damage of the crops due to heavy rain and hailstorm in the State. I admit it. Dr. Sushil Indora may read his notice please.

डॉ० सुशील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि राज्य के विभिन्न भागों में भारी वर्षा तथा ओलावृष्टि के कारण किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। हरियाणा एक कृषि प्रधान प्रदेश है। यहां की मुख्य आजीविका खेती पर निर्भर है। इसकी विशेष गिरदावरी करवा कर किसानों के नुकसान की क्षतिपूर्ति की जानी चाहिए। उदाहरण के लिए ओटू वीयर मे भारी पानी आ जाने से भी आस– पास के किसानो की जमीन पर खड़ी फसलें बरबाद हो गई है।

यह एक लोक महत्व का विषय है इसलिए मैं सरकार से इस विषय पर सदन में एक वक्तव्य देकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने का अनुरोध करता हूं।

Mr. Speaker: Now, the Irrigation Minister will make the statement.

वक्तव्य–

कृषि मन्त्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): Speaker Sir, there has been incidence of hailstorm on 10-2-2007 coupled with heavy rainfall throughout the State from 10-2-2007 to 13-2-2007. The rains have been very heavy and unprecedented for this time of the year. Deputy Commissioners were instructed on 13-2-2007 to get special girdawari conducted in order to assess damage to crops due to rains and hailstorm.

As far as damage due to hailstorm and heavy rains is concerned, special girdawari reports have been received from all the Deputy Commissioners. Damage to wheat and other crops, wherever it is more than 25%, is as follows:-

(Area in acres)

Name of Distrlct	Wheat	Other Crops	Total
Bhiwani	31,258	9,400	40,658
Kurukshetra	32,272	5,622	37,894
Kaithal	23,888	918	24,806
Ambala	20,176	1.710	21,886
Faridabad	15,641	952	16,593
Jhajjar	5,687	5,233	10,920

Hisar	10,065	116	10,181
Jind	7,885	1,519	9,404
Gurgaon	3,052	4,471	7,523
Sonepat	5,171	-	5,171
Rohtak	2,166	2,327	4,493
Mewat	3,089	1,035	4,124
Fatehabad	3,809	74	3,883
Yamuna Nagar	3,144	384	3.528
Panipat	2,210	311	2,521
Karnal	1,037	6	1,043
Rewari	-	-	-
Sirsa	-		-
Panchkula	-	-	
Narnaul	-	-	-
Total	1,70,550	34,078	2,04,628

Due compensation will be paid to the adversely affected farmers as soon as possible. On the basis of special girdawari reports received from Deputy Commissioners, it is tentatively estimated that approximately an amount of Rs. 70.71 crores will be required to be paid to the affected farmers whose crops have been damaged.

Deputy Commissioner, Sirsa has reported that there has been no damage to crops due to hailstorm or heavy rains in district Sirsa. However, due to the huge quantity of water coming into river Ghaggar and less capacity of Ottu lake, gates of Ottu Weir were opened and water was released in river Ghaggar downstream between the 14th and 22nd February, 2007. As a result, crops in about 1,700 acres in 15 villages have been damaged. Orders have been issued to conduct special girdawari to assess the damage. Compensation to the farmers will be paid as per norms after the report of the special girdawari is received from Deputy Commissioner, Sirsa. Apart from this, due to large quantities of water coming into Ottu lake, crops in 1200 acres of Government land have also been damaged. This land was given on lease but after expiry of the lease, it was being cultivated illegally and now eviction notices have been issued to the illegal cultivators. No orders for girdawari on this 1200 acres of government land have been issued and no compensation on account of damage is to be given.

I would like to assure this august House that the Government is quite alive to the situation and compensation will be paid to the affected farmers as per relief norms fixed by the State Government which are higher than the relief norms fixed by the Central Government.

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, जो मंत्री जी ने स्टेटमैंट पढ़ी है उसमें टैंटेटित एस्टीमेटिड अमाऊंट 70–71 करोड़ रुपये की रिक्यायरमैंट का बताया है और अभी अम्बाला डिस्ट्रिक्ट तथा यमुनानगर जिलों की रिपोर्ट आनी बाकी है

उनकी मी गिरदावरी हो रही है। मेरा अनुमान यह है 75 करोड़ रुपये से भी ज्यादा कम्पनसेट अमाउंट बनेगी। मैं सदन की सूचना के लिए बता दूं कि पहली सरकार के द्वारा जो कम्पनसेशन दिया जाता था वह सेन्टर के नार्म्स के मुताबिक दिया जाता था और अगर हम 70 करोड़ रुपये देंगे तो 13 करोड़ रुपये हमें केन्द्र से मिलेंगे बाकी सब हम अपने बजट में प्रोविजन करके अप्रैल के महीने में दे देंगे।

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी और मंत्री जी ने विस्तार से बताया है और यह सरकार हर वक्त किसानों की हितैषी होने का दावा करती रही है लेकिन इन्होने विशेष तौर पर किसानों के लिए कुछ नहीं किया मुख्य मंत्री महोदय ने खुद भी कहा है कि अम्बाला और यमुनानगर जिलों की अभी गिरदावरी होनी बाकी है। मेरी अपनी सोच है कि जिस तरह से सरकार यह सारा काम कर रही है और अभी भी कई जगहों पर गिरदावरी होनी बाकी हैं तो मैं नहीं समझता कि सरकार सारी की सारी गिरदावरी ठीक ढंग से करवा पायेगी। अध्यक्ष महोदय, इसमें कई गरीब किसान भी हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सरकार की जिस तरह से उन्होंने कहा कि 25 परसेन्ट नुकसान वाले को इतना देंगे और 50 परसेन्ट नुकसान वाले को इतना देंगे और 76 परसेन्ट से ज्यादा नुकसान होने पर इतना दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, जब ओले पडते हैं तो उसमें कितना नुकसान हुआ है, 25 परसेन्ट या 50 परसेन्ट हुआ है यह

एसैस करना मुश्किल काम है। मेरा यह अनुरोध है कि यह सलैब प्रणाली खत्म करके क्या सरकार नई पॉलिसी बनायेगी कि हम किसानों का जो नुकसान हुआ है उनके खामियाजे का भुगतान करेंगे। यह सरकार नये सिरे से एक अच्छी पॉलिसी बनाए और उसके मुताबिक हरियाणा प्रदेश के किसानो को मुआवजा दे। मैं साथ ही साथ मुख्य मंत्री जी से मांग करता हूं कि वे इस बारे में सदन में घोषणा करें।

Mr. Speaker: Indora Ji, you are wasting the time of the House. On calling attention motion one question of each signatory is allowed. Indora Ji, ask your question.

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मैं अपना स्पेसीफिक प्रश्न ही पूछ रहा हूं। मैं यही कह रहा हूं कि जब ये पिछली सरकार में मांग करते थे कि 10 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से दीजिए तो मैं पूछना चाहता हूं कि क्या मुख्य मंत्री जी सदन में इस बात .की घोषणा करेंगे कि किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दिया जायेगा।

श्री अध्यक्षः आपको स्पीलीमैंटरी पूछते समय स्पीच नहीं देनी चाहिए। यह हाऊस है, स्टेज नहीं है। आप स्टेज पर एक–दो घण्टे स्पीच दे सकते हैं। जब आपकी बारी गवर्नर ऐड्रेस पर बोलने के लिए आयेगी तो स्पीच देना। यदि आप इस नोटिस पर कोई सप्लीमेन्टरी पूछना चाहते हैं तो पूछ ले, स्पीच न दें।

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मैं स्पीच नहीं दे रहा हूं मैं तो मुख्य मंत्री जी से पूछ रहा हूं कि क्या मुख्य मंत्री जी प्रदेश के किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देने की घोषणा इस सदन मैं करेंगे?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आज इनको किसानों की बहुत चिन्ता है मुझे बड़ा अफसोस है कि जब पिछले पीने छः साल इनकी सरकार रही और पूर्व मुख्य मंत्री यहां पर बैठे हुए हैं, इनके समय में श्का के अन्दर जो कम्पनसेशन था वह 2000 रुपये सभी फसलो के लिये था, चाहे वो गेहूं की फसल हो या कोई दूसरी फसल हो। उस समय इन्होंने किसानों के बारे में कुछ नहीं सोचा। उसके बाद जो हमारी सरकार आई, चौ० भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार आई तो हमने 21 –3–2005 को गेहूं की फसल के लिए 75 परसेन्ट से 100 परसेन्ट तक के नुकसान के लिए 3000 रुपये प्रति एकड़ दिये और दूसरी फसलों के लिए हमने 2500पये प्रति एकड़ दिये। इसके अलावा 50 से 75 फीसदी नुकसान के लिए 2250 रुपये प्रति एकड़ गेहूं की फसल के लिए और दूसरी फसलों के लिए 1875 रुपये प्रति एकड हमने रखे। 25 से 50 परसेन्ट के नुकसान के लिये गेहूं की फसल के लिए 1500 रुपये प्रति एकड़ और दूसरी फसलों के लिए 1250 रुपये प्रति एकड़ हमने दिये। उसके बाद सरकार ने अभी 10 जनवरी 2007 को ये नार्म्स दोबारा से रिवाईज किये हैं। (विघन)

Mr. Speaker: No interruption please.

कैप्टन अजय सिंह यादवः उनके अनुसार अब व्हीट का हमने 5000 रुपये प्रति एकड़ का नॉर्म फिक्स किया है और अदर क्रॉप्स का 4000 रुपये प्रति एकड़ किया है। 50 से 75 परसेंट के बीच गेहूं के लिए 4000 रुपये प्रति एकड़ और अदर क्रॉप्स के लिए 3000 रुपये पर एकड़ का मुआवजा तय किया है। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात इन्होंने यह कही कि अनसीजनल बरसात हो रही है। एक मार्च से निरन्तर गिरदावरी चल रही है और मुआवजे के लिए हमने 70.73 करोड़ रुपये की राशि का निर्धारण किया हुआ है इनको इस बारे में ज्यादा चिन्ता करने की जरूरत नहीं हैं। तीन साल का समय हमारी वर्तमान सरकार का रह गया है और इससे आगे भी हमारी पार्टी की सरकार आयेगी। (विघन) स्पीकर सर, मुझे इस बात की बड़ी खुशी है कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी अपनी पूर्व तमाम गलतियों को भुला कर कम से कम आज हाउस के अन्दर आए हैं। हरियाणा की जनता की बात सदन में रखने के लिए वे हाउस में आए हैं इससे पता लगता हे कि इनको जनता की कितनी चिन्ता है। (विघन) अध्यक्ष महोदय, टोटल 70 में से 13 करोड़, 2 लाख 92 हजार रुपये गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया ने इस काम के लिए दिए हैं। इस नॉर्म को रिवाईज करने के साथ ही पहली दफा किसानों के हित की बात अगर किसी सरकार ने की है तो वह चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार ने की है कि स्टेट एक्सचौकर से भी किसानों को मुआविजा दिया जाएगा। स्टेट गवर्नमैंट अपने साधनों से भी किसानों की मदद कर रही हे। ये लोग किसानों के हितैषी बनते हैं लेकिन 2001 से 2005 तक

इनका राज रहा, किसानों की भलाई के लिए इन्होंने कोई काम नहीं किया था। आज जब हम किसानों के हित में काम कर रहे हैं तो ये उसमें कमियां निकालने में लगे हुए हैं और दस हजार रुपये का मुआवजा देने की बात कह रहे हैं। (विघन) जब भी इनकी सरकार रही इन्होंने लोगों को गुमराह किया कभी ब्याज माफी की बात कही तो कभी कर्जा माफी की बात कह कर इनके लोगों ने जनता को गुमराह किया लेकिन उनके लिए किया कुछ नहीं जबकि हमारी सरकार ने 1600 करोड़ के बिजली के बिल मुआफ किये। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई कैजुऐलिटी होती है तो पहले उसका मुआवजा 50 हजार रुपये दिया जाता था। यह मुआवजा भी हमारी सरकार ने हो 1993 में तय किया था। इनकी सरकार के वक्त में इसमे कोई बढ़ौतरी नहीं हुई जबकि हमारी वर्तमान सरकार ने इस पचास हजार रूपये की राशि को बढ़ा कर दो लाख रुपये कर दिया है। हमारी सरकार की सोच हमेशा पोजिटिव और प्रैक्टिकल रही है।

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मन्त्री महोदय से जानकारी लेना चाहता हूं।

Mr. Speaker: Indora Ji, you can ask only one question or one supplementary. In Rule 73(2) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly it is clearly mentioned that—

"There shall no debate on such statement at the time it is made."

आपने कॉलिंग अटैंशन मोशन दी है और मन्त्री जी द्वारा इसका रिप्लाई दे दिया गया है स्टेटमेंट के बाद आप एक सप्लीमैंटरी सवाल पूछ सकते हैं।

डॉ० सुशील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, मुझे पूरी जानकारी नहीं मिली है इसलिए मैं दूसरा सवाल पूछना चाहता हूं।

Mr. Speaker: According to the rules, you can ask one supplementary and you have already asked it. आप अपने साथी श्री साईदा खान जी को भी बता दें कि वे अपनी कॉलिंग अटैंशन मोशन पर एक सप्लीमैंटरी सवाल पूछ सकते हैं। (विघ्न) He is also the signatory of the Calling Attention Motion.

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सुरजेबाला): स्पीकर सर, मैं आपकी इजाजत से केवल दो बाते कहना चाहता हूं। माननीय मन्त्री जी ने अपनी स्टेटमैंट में तफसील से सारी बात बात दी है और माननीय सदस्य ने जो बात कहनी थी वह भी सदन के सामने आ गई है। मैं आपकी अनुमति से दो मिनट का समय लेना चाहूंगा। वर्ष 1999 से फरवरी, 2005 यानि वर्तमान सरकार के आने तक जो नॉर्म्स थे इन्होंने एक हवा बना रखी थी। मुआवजे के जो नॉर्म्स हैं मैं उनकी बाबत चर्चा करना चाहूंगा। 50 प्रतिशत तक फसल का नुकसान होने पर कोई मुआवजा नहीं दिया जाता है। 50 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक नुकसान होने पर इनके राज में केवल 1500/– रुपये के मुआवजे का नॉर्म था और अगर 75 प्रतिशत से ज्यादा नुकसान होता था तो 2000/– रुपये के मुआवजे का नॉर्म

था। अध्यक्ष महोदय, हमारे रैवैन्यू मिनिस्टर साहब बैठे हुए हैं। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार ने सत्ता में आते ही इस नॉर्म को बदला है। पैडी, कॉटन और गेहूं के लिए मुआवजे की राशि को बढ़ा कर 3000/– रुपये कर दिया है। अब जो नया फैसला लिया गया है उसके तहत अगर नुकसान 50 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक होता है तो गेहूं, कपास और जीरी के लिए 1500/– रुपये का जो मुआवजा था उसको बढ़ाकर 4000/– रुपये कर दिया है और दूसरी फसलों के लिए मुआवजा 3000/– रुपये रखा है। अगर 75 प्रतिशत से ज्यादा नुकसान होता है तो इनके समय में 2000/– रुपये मुआवजे का नॉर्म था लेकिन हमारी वर्तमान सरकार ने गेहूं, कपास और जीरी के लिए 5000/– रुपये मुआवजे का नॉर्म तय किया है और दूसरी फसलों के लिए 4000/– रुपये का मुआवजे का नॉर्म फिक्स किया है। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य कह रहे थे कि अभी तक गिरदावरी नहीं हुई है। मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बता दूं कि गिरदावरी की रिपोर्ट ऑलरैडी सरकार के पास आ गई है सम्भवतः यह रिपोर्ट रैवैन्यू मिनिस्टर के पास आ गई है। 206, 428 एकड़ की रिपोर्ट इस समय हमारे पास आ चुकी है और मुआवजे के लिए 70.73 करोड़ रुपये मुआवजे की राशि हम देंगे।

श्री ईश्वर सिंह पलाकाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया कि गेहूं के अलावा इन्होंने अन्य फसलों को भी लिया है तो मैं जानना चाहता हूं कि अन्य फसलों मे इन्होंने कौन–कौन सी

फसलों को लिया है। अध्यक्ष महोदय, जैसे आलु, सरसों और मसूर आदि हैं क्या इनकी फसलों की भी गिरदावरी इन्होंने करवाई है ?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैंने अपने जवाब मे बता दिया है।

श्री ईश्वर सिंह पलाकाः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि.

श्री अध्यक्षः पलाका जी, कालिंग अटैंशन मोशन में कानून है कि जब मंत्री जी उसका जवाब दे देते हैं तो सभी सिगनेटरी अपनी –अपनी एक–एक सप्लीमैंटरी पूछ सकते हैं और आपने अपना सवाल पूछ लिया है। साईदा खान जी आपके साथी हैं उन्होंने अपना सवाल पूछना हे उनको आप अपनी बात कह दें। वे ही पूछ लेगे।

श्री साईदा खानः अध्यक्ष महोदय, जो किसान के दर्द कौ समझ सकता है वह किसान ही है। अध्यक्ष महोदय, आज की तारीख में गेहूं में 12 जोत लगती हैं और उसमें जो ट्रैक्टर प्रयोग होता है उस पर एक बार के लिए 200 से 250 रुपए तक लग जाते हैं।

श्री अध्यक्षः साईदा जी 12 जोत एक साल मे लगती है या एक फसल में लगती है। आप किस फसल की जोत की बात कर रहे हैं।

श्री साईदा खानः अध्यक्ष महोदय, गेहूं की फसल में 12 जोत लगती हैं।

श्री अध्यक्षः साईदा जी, 12 जोत गेहूं की फसल में नहीं लगती है।

श्री साईदा खानः सर, 8 मान लिजिए।

श्री अध्यक्षः साईदा जी, 8 भी नहीं लगती हैं। आप इस बारे में आनन्द सिंह डांगी जी से पूछ लेना। वे आपको बता देंगे।

श्री साईदा खान. अध्यक्ष महोदय, फसल में जो डी०ए०पी० और यूरिया प्रयोग होती है। वह बहुत ही महंगी मिल रही है। किसान को जो मुआवजा 3 या 4 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से दिया है यह कम से कम 10,000 रुपए प्रति एकड़ होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, यह जो ओला है यह जिस पेड़ या पौधे की जड़ में गिरता हैं तो इसकी ठंडक इतनी होती है कि वह जब को ही खराब कर देता है जिसकी वजह से वह पेड़ और पौधा ही नष्ट हो जाता है।

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछें।

वाक–आउट

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इनकी सरकार के

वक्त में किसानों को 50 पैसे और 1 रुपए मुआवजे का देकर किसानों के साथ घिनौना मजाक किया जाता था।

डॉ० सुशील इन्दौराः .....

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded. (विघन) ये जो कुछ भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए।

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय .....

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, साईदा जी आपकी पार्टी के सदस्य हैं वे अपना सवाल पूछ रहे हैं उनको उनका सवाल पूछने दें। (विघन) आप जो भी बोल रहे हैं कुछ भी रिकार्ड नहीं हो रहा है। (विघन) आप ऐसा नहीं करें। आप रूल देखें कि सिगनेटरी को एक ही सवाल पूछने का हक है। (विघन)

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय,. .....

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded. आप मेरी बात सुने। (विघन)

श्री रणदीप सिंह सुरजेबालाः स्पीकर सर, ये वही लोग हैं जिनके हाथ किसानों के खून से सने हैं। दस–दस लोगों की हत्याओं का इल्जाम इनके ऊपर हैं इन्होंने कंडेला के अंदर किसानों को मरवाया हें। ये वही लोग हैं जिन्होंने किसानों पर लाठियां चलवायी हें, किसानों पर घोड़ों की टापें चलावायी हैं। ये वहीं लोग हैं जिन्होंने जींद जिले के अंदर किसानों को मरवाया

है। उस समय वहां पर हमारे मुख्यमंत्री जी भी मौजूद थे जब इन्होंने किसानों पर गोलियां चलवायीं थीं। अध्यक्ष महोदय, उस समय मुख्यमंत्री होते हुए भी ये वहां से जा नहीं सकते थे। लेकिन आज ये किसानों के हमदर्द होने की बात करते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I am to inform the House that I have received a letter.....(Interruptions)

डा० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुनिए।

श्री अध्यक्षः इंदौरा जी, शाहिदा खान अपना सवाल पूछ रहे थे लेकिन आपने उनको अपना सवाल पूछने नहीं दिया। जो सिगनेटरीज हैं वहीं पहले अपना सवाल पूछ सकते हैं। इंदौरा जी, आप ऐसा करके उनका अधिकार छीन रहे हो।

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, आप एक मिनट के लिए हमारी बात सुन लीजिए। **श्री अध्यक्षः** इंदौरा जी, आप उनका अधिकार छीन रहे हैं। आप बैठें। Please don't interrupt the proceedings of the House. It is not your property or my property. It is a House. Please sit down.

डा० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुन लीजिए।

श्री अध्यक्षः इंदौरा जी, यह हाउस किसी की प्रोपर्टी नहीं है। आप बैठे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय में कुछ कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आप किस रूल के तहत खड़े हैं? कालिंग अंटेशन मोशन पर साईदा खान अपना सवाल पूछ रहे हैं आप उनको अपना सवाल पूछने दें।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं भी कुछ बात कहना चाहता हूं। आप मेरी बात सुनिए।

श्री अध्यक्षः नहीं नहीं, आप बैठिए।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी बात है और आप हमारी बात नहीं सुनना चाहते तो हम इसके विरोध में सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इडियन नेशनल लोकदल के सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

अनुपस्थिति संबंधी सूचनाएं

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a letter from Smt. Savitri Jindal, Minister of State for Urban Development and Housing dated 9th March, 2007, vide which she has expressed her inability to attend the Session of Haryana Vidhan Sabha on 12th and 13th March, 2007, as she

will be out of Chandigarh to attend family function.

Hon'ble Members, I am to inform the House that I have received a FAX message from Shri Jitender Malik, MLA, dated 12th March, 2007, vide which he has expressed his inability to attend the Session of Haryana Vidhan Sabha on 12th and 13th March, 2007 due to his ill-health.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the discussion on Governor's Address will take place. Shri Karan Singh Dalal will move the motion.

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं–

'कि इस सत्र में इकट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाषण के लिए राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 9 मार्च, 2007 को 2.00 बजे मध्याहन–पश्चात् सदन में देने की कृपा की है।' '

अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाषण 9 मार्च, श्का को सदन में रखा। मैं इसके लिए उनका बहुत धन्यवाद करता हूं। उन्होंने एक बहुत ही दूरदर्शी दस्तावेज सदन में रखा है और इस दस्तावेज के माध्यम से प्रदेश की नीतियों, प्रदेश के कार्यक्रम लोगों के सामने दर्शाये हैं, वे प्रशंसा के योग्य हैं। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने सबसे पहले

पानीपत के पास समझौता एक्सप्रेस में जो एक बहुत ही निंदनीय घटना घटी, उसकी चर्चा की। वहां पर हरियाणा सरकार ने और आस पड़ौस के गांवों के लोगों ने बढ चढ़कर के जो राहत लोगों को पहुंचाई, वह प्रदेश के लिए प्रशंसा की बात है और माननीय मुख्यमंत्री महोदय के लिए भी प्रशंसा की बात है जिन्होंने स्वयं वहां जाकर के और तमाम प्रशासनिक मशीनरी को वहां ले जाकर के राहत के कार्य करवाए।

अति विशिष्ट व्यक्ति का अभिनंदन

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप शिह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के नोटिस में लाना चाहूंगा कि सरदार अजीत इन्द्र सिंह मोफिर जी, जो कि पंजाब के विधायक हैं वे इस समय स्पीकर गैलरी में बैठे हुए हैं।

Mr. Speaker: I well come of him in the House.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी की इस बात की जितनी भी प्रशंसा की जाए उतनी ही कम है। अध्यक्ष महोदय, यह एक ऐसा षडयंत्र था कि अगर उन षडयत्रकारियों की मंशा सफल हो जाती तो हरियाणा ही नहीं बल्कि दोनों देशों के रिश्तों पर भी कुठाराघात होना था लेकिन सरकार ने न केवल उन लोगों को राहत ही पहुंचाई बल्कि पाकिस्तान सरकार के आए हुए अधिकारियों, पीड़ितों के सभी रिश्तेदारो का मन जीत लिया। उन

सभी ने मुख्यमंत्री जी की, प्रशासनिक अधिकारियों की बहुत तारीफ की इसके लिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को व प्रशासन को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने अभिभाषण के माध्यम से यह बताया है कि किस तरीके से आज की सरकार मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के गतिशील नेतृत्व में लोगो के खोये हुए विश्वास को प्राप्त करने में कामयाब हुई है। किस तरीके से प्रदेश के अंदर जनमानस की सुरक्षा के लिए सभी वर्गो और सभी लोगों को राहत देने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। अध्यक्ष महोदय, गांवों और शहरों को हमारी सरकार समान रूप से आगे बढाने के प्रयास में लगी हुई है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने यह भी बताया कि जो इस सरकार की जो नीतियां और कार्यक्रम है उन्होंने लोगों का मन जीता है। लोगों के मन में सरकार के प्रति विश्वास कायम हुआ है। अध्यक्ष महोदय, सिरसा में जो बहुत बड़ी रैली प्रदेश के अंदर मुख्यमंत्री के आहवान पर हुई जिसमें यू०पी०ए० की चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी ने शिरकत की। उन्होंने मुख्यमंत्री, सरकार, हरियाणा के लोगों को बधाई दी। बजट सत्र से ठीक पहले इतनी बड़ी रैली इस बात को साबित करती है कि हरियाणा के लोगों ने चुनावों के समय से ज्यादा बढ़कर सरकार के प्रति आस्था जताई है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि किस तरीके से इस प्रदेश का संचालन करने में वे लगे हुए हैं। उनका संचालन करने का तरीका यह दर्शाता है कि ये पढ़े–लिखे और स्वतंत्रता सेनानी के परिवार

से संबंध रखने वाले एक बेहद और निहायत काबिल इन्सान हैं। इनके दिल में लोगों के लिए दया है, इनके दिल में हरियाणा को आगे बढाने का सपना हं और इन्होंने जो हरियाणा को पूरे देश में नम्बर एक राज्य बनाने का लोगों को आसान किया है वह बहुत ही प्रशंसा के योग्य हैं। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में जिक्र किया है कि प्रदेश के लोग और तमाम दूसरे राज्यों के ओर दुनिया के लोग जो हरियाणा प्रदेश में निवेश करने से परहेज करने लगे थे, हरियाणा में आने से गुरेज करने लगे थे, हरियाणा में पिछले दिनों कानून व्यवस्था किस तरह खराब हो गई थी, यहां से उद्योगपति पलायन करने लग गये थे। उन सारी बातों पर मुख्यमंत्री जी ने सरकार के अधिकारियों के सहयोग से जिस तरीके से नियंत्रण में किया हे और लोगों के अन्दर फिर से विश्वास को कायम किया है यह प्रदेश के लिए बहुत अच्छी बात है। अध्यक्ष महोदय, यह बात दर्शाती है कि आने वाले समय में हरियाणा का भविष्य कितना उज्जवल होगा। अध्यक्ष महोदय, प्रत्येक महकमे के बारे में पिछले दो साल में सरकार ने क्या कार्य किए हैं उन सबका उल्लेख करना चाहूंगा। लंकिन उससे पहले मैं आपकी इजाजत से दो साल में मुख्यमंत्री जी ने लोगों का खोया हुआ विश्वास प्राप्त किया और प्रदेश के अन्दर कानून व्यवस्था को किस प्रकार दोबारा से कायम किया, उसकी क्या पृष्ठ भूमि थी क्या इस प्रदेश के हालात थे, क्यों प्रदेश का नुकसान हुआ, इन सब बातों का जिक्र करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां जो भी

चाहे गावों में रहता है या शहरों में रहता है यहां पर एक ग्रामीण सा माहौल है। सभी वर्ग, सभी जाति और धर्म के लोग जो राजनीतिक पार्टियों या राजनीतिक दलों से संबंध रखते हैं उनमें यहां के लोग आस्था प्रकट करते हैं। चाहे वे नेता हों या विधायक हो उनको अपना आदर्श मानने कं लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि हमारे शास्त्रों में भी लिखा हुआ है कि खून के रिश्तों से विचारों के रिश्ते गाढ़े होते हैं और मर्यादा में रहकर तमाम हरियाणा के लोग उनका साथ देते हैं। वे लोग उम्मीद करते हें कि जो भी मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक होंगे वे प्रदेश के लिए पूरा समय लगायेगे और प्रदेश को यथा योग्य जिस साधन की जरूरत होगी, जिस साधन को उपलब्ध करवाने की जरूरत होगी उसे करवायेंगे। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार वह सब करने लगी हुई है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, प्रदेश की बदकिस्मती थी कि पिछले दिनों जुलाई 1999 से वर्ष 2005 तक जो सरकार आदरणीय श्री ओमप्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में हरियाणा में चली, उसने किस तरह से हरियाणा के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, यह आप भी अच्छी तरह से जानते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार को इस साल कितनी मशक्कत करनी पड़ी और इसके लिए प्रदेश की जनता को खामियाजा भरना पड़ा उसके जिम्मेवार श्री ओमप्रकाश चौटाला जी हैं। जब ये इस सदन में बैठा करते थे तो हरियाणा के लोग, सदन में बैठे हुए सभी विधायक, सभी अधिकारी इनके भाषणो से, इनके वक्तव्यों से, इनके अहंकार से और इनके घमण्ड से जो ये बात कह दिया करते थे बहुत अचम्भा किया करते

थे। मुझे याद है चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी जब मुख्यमंत्री थे और हम इनको कोई सुझाव देने की कोशिश करने के लिए निवेदन किया करते थे कि मेहरबानी करें इस प्रदेश को अपनी मनमानी से बर्बाद न करें तो यह कहा करते थे कि जब तक जिन्दा हूं मैं इस प्रदेश का मुख्यमंत्री रहूंगा।

श्री ओमप्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य क्या राज्यपाल के अभिभाषण पर बोल रहे हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम: अध्यक्ष महोदय,मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंह सढौरा: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप एक साथ चार माननीय सदस्य खड़े हैं आप में से कौन से सदस्य बोलना चाहते हैं। दूसरे माननीय सदस्यों को इतना तो पता होना चाहिए कि इनके लीडर सदन में खड़े हैं आप एक साथ खड़े हैं आपको तो बैठ जाना चाहिए। कम से कम आप लोगों को देखना चाहिए कि यह सदन है आप सभी को इसकी मर्यादा मे रहना चाहिए।

डॉ० सुशील इन्दौराः स्पीकर सर, यह तो आप बिलकुल ज्यादती कर रहे हैं। माननीय सदस्य किस बात पर बोल रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान?

श्री अध्यक्षः इंदौरा जी, आपके साथ किस बात की ज्यादती हो रही है ?(शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मैं रूल के तहत प्याइंट ऑफ आर्डर पर खड़ा हुआ हूं। (शोर एवं व्यवधान) मेरी बात नहीं सुनी जा रही। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्याइंट ऑफ आर्डर है। इनके साथ किसी बात की ज्यादती नहीं हो रही। ये लोग अपना समय भूल गये। इनकी सरकार के समय में ये लौगों पर गोलियां और लाठियां चलवाते थे। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने की बजाय इधर–उधर की बातें कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष महोदय, ये अपना समय भूल गये हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नरेश जी, प्लीज आप बैठें। इंदौरा जी, जब आपकी टर्न आयेगी उस समय आप जितना बोलना चाहे बोल

लेना। Now, please sit down. It is the wastage of the time of the house. Please take your seat. (Nosie & interruption).

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि सदन में शब्दों का इस्तेमाल सही तरीके से किया जाये और सदन की गरिमा को भंग न किया जाये। (शोर एवं व्यवधान) सदन की गरिमा को बरकरार रखा जाये।

Mr. Speaker: It is my duty. Please sit down. (Noise & interruption).

Shri Karan Singh halal: Speaker Sir, they are wasting my time. (Noise & interruption).

श्री एस०एस० सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्याइंट ऑफ आर्डर है। (विघन) अध्यक्ष महोदय, छाज तो बोले ही बोले छलनी भी बोलने लगी है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीतारामः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्याइंट ऑफ आर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

डा० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, सदन की गरिमा को बरकरार रखा जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष इंदौरा जी, प्लीज आप बैठें। सदन की गरिमा पूरी तरह से बरकरार है। (शोर एवं व्यवधान) You should know that please sit down.

डा० सुशील इन्दौराः स्पीकर सर, मेरा पूरा अधिकार है कि यदि कोई सदस्य सदन की गरिमा को भंग करे तो उसके बारे में मैं आपको बताऊं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं जो बात कह रहा हूं वह रिकार्ड की बात है। आप चाहें तो माननीय साथियों को सदन का रिकार्ड निकलवाकर दिखा दें। (विष्य)

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ...

डॉ० सीता रामः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः मेरी इजाजत के बगैर जो माननीय सदस्य बोल रहे हैं उनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान) प्लीज डाक्टर साहब, आप बैठें।

Dr. Sushil Indora: Speaker Sir, it is my request time & again otherwise हम सदन को नहीं चलने देंगे। चाहे हमें बर्खास्त कर दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान) सदन मे सही शब्दों को इस्तेमाल किया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इंदौरा जी, क्या आप बर्खास्त होना चाहते हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, सदन की गरिमा बरकरार रहनी चाहिए,। (शोर एवं व्यवधाना)

श्री एस०एस० सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा पाइंट ऑफ आर्डर है। (विघन) Please permit me. अध्यक्ष महोदय, मेरा प्याइंट ऑफ आर्डर यह है कि आप सभी बातों को पूरी तरह से समझते हैं और आपसे अच्छा हाउस का डैकोरम और कोई नहीं रख सकता (शोर एवं व्यवधान) विपक्ष के साथी तो इस बात से डरे हुए हैं कि इनके काले कारनामें और करतूतें बेपरदा हो गई हैं। अभी ये दोबारा सदन में यह सलाह करके आये हैं कि ये सदन को नहीं चलने देंगे और इंदौरा जी ऐसा कह भी रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे गुजारिश है कि पहले आप इनको अपनी–अपनी सीटों पर बिठायें। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please sit down. (Noise & interuption) ऐसा है जब आप सारे खड़े थे, आपके नेता खड़े थे, ये कहने लगे कि ये सुझाव देंगे। मैंने यह पूछा कि अण्डर विच रूल ? यह पंचायत नहीं है, यह हरियाणा प्रदेश का हाऊस है। आप अपनी सीट पर बैठिये।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बता रहा हूं कि जब ओमप्रकाश चौटाला की सरकार थी और उनके जो काले कारनामे थे जो गलत कार्यवाही थी, उनसे प्रदेश का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। आज जब नई सरकार आ गई तो हम अपनी सरकार की तुलना इनकी सरकार से इसलिए करना चाहते हैं क्योंकि महामहिम राज्यपाल ने भी यह

बात अपने अभिभाषण में कही है और हमारे पास वो तथ्य हैं जो इस बात को साबित करके दिखायेंगे कि दो साल पहले आई श्री भूपेन्द्र हुड्डा की सरकार ने क्या–क्या उपलब्धियां प्राप्त कीं और पिछली सरकार ने साढ़े 5 साल में प्रदेश का किस प्रकार नाश किया है। अध्यक्ष महोदय, जैसा मैं आपको बता रहा था कि एक तरफ तो श्री ओमप्रकाश चौटाला जैसा एक अहंकारी और रावण जैसा घमण्डी था और दूसरी तरफ हमारे मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, यह बिलकुल गलत बात है इस तरह की टिप्पणी करना बिलकुल गलत बात है।

श्री अध्यक्षः आप अपनी सीटों पर बैठिये सबको बोलने का मौका मिलेगा।

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, सदन की गरिमा को बरकरार रखिये। (विघन)

श्री अध्यक्षः सदन की गरिमा बरकरार नहीं बल्कि बढ़ाई जायेगी। आप अपनी सीट पर बैठिये जब आपको काल किया जायेगा, तब आप बोलिये। (शोर एवं व्यवधान) मैं आपको अलाऊ करता हूं आप अपनी सीट पर जा कर बोलिये। (शोर एवं विघ्न)

श्रीमती रेखा राणाः खिसियाणी बिल्ली खम्बा नीचे।

Mr. Speaker: Indora Ji sit down. The dignity and sanctity of the House will be maintained at all costs.

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, हम आपको पूरा सहयोग और समर्थन देंगे लेकिन यह जो derogatory remarks कर रहे हैं यह ठीक नहीं है। यहां हाऊस में भी लिखा हुआ है there should be no derogatory remarks to the present members of the house (Noise & interruptions)

Mr. Speaker: We should continue discussion on Governor address.

श्री आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, भाई कर्ण सिंह दलाल अपने पास से मिलाकर कुछ नही बोल रहे हैं। जो तथ्य हैं, जो लोगों की जुबान पर हैं जो पिछला इतिहास बता रहा है वे तो वही बात कह रहे हैं, कोई भी बात जोड़कर नहीं बोल रहे हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि मैं आपके माध्यम से जो माननीय इंडियन नेशनल लोक दल, इंडियन भी और नेशनल भी और लोकदल भी है को यह कहना चाहता हूं कि इनको यह समझना चाहिए कि नियम के मुताबिक जो आज हरियाणा की जनता देख रही है कि यह सदन में जो काम हो रहा है उनको बुरा नहीं मानना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जब उनकी सरकार थी तब भी हम उनकी हैसियत उनको बताया करते थे कि आप हरियाणा का नाश कर रहे हो। तुम्हारे सामने तुम्हारी गलतियां आयेंगी, तुम्हें शर्म आयेगी। इस सदन में आने में तथा हरियाणा की जनता के सामने आने में तुम्हें शर्म आयेगी।

मेहरबानी करके आप कोई ऐसा काम न करें जिससे शर्मिन्दगी आपको उठानी पड़े। इन्होंने हमारी बात नही सुनी। मैं एक बार फिर आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि इनको जानना चाहिए कि यहां हम हरियाणा के लोगों के कस्टोडियन हैं उनकी भलाई और उनकी सुरक्षा के लिए कानून बनाने के लिए आते हैं। हमें कोई अधिकार नहीं है कि हम सरकार के खजाने को मनमाने तरीके से अपने परिवार और अपने फायदे के लिए सभी नियमों को न्यौछावर करके अपने मन मुताबिक गलत काम करवायें। अपने नीचे के अधिकारियों से गलत आदेश पारित करवायें। अध्यक्ष महोदय यह बात कह कर मैं यह बताना चाहूंगा कि आज के जो मुख्य मंत्री हैं वे उस फलों वाले पेड़ की तरह से हैं जिसकी लताएं ज्यादा फल होने की वजह से नीचे की ओर झुक जाती हैं। लोगों को छाया मिलती है, लोगों को फल मिलता है। उस पेड़ का बहुत बड़ा लाभ समाज को मिलता है। अध्यक्ष महोदय, हमारे श्री ओम प्रकाश चौटाला जी जब मुख्य मन्त्री थे तो इनके बारे में यह कहावत थी कि

बड़े भये तो क्या भये जैसे पेडू खजूर,

पंछी को गया नही फल लागे अति दूर।

अध्यक्ष महोदय, मैंने एक भी बात गलत नहीं कहीं है। मैं माननीय सदस्यो से अनुरोध करता हूं कि वे मेरी किसी बात को गलत साबित करें। मैं जो बोल रहा हूं वह इस महान सदन ने

अपनी आखों से देखा हुआ है। हरियाणा प्रदेश के लोगों ने इनकी गुस्ताखियों और इनके गलत कामों को अपनी आखों से देखा है और इनके गलत कारनामों के कारण हरियाणा प्रदेश को बर्बाद होते हुए लोगों ने अपनी आखों से देखा है। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने कृषि के मामलों में सदन के माध्यम से हरियाणा प्रदेश के लोगों को जानकारी दी है। मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी तथा माननीय कृषि मन्त्री सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटठा जी की बहुत ही प्रशंसा करता हूं कि हमारे माननीय कृषि मन्त्री जी ने पहली दफा साढ़े सात साल बाद गेहूं के बीज का उपचार करके तमाम हरियाणा में गेहूं के उत्पादन को इन्होंने रिसर्च वर्क करके बढ़ाया है। इन्होंने उत्पादन बढ़ाने के लिए दवाइयों की रिसर्च का काम करवाया, गेहूं कि अगेती बुवाई करवाई ताकि प्रदेश में गेहूं का उत्पादन बढ़े। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमन्त्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा गेहूं के बीज का उपचार करने के रिसर्च वर्क में लगे हुए हैं, इनकी सरकार, इनके सभी माननीय मन्त्री और अधिकारी इस रिसर्च में लगे हुए हैं कि गेहूं के उत्पादन को किस तरह से बढाया जाए, इसके लिए क्या दवाई डाली जाए इस तरह के कामों में वे अपना समय खराब करते हैं और दूसरी तरफ चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी भी समय खराब किया करते थे, रिसर्च ये भी किया करते थे। इनके परिवार के लोग, इनके सभी विधायक साथी भी रिसर्च किया करते थे। ये लोग प्रदेश में गेहूं का उत्पादन बढ़ाने के लिए रिसर्च नहीं किया करते थे बल्कि ये रिसर्च किया करते थे कि भ्रष्टाचार को किस

तरीके से बढ़ाया जाए, किन किन तरीकों से महकमों के साधनों को लूटा जाए। अध्यक्ष महोदय, वे इस बात की रिसर्च करते थे कि हरियाणा प्रदेश में जो उद्योगपति उद्योग लगाना चाहते थे उनको कैसे लुटा जाए। जो नाकाबिल लोग थे, उनको झूठे सर्टिफिकेट उपलव्य करवा कर एच०पी०एस०सी० और एस०एस०एस० बोर्ड के माध्यम से और जितने भी महकमें थे उनके माध्यम से हरियाणा में नौकरियां बांटी जाती थी। अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी हरियाणा प्रदेश को बर्बाद करने का काम करते थे और इनके शौक भी बड़े भयंकर थे। उन दिनों पता नहीं इनके मन में क्या सपना आया कि इण्डियन नैशनल लोकदल का वाकई ही पूरे इण्डिया में विस्तार करना चाहिए। ये मुख्य मन्त्री तो हरियाणा के थे लेकिन कभी राजस्थान में जा कर चुनाव लड़ने की घोषणा करते और वहां पर अपनी पार्टी के उम्मीदवार खडे करते, कभी उत्तर प्रदेश में जाकर वहां पर अपनी पार्टी के उम्मीदवार खड़े करते। अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी जब उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने के लिए गए तो इनकी इस सोच को देख कर बड़ी हंसी आती थी कि किस प्रकार से इन्होंने लोगों को बहकाने की कोशिश की। उस समय इन्होंने वहां पर यह नारा दिया था कि चौटाला नहीं आधी है, आज का महात्मा गांधी है। अध्यक्ष महोदय, यह बात मैं नहीं कह रहा हूं, चौटाला साहब सामने बैठै हुए हैं अगर मैं गलत कह रहा हूं तो ये खड़े होकर मना करें (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, सबूत के तौर पर उन अखबारों की कतरने मैं सदन के पटल पर रख सकता हूं। यह नारा इन्होने वहां पर

प्रदर्शित किया। उत्तर प्रदेश में ये गये तो थे नमाज बख्शवाने लेकिन रोजे गले पड़ गए। वहां पर कोई सीट लेने का तो सवाल ही क्या हमारे हरियाणा की राज्यसभा की एक सीट यू०पी० में दे कर चले आए। अध्यक्ष महोदय, प्रदेश के खजाने पर अरबों रुपये का नहीं बल्कि खरबों रुपये का बोझ डाला। अध्यक्ष महोदय, बजाए इसके कि बीज का उपचार करके किसानों की गेहूं की फसल को सम्भालने का कोई इन्तजाम करते। अध्यक्ष महोदय, अब इन श्रीमान जी का क्या करें। अध्यक्ष महोदय, जब यू०पी० में चुनाव आए तो इन्होंने हरियाणा के गेहूं को छोड़ कर यू०पी० का गेहूं खरीदना शुरू कर दिया। इन्होंने न तो उस गेहूं की गुणवत्ता देखी और न ही यह देखा कि वह गेहूं सही है या खराब दै। बस अन्धाधुंध गेहूं खरीदना शुरू कर दिया। यह भी नहीं सोचा कि उस गेहूं को रखेंगे कहां बस खरीदते रहे। इन्होंने हजारों टन गेहूं खरीद लिया और उस गेहूं को .हैफेड कान्फैड और खेतों में खुला ही रख दिया और वह गेहूं खराब हो गया। आपने जो कैग की रिपोर्ट सदन में रखी है उसमें भी यह दर्शाया गया है कि गेहूं घटिया किस्म की खरीदी गई है और उस गेहूं का रख रखाव ठीक से नहीं किया गया था। जिसकी वजह से हरियाणा प्रदेश का 350 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि आप हमारे आज के मुख्यमंत्री जी को देखें। मैं इनके साथ एक बार दिल्ली गया था वहां पर इनके पिता जी श्री रणबीर सिंह हुड्डा जो स्वतन्त्रता सेनानी हैं उन्होंने मुख्यमंत्री जी को कहा कि भूपेन्द्र तू यह सिग्रेट पीना छोड़ दे। अध्यक्ष महोदय,

वह दिन और आज का दिन हे इन्होंने उस दिन से सिग्रट को हाथ तक नहीं लगाया। (विघन) अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो पिता के आदेश मानने वाला ऐसा आज्ञाकारी बेटा है जिस पर हमारा प्रदेश और पूरा देश गर्व करता है और एक तरफ हमारे माननीय श्री ओम प्रकाश चौटाला जी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इनके बारे में बताना चाहूंगा कि जब ये पैदा हुए थे तो वहां पर ब्राह्मणों ने इनका पत्रा देखा और कहा कि आज तो यह रो है कल देखना पूरा प्रदेश रोएगा। (विघन)

डॉ० सीता रामः अध्यक्ष महोदय, ये किस तरह की बात कर रहे हैं। क्या यह गवर्नर एड्रेस पर बोल रहे हैं? इनको ठीक तरह से बोलना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

Dr. Sushil Kumar Indora: Speaker Sir, as per rule, there should be no personal remarks by any member. (Noise and Interruptions)

श्री अध्यक्षः इन्होंने कौन सी अन–पार्लियामैंट बात कह दी है जो आप इस तरह से बिहेव कर रहे हो ? (विघ्न) अगर इन्होंने कोई अन–पार्लियामैंट शब्द कहे हैं तो आप बताएं मैं उनको कार्यवाही से निकलवा देता हूं। (विघन)

डॉ० सीता रामः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय,. .....

श्रीमती रेखा राणाः अध्यक्ष महोदय,.. .....

श्री अध्यक्षः ये जो कुछ भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। (विघ्न) आप मुझे यह बताएं कि इन्होंने कोई अन–पार्लियामैंट शब्द कहे हैं तो मैं उनको कार्यवाही से निकलवा देता हूं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि अगर मैंने कोई गलत बात कही है तो ये बाद में उस बारे में कह सकते हैं। (विघन)

श्री आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, रूल में लिखा हुआ है कि अगर कोई सदस्य सदन में न बैठा हो तो उसके बारे में टिप्पणी नहीं करनी चाहिए और कोई सदस्य सदन में बैठा हो तो उसके बारे मैं कोई टिपप्णी की जाती है ता उसको खड़े होकर अपनी कलैरिफिकेशन देनी चाहिए। (विघ्न) यह संविधान का दिया हुआ अधिकार है। (विघन)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, तुलसी दास ने रामायण में एक चौपाई में लोक अभिव्यक्ति की है। उन्होंने लिखा है कि––

'पहले जन्मों ग्रान्थ, फिर जन्मों शरीर।

तू चिंता काहे करे, क्रिक करे रघुबीर।

अध्यक्ष महोदय, इनका प्रारब्ध जन्म से पहले बना हुआ था जोकि ब्राह्मणो ने इनके जन्म पर बताया था, अब ये इस बात

का बुरा क्यों मान रहे हैं? (विघन) यह मैंने नहीं बताया है यह आपके सिरसा के ब्राह्मणों ने बताया है, उनसे जाकर लडो। (विघन)

डा० सीता रामः अध्यक्ष महोदय, ... (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं सबूत के तौर पर आपको और सदन के सामने इनके बचपन से लेकर अब तक के दो चार किस्से सुनाना चाहता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा० इंदौरा, आप जानते हो कि proceedings of the House should not be disturbed. (noise and interruptions). इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए.

डॉ० सुशील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं बाह्मणों की बात बता रहा हूं। मैं अपनी तरफ से कोई बात नहीं बता रहा हूं। अगर ब्राह्मण की बात भी ये नहीं मानते तो इसमें मेरा क्या कसूर है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप गवर्नर, ऐड्रैस पर बोलें।

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, में गवर्नर ऐड्रैस पर ही बोल रहा हूं और बता रहा हूं कि किस तरीके से हरियाणा ने बीज का उपचार किया और उसकी रिसर्च की तथा गेहूं का उत्पादन बढाया

और किस तरह से इन्होंने भ्रष्टाचार करने के तरह–तरह के रास्ते ढूंढे। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं यह बता रहा हूं कि किस तरह से इन्होंने दूसरे प्रदेशों में जाकर हरियाणा का मखौल बनाया और किस तरह से हरियाणा की संस्थाओं को इन्होंने बर्बाद किया। मैं यू०पी० रिर्टन महात्मा गांधी से पूछना चाहता हूं कि क्या इन्होंने ऐसा नहीं किया ? वहां ये महात्मा गांधी थे या नहीं ? कभी ये सद्दाम हुसैन की तरह रूतबा दिखाते थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, ...

डॉ० सीता रामः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं तो सद्दाम हुसैन का नाम ले रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी प्रोटैक्शन चाहता हूं.

श्री बलबन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, क्या मैं कोई गाली दे रहा हूं? ये जो मासूम बनै बैठे हैं आप इनसे ही पूछिए है। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय श्री ओम प्रकाश चौटाला को छोडकर इंडियन नेशनल लोकदल के सभी सदस्य हाउस की बैल में आ गए और जोर जोर से बोलने लगे।)

श्री अध्यक्षः आप सभी अपनी अपनी सीटों पर बैठें। ये जो भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। (शोर एवं व्यवधान) आप पहले सभी अपनी सीटों पर जाएं और फिर अपना प्वायंट ऑफ आर्डर करें। आप पहले अपनी सीटों पर जाएं फिर मैं आपको बोलने के लिए अलाऊ करूंगा।

डॉ० सुशील इंदौराः ठीक है सर, हम अपनी सीटों पर चले जाते हैं।

श्री अध्यक्षः अब डी० इंदौरा जी बताएं कि आपका क्या सुझाव है? अब मैं आपको बोलने के लिए अलाऊ करता हूं। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी अपनी सीटों पर बैठे मैं आपकी बात सुनूंगा। (विघन) डॉ० इंदौरा, आपका प्यायंट ऑफ आर्डर क्या है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, क्या मैं भी एक सबमिशन कर सकता हूं ?

श्री अध्यक्षः जी हां, बोलिए।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः स्पीकर साहब, आप हाउस के कस्टोडियन हैं। हाउस ठीक ढंग से चले यह हमारी ख्वाहिश है। इसके लिए आपको दो निर्णय लेने हैं। आपको अगर इसी ढंग से हाउस चलाना है। तो फिर दूसरे इधर से जो बोलें उसमें भी आपको आपत्ति नहीं करनी चाहिए, यही मेरी दो टूक बात है। इस

ढंग से आपने हाउस को चलाना है तो समूचे मैंबर्ज को इस प्रकार की छूट होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर हे। मैं श्रीमान ओम प्रकाश चौटाला से यह जानना चाहता हूं कि उन्होंने यू०पी० में अपने आपको महात्मा गांधी कहा था या नहीं? यदि ये इस बात से मना करते हैं तो मैं अपनी बात वापस लेता हूं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यदि आप मुझे इजाजत दें तो मैं बोलना शुरू करूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी मैंबर्ज को बोलने का पूरा–पूरा अवसर मिलेगा। अगर कोई मैंबर कम्पैरेटिव स्टेटमैंट देता है तो उसमें कोई हर्ज की बात नही है। हाउस पूरी तरह से डिग्नीफाई मैनर में सैंक्टिटी और पूरी डिग्निटी से चल रहा है। ये हाउस किसी के हिसाब से नहीं चलेगा। ये 90 आदमियों का हाउस है और उनकी स्पिरिट के हिसाब से और उन सभी की भावनाओं के अनुरूप यह हाउस चलेगा। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि जिस तरीके से कोई भी मैंबर सिटिंग मैंबर के लिए बोले तो ऐसे अपशब्दों का इस्तेमाल न करे जिससे पर्सनल या व्यक्तिगत आक्षेप होता हो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप अनपार्लियामैट्री शब्द पॉइंटआउट करें कि यह वर्ड अनपार्लियामैट्री है तो मैं उसको प्रौसीडिंग से

निकलवा दूंगा। (शोर एवं व्यवधान) रूल में तो यह भी है कि nobody shall interrupt or disrupt the proceeding of the house.

श्रीमती रेखा राणाः अध्यक्ष महोदय, हाउस तभी चलेगा जब अपशब्द वापस लिये जाएंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ऐसी बात नहीं है। रावण तो बड़ा ही ज्ञानी ध्यानी आदमी था। यह शब्द अनपार्लियामैट्री कैसे हो गया?

Dr. Sushil Indora: Speaker Sir, with the permission of the chair, I want to say (Noise & interruption).

Mr. Speaker: Please, sit down.

श्री आनंद सिंह डांगीः सारे सदन की कार्यवाही को चलाने के लिए इस पिलर पर जो लिखा हुआ है उसका अनुसरण हम सबको करना चाहिए। सदन के अंदर जो मी साथी बोलें उन्हें सच्चाई के साथ अपनी बात बोलनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) मैं बोलूंगा तो मी वही बात आयेगी। (शोर एवं व्यवधान) आप मेरी बात तो सुनिए मैं जो इस पिलर पर लिखा हुआ है वही बोल रहा हूं। प्रत्येक माननीय सदस्य का फर्ज है कि उसी के अनरूप बोलें और अपनी सारी बातों को उसी हिसाब से रखें।

Mr. Speaker: Yes, Dalal Sahib, please resume your discussion. (Noise & interruption)

श्री आनन्द सिंह दागीः अध्यक्ष महोदय, जो कुछ भी बात दलाल साहब ने कही है वह ठीक है। महात्मा गान्धी इस देश के

राष्ट्रपिता थे सभी उनके चरणों में नमन करते हैं। दूसरी बात इन्होंने सद्दाम हुसैन और रावण के बारे मे कही वे भी एक महान शक्ति हुए हैं। जो आदमी जैसे कर्म करता है उसके हिसाब से उसका नाम उसी श्रेणी में लिखा जाता है जैसे महात्मा गान्धी जी ने इस देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। सब उनकी पूजा करते हैं। (शोर एवं व्यवधान) अगर कोई जल्लाद किस्म का आदमी अपने आपको महात्मा गान्धी कहने की बात करे तो वह गलत है। उसे तो सद्दाम हुसैन या रावण ही कहना चाहिए और दूसरी बात उसके लिए नहीं हो सकती है।

डॉ० सुशील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को किसी व्यक्ति विशेष के बारे में ऐसा नहीं कहना चाहिए।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आपको अपनी बात बताने का पूरा समय मिलेगा, उस समय आप बोल लेना।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इनकी तानाशाही सद्दाम हुसैन जैसी नही थी क्योंकि सद्दाम हुसैन जी ने दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के सामने आखिरी दम तक अपना सिर नहीं झुकाया और बड़ी इज्जत के साथ फांसी का फन्दा चूम करके इस दुनिया से विदा हो गये। अध्यक्ष महोदय, जब तक यह दुनिया है तब तक सारी दुनिया सद्दाम हुसैन के उस सम्मान को याद करेगी, जिस सम्मान के साथ उन्होंने राज किया और सम्मान के साथ फांसी के फन्दे को चूमा। इनकी तानाशाही इदी अमीन जैसी भी

नहीं थी क्योंकि इदी अमीन तो अपनी प्रजा से शर्मिदा होकर अपने देश को हमेशा के लिए छोड़कर चले गये थे परन्तु ये तो दो साल बाद वापिस आ गये हैं। इसलिए ये तो इदी अमीन भी नहीं हें।

डॉ० सुशील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, पर्सनल लांछन किसी सदस्य के प्रति लगाकर यह सदन कैसे चलेगा ? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता रामः अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब जिधर भी गये हैं वहां की लुटिया डूब गई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप अपनी स्पीच कन्टीन्यू रखिये।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, लोगों को चिन्ता है कि इनको क्या कह कर पुकारे। कहीं तो ये महात्मा गान्धी बनते हैं, कहीं सद्दाम हुसैन बनते हें और कहीं इदी अमीन बनना चाहते हैं। लेकिन इन्कम टैक्स के कागजों में अगर आप देंखें तो ये भेड़–बकरियां चराने वाले किसान बनते हैं। चौटाला साहब यहां पर बैठे हैं ये बता सकते हैं कि इन्होने इन्कम टैक्स की रिटर्न में अपनी आय का साधन यह नहीं लिखवाया हुआ है? उसमें इन्होंने लिखा हुआ है कि मैं और मेरा परिवार भेड़– बकरियां चराकर उनका दूध बेचकर अपना गुजारा करते हैं (शोर) सर. अन्दर से ये सारे राजी हैं। किसी शायर ने ठीक ही कहा है ''आन्धियां बनकर चिरागों को बुझाने वालों, कहां जाओगे तुम दुनिया में अन्धेरा

करके '। कहने का मतलब यह है कि मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते समय भगवान को हाजिर नाजिर रखकर यह कहा जाता है कि मैं न किसी रिश्तेदार को मानूंगा न किसी खून के रिश्ते को मानूंगा, जो देश प्रदेश के हित में काम होगा, मैं वह करूंगा। अध्यक्ष महोदय, वह जो कसम थी, हल्फ थी। अगर इन्होने सबक सीखना है तो आज के मुख्यमंत्री से सीखें। वर्तमान मुख्यमंत्री जी किस तरीके से मर्यादा में रहकर प्रदेश को नम्बर एक का प्रदेश बनाने का सपना दिखाकर प्रदेश को आगे खींचने की कोशिश कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात छिपाता नहीं हूं। जिस तरीके से ये सरकार के विरोधी हैं प्रजातंत्र में विरोध करने का किसी को भी हक होता है और संसदीय प्रणाली में विरोध करने से सरकार को सहारा मिलता है और एक सजगता मिलती है। लेकिन इनकी सरकार इन के समय में विरोध को नहीं विरोधियों को खत्म करने का काम किया करती थी। स्पीकर सर, आपको भी वे दिन याद होंगे कि किस तरीके से पिछली सरकार के समय सदन में सही बातें कहने से पहले सदस्यों को सदन से नेम कर दिया जाता था और सदन से बाहर निकाल दिया जाता था। उस समय मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला और उनके बेटे पता नहीं क्या– क्या नाम रखा करते थे। अध्यक्ष महोदय, हम मुख्यमंत्री से दो साल से इस बात से नाराज रहे हैं कि पिछली सरकार के मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला और उनके बेटे जिस तरह का व्यवहार यहां हमारे साथ करते थे हमें भी उनके साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए। इस पर हमारे मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज मेरे ऊपर संविधान की

जिम्मेवारी हे। मैं उस परिवार से नहीं हूं। मेरी संस्कृति ऐसी नहीं है कि मैं मर्यादाओं से हटकर किसी का इसलिए नुकसान करूं कि वह हमारा विरोधी है। अध्यक्ष महोदय, ऐसा नहीं है कि जिनका नाम अभी मैं ले रहा था उनकी प्रजाति में कोई नये गुण आये हों। ये तो जिस समय छोटे थे उस समय से ही इस तरह के हैं। जब ये छोटे थे उस समय डबवाली में बिना पे किये ट्रेन में सफर किया करते थे। उस समय इनको पकड़ा भी गया और फाईन भी हुआ। अगर यह बात मैं गलत कह रहा हूं तो चौटाला साहब स्वयं ही बता दें। मैं अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे दूंगा।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा पाइंट ऑफ आर्डर है कि आप दलाल साहब से लिखित में ले लें कि यदि ऐसी कोई कहानी नहीं हुई होगी तो ये अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे और इन्क्वायरी करवा ली जाये कि इस तरह का कोई वाक्या हुआ था या नहीं। यदि ऐसा वाक्या द्या हो तो मुझे सजा दी जाये।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं लिखित में देने के लिए तैयार हूं।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, सदन में कही हुई कोई भी बात लिखित ही होती है। सदन कोई गांव की चौपाल नहीं है। सदन में जो भी कोई बात कही जाती है उसकी रिकार्डिंग होती है। (विष्य)

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्याइंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब तो पता नहीं किस एथेनटेसिटी से बता रहे हैं लेकिन चौटाला साहब यह बता दें कि जिस समय ये घड़ियों की चोरी के मामले में पकड़े गये थे उस समय चौधरी देवी लाल जी ने यह कहा था कि नहीं कि ओम प्रकाश चौटाला मेरा बेटा नहीं है। यह बात ये ईमानदारी से बता दें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इंदौरा जी को बुरा नहीं मानना चाहिए। इनको पूरी बात सुननी चाहिए। मैं उस समय का जिक्र कर रहा हूं जिस समय ओम प्रकाश चौटाला जी मुख्यमंत्री के पद पर आसीन थे, सदस्य के रूप में इनका जिक्र नहीं हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहता हूं कि यदि किसी ने कोई गलत आचरण किया है तो उस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और हरियाणा प्रदेश को आगे बढ़ाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी ने पिछले दो सालों के अंदर यथा प्रयास करके जो हमारे प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी हमारे प्रदेश में पिछली सरकार के डर और भय से रूचि छोड़ चुके थे उनकी आस्था अब प्रदेश के विकास की तरफ हुई है। पिछली सरकार के समय में प्रशासनिक अधिकारियों को मुख्यमंत्री के आवास पर और कार्यालय में बेइज्जत किया जाता था और उनका आत्मविश्वास बिलकुल टूट चुका था लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने दो सालों में यथा प्रयास करके उनमें आत्मविश्वास पैदा किया है। इसी तरह से

जो उद्योगपति पिछली सरकार की ज्यादतियों की वजह से हरियाणा प्रदेश से उद्योग दूसरे प्रदेशों में ले जा रहे थे उनमें भी आत्मविश्वास हमारे मुख्यमंत्री जी ने बनाया है और उनको प्रदेश में वापिस लेकर आये हैं। इसके अतिरिक्त विदेशों में जाकर नये उद्योग भी प्रदेश में लेकर आये हैं जो कि बहुत ही सराहनीय कार्य है। अध्यक्ष महोदय, इन कार्यो से पिछले मुख्यमंत्री जी को सीख लेनी चाहिए और जो कुकर्म उन्होंने किए थे उन पर उन्हें शर्मिदगी होनी चाहिए। हमारे वेदशास्त्रों में लिखा हुआ हे कि यदि हम से कोई गलती या मूल होती है तो उस पर हमें पश्चाताप करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आज हम देख रहे हैं कि हमारे मुख्यमंत्री जी किस तरह से शिक्षा का विस्तार प्रदेश में कर रहे हैं। कहीं पर महिला विश्वविद्यालय बनाया जा रहा है, कहीं पर राजीव गांधी एजूसेट सिटी बनाई जा रही है, कहीं पर सर छोटूराम पौलिटैक्निक इन्स्पीच्यूट को यूनिवर्सिटी बनाया जा रहा है और स्कूलो को भी बराबर अपग्रेड किया जा रहा है ताकि प्रदेश के बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सकें। सरकारी स्कूलों के प्रति आम जनता का जो विश्वास पिछली सरकार के समय में उठ गया था उसको हमारे मुख्यमंत्री जी ने फिर से बनाया है और प्रदेश के सरकारी स्कूल जहां पहले अध्यापकों के अभाव में खाली रहते थे उनमें अतिथि अध्यापकों को लगाया गया है ताकि बच्चों को पढ़ाया जा सके। हमारे मुख्यमंत्री जी के दो सालों के यथा प्रयासों से अब प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इस सरकार में हुड्डा साहब के नेतृत्व मे शिक्षा और हरियाणा के विकास के लिए

समस्त प्रकार के जो विकास हैं, वे सुरक्षित है। स्पीकर सर, इनको इसकी सराहना करनी चाहिए। शिक्षा के विभाग में काम इनकी सरकार भी करती थी। क्या काम करती थी? सर, कमरों के लिए जो ग्रांट जाया करती थी उस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि बिहार में भी शायद ऐसा नहीं होता होगा। नारनौल के डी०ई०ओ० ने पता नहीं कितने कमरों के अनुदान को सीधे बिना किसी अकाऊंट पेयी के बियरर चौक से सारा पैसा वहां ट्रांसफर कर दिया और रिकार्ड में दिखा दिया कि इतने कमरे बन चुके हैं। जब उसकी जानकारी ली गई तो उन स्कूलों के अध्यापको ने कागजों पर लिखा हुआ है कि हमारे गांव में कोई कमरे नहीं बने हैं। स्पीकर सर, अगर आप कहे तो मैं इस रिपोर्ट को सदन के पटल पर रख सकता हूं। आप इसको रिकार्ड का हिस्सा बनाईये। इन्दौरा जी भी देखें और ये भी देखे जिस तरीके से इन्होंने हरियाणा की जनता के साथ शिक्षा के मामले में खिलवाड़ किया। जे०बी०टी० शिक्षको की भर्ती में घोटाला, किस तरीके से आई०ए०एस० अधिकारियो को पद पर बैठाकर और लालच देना फिर उनको डराना और डराकर मन मर्जी के अपने चहेते उन लोगों को जो शिक्षा के लायक नहीं, शिक्षक नहीं बन सकते थे उनको जे०बी०टी० मे अध्यापक नियुक्त किया। स्पीकर सर, वर्ष 2000 में जब इनकी सरकार बनी तो इन्होने सीनियर सैकेण्डरी स्कूलों के लैक्चरर की लिस्ट को बदलने का दुस्साहस किया। उस वक्त जो D.E.O.s की कमेटी बनी थी। चौटाला जी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं उसमें एक D.E.O. की डैथ हो गई। सभी D.E.O.s ने तो साईन कर दिये जो

स्वर्गवासी D.E.O. थे उसके स्थान पर पता नहीं चौटाला जी ने खुद या इनके अनपढ बच्चों ने या इनके दुस्साहस करने वाले अधिकारियों ने उस पर साईन करके उस लिस्ट को एप्रूव कर दिया और सारे हरियाणा के अन्दर लैक्चरर, सीनियर सैकेण्डरी स्कूलों में लगवाये। जे०बी०टी० के दो साल तक दाखिले नहीं होने दिये क्योंकि यह चाहते थे कि जे०बी०टी० की लिखित परीक्षा में इनके मनमाने तरीके के विद्यार्थियो को दाखिला मिले। अध्यक्ष महोदय, यूनिवर्सिटीज में इन्हे और तो कुछ नजर आया नहीं सोचा सिरसा में यूनिवर्सिटी बनाई जाये। किसके नाम पर चौधरी देवी लाल के नाम पर, चौधरी देवी लाल के नाम पर सिरसा में यूनिवर्सिटी बना दी। विश्व में कोई ऐसी घटना आपको सुनने में भी और देखने मे भी नहीं आई होगी कि दादा के नाम पर यूनिवर्सिटी और पिता हरियाणा का मुख्यमंत्री और दसवीं पास इनका बेटा एल०एल०बी० की कक्षा में वहां पर दाखिला लेकर के वकील बनने का दुस्साहस कर रहा है। इन्दौरा जी, ऐसा आपको कहीं भी नहीं मिलेगा। इन्दौरा जी, चौटाला जी से पूछिये क्या वे इस बात के लिए मना करते हैं कि इनका जो छोटा बेटा है उसकी क्वालीफिकेशन है कि वह एल०एल०बी० में दाखिला ले सकें और वह सिरसा में आपकी चौधरी देवी लाल यूनिवर्सिटी में एल०एल०बी० कर रहा है। यह कितना बड़ा गुनाह है जो ये हरियाणा के लोगों को दिखाने में लगे हुए हैं, जो ये करने में लगे हुए हैं। स्पीकर सर, आज चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने पूरे हरियाणा में पी०टी०आई० और डी०पी०एड० के

आपने देखा कि आवेदक बहुत ज्यादा थे शिकायत आई कि उसमें धांधली हुई है, कुछ कमी उसमें देखी तो मुख्य मंत्री जी ने आदेश दिया और उन परीक्षाओं को निरस्त कर दिया दोबारा से जो सरकार आदेश करेगी उस हिसाब से आगे की कार्यवाही होगी। उनकी सरकार में मैडिकल कॉलेज में दाखिलों की लिस्ट ये बनाया करते थे तमाम इंजीनियरिंग कॉलेजिज में किनके दाखिले होने हैं उनकी लिस्ट ये बनाया करते थे और स्पीकर सर, यह कोई बिना सोच या बिना वजह की घटना नहीं है क्योंकि इनका परिवार अनपढ़ों का परिवार है ये चाहते हैं कि अगर हरियाणा के बच्चे पढ़ने लिखने लगे तो (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इंदौराः सर, यह गलत बात है। (विघ्न एवं शोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः कितने पढ़े लिखे हैं चौटाला जी, आप पूछ तो लें।

श्री अध्यक्षः प्लीज मान साहब, नो इन्टरपशन, चौ० ज्ञानचन्द जी, आप तो साझले आदमी हो आप तो ऐसा न करो।

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, हमारे मुख्य मंत्री की सोच तो यह है कि हरियाणा के हमारे बच्चों को, हमारी बहन बेटियों को क्वालिटी ऐजुकेशन मिले और विश्व स्तर की शिक्षा इस हरियाणा प्रदेश में हो इसके लिए प्राईवेट यूनिवर्सिटी बिल इसी विधान सभा ने पारित किया था आज हमारी सरकार नये–नये

विश्वविद्यालय बनी रही है, नये–नये कॉलेजिज बना रही है। अध्यक्ष महोदय, जीन्द मे रीजनल सैंटर, मेवात में रीजनल सैंटर और एक रीजनल सैंटर मीर में बनाने में लगे हुए हैं। हमारी सरकार की सोच तो यह है कि अगर इस हरियाणा के अन्दर रहने वाले हर जाति, हर वर्ग, हर धर्म के बच्चो को जब तक पढ़ने–लिखने के लायक नहीं बनाएंगे तब तक हरियाणा प्रदेश तरक्की नहीं कर सकता है। माननीय मुख्य मन्त्री जी इस प्रयास में अपनी पूरी ताकत और ईमानदारी से लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, दूसरी तरफ इस लोगों का प्रयास यह था कि अगर हरियाणा प्रदेश के बच्चे पढ़ना–लिखना सीख गए और हरियाणा के बच्चों में पढ़ाई–लिखाई की योग्यता आ गई तो फिर वे ऐसे अनपढ लोगों की पार्टियों को किस लिए सहारा देंगे इसलिए इनकी यह, पूरी साजिश रहती थी कि जब भी सत्ता में आते हैं शिक्षा के मामले में कुछ नहीं करते हैं। ये शिक्षा संस्थानों की ऐसी धज्जियां उड़ाते थे कि कोई भी शिक्षक अथवा अच्छा विद्यार्थी हरियाणा प्रदेश में आना पसन्द नहीं करता था 1 अध्यक्ष महोदय, आप इनकी सोच देखिये कि ये स्वतन्त्रता सेनानियों का अपमान करते हैं। यूनिवर्सिटी चौधरी देवी लाल के नाम पर है। एक दिन में वहां पर रूका हुआ था और सैर करने के लिए चला गया। स्वतन्त्रा सेनानी शहीद–ए–आजम लाला लाजपतराय जी के नाम पर वहां पर एक छोटा सा कमरा बना रखा है और ये लोग यह साबित करने में लगे हुए हैं कि आने वाली पीढियां यह देखें कि लाला लाजपत राय जी का स्वाधीनता संग्राम में कोई खास योगदान नहीं था

और जो भी योगदान था वह चौधरी देवीलाल का था। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल के नाम पर इन्होंने यूनिवर्सिटी बनाई अगर इसमें कोई कमरा बनाना ही था तो चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के नाम पर बना लेते। लाला लाजपत राय के नाम को चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय में छोटे से कक्ष का नाम रख कर इस तरह का जो दुस्साहस किया है हरियाणा के लोग आने वाले दिनों में इनको कभी माफ नहीं करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जब तक इनकी सरकार रही उस दौरान जब भी कोई रैली होती थी तो तमाम हरियाणा के मास्टरों को और स्कूलों के तमाम बच्चों को जबरदस्ती बसों में भर–भर कर रैली स्थल पर ले जाया करते थे। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों को आज के माननीय मुख्य मन्त्री जी से सबक लेना चाहिए। इनके मुख्य मन्त्रित्वकाल के दौरान हरियाणा प्रदेश में हमारी पार्टी की दो रैलियां हुई है, हमारे विरोधी यह साबित करके दिखाएं कि हमारे माननीय मुख्यमन्त्री जी ने, किसी मन्त्री ने, किसी विधायक ने या किसी ऑफिसर ने उन रैलियों में भीड़ जुटाने के लिए किसी स्कूल. कॉलेज के अध्यापकों अथवा छात्र–छात्राओं को रैली में ले जाने के लिए कोई न्यौता दिया हो। यह पहली दफा हुआ है कि इस हरियाणा प्रदेश के लोग अपने यथायोग्य संसाधनों से इस विशाल रैली के रूप में माननीय मुख्य मन्त्री महोदय का अभिवादन करने के लिए सिरसा गए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः बैठे–बैठे कमैंट करने का कोई रूल नहीं है (विघन) प्लीज, इनको अपनी बात कहने दीजिए।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय. महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में सरकार की प्रशंसा की है कि इस सरकार ने पिछले दो साल रो प्रदेश में जो भय और भ्रष्टाचार का माहौल बना हुआ था बड़ी मुश्किल से यह सरकार इस भय तथा भ्रष्टाचार को दूर करने मे कामयाब रही है। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मेरा माननीय मुख्य मन्त्री जी से यह अनुरोध है कि इस समय अगर कहीं भय है तो वह चौटाला जी की पार्टी के विधायकों के अन्दर है इस भय को भी निकाला जाए। (विघ्न एवं शोर)

डा० सुशील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Indora Sahib, Please take your seat. (Noises and interruptions) Nothing is to be recorded. Please take your seat (Noises and interruptions)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, हमारे शास्त्रों में लिखा हुआ हे, वह मै आपको पढ़ कर सुनाना चाहता हूं ये लोग भी इसको सुनें लेकिन यह तो हिन्दी में बताना पड़ेगा क्योंकि यह हिन्दी में नहीं बल्कि अंग्रेजी में है– "He, who punishes severely is hated by the people" इस कैटेगरी में श्री चौटाला जी आते हैं, "He, who punishes mildly is despised one" जो सजा नहीं देता वह समाप्त हो जाता है क्योंकि उसको लोग नकार देते हैं। "He, who meets out deserving punishment is respected' जैसे हमारे मुख्य मन्त्री जी हैं। हमारे मुख्यमंत्री जी, कलम का इस्तेमाल करना

जानते हैं, पढे लिखे हैं। इनको संस्कारों में राजनीति मिली है। स्पीकर सर, एक बार मैं इनके साथ आ रहा था तो एक व्यक्ति का सड़क पर ईललीगल काम चल रहा था तो इन्होंने उसी वक्त डी०सी० को फोन करके कहा कि वह काम बंद होना चाहिए। स्पीकर सर, आज इस राज के अन्दर एक्साईज एंड टैक्सेशन का एक महत्वपूर्ण रिकार्ड बना है उसमें 120 प्रतिशत की सीधी बढोतरी हुई है। लेकिन ओम प्रकाश चौटाला जी के राज में इनके सम्बन्धी जिनका नाम लेना मैं सही नहीं समझता हूं और उनका नाम लेकर मैं हरियाणा की प्रोसिडिंग में रिकार्ड नहीं करवाना चाहूंगा। उनकी मार्फत ओम प्रकाश चौटाला जी हरियाणा के सभी ठेकों पर कब्जा करते थे। चाहे वे माईन्ज के ठेके थे, चाहे कहीं खुदाई का ठेका था या शराब का ठेका था। वहां पर इनके आदमियों का कब्जा होता था और उसकी वजह से हरियाणा के राजस्व में घाटा हुआ था। लेकिन आज की सरकार के वक्त में हरियाणा के राजस्व में बढ़ोतरी हुई है। इस बारे में महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में भी दर्शाया है। अध्यक्ष महोदय, प्लानिंग कमीशन से हमारे जो एस्टीमेट्स को मंजूरी मिली है उसमें 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इतनी बढ़ोत्तरी होना कोई बच्चों का खेल नहीं है। अध्यक्ष महोदय, कोई तो वजह रही होगी जो चौटाला जी के समय में इतना नुकसान हुआ है यह तो ये ही जानते हैं कि किस तरह से भ्रष्टाचार को बढ़ाना चाहिए। वे सब तन्तु इनके अन्दर विराजमान हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अपनी सरकार के आते ही लोकायुक्त को चलते कर दिया क्योकि इनको

पता था कि लोकायुक्त ईमानदार है और इनकी सरकार के सारे भ्रष्टाचार वह उजागर कर देगा और जब तक इनकी सरकार रही इन्होंने उसको आने नहीं दिया। लेकिन हमारी सरकार के आते ही मुख्यमंत्री जी ने उनको बहाल किया। अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी के राज में तो विधान सभा में एक प्रावधान कर दिया गया था कि कोई भी लोकायुक्त मुख्यमंत्री की जांच नहीं कर सकता है। हम इस बारे में विधान सभा में काफी चिल्लाए थे कि आप भी तो इन्सान हैं लेकिन हमारी एक बात नहीं सुनी गई थी। आज की सरकार में मुख्यमंत्री जी ने कह दिया है कि जो भी इन्सान चाहे वह कोई भी आफिसर है या मंत्री है अगर वह भ्रष्टाचार में लिप्त यै तो लोकायुक्त उसकी जांच कर सकता है, वे सब उसके दायरे में आएंगे। आज हरियाणा में जितने भी हैडज हैं वे सभी के सभी प्रोफिट में चल रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, उदाहरण के तौर पर आप मार्किटिंग बोर्ड को लें। पिछली सरकार के वक्त में मार्किटिंग बोर्ड घाटे में चला गया था आज 2006–07 में उसके खजाने मे 244 करोड़ रुपए बढ़े हैं। आज सभी हमारे मुख्यमंत्री जी की नीतियों की प्रशंसा करते हैं। इनको भी इनकी प्रशंसा करनी चाहिए। इसके अलावा मैं बिजली की बात करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, आज ये और इनकी पार्टी के लोग इस सरकार की बुराई करते फिर रहे हैं कि हरियाणा में पूरी बिजली नहीं दी जा रही है। आज एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री जी ने बताया कि कितनी बिजली किस जगह पर जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनसे पूछना चाहता हूं कि इनके साढ़े पांच साल के राज में हरियाणा में

बिजली क्यों नहीं बनाई गयी थी? अध्यक्ष महोदय, इनको ऐसी ही राजनीति विरासत में मिली है। मैं चौधरी देवी लाल जी की इज्जत करता हूं और वे हमारे बुजुर्ग थे। मैं ओम प्रकाश चौटाला जी से पूछना चाहता हूं कि आज यमुना नगर में थर्मल प्लांट लगा है। उनके राज में वहां पर थर्मल प्लांट क्यों नहीं लगा था। उनके वक्त में वहां पर सफेदे लगा दिए गए थे इन्होंने वहां पर थर्मल प्लांट लगाने का कष्ट नहीं किया था। भोडुका कम्पनी हरियाणा में पांच मैगावाट बिजली बनाने का प्लांट लगाना चाहती थी। आज हमारे मुख्यमंत्री जी दुनियाभर में घूमते फिर रहे हैं। ये हरियाणा में गैस बेस्ट प्लांट बनाने की बात कर रहे हैं। लेकिन जब इनको पता चला कि गैस की उपलब्धि में दिक्कत है तो फिर इन्होंने थर्मल बिजली के बारे में सोचना शुरू कर दिया। इन्होंने जो थर्मल बिजली के लिए, कोल बिजली के लिए एम०ओ०यू० साईन किए हैं वह केवल साईन ही नहीं किए बल्कि तमाम हरियाणा में चाहे वह खच्चर में हो, हिसार में हो या यमुनानगर में हो, इन सभी जगहो पर पावर प्लांट लगाने के लिए प्रयास भी किए हैं जिसके लिए मैं इनकी प्रशंसा भी करता हूं। पिछली सरकार तो झूठे पाखंडों को ही हरियाणा की विधान सभा में रख दिया करती थी लेकिन हमारी सरकार की दूरदर्शिता की वजह से हरियाणा में बिजली का उत्पादन बढ़ेगा क्योंकि केन्द्र सरकार और प्राईवेट कम्पनियों के सहयोग से आने वाले तीन चार सालो में लगभग पांच हजार मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य हमारी सरकार ने रखा है। इस बारे में हमारी सरकार ने काम करना भी शुरू कर दिया है जोकि

बहुत ही प्रशंसनीय बात है। इनकी सरकार के समय में भोडुका कम्पनी बिजली प्लांट लगाना चाहती थी और जब वह कहती थी कि हमारी फाईल निकालिए तो ये कहते थे कि पहले आप पैसे निकालिए। वे कहने लगे कि हमें तो हरियाणा में बिजली पैदा करने के लिए प्लांट लगाना है, हम आपको पैसे किस बात के दें? इन्होंने रिश्वत लेने के चक्कर में भोडुका कम्पनी को हरियाणा में बिजली बनाने की इजाजत नहीं दी। लेकिन आज हमारी सरकार इस बारे में बहुत प्रयास कर रही है। पिछली सरकार भी साढ़े पांच साल तक यदि ऐसे ही प्रयास करती तो हरियाणा में आज बिजली की दिक्कत न आती। लेकिन इनको तो रिश्वत खाने में महारत हासिल है। अगर इनकी रिश्वत खाने की महारत की रिसर्च की जाए तो रिसर्च करने वाले इनके सामने टिक नहीं पाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इनके जमाने में पानीपत थर्मल पावर प्लांट की आठवीं यूनिट की मरम्मत होनी थी। परसों ही सभी अखबारों ने इस बारे में लिखा है कि 53.50 करोड़ रुपये फालतू में इनकी लापरवाही की वजह से बेकार हो गये। उस समय केवल भेल का तो नाम था क्योंकि इन्होंने मेल के नाम से टैंडर अलीट करके अपने चहेतों को उसमें काम दे रखा था। उस समय अखबारों में इस बारे में छपा था कि यहां पर कोयले की सप्लाई ठीक नहीं आ रही है। लेकिन इन्होंने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया। ये तो उस समय कभी यू० पी० के चुनावों में, कभी राजस्थान के चुनावों में या कभी दिल्ली के चुनावों में ही दौड़ते रहते थे। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अपने साढ़े पांच साल के शासन में प्रदेश में जो

गुस्ताखियां की हैं वह नाकाबिलेमाफी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से यह अनुरोध भी करना चाहता हूं कि यह ठीक है कि सी०बी०आई० इनकी काली करतूतों की जांच कर रही है और हमें भरोसा है कि देश की यह सर्वोच्च संस्था हरियाणा के लोगों के साथ न्याय जरूर करेगी। न्याय होना इसलिए भी जरूरी है क्योकि हरियाणा मे अगर ऐरे गैरे लोग बी०ओ०टी० के बेस पर राज बनाएंगे तो यह ठीक नहीं होगा। कम्पनीज तो बी०ओ०टी० के बेस पर सड़कें बनाती हैं, पुल बनाती हैं लेकिन इनका परिवार बी०ओ०टी० के बेस पर राज चलाता रहा है। अध्यक्ष महोदय, पहले एक पिता ने हरियाणा में राज किया और लुटा और फिर वह अपने बेटे को ट्रांसफर कर दिया और फिर दूसरे बाप ने हरियाणा में राज किया और उसको लूटा और उसके बाद वह उसने अगले बेटे को ट्रांसफर कर दिया। जिस तरह की गंदगी इन्होंने हरियाणा में फैलायी है वह आपको कहीं नहीं मिलेगी, जो शर्मिन्दगी हरियाणा के लोगों को इनकी वजह से मिली है वह भी आपको कहीं देखने को नहीं मिलेगी! यही कारण था कि चुनावों में कांग्रेस पार्टी को ठा सीटें मिलीं। अध्यक्ष महोदय, यह इस बात को साबित करता है कि लोगों के दिलों में इनके प्रति कितनी नफरत, कितना भय है कितना डर है। वे यह सोचते हैं कि अगर गलती से ये फिर सरकार में आ गये तो हरियाणा को कितना बर्बाद कर देगे। जनता ने इसी कारण इनको विपक्ष के लीडर बनने की हैसियत भी नहीं दी है इसलिए इनको इससे सबक लेना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, 2001 से लेकर

2004–05 तक इनकी सरकार के समय में पावर यूटिलिटी के लिए केवल 4095 करोड़ रुपये का ही इंतजाम किया गया था और इस सरकार ने अपने दो साल के कार्यकाल में ही 3748 करोड़ रुपये का इंतजाम किया है। कहां दो साल और कहां साढ़े पांच साल? जिस तरह का इंतजाम हमारे मुख्यमंत्री जी इस बारे में करने लग रहे हैं उसको देखते हुए आने वाले चार सालों में हमें उम्मीद है कि हरियाणा में हमेशा के लिए बिजली की समस्या खत्म हो जाएगी। कहां हमारे मुख्यमंत्री जी हैं और कहां ये थे? एक हमारे मुख्यमंत्री हैं जो बारबीक की तरह बेसहारों का सहारा बने हुए हैं और जिनका कोई सहारा नहीं उनका सहारा बनकर प्रदेश को आगे बढा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, एक ये श्रीमान जी थे जो कभी सहारा हरियाणा के लोगों को नही दिया करते थे। ये उनको भी सहारा नहीं दिया करते थे जो इनको सहारा दिया करते थे। इनके अंदर तो एक बात स्थापित है कि जो इनका साथ देता है, जो इनकी मदद करता है ये उसका ही नाश जरूर करते हैं। अध्यक्ष महोदय, बी०जे०पी० ने इनका साथ दिया लेकिन ये उनके ऊपर भी लट्ठ लेकर खड़े हो गये और कहा कि मैं देखूंगा कि किस तरह आप हरियाणा में राज चलाएंगे। अध्यक्ष महोदय, हमने इनको मुख्यमंत्री बनाया तो इन्होंने हमारे साथ भी ऐसा ही किया। (विघन) ये तो सपनों में भी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते थे। वह तो हमारी गुस्ताखी थी, मूल थी कि हमने इनको मुख्यमंत्री बनाया और अगले ही दिन लाठी लेकर हमारे ही पीछे लग गए। जो लोग इनकी मदद करते हैं उनका ये विनाश करने की सोचते हैं और

जो इनका बुरे कामों में साथ देते हैं उनको ये सत्ता में आते ही मालामाल कर देते हैं। जब ये घड़ियों की तस्करी के मामले में पकड़े गए थे जैसा गौतम साहब ने बताया, उस मामले में इनका एक दोस्त सरदाना भी इनके साथ संलिप्त था। जब ये सत्ता में आए तो उस दोस्त को इन्होंने घर से बुलवाया और तार लगाने का, खंभे लगाने का और ट्रांसफार्मर लगाने का ठेका दिया और सारे नियमों को ताक पर रखकर अपने दोस्त सरदाना को ठेके दिए। इसी तरीके से प्रदेश के अंदर इनके राज के समय गुंडागर्दी का बोलबाला था। उस समय जेलों में बैठकर गुंडे तमाम हरियाणा को लूटने की साजिश बनाया करते थे। हरियाणा के मुख्यमंत्री के बेटे अधिकारियों के साथ बेहूदगी का व्यवहार किया करते थे और रात को जेलों में जाकर मुलाजिमों और अपराधियों के साथ सांठ–गांठ किया करते थे कि आज किसको डराना है, किसको लूटना है। ऐसी मिसाल अध्यक्ष महोदय, आपको कहीं देखने को नहीं मिलेगी। डिंपी नाम का एक कुख्यात अपराधी जो कि पिछले दिनों मारा गया उसको ये दूसरे प्रदेश से यहां ले आए और सिरसा के अस्पताल में दाखिल कराया और अगले दिन अस्पताल से फरार दिखा दिया। अन्सारी जो यू०पी० का क्रिमिनल था इनके बेटे उसके साथ हर कार्यक्रम में बैठकर फोटो खिंचवाया करते थे। चौटाला गांव के इनके विरोधी सिरसा जिले के उन लोगों की हालत आप जाकर देखे जो इनका विरोध किया करते थे वे किस तरह से खून के आसू रोते हैं। किस तरीके से इन्होंने उन के खिलाफ अफीम, चरस, गांजे की तस्करी और बलात्कार के झूठे

मुकदमे बनवाये। एक इनके अपने गांव का विरोधी आज तक गायब है। मुझे तो शक है कि जब से ये राजनीति में आए हैं इन्होंने कितने ही विरोधियों को मरवाया है। स्पीकर सर. इनका फार्म हाउस है उसकी अगर खुदाई करवाई जाए तो न जाने कितने कंकाल वहां से निकल सकते हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। हरियाणा की जनता इस बारे मे जानना चाहती है। (विघन) इंदोरा जी, मैं आपके बारे में कुछ नहीं कह रहा हूं। आपको क्या तकलीफ है ? (विघ्न)

डॉ० सुशील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जी के पास राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर तो कुछ बोलने को है नहीं। .....

श्री अध्यक्षः इंदौरा साहब जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी की, इनके मंत्रिमंडल के सहयोगियो की और पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट की कि जो उन्होंने तथ्य दिए हैं उसके लिए महामहिम ने इनकी प्रशंसा की है, मैं भी उसके लिए इनकी तारीफ करता हूं। अध्यक्ष महोदय, गरीबों के घरों में वाटर कनैक्शन देने, हर गांव में पीने के पानी की क्षमता को बडाने का काम किया गया है। मेवात जैसे इलाके से जहां से ये एक आध विधायक ही ले कर आते हैं वहां जो मेवात डिवैलपमैंट ऐजेंसी थी, जो इनके बुरे कामों में इन के

सहयोगी होते हैं उनको भ्रष्टाचार में संलिप्त करके उनके साधन ये जरूर बढ़ाते हैं। एक खान एस०पी० होता था जो कि इनके साथ मेहम कांड में शामिल था। सत्ता में आते ही इन्होंने उसी खान को मेवात डिवैलपमैंट ऐजेंसी का चेयरमैन बना दिया और वह आराम से बैठकर मेवात डिवैलपमैंट एजेंसी का पैसा खा रहा था। हमने एक बार हरियाणा विधान सभा में भी यह मुद्दा उठाया था तब इनके कानो पर जू भी नहीं रेंगी थी। यह तो मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होने मेवात के लोगों को शिक्षा ही नहीं पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए भी बहुत बड़ी परियोजनाएं वहां के लोगों को बनाकर दी हैं। दो साल के अंदर पीने के पानी की सप्लाई मेवात में जब होने लग जाएगी तो वहां जो हमारी बहन बेटियों जिनका हीमोग्लोबिन 5–6 ग्राम से भी कम रह जाता है उनके स्वास्थ्य को सुधारने में फायदा होगा। जिस तरीके से सरकार ने गरीब बैकवर्ड परिवारों के घर पर पानी के कनैक्शन पहुंचाने का कार्यक्रम बनाया है वह प्रशंसनीय है। हमारी बहन बेटियों को सिर पर मटका लेकर मीलों दूर से पानी लाने में जो दिक्कत होती थी वह अब नहीं होगी। हरियाणा की जनता को स्वच्छ पानी देने में यह सरकार कामयाब रही है। पी०डबल्यू०डी० (बी०एण्ड आर०) ने चौटाला जी की सरकार में पांच साल के समय में विकास कार्यो पर कुल 1745 करोड़ रुपये खर्च किये थे। जबकि वर्तमान सरकार ने दो साल के समय में पी०डब्ल्यू०डी० (बी०एण्डआर०) के काम में 1375 करोड़ रुपये विकास कार्यों में खर्च किए हैं जिनमें इन्फ्रास्ट्रक्चर, सड़को को ठीक करना, पुलों

को ठीक करना शामिल है, यह बहुत बड़ी बात है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को एक सुझाव देना चाहता हूं वैसे यह बात राज्यपाल अभिभाषण मेँ भी है। परन्तु हमारे मुख्यमंत्री संसद में रहे हैं। इसलिए वहां के मंत्री इनके पुराने दोस्त हैं इसका इनको बहुत बडा फायदा मिला है। इस वजह से ये मैट्रो रेल को फरीदाबाद, बहादुरगढ़. गुड़गांव तक ले जाने में कामयाब रहे हैं, इसी तरह से बिजली के संयंत्रों को हरियाणा में लगाने में भी कामयाब रहे हैं। फरीदाबाद में बदरपुर से फरीदाबाद के बीच जो पुल बनना है वह कार्य एन०एच०ए०आई० का है लेकिन हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी उस कार्य को जल्दी करवाने में लगे हुए हैं, यह काम जितनी जल्दी करवाया जाये उतना अच्छा है। इससे प्रदेश को बहुत बड़ा फायदा होगा।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप कितना समय और लेंगे 9 आप दस मिनट में वाईड अप करें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ा सा समय और लूंगा। जहां तक वैल्फेयर ऑफ एस०सीज० एण्ड बी०सीज० का सवाल है पिछली सरकार ने साढ़े पांच साल के समय में कुल 123 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जबकि वर्तमान सरकार ने पिछले दो साल मे 141.19 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और गरीबों और डैस्टिच्यूटस को राहत दी है। स्पीकर सर, जो राहत टैक्सिज के माध्यम से इस सरकार ने –लोगों को दी है

चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी के राज में अगर किसी कम्पनी को राहत देनी होती थी तो उस कम्पनी को चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी और उनके परिवार की सेवा करनी होती थी नही तो उस कम्पनी को कोई राहत नहीं देते थे और उनका कोई काम नहीं किया करते थे। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने जो बी०पी०एल० का सर्वे कराने के आदेश दिए हैं वह एक प्रशंसनीय कार्य किया है क्योंकि गरीब आदमी को पहले राशन नहीं मिलता था। पिछली सरकार के राज में जो गरीब आदमी होता था उसको कोई राहत नहीं मिलती थी बल्कि जो इनके कार्यकर्त्ता होते थे चाहे उनके पास कितनी ही जमीन होती थी, उनको बी०पी०एल० की लिस्ट में शामिल कर लिया जाता तथा ऐक्चूअल में जो गरीब आदमी, हरिजन या बैक्यर्ड थे जिनको जरूरत होती थी, उनके नामो को ये बी०पी०एल० की लिस्ट में आने ही नहीं दिया करते थे। अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० नहर में पानी देने के बारे में ये बात करते हैं। मुझे बड़ी हैरानी होती है कि एस०वाई०एल० नहर के पानी का जो झगड़ा है जिस अकाली दल पार्टी के नेता यह कहते हैं कि हरियाणा को पंजाब पानी नहीं देगा उनके लिए चौधरी ओम प्रकाश चौटाला वोट मांगने जाते हैं। उनकी सरकार बनाने की प्रार्थना लोगो से करते हैं। जब नहर बनाने का मौका आता है तो किसी न किसी गलत तरीके से लोगों को गुमराह करके उसके बनने के रास्ते में रोड़े अटकाते हैं और इस नहर को पूरा नहीं होने देना चाहते। चौधरी ओमप्रकाश चौटाला दो साल विदेश में रहकर वापिस आये हैं उसके बाद ये चण्डीगढ़ में कहां पर ठहरते

हैं, यह जरा बतायें। अध्यक्ष महोदय, जब ये चण्डीगढ में ठहरते हैं तो सरदार प्रकाश सिंह बादल के घर में रूकते हैं। एक बात मैं दावे के साथ कहता हूं कि सरदार प्रकाश सिंह बादल ने जो पानी के बंटवारे की सैक्शन 5 को समाप्त करने की बात कही है, मुझे तो यह लगता है कि प्रकाश सिंह बादल से इन्होंने खुद व्यान दिलवाया है। ये नहीं चाहते हैं कि दोनों प्रदेशों के लोग आपस में प्यार से रहें। यह कितनी बड़ी विडम्बना है। मैं इस बात से हैरान हूं कि इन्होंने अपनी लूट से जो चण्डीगढ में चार मकान बना रखे हैं वहां पर तो ये नहीं रहना चाहते हैं। ये पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल के घर पर रहते हें जहां इनको रोटियां मुफ्त में मिलती हैं और सेवा भी मुफ्त में होती है। तथा जो इनसे मिलने के लिए आते हे उनकी रोटियां गुरूद्वारे से मंगवाते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की हैसियत इस तरह की है कि वे उन लोगों के घर में खाना खाते हैं जो हरियाणा को पानी नहीं देना चाहते। इस तरह से पूर्व मुख्यमंत्री उनके घर में रहें यह हमारे प्रदेश के लिए बडी बदनामी की बात है। अगर इनको किसी तरह की तकलीफ है तो मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि इनको मुख्यमंत्री कोष से खाना पीना, रहना और दवाईयां मुफ्त में देने का प्रबन्ध करें ताकि हमारे प्रदेश की बदनामी न हो। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अब मैं रैवेन्यू रिसीट्स की बात करना चाहूंगा कि मौजूदा सरकार के समय में रैवेन्यू रिसीट्स मे बढ़ोतरी हुई है जो कि एक सराहनीय काम है। जब तक सरकार के खजाने में आमदनी नहीं होगी तब तक प्रदेश में विकास

के काम कैसे होगे? अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि आज इण्डियन स्टैम्प ऐक्ट में संशोधन करने की जरूरत है! स्पीकर सर, जो प्रोपटी विरासत में पूर्वजों से मिलती है उसकी ट्रांस्फर पर तो स्टैम्प डयूटी की एग्जैम्पशन है लेकिन जो प्रोपटी खरीदी हुई होती है उसके फेमली ट्रांस्फर पर स्टैम्प डयूटी में एम्बैम्पशन नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हमारे बड़े ही उदार दिल मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा जिन्होंने लोगों को बहुत सी राहतें दी हैं वे इस पर जरूर विचार करें। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में यह भी कहा गया है कि जो किसान कर्ज नहीं चुका पायेंगे उनकी गिरफ्तारी नहीं की जायेगी। यह बहुत ही सराहनीय कदम है। जबकि विपक्ष में बैठे साथी पहले तो लोगो को भड़काते थे कि तुम कर्जा मत दो हमारी सरकार आने पर माफ कर देंगे, तुम बिजली के बिल मत मरो हमारी सरकार आने पर माफ कर देंगे लेकिन किया कुछ नहीं। इन्होंने कभी कण्डेला में गोलियां चलवाई, कभी मंडीयाली मे लोगों को मरवाया और भोले–भाले किसानों को जेलों मे बंद किया। मैं हमारे मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करूंगा कि इन्होंने जो किसान कण्डेला कांड में मारे गये थे या दूसरे कांडो में मारे गये थे उनके आश्रितों को रोजगार दिया है। अध्यक्ष महोदय, किसानों द्वारा कर्ज न चुकाने पर उन्हैं गिरफ्तार नहीं किया जायेगा यह संशोधन लाकर मुख्यमंत्री जी ने बहुत अच्छा काम किया है। इसके साथ–साथ मैं मुख्यमंत्री जी से यह भी प्रार्थना करना चाहूंगा कि बैंकों में अभी

एक व्यवस्था बाकी है कि जो किसान कर्ज नहीं चुकाता उसकी जमीन बेचकर वसूली की जाती है। मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि वे इस तरह से किसान की जमीन को न बिकने दें और इस नियम को खत्म करें। हमारे मुख्यमंत्री जी ही हैं जो किसानों को इस तरह की रियायत दे सकते हैं इसलिए इस पर वे जरूर विचार करें। अध्यक्ष महोदय, पंजाब और हरियाणा का हाई कोर्ट एक है और जो एडवोलेरियम कोर्ट फीस है वह पंजाब में कम है ओर हरियाणा में ज्यादा है। वकील अपने मुवकिल से पूरी फीस ले लेते हैं और पंजाब में वह फीस कम जमा करवा देते हैं। ऐसा होने पर हमारे लोगों से वकील तो पूरी फीस ले लेते हैं लेकिन जमा कम होती है जिससे हमारे प्रदेश के लोगों को हानि हो रही है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि इस फीस को पंजाब के बराबर किया जाये ताकि वकीलों की जेबों मे यह पैसा जाने से रोका जाये। इसके अतिरिक्त मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जो किसान क्रेडिट कार्ड से एक लाख रुपये से ऊपर का लोन लेते हैं उसकी सेल डीड की फी लगती है। उसको भी माफ किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अब मैं खेलों के बारे में जिक्र करना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने खेलो में पदक लाने वालों के लिए नौकरियों में पद आरक्षित करके बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इसके अतिरिक्त गांवों के विकास के लिए रूरल डिवैल्पमैंट एथोरिटी बनाकर बहुत ही प्रशंसनीय कार्य किया है और हरियाणा अर्बन डिवैल्पमैंट एथोरिटी में जिस तरह से सुधार करके योग्य अधिकारियों को वहां पर लगाया है, यह बहुत ही अच्छा काम

हमारे मुख्यमंत्री जी ने किया है। यदि हम चौटाला साहब के राज को याद करें तो पता चलता है कि उस समय किस तरीके से हुडा की जमीनों की ऑक्शन बंदूकों की नोक पर करवाई जाती थी और अपने चहेतों को अरबो रूपये की जमीन मनमाने दामों पर दी जाती थी।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय,. .....

श्री अध्यक्षः सदौरा जी, प्लीज आप बैठें। सदौरा जी की कोई भी बात रिकार्ड न की जाये। श्री कर्ण सिंह दलाल. अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से पिछली सरकार के समय मे पैसे लेकर लोगो की जमीनें रिलीज की जाती थी लेकिन आज की सरकार अगर रिलीज करती है तो जरूरतमंद लोगों की ही रिलीज करती है और सरकार का काम क्या है अगर सरकार की निगाह में बात आती है तो सरकार करेगी। लेकिन ये तो किसानों को डराकर गुड़गावां, फरीदाबाद और पंचकुला में जमीनें एक्वायर कर लेते थे। स्पीकर सर, लोग इनकी काली करतूतों को भूला नहीं सकेंगे कि जो लोग इनको जमीन देने के लिए तैयार नहीं होते थे किस तरीके से उनकी जमीनों को एक्वायर करने के नोटिस भिजवा दिया करते थे।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) स्पीकर सर, आपको तो याद होगा क्योंकि आप भी उस प्रतिनिधि मण्डल के सदस्य थे कि करोड़ो रुपयों की सम्पत्ति कोड़ियों के भाव इनकी

सरकार ने गुड़गावां में दी। इन्होंने ऑक्शन को पूरी तरह से मैनीपलेट कर लिया था और जब महामहिम राज्यपाल महोदय ने रिकार्ड मंगवाया तो घबराकर करोड़ों की उस ऑक्शन को इन्होंने विधान सभा में ध्यान देने के बावजूद कि हम वापिस नहीं लेंगे वापस ले लिया था। ये रिकॉर्ड पर कहें कि उस आक्शन को इन्होंने वापस नहीं लिया। इनको उस ऑक्शन को खारिज करना पड़ा क्योंकि उस समय महामहिम राज्यपाल ने उनकी काली करतूतों का सारा रिकॉर्ड मंगवा लिया।

श्री कर्ण सिंह दलाल अध्यक्ष महोदय, हरियाणा पब्लिक सर्विस कमिशन में योग्य आदमियों की नियुक्ति न करके ये अपने चहेतों को वहां बैठाकर मनमाने तरीके से कानूनों को ताक पर रखकर नियुक्तियां करवाया करते थे। देश के इतिहास में संविधान की इतनी बड़ी उल्लंघना कहीं आपको नजर नहीं आयेगी। माननीय ओमप्रकाश चौटाला जी को जब यह पता लगा कि उनकी छुट्टी होने वाली है तमाम के तमाम एच०पी०एस०सी० के सदस्यों और चेयरमैन को बुला करके इस्तीफा करवा दिया जबकि उनकी टर्म पक्की होती है ऐसी संविधान में व्यवस्था है। फिर भी उनको अगले 6 साल के लिए नियुक्त करके चले गये और स्पीकर सर, सुप्रीम कोर्ट में सरकार की तरफ से गलत ऐफिडेविट देने में भी चौटाला को परहेज नहों हुआ करता था। ऐसे महान ओमप्रकाश चौटाला जो की काली करतूतें इस हरियाणा में रही हैं। स्पीकर सर, हरियाणा सरकार ने आज टूरिज्म को कितना बढावा दिया है।

आज हमारी मंत्री जी विदेशो में टूरिज्म को अट्रैक्ट करने के लिए उन लोगों को बता रही हैं कि हरियाणा में कितने अच्छे डैस्टीनेशन हैं। इनके जमाने में भी विदेशों में जाया करते थे चौटाला साहब, मंत्रियों को भी ले जाया करते थे और अधिकारियों को भी विदेशों में लेकर जाते थे। पहले तो इन्होंने देखा कि टूरिज्म में कौन–कौन से ऐसे बेशकीमती स्थान हैं जो ये बेच सकें या खाली करवायें। अध्यक्ष महोदय, पफीन चण्डीगढ़ में टूरिज्म का एक बहुत महत्वपूर्ण टूरिज्म स्थान था और चौटाला जी ने उस वक्त के एम०डी० पर जो कि एक महिला अधिकारी थी दबाव डाल करके जबरदस्ती उसको खाली करवा कर उसके मालिकों को बिकवा दिया। चण्डीगढ़ में पी०डब्ल्यू०डी० का रैस्ट हाऊस ओमप्रकाश चौटाला जी ने अपने चहेते लोगों को बिकवा दिया। हरियाणा की न जाने कहां–कहां जमीन जो पड़ी हुई थी उनको बेचने का इन्तजाम इन्होंने किया हुआ था। कोओपरेटिव डिपार्टमैंट की बहुत जमीन थी फेक ऑक्शन दिखा करके उन्हें अपने और अपने आदमियों के नाम करवा लिया। अध्यक्ष महोदय, इनके इन काले कारनामों की गाथा कई दिन में भी खत्म नहीं हो सकती। सिरसा के अन्दर बिजली विभाग की जमीन जिसमें हमारे अधिकारी रहा करते थे अध्यक्ष महोदय, ये मुख्यमंत्री थे और उसी जिले के रहने वाले हैं। अध्यक्ष महोदय, इनकी पुलिस ने इनके गुण्डों के साथ मिलकर रातों रात एस०ई० और एक्स.ई.एन. के मकानों पर बुलडोजर चला कर उनकी जमीनों पर कब्जा किया था। अध्यक्ष महोदय, अभिभाषण में जो राज्यपाल महोदय ने बताया है कि

हरियाणा में फोरैस्ट कवर बढ़ रहा है। यह बहुत अच्छी बात है और इस बात के लिए हम सरकार की प्रशंसा करते हैं। यह सरकार हरियाणा में पर्यावरण को सुधारने के लिए फोरैस्ट कवर बढ़ा रही है। और एक ये श्रीमान जी बैठे हैं जो कैसे भोले और नादान दिखाई दे रहे हैं आप देखिये तो ये देख भी नहीं रहे हैं। देखना तो चाहिए (विघ्न एवं शोर) इतने जघन्य अपराध किये हैं अपने जमाने में जिसको कानून तो क्या भगवान के यहां भी माफी नहीं होगी। स्पीकर सर, भाखड़ा मेन लाईन पर और उसके रजवाहों पर शीशम के बहुत बडे–बड़े पेड़ थे जो बेशकीमती इमारती लकड़ी थी मुख्यमंत्री होते हुए हरे पेड़ इन्होंने कुल्हाड़ों से कटवाये। जितने भी चौ० देवीलाल के नाम पर ट्रस्ट बने हुए हैं जितने भो इनके निजी भवन और अय्यास घर बने हुए हैं सबके अन्दर वो हरियाणा के लोगों की लकड़ी उन मकानों मे लगी हुई है इसकी जांच होनी चाहिए और उसकी कीमत इनसे वसूलनी चाहिए। स्पीकर सर, इन्होंने चौ० देवीलाल के नाम से जो जगह–जगह बुत लगाये। अध्यक्ष महोदय, बुत लगाना कोई बुरी बात नहीं लेकिन जिस तरीके से कानून को ताक पर रखकर जो बुत लगवाये हैं उस बारे में आज तक ये नहीं बता सके हैं कि इनमे जो पैसा लगा हुआ है वो पैसा कहां से आया? अब तो चौधरी देवी लाल जी भी इनके कुछ नहीं लगते। इन बुतो पर मिट्टी, धूल या कुछ और गिर रहा है लेकिन ये वहां पर उनको झांकने के लिए भी नहीं जाते। अध्यक्ष महोदय, मेरा यह अनुरोध है कि सारे हरियाणा से उन बुतों को उखड़वा कर चौटाला साहब के

गांव में स्मारक बनवा देना चाहिए या कोई म्यूजियम बनवा देना चाहिए। वे सारे बुत वहां पर रहें और ये उनकी देखभाल करें और यदि जरूरत हो तो इसमें सरकार उनकी मदद करे। स्पीकर सर, इन्होंने चौधरी देवी लाल के नाम पर कई ट्रस्ट बनाए हुए हैं जिनमें अनाप–शनाप ढंग से पैसा इकट्ठा किया हुआ है। हजारों करोड़ रुपये का धन इन ट्रस्टों में पड़ा हुआ है। इस प्रकार से इन संस्थाओं में जो पैसा पड़ा हुआ है ऐसी संस्थाओं को टेक्सोवर करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय संसदीय कार्यमन्त्री जी से यह निवेदन करूंगा कि इस प्रकार के सभी ट्रस्ट जो चौधरी देशे लाल के नाम पर इन्होंने बनाए हुए हैं उनको टेक ओवर करने के लिए सदन में बिल लेकर आएं। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै यह निवेदन करता हूं कि अगर इन बुतों को उखड़वाना हो तो इनकी राय हो तो इस काम का कांट्रैक्ट इनको दे सकते हैं।

श्री अध्यक्षः संसदीय मन्त्री जी यह कह रहे हैं कि अगर आप सहमत हों तो इन बुतों को उतरवाने का ठेका आपको दिया जा सकता है।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः स्पीकर सर, उनकी मन्शा ऐसी लगती है। यदि इनकी मन्शा हो तो दलाल साहब बुतों का काम लेने के लिए तैयार हैं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, .अगर मुझे बुत बनवाने का ठेका देगे तो एक चीज का दावा तो मैं करता हूं कि उनके बुत काले नहीं बनवाऊंगा क्योंकि चौधरी देवी लाल जी काले तो थे नहीं, इन्होंने तो उनका रंग ही बदल दिया। अगर मुझे बुत बनवाने दें तो जैसी हमारे बुजुर्गो की शान थी, जैसा उनका रंग था, मैं वैसे ही बुत बनवाऊंगा। यह बात तो चौटाला साहब ही बता सकते हैं कि इनके मन में क्या इजहार था जो इन्होंने काले रंग के युत बनवाए। स्पीकर सर, किस तरह से इन्होंने हरियाणा की जायदाद को लूटा। आपके माध्यम से माननीय मुख्यमन्त्री जी से मेरा अनुरोध है कि इनकी मिली–भगत से एच०एस०आई०डी०सी० के माध्यम से प्रकाश सिंह बादल को जो ओरबिट रिसोर्ट की जगह मिली हुई थी जिसका मुकद्दमा सुप्रीम कोर्ट में हरियाणा की सरकार जीतने वाली थी और बदकिस्मती से ये मुख्य मन्त्री बन गए। इनके मुख्य मन्त्री बनते ही पद्नकी मिली भगत से प्रकाश सिंह बादल वह मुकद्दमा जीत गये। इस रिसोर्ट मे लूट की कमाई लगी हुई है। जिसमे इनका भी हिस्सा है। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं माननीय संसदीय कार्य मन्त्री जी से यह निवेदन करूंगा कि एक बिल इस बात का भी लाया जाए कि ओरबिट रिसोर्ट को हरियाणा सरकार टेक ओवर करे। हमारे संसाधनों और हमारी धरती पर इस तरह की लुट–खसूट की इजाजत नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा होता है तो इससे लोगों मे भय होगा कि अगर कभी भी कोई व्यक्ति हरियाणा के लोगो के हितों कं, साथ खिलवाड़ करेगा तौ उसका अन्जाम क्या हो सकता

है। अध्यक्ष महोदय, ऐसे कामों में इनको महारत हासिल है रिश्वत के मामलों से तो इनका कुछ नहीं बना तो फिजी के प्राईम मिनिस्टर महेन्द्र सिंह चौधरी को अपना निशाना बना लिया और उनके नाम पर करोड़ों रुपये लोगों से बटोरे बैठे हैं। स्पीकर साहब, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि जनता का वह पैसा भी इनसे निकलवाया जाए। ये मान लेंगे और सरकार को भी इस बात को मान लेना चाहिए कि चौटाला जी प्यार की भाषा नहीं समझते हैं। जब ये मुख्य मन्त्री थे तो सदन में कहा करते थे कि जब तक जिन्दा रहूंगा तब तक मुख्य मन्त्री रहूंगा और विरोधियों की छाती पर दाल दलवाऊंगा। सदन से बाहर ये कहा करते थे कि यदि डर के मारे विरोधी रात को करवटें न बदलें तो फिर मैं मुख्यमन्त्री किस चीज का। अध्यक्ष महोदय, ये प्यार की भाषा नहीं समझेंगे यह तो इनकी मजबूरी है इसलिए इनको तो दूसरी भाषा में ही समझना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरा निवेदन है कि इस तरह से जो काम इन्होंने किए हैं उनकी सजा इनको मिलनी चाहिए। संवैधानिक संस्थाओं को कायम करके जिस प्रकार से इस सरकार ने लोगों की भलाई के काम किए हैं, जिस प्रकार से बिजली, सिंचाई और शिक्षा के क्षेत्रों में सुधार किया है वह प्रशंसा के योग्य है और महामहिम राज्य पाल महोदय जी ने अपने अभिभाषण में प्रदेश की तरक्की का आईना जनता को दिखाया है, मैं उम्मीद करता हूं कि आने वाले दिनो मे हरियाणा प्रदेश दिन दूनी, रात चौगुणी तरक्की करेगा।

17.00 बजे

श्रीमति गीता भुक्कल (कलायत, एस०सी०): अध्यक्ष महोदय, श्री कर्ण सिंह दलाल जी ने महामहिम राज्यपाल महोदय के 9 मार्च, 2007 के अभिभाषण पर जो प्रस्ताव रखा है मैं भी उसको सैकेंड करते हुए उसके समर्थन मे बोलने के लिए खड़ी हुई हूं। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री आनन्द सिंह डांगी पदासीन हुए) सभापति महोदय, हरियाणा में माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में सरकार ने सफलतापूर्ण दो साल पूरे किए हैं। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को बधाई देती हूं। सभापति महोदय, मैं एक बात बड़े ही गर्व के साथ कहना चाहती हूं कि आज हरियाणा में एक ऐसी पार्टी की सरकार है जो कभी भी किसी व्यक्ति, परिवार, जाति, धर्म के लोगों की नही है। यह एक ऐसी पार्टी की सरकार है जो राष्ट्रीय आन्दोलन चलाने वाली पार्टी है। आज हरियाणा में जितने भी मजदूर हैं, बुजुर्ग हैं, नौजवान हैं, हिनदु हैं, सिख हैं, मुसलमान हैं और ईसाई हैं वे इस सरकार में अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं। हमारे मुख्यमंत्री जी का लक्ष्य रहा है कि हरियाणा को देश का नम्बर एक राज्य बनाना हैं। जिसके तहत हर हाथ को काम, हर घर में बिजली, हर खेत को पानी, हर गांव को पक्की सड़कें और गलियां, हर आदमी को पीने का स्वच्छ जल तथा पढाई के अच्छे इन्तजाम किए जाएंगे। सभी को समान रोजगार के साधन मिलें

ऐसी हमारे मुख्यमंत्री जी की सोच है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगी कि आज हरियाणा में विकास का पहिया पूरे जोर–शोर से घूम रहा है। यह सब आपने भी देखा है, हमारी पार्टी की नेता श्रीमती सोनिया गांधी जी ने हमारी सरकार की उपलब्धियों पर हमारी सरकार और हमारे मुख्यमंत्री जी की पीठ थपथपाई है। सभापति महोदय, पिछली सरकार के वक्त में कोई भी कार्य हुए हैं। उसका सबसे ज्यादा भुगत भोगी हमारा क्षेत्र रहा है। मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी हमारे पड़ौस से चुनाव लड़ा करते थे और वहां से मुख्यमंत्री थे। मुझे नहीं लगता है कि इनके राज मैं एक भी विकास का कार्य वहां पर हुआ था इन्होंने हर जगह पत्थर लगवा दिए थे। हमारी इस सरकार के आने के बाद सभी तरफ विकास के कार्य होने आरम्भ हो गए हैं। सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा करते हुए सबसे पहले मैं कृषि क्षेत्र के विकास की बात कहना चाहूंगी। हमारी सरकार के दो साल के कार्यकाल में कृषि के क्षेत्र में बहुत ही उत्साहजनक कार्य किए गए हैं। और उसके परिणाम सामने आए हैं। सभापति महोदय, हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। सभापति महोदय, जो हमारे अन्नदाता हैं हमारी सरकार ने उनका सम्मान किया है। पिछली सरकार ने तो किसानों की छातियों पर गोलियां चलवाई थी। इसमें हमारे शिमला गांव का एक किसान राम स्वरूप भी था जिसकी गोली लगने से मौत हो गई थी। हमारी सरकार ने उन सभी लोगों के परिवार में से एक सदस्य को जिनकी उस आन्दोलन में मौत हो गई थी नौकरी देने का काम

किया है। पिछली सरकार ने किसानों के साथ बहुत धोखा किया था। उन्होंने किसानों को बिजली के बिल न भरने की बात कही थी और उनको कहा था कि जब वे सत्ता में आएंगे तो वे उनके बिजली के बिल माफ कर देंगे जिसकी वजह से किसानो पर बहुत भारी कर्ज चढ़ गया था लेकिन हमारी सरकार ने आते ही उन किसानों के 1600 करोड़ रुपए के कर्ज को माफ करके एक बहुत बड़ी राहत देने का काम किया है। यह हमारी सरकार के या पार्टी के घोषणा पत्र के किसी भी वायदे में शामिल नहीं था। पिछली सरकार की अगर हम बात करें तो जो दगा उन्होंने किसानों के साथ किया है वह कोई नहीं कर सकता है। उन्होने हर टेल पर पानी पहुंचाने की बात की थी, लेकिन हर जगह पर घासफूस और गन्द से टेलें भरी पड़ी थीं। इनके राज में कहीं भी किसी रजबाहे की सफाई नहीं करवाई गई थी। हमारी सरकार ने आते ही हर उस व्यक्ति को, हर उस किसान को जिनकी किसी काण्ड में हत्या पिछली सरकार के वक्त में हुई थी, उनको शहीद का दर्जा दिया है और हर उस व्यक्ति के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का कार्य किया है। हमारी सरकार ने गत्रे का मूल्य 138 रुपए प्रति क्यिंटल करके किसानो का सम्मान किया है। हमें याद है कि पिछली सरकार के दौरान गन्ने का भाव 25 पैसे, 50 पैसे और एक रुपया बढ़ाया जाता था। आज उत्पादन की लागत को बढ़ाने के लिए हमारी सरकार ने बागवानी और मतस्य पालन के लिए बिजली शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी की है। गेहूं का समर्थन मूल्य एकमुश्त 100 रुपए बढ़ाकर 750 रुपए प्रति क्यिंटल किया है। दो

सालों में खरीफ का उत्पादन 44 .98 हुआ है जो कि प्रदेश के इतिहास में अपने आप में एक रिकार्ड है। आज हरियाणा देश में बासमती चावल का सबसे बड़ा निर्यातक राज्य बना है। सभापति महोदय, अगर हम पिछली सरकार की बात करें तो वह चुनावो से पहले किसानों के ऋण माफ करने की बात करती थी और उनकी सरकार बनने के बाद ऋण न चुकाने पर किसानों को जेलों में बंद कर दिया जाता था। हमारी सरकार के बनते ही मुख्यमंत्री जी ने सबसे पहले यह निर्णय लिया कि अगर किसान से सरकारी ऋणों की वसूली नहीं हो पाती है तो उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी। हमारी सरकार ने जिले स्तर पर कर्जा राहत बोर्डो का भी गठन किया है और कृषि ऋणों की ब्याज दर दस परसैंट से घटाकर सात परसैंट की है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने उन किसानों, ग्रामीणों, छोटे दुकानदारों, एस०सीज० और बी०सीज० के लिए जिन्होंने कोओपरेटिव सोसायटीज से लोन लिया था और यदि वे किसी कारणवश अभी तक अपना लोन न चुका पाएं हैं तो उनके लिए भी मूलधन जमा करने पर ब्याज माफी की घोषणा की है यदि वे 30 जून, 2007 तक अपना मूलधन जमा करवा देते हैं तो उनका सारा ब्याज माफ कर दिया जाएगा। सभापति महोदय, हमारी सरकार ने गऊशालाओं पर भी ध्यान दिया है। 176 रजिस्टर्ड गऊशालाओं को एक–एक लाख रूपये अनुदान राशि के रूप में हमारी सरकार ने दिए हैं। इसी के साथ गऊशालाओ में वैटेनरी होस्पीटल्ज खोलने का प्रावधान भी किया गया है। इसके अलावा हमारी सरकार ने पशुधन बीमा योजना शुरू करने का दो फैसला

किया है। सभापति महोदय अगर हम प्राकृतिक आपदाओं की बात करें तो प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का वश नहीं चलता है लेकिन यदि कभी भी किसी भी किसान की फसल का नुक्सान होगा तो उसकी तुरन्त गिरदावरी के आदेश देकर उसी समय से उसको मुआवजा राशि देने की घोषणा हमारी सरकार ने की है। इसी तरह से दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए भी सामूहिक बीमा योजना की शुरुआत हमारी सरकार ने की है। इस तरह से सही मायनों में अगर किसान हितैषी कोई सरकार है तो वह हमारी कांग्रेस पार्टी की चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार है। सभापति महोदय, अगर में सिंचाई सुविधाओ की बात करूं तो सबसे ज्यादा सर्वोच्च प्राथमिकता हमारी सरकार ने सिंचाई के साधनों को दी है। हर किसान की सूखी धरती को पानी देने का कार्य भी हमारी सरकार द्वारा किया गया है, हर टेल तक पानी देने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। इसी तरह से न्यायोचित पानी के बंटवारे के लिए भी हमारी सरकार शुरू से ही प्रयासरत है। सभापति महोदय, मैं इस बारे में कहना चाहूंगी कि हम अपने हिस्से का पानी जरूर लेकर रहेंगे। सतुलज यमुना लिंक कैनाल के जरिए रावी व्यास का पानी हम जरूर लेकर रहेंगे। सभापति महोदय, अभी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है लेकिन अरली हयिरिंग के लिए हमारी सरकार द्वारा ऐप्लीकेशन वहां पर डाली जा चुकी है। हमारी सरकार ने समान जल बंटवारे के लिए बात की है। इसके अलावा दक्षिणी हरियाणा के अन्तिम छोर तक पानी पहुंचाने के लिए हांसी बुटाना लिंक कैनाल बनाने पर भी

जोर शोर से काम चल रहा है। यह कैनाल 109 किलोमीटर लम्बी होगी तथा इस कैनाल की कैपेसिटी दो हजार क्यूसिक की होगी और 260 करोड़ रुपये की लागत इस पर आएगी। इसके अलावा दादूपूर नलवी नहर परियोजना का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर शुरू हो चुका है, इस पर 267 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस तरह से आज हर गांव के लिए नए नए माईनर्ज का निर्माण हो रहा है, रजवाहों की रिपेयर करवायी जा रही है। युद्ध स्तर पर रजवाहों को ठीक करने का कार्य चल रहा है। इसी तरह से बाद की रोकथाम के लिए भी नयी परियोजनाएं हमारी सरकार ने चलायी हैं। सभापति महोदय, मैं एक बात और कहना चाहूंगी कि अगर किसान की हितैषी कोई सरकार है तो वह हमारी कांग्रेस पार्टी की यह सरकार है। बिजली की अगर हम बात करें तो यह कहा जाता है कि बिजली की बहुत बड़ी समस्या है। मैं समझती हूं कि यह सब का सब पुरानी सरकारों का किया धरा है। हमारी सरकार को बहुत ही गली सड़ी व्यवस्था मिली है इसलिए इसको सुधारने में समय लगेगा। माननीय मुख्यमत्री जी ने बिजली के लिए बहुत से ऐतिहासिक फैसले किए हैं। पिछली सरकार ने तो वोटों की राजनीति के लिए कर्ज माफी का केवल ढिंढौरा ही पीटा था लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल्ज माफ किए हैं जबकि पिछली सरकार ने केवल वोट लेने के लिए ज्यादा से ज्यादा महंगे दामों पर बिजली खरीदी थी लेकिन बिजली के सुधार के लिए कोई पैसे का इंतजाम नहीं किया था। सभापति महोदय, 11 वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 8780 करोड़

रुपये सम्प्रेषण प्रणाली के लिए और 5854 करोड़ रुपये वितरण प्रणाली के लिए खर्च किए जाएंगे। पिछले दो सालों के दौरान हमारी सरकार ने पूरे हरियाणा प्रदेश में करीबन 36 नये सब स्टेशंज का कार्य करवाया है, 124 उप केन्द्रों की क्षमता बढ़ाने का काम किया है और 19719 नये ट्रांसफार्मर्ज हमारी सरकार ने लगाए हैं। पिछली सरकारों के दौरान बहुत से हादसे गली सड़ी तारों की वजह से हुए। गांवों में वे तारे ऐसे ही लटकती रहती थीं। हमारी सरकार ने 934 किलोमीटर लम्बी नयी ट्रांसमिशन लाईनें बिछाने का कार्य किया है। राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना के नाम से एक योजना चलायी गयी है। इससे गांवों में बिजली का सुधार होगा। इसके अलावा हमारी सरकार ने गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले 25 हजार परिवारों को 2007 में बिजली के कनैक्शन देने का भी वायदा किया है। जहां तक सदन में शॉर्ट टर्म इलैक्ट्रिसिटी परचेज की चर्चा हुई। हमारी सरकार ने 2003 से 2004 के दौरान आ .25 करोड़ रुपये की बिजली परचेज की। 2004–05 में 814 करोड़ की बिजली ली लेकिन हमारी सरकार ने श्क6 से फरवरी श्का तक करीबन 1240.71 करोड़ रुपये की बिजली परचेज की। हमारी सरकार का लक्ष्य 3 से 4 साल के अंदर अगर 24 घंटे नहीं तो जैसे हमारे मुख्यमंत्री जी की सोच है 20 से 22 घंटे बिजली देने का कार्य हमारी सरकार करेगी। इसके लिए बिजली की उत्पादन क्षमता में 5 हजार मेगावाट की वृद्धि करने का लक्ष्य है। 2007 से 2012 तक करीबन 9497 करोड़ का इन्वैस्टमैंट किया जा चुका है। इस समय यमुनानगर थर्मल पॉवर प्लांट

जिसकी कैपेसिटी 600 मेगावाट की है उसमें उक्त मेगावाट का कार्य नवम्बर, श्का तक पूर्ण हो जाएगा और अगले 300 मेगावाट का कार्य फरवरी, 2008 तक पूर्ण हो जाएगा जिससे हमारे हरियाणा प्रदेश को जो आज इतनी बिजली की समस्या से जूझ रहा है उससे हमें राहत मिलेगी। इसके अलावा हिसार में 1200 मेगावाट का प्लांट लगाने की मंजूरी मिल चुकी है। झज्जर में 1200 मेगावाट का कोल बेस्ट प्लांट लगाने का प्रौजैक्ट मंजूर हो चुका है। इसी प्रकार फतेहाबाद में 2800 मेगावाट परमाणु बिजली संयंत्र लगाने को मंजूरी मिल चुकी है। हमारी सरकार पूरी तरह प्रयासरत है कि पुरानी गली सड़ी व्यवस्था में किसी तरह से सुधार करके बिजली की स्थिति में जल्दी से जल्दी सुधार किया जाए। एन०टी०पी०सी० के साथ हमारी सरकार ने 1500 मेगावाट का पॉवर प्लांट लगाने का समझौता किया है, जिसमें से 750 मेगावाट बिजली हमारे हरियाणा प्रदेश को प्राप्त होगी। अक्षय उर्जा के क्षेत्र में भी हमारी सरकार काम कर रही है ताकि बिजली की समस्या का हम समाधान कर सके। इसके लिए 150 लाख रुपये की लागत से राजीव गांधी अक्षय अक्षय केन्द्र का निर्माण कार्टा शुरू हो चूका है। मैं समझती हूं कि जब तक हमारी सरकार के पांच वर्ष पूरे होंगे तब तक यह समस्या पूरी तरह से हल हो जाएगी। सभापति महोदय, अब मैं उद्योग, श्रम एवं रोजगार के बारे में बात करना चाहूंगी। जब ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार थी तब प्रदेश में भय का वातावरण था। चारो तरफ भय और भ्रष्टाचार का बोलबाला था। यहां पर उद्योगपति उद्योग धंधे लगाना नहीं चाहते

थे। हमे अच्छी तरह से याद है कि बहुत से ऐसे उद्योग थे जो यहां लगे हुए थे लेकिन उन्होंने तंग आकर यहां से पलायन किया था। जैसे ही हमारी सरकार बनी और नयी उद्योग नीति लाग हुई उससे प्रदेश का कायाकल्प हुआ है। उद्योगपति उद्योग धंधे अब हरियाणा में लगाना चाहते हैं। इस समय लोग ज्यादा से ज्यादा यहां पर निवेष कर रहे हैं। इस समय हरियाणा में अमन चौन का और अनुकूल सा वातावरण है। अच्छी कानून–व्यवस्था है और हमारे पास बहुत ही अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर है। हमारे यहां फ्रैंडली पौलिसी हैं। इन सब कैं फलस्वरूप गत दो वर्षों में 2 –हजार करोड़ का निवेश हुआ है और 53 हजार करोड़ रुपये का इन्वैस्टमैंट हमारे यहां अभी पाइप लाइन में है। हरियाणा प्रदेश के गठन से लेकर अब तक 8100 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश यहां हुआ था जबकि गत दो वर्षों के कार्यकाल मे माननीय मुख्यमंत्री, जी के गतिशोल नेतृत्व मे 1499 करोड़ रुपये का निवेष हुआ है। जो कि अपने आप में एक बहुत ही सराहनीय बात है। हमारी स्टेट के पास स्पेशल इकोनोमिक जोन लगाने के लिए मैक्सिमम ऐप्लीकेशंज आई हैं और 49 एस०ई०जैड० फौ भारत सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकृति प्रदान की है। करीबन 1 लाख 75 हजार करोड़ रुपए का निवेश इसमें होगा। 20 लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान होगे। पैट्रो कैमिकल हब जो कि पानीपत में पानीपत रिफाइनरी देन साथ मिलकर लगाया जाएगा। करीबन 4 हजार एकड़ पर 15 हजार करोड़ रुपये की इन्वैस्टमैंट होगी। जिससे हमारे बच्चों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर

मिलेंगे। हमारे यहां पर मजदूरों के साथ मालिकों के काफी दोस्ताना संबंध हैं और इन हारमोनियस इंडस्ट्रियल रिलेशंस को देखते हुए लेबर डिपार्टमैंट ने बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। हरियाणा प्रदेश देश का पहला राज्य है जहां श्रमिकों की समस्याओं को देखते हुए इनकी रक्षा के लिए नयी श्रम नीति लागू की हे और वैल्फेयर बोर्ड का गठन किया है और अनस्किल्ड लेबर को हमारी सरकार ने, माननीय मुख्यमंत्री जी ने 3510 रुपये मिनिमम वेजिज देने की घोषणा की है जो कि पूरे देश में सबसे अधिक है। हमारी सरकार ने इफ्लौयमैंट अलाउंसिज, 2003 फॉर ऐजूकेटेड अन इम्प्लौयड नामक नयी योजना की शुरुआत की है। विदेशों मे बढ़ती मांग को देखते हुए जिस प्रकार से स्किल्ड और अनस्किल्ड, टैक्नीकल, आई०टी०आई०, प्रोफैसर, डाक्टर्ज आदि के लिए पंचकुला में एक प्लेसमैट ब्यूरो की स्थापना की है। जोकि रजिस्टर्ड और एथोराईज्ड है। इससे विदेशों में हमारे प्रदेश के लोगों को रोजगार के साधन मिलेंगे। अगर मैं ऐक्साईज और टैक्सेशन की बात करूं तो हमारी सरकार ने इसमें भी कन्जूनर के लिए, मेन्यूफैक्चरर्स के लिए, ट्रेडिंग कम्यूनिटी के लिए, फारमर्ज के लिए एक बहुत ही अच्छा फ्रेण्डली माहौल यहां पर बनाया है। हमारी सरकार इसके लिए वचनबद्ध है कि यहां पर अच्छे से अच्छा माहौल इनको दिया जाए। पिछली सरकार के समय में शराब के ठेके किस प्रकार से आबंटित किए जाते थे ये सभी को अच्छी तरह से याद है। पिछली सरकार के समय मे केवल अपने रिश्तेदारों को और प्यारों को शराब के ठेके आबंटित किए जाते थे। वर्तमान

सरकार ने इस बारे में एक ट्रांसपेरेण्ट पोलिसी बनाई है उस पालिसी के तहत आवेदन किए जायेंगे और लॉटरी के माध्यम से ठेकों का आबंटन किया जायेगा। हमारी सरकार की नीति से रेवेन्यू डिपार्टमेंट में भी बहुत इजाफा हुआ हे। चेयरमैन महोदय, आज आम आदमी जानता है कि हरियाणा से शराब माफिया का सफाया हुआ है और नीलामी की प्रतिशतता में अगर बढ़ोत्तरी की बात हम करें तो वर्ष 2004–2005 में 717.75 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे जोकि केवल 3. 2 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी थी। हमारी सरकार के समय के दौरान वर्ष 2005–2006 में 837.99 करोड़ रुपये की नीलामी की राशि प्राप्त हुई है जिसमें सीधी 16.75 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है और 120 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। अगर हैल्थ की बात करें तो हमारी सरकार ने शिक्षा–स्वास्थ्य पर पूरी तरह से ध्यान दिया हे। जिस हिसाब से गावो में हमने देखा है कि चाहे अस्पतालों की हालत है, चाहे सी०एच०सी० या पी०एच०सी० की हालत है, उसमें सुधार हुआ है। हमारी सरकार ने विशेषतौर पर गरीब तबके के स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान दिया है। स्पीकर सर, ग्रामीण अंचल में रहने वाली महिलाओं के लिए हमारी सरकार ने हर गांव में मैटरनिटी हट्स खोलने का काम किया है ताकि उन माता–बहनों को डिलीवरी के समय किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। हमारी सरकार ने पूरे हरियाणा मे गरीब परिवारों की देखभाल के लिए रूरल हैल्थ कमीशन के तहत सात हजार आशा वर्कर्ज को नियुक्त किया है। बी०पी०एल० फैमलीज का ध्यान रखने के लिए जिनके पास स्वास्थ्य सेवा के लिए पैसा उपलब्ध नहीं है

हमारी सरकार ने आरोग्य स्वास्थ्य कोष की स्थापना की है। इसके अलावा जननी सुविधा योजना के तहत मलीन बस्तियों में रहने वाली हमारी माताएं व बहनों के लिए जिनके पास न तो पैसा है और न ही समय है उनके लिए यह जननी सुविधा योजना शुरू की है। इसके अलावा मोबाईल मैडीकल यूनिट हर गांव–गांव में और ऐसे रिमोट एरिया में ले जाने का कार्य किया है ताकि प्रदेश का कोई भी क्षेत्र स्वास्थ्य के हिसाब से वंचित न रह जाए। 13 साल से कम उस की स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए हैल्थ कार्ड बनाने का कार्य किया है, क्योंकि सरकारी स्कूलों में ज्यादातर गरीब तबके के बच्चे ही पढते हें। उनके स्वास्थ्य पर सरकार ने ध्यान दिया है क्योकि ज्यादातर बच्चों को नामोनिया की शिकायत है, आयरन की कमी है। हमारी सरकार ने हर बच्चे को अपना बच्चा समझते हुए डि–वॉर्मिंग करने का अभियान चलाया हे। हर प्राईमरी और हाई स्कूल में जा–जाकर के हर बच्चे को अपने हाथ से डि–वॉर्मिंग की गोलियां खिलाई हैं। इसके अलावा आयरन की टेबलट्स खिलाने का कार्य किया है। प्राईवेट सैक्टर की भागीदारी से विकल्प योजना शुरू की है। जिस तरह की व्यवस्था हमें मिली थी हेल्थ के हिसाब से मैं समझती हूं कि बहुत ज्यादा कार्य हमारी सरकार ने किया है इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं। इसके अलावा पी०डब्ल्यू०डी० (बी०एण्डआर०) की बात करें तो आपको अच्छी तरह से याद हे कि जिस सड़क पर जाने के लिए हमें पहले एक–दो घण्टे लग जाया करते थे अब उस सड़क पर केवल दस मिनट का समय ही लगता है। हमारी सरकार ने हर

गांव में सड़कों का जाल बिछाया है। चाहे गांव हो या शहर हो, हर गांव को शहर से जोड़ने का कार्य किया है। पिछली सरकार के समय में सड़कों को बनाने के नाम पर खाना–पूर्ति की जाती थी और सारे का सारा पैसा अपने पेट में डकारा जाता था लेकिन आज सभी सड़कों का कार्य चाहे वह स्ट्रैग्थिनिग का हो, चाहे निर्माण का हो वह पुरजोर तरीके से चल रहा है। पहले आपने देखा होगा कि हरियाणा के एक छोर से दूसरे छोर तक जाने के लिए यातायात की वजह से बहुत समय लगता था, लेकिन हमारे माननीय प्रधान मंत्री सरदार मनमोहन सिंह जी ने पानीपत में एलीवेटिड हाई–वे का शिलान्यास किया था। आज उसका कार्य जोरों से चल रहा है, वह जल्दी ही बनकर तैयार हो जायेगा। इसके अलावा बढ़ते हुए इण्डस्ट्रीलाईजेशन और ओरगेनाईजेशन की वजह से पी०डब्ल्यू०डी० विभाग ने एन०सी०आर० रिजन से वित्तीय असिसटैंस लेने के लिए एन०सी०आर० के प्लानिंग बोर्ड से बातचीत की है ताकि प्रदेश को आगे बढ़ाया जा सके। सभापति महोदय, आज के दिन प्रदेश की सरकारी बिल्डिंगों की रिपेयर का काम बड़े जोर–शोर से चल रहा है 1 हम देखते हैं कि सरकारी बिल्डिंगों की छतों से पानी टपकता रहता था और बिजली की तारे लटकती रहती हैं। उनकी तरफ हमारी सरकार ने ध्यान दिया है और उनकी रिपेयर का काम किया जा रहा है ताकि प्रदेश के कर्मचारियों को सुविधा हो ओर वे अपना कार्य अच्छी तरह से करे। सभापति महोदय, अब मैं पीने के पानी और सेनीटेशन की बात करना चाहूंगी कि पिछली सरकारो के दौरान किसी भी

हरजिन बस्ती या मोहल्ले में पानी की टंकी नहीं बनवाई गई थी। तकरीबन सभी गांवों मे हर जगह पानी पहुंचाया जाता था लेकिन हरिजन बस्तियो में नहीं पहुंचाया गया था। अब हमारी सरकार ने इंदिरा गांधी पेयजल योजना 19 नवम्बर, 2006 से शुरू की है जिसके तहत करीबन 8 लाख अनुसूचित जाति के परिवारों को मुफ्त पानी के कनैक्शन, 200 लीटर की टंकी और टूटी के साथ दिए जायेंगे। सभापति महोदय, अनुसूचित जाति के अलावा करीबन 30 लाख परिवारो को निजी पेयजल कनैक्शन देने की हमारी सरकार की योजना है। मैं समझती हूं कि ग्रामीण अंचल में रहने वाली माताओं ओर बहनों के लिए यह बहुत अच्छा कार्य हमारी सरकार ने किया है क्योंकि गांव में रहने वाली महिलाओं के सिर से मटका और टोकणी कभी नहीं उतरती थी। वे बचपन से लेकर बुढ़ापे की अवस्था तक पहुंच जाती थीं और उनके सिर के बाल उड़ जाते थे। अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि अब घरों मे पानी के कनैक्शन दिए जायेंगे। इस कार्य के लिए प्रदेश की महिलायें विशेष रूप से हमारी पार्टी की आभारी रहेंगी। सभापति महोदय, अब मैं मेवात क्षेत्र के बारे में बात करना चाहूंगी कि मेवात हमेशा पिछड़ा हुआ क्षेत्र रहा है और आज भी है। उस तरफ पहले वाली सरकारों ने कभी ध्यान नहीं दिया लेकिन हमारी सरकार ने मेवात के 503 गांवों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए 206 करोड़ रुपये की राजीव गांधी पेयजल योजना शुरू की है। जिसका कार्य जोरों से चल रहा है। इससे मेवात क्षेत्र के लोगों की पीने के पानी की समस्या दूर होगी। सभापति महोदय, इसके

अतिरिक्त हमारी सरकार ने सभी स्कुलों में स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था करवाई है। जबकि पिछली सरकारों के समय में सुनने में आता था कि स्कूल में गंदा पानी पीने की वजह से बच्चों के पेट मे दर्द हो जाता था। उस समय पीने के पानी की टंकियों की सफाई करवाई जाती थी लेकिन अब हर जगह नये बुस्टिंग स्टेशन लगाये जा रहे हैं और स्वच्छ पानी की सप्लाई के लिए नई पाईप लाईनें बिछाई जा रही हैं। इस तरह से चारों तरफ विकास कार्य प्रगति पर चल रहे हैं। सभापति महोदय, इन सब बातों से पता चलता है कि हमारी सरकार ने न केवल शहरों के विकास की तरफ ध्यान दिया है बल्कि उसके साथ–साथ गांवों के विकास की तरफ भी विशेष ध्यान दिया है और गांवों को पूरी तरह से विकसित करने के लिए कार्य किए जा रहे हैं। हुड्डा साहब की सरकार पहली ऐसी सरकार है जो गांवों की तरफ इतना ज्यादा ध्यान दे रही है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देती हूं। सभापति महोदय, इसके अतिरिक्त गरीबी उन्मूलन के लिए भी हमारी सरकार द्वारा कई कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। जैसे स्वर्ण जयंती ग्रामीण स्वरोजगार योजना, सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना आदि। इसके अतिरिक्त गरीबों को मकान देने के लिए इंदिरा गांधी आवास योजना चलाई गई हे। जिसके तहत गरीब लोगों को जो बी०पी०एल० के दायरे मे आते हैं उन्हें मकान दिए जायेंगे। इसके अतिरिक्त नैशनल इम्प्लायमैंट गारंटी स्कीम भी हमारी सरकार ने शुरू की हे। हमारी सरकार ने मॉडल विलेज बनाने की तरफ भी ध्यान दिया है। मॉडल विलेजिज में शहरो की तरह हर सुविधा दी

जायेगी। हमारी सरकार इस समय 1300 गांवों मे सी०सी० की सड़कें बनवा रही है। इसके अतिरिक्त एच०आर०डी०एफ० के तहत स्कूलों की बिल्डिंगों की रिपेयर, हास्पिटलज की रिपेयर और गांव की चौपालों आदि की रिपेयर करवाई जा रही हे। इस तरह के कार्य करके हमारे मुख्यमंत्री महोदय हमारे पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी के सपनों को साकार करते हुए पंचायती राज संस्थाओं को सशक्तिकरण करने का कार्य कर रहे हैं। अब हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने गांवों के सरपंचों को तीन लाख रूपये तक का कार्य अपने आप करवाने के अधिकार दे दिए हैं। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूं। सभापति महोदय, शहरो के विकास के लिए प्रदेश में अर्बन डिवैल्पमैन्ट एथोरिटी है और यह हमारे मुख्यमंत्री जी की विजनरी सोच है कि उन्होंने गांवों के विकास के लिए शहरों की तर्ज पर हरियाणा रूरल डिवैल्पमैंट अथोरिटी (हरडा) बनाई हे ताकि गांवों में भी शहरों जैसी सुविधाएं दी जा सकें और गांव के लोग गांवों को छोड़कर शहरों की तरफ न जायें। हमारे मुख्यमंत्री जी कहते हैं कि शहरों के विकास के लिए हुड्डा है और गांवों के विकास के लिए हरडा है तो मैं मुख्यमंत्री हुड्डा साहब को बधाई देती हूं कि हमारी इन ओवर आल अथोरिटी के वे मुख्यमंत्री हैं और उन्होंने न केवल शहरों के विकास के बारे में बल्कि गांवों के विकास के बारे में भी सोचा है। सभापति महोदय, अब मैं बी०पी०एल० के बारे में बात करना चाहूंगी कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों के विकास के लिए हमारी सरकार ने बहुत से कार्यक्रम शुरू किए हैं।

लेकिन पिछली सरकारों के समय में बी०पी०एल० का सर्वे गलत हुआ। जो गरीब थे वे रह गये और जो अमीर थे उनको बी०पी०एल० मे शामिल कर लिया गया। इस कारण बहुत से गरीबों ने आत्महत्याएं भी की थी। लेकिन अब हमारे मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि बी०पी०एल० के सर्वे भी नये सिरे से किये जायेंगे और नये लाभार्थियों को हमारी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का लाभ दिया जायेगा। हमारी सरकार ने पंचायती राज को भी सशक्त करने का काम किया। चाहे पंच हो या सरपंच हो, चाहे ब्लॉक समिति का मैम्बर हो या जिला परिषद का मैम्बर हो सभी को मानदेय देने की घोषणा हमारी सरकार ने की है। सरकार की नीतियों का लाभ गरीबो तक पहुंचे इसके लिए हमारी सरकार पूरी तरह से प्रयासरत रहती है। अगर मैं अर्बन डिवलपमैंट की बात करूं शहरी क्षेत्र के मामले में भी हमारी सरकार ने कहीं भी भेदभाव नहीं किया। पूरे हरियाणा के हर क्षेत्र में विकास के कार्य हमारी सरकार ने किये हैं। नागरिक सुविधाओं के सुधार के लिए 2005 –06 के दौरान करीब 209 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये थे और वर्ष 2006–07 के दौरान करीब शा करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। पिछली सरकार के दौरान 8 नगरपालिकाओं को भंग कर दिया गया था लेकिन हमारी सरकार के बनते ही उनमें से 7 नगरपालिकाओं को बहाल किया है और फरीदाबाद के ढांचागत विकास के लिए जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन के अन्तर्गत 2679.11 करोड़ रुपये निर्धारित किये हैं। शहरों में भी मलिन बस्तियां है इस चीज को ध्यान में

रखते हुए हमारी सरकार ने मलिन बस्तियों में रहने वालों की हाऊसिंग की जरूरतों को पूरा करने के लिए हुडा ने सेन्ट्रल गवर्नमैंट की इन्टीग्रेटिड हाऊसिंग सलमस की डिवलपमैंट प्रोग्राम के अनुसार आशियाना नामक एक योजना शुरु। की है जिसके तहत पंचकूला में पहली बार 8000 मकान बनाये जायेंगे। अगर मैं बात करूं तो हरियाणा में आज चारों तरफ सड़कों का जाल बिछा हुआ है। मैट्रो रेल के बारे में भी हमें बात करनी चाहिए। मैट्रो रेल लिंक दिल्ली से गुड़गांव तक की परियोजना का कार्य पूरा हो चुका है। फरीदाबाद और बहादुरगढ़ तक मैट्रो के विस्तार का प्रोजैक्ट पूरी तरह तैयार हो चुका है। अब मैं बात करना चाहूंगी शिक्षा की। हमारी सरकार ने खास तौर से शिक्षा और स्वास्थ्य की ओर ध्यान दिया है। पिछली सरकारों में मुझे मालूम है कि ज्यादातर फर्जी डिग्रियों से नौकरियां मिली और ज्यादातर अंगूठा टेक विधायक बने। लेकिन हमारी सरकार ने पढ़ी लिखी यह सरकार होने के नाते माननीय मुख्यमंत्री ने अपनी विजिबल सोच से शिक्षा के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित किये हैं और बजट में भी बहुत भारी इजाफा किया है। एक सड़ी गली व्यवस्था को सुधारने में समय तो जरूर लगता है लेकिन मैं समझती हूं कि हमारी सरकार पिछले दो वर्षों में इस व्यवस्था में सुधार करने में काफी हद तक कामयाब रही है। राजीव गांधी ऐजुसैट सिटी के नाम से एक ऐसी ऐजुररैट सिटी का निर्माण यहां पर किया जा रहा है जो ऑक्सफोर्ड की तर्ज पर यहां शिक्षा प्रदान करेगी। चाहे ITI हो, Polytechnic हो या Vocational Education की बात हो और इस

राजीव गांधी ऐजुसैट सिटी में 25 प्रतिशत का आरक्षण हरियाणा के स्टूडैंट्स को दिया जायेगा। सोनीपत के खानपुर कलां में भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय अपने आप में विशेष है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए एक विश्वविद्यालय खोलने का कार्य किया है। जिससे कि महिलाओं में शिक्षा का स्तर मै समझती हूं कि पिछली सरकार के दौरान जो गिर गया था उसमें काफी सुधार आयेगा। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, मुरथल सोनीपत में इंजीनियरिंग कॉलेज को दीनबन्धु सर छोटूराम साईस एण्ड टैक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया है। आजकल जहां बहुत ही टेक्नीकल मैनपावर की जरूरत है तो यहां पर शिक्षित करने के लिए भी इस तरह की यूनिवर्सिटी की बहुत पुरानी हमारी मांग रही है। प्रत्येक जिले में मॉडल स्कूल खोलने का कार्य हमारी सरकार ने किया हे। मॉडल स्कूलों में सभी सुविधाएं देने का कार्य हमारी सरकार करेगी। पहले की अगर बात करें 60–70 बच्चों पर एक शिक्षक होता था लेकिन हमारी सरकार ने 40 बच्चों पर एक शिक्षक किया है। और इसके अलावा पढ़ने लिखने वाले हमारे जो मेधावी छात्र हैं उनको पुरस्कृत करने के लिए हमारी सरकार ने राजीव गांधी छात्रवृति योजना शुरू की जिसमें तकरीबन 50 हजार बच्चों को पुरस्कृत किया जायेगा। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी बता देना चाहूंगी कि हमारी सरकार ने अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए भी डॉक्टर अम्बेडकर मेधावी छात्र योजना का शुभारम्भ किया है जिसमें 10+1 और 10+2 के बच्चों को शामिल किया गया है। वहां पर स्कूलों के

कमरों और बिल्डिंग्ज की हालत बहुत ही माड़ी थी और मास्टरों की हालत भी बहुत खराब थी। जिस रूप में शिक्षा का ढांचा हमें मिला था मैं समझती हूं कि दो साल के अरसे में हमारी सरकार इसमें सुधार लाने में कामयाब रही है। हमारी सरकार ने ऐजुसैट की स्कीम के माध्यम से यूनिफॉर्म क्वालिटी ऑफ ऐजुकेशन देने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में बहुत ही अच्छा काम किया है। जो स्कूल्ज और कॉलेजिज रिमोट ऐरियाज मे हैं उनके लिए ऐजुसैट स्कीम शुक की हे ताकि ग्रामीण अंचल तक बच्चों को शिक्षा का लाभ मिल सके। हमारी सरकार ने समैस्टर प्रणाली का कार्य शुरू किया है। पहले तो बच्चे स्कूल जाने के बाद और स्कूल से निकलने के बाद ही पता चलता था कि बच्चा पास हुआ या फेल लेकिन हमारी सरकार की सोच यह है कि समैस्टर प्रणाली लागू होने से बच्चों की पढ़ाई का बोझा भी कम हुआ है और बच्चों में रैगुलर स्टडी की रूचि भी बढ़ी है। अध्यक्ष महोदय, पढ़ाई के साथ ही साथ योग और स्पोर्टस में भी हमारी सरकार ने बहुत ही ज्यादा कार्य किए हैं, सरकारी स्कूलों में झूले लगवाए हैं और स्कूलों में खेलो का हर सामान देने का कार्य भी हमारी सरकार ने किया है। योग में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को महर्षि पतंजलि पुरस्कार से सम्मानित करने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। अब तो बहुत सारे इण्डस्ट्रियलिस्टस हाउसिज ऐसे हैं जो हरियाणा में आई०टी०आई० ओर ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट खोलना चाहते हें। वे जानते हैं कि हरियाणा के बच्चे पढ़ना चाहते हैं और उनको इस प्रकार की सुविधाएं देकर स्पोर्ट करने की बात वे कर

रहे हैं। हमारी सरकार न केवल शहरों में बल्कि गांवों में भी शिक्षा का पूरा ध्यान रख रही है। अध्यक्ष महोदय, ग्रामीण स्पोर्टस स्टेडियम हर ब्लॉक लैवल पर बनाने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। इस समय करीब 139 मल्टीपरपज हाल्ज तथा स्टेडियम्ज बनने हें जिन पर करीब 40 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इनका निर्माण कार्य बहुत ही प्रगति पर चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, खिलाडियो का खुराक भत्ता 50/– रुपये होता था हमारी सरकार ने उस भत्ते को बढ़ाकर 100/– रुपये करने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी को बधाई देना चाहती हूं कि हमारी सरकार के प्रयासों से इस समय खेलो की गुणवत्ता बड़ी है। कॉमन वैल्थ गेम्स और ऐशियन गेम्ज में हमारे खिलाड़ियों ने बहुत से पदक जीते हैं। ऐसे खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए हमारी सरकार ने 1.48 करोड़ रुपये के कैश अवार्डज उनको दिए हैं तथा उन खिलाड़ियों के गांवों को आदर्श गांव घोषित करने का कार्य हमारी सरकार ने किया है जिसके लिए मैं सरकार को बधाई देना चाहती हूं। हमारे हरियाणा प्रदेश के श्री बलवान सिंह को महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित किया गया हे। शिक्षा, स्वास्थ्य और जन–कल्याण के हर क्षेत्र में हमारी सरकार ने सराहनीय कार्य किये हैं। महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में जिस तरह से सरकार द्वारा किये गये कार्यों के बारे में कहा है, यू०पी०ए० अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने भी किए गए कार्यों के लिए हमारी सरकार की पीठ थपथपाई है और उन जन कल्याणकारी कार्यों पर

अपनी मुहर लगाई है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और बात कहना चाहूंगी और मैं समझती हूं कि किसी भी देश अथवा प्रदेश का विकास तब तक नहीं हो सकता है जब तक कि वहां पर महिलाओ का विकास नहीं होता। महिलाओं के क्षेत्र में सबसे ज्यादा इन्वैस्टमैंट बढ़ाई गई है और उसी को ध्यान में रखते हुए हमारी यू०पी०ए० की अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी के मार्गदर्शन में हमारे माननीय मुख्यमन्त्री जी ने वर्ष 2006 को बालिका वर्ष के रूप में घोषित किया और न केवल बालिका वर्ष के रूप में घोषित किया बल्कि बालिकाओं के पूर्ण विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य भी किये। महिलाओ के सशक्तिकरण के लिए बहुत सी योजनाएं हमारी सरकार ने शुरू ही हें। अध्यक्ष महोदय, यहां पर मैं बताना चाहूंगी कि कन्या भ्रूण हत्या जैसी समस्या जो हमारे समाज में मुंह बाये खड़ी हुई थी, हमारी सरकार ने पिछले दो सालों में पूरे प्रदेश के अन्दर तथा कुछ जिलों में बहुत ही अच्छे कार्य किए हैं जिससे हमारी सैक्स रेशो काफी इम्प्रूव हुई है। हमारी सरकार ने लाडली नामक योजना शुरू की है। जिसमें दो लड़कियां होने पर लड़की को 5000/– रुपये पांच वर्ष तक दिए जाएंगे। लाडली सामाजिक सुरक्षा पैंशन योजना के तहत जिस मां–बाप की केवल लड़कियां हैं हमारी सरकार ने उन मां–बाप को 55 साल की उस में पैंशन देना शुरू किया था। हमारे माननीय मुख्य मन्त्री महोदय ने 8 मार्च को यह घोषणा की है कि इस पैंशन के लिए जो 55 वर्ष की आयु थी उसको कम करके 46 वर्ष किया है और इसमें भी इस पैंशन की राशि को बढ़ा कर 500

रुपये किया गया है। इन्दिरा गांधी प्रियदर्शनी विवाह योजना के अन्तर्गत 15000 रुपये की राशि कन्या के विवाह के वक्त देने का फैसला किया गया है। पहले जब किसी गरीब परिवार में किसी कन्या का जन्म होता था तो उस घर में मातम छा जाता था लेकिन अब हमारी सरकार द्वारा इस योजना के लागू होने के बाद लड़की के पैदा होने पर भी थाल बजाए जाते हैं और बहुत ही खुशी का इजहार किया जाता है। हमारी सरकार विवाह के लिए 15 हजार रुपये शगुन के रूप में देती है। अध्यक्ष महोदय, हमें याद हे कि जब माननीय मुख्य मन्त्री महोदय ने राखी के दिन महिलाओं को बसों में फ्री यात्रा करने की सुविधा दी थी तो उस दिन बसों में कहीं पर जगह नहीं मिली थी और बहुत बड़ी संख्या में बहने अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए अपने बच्चों के साथ बहुत ही उत्साह में बसो में सफर करती दिखाई दी थीं और पहली बार उनको लगा था कि राखी का त्यौहार हमारी सरकार बनने के बाद ही आया है। यह सुविधा प्रदान करने के लिए मैं अपने माननीय मुख्य मन्त्री जी तथा अपनी सरकार को बधाई देती हूं। अध्यक्ष महोदय, हाउसिंग बोर्ड के मकानो मे 33% मकानो का रिजर्वेशन महिलाओं के लिए हमारी सरकार द्वारा किया गया है और बिजली के मीटर अगर महिलाओं के नाम पर ट्रांसफर किये जाते हैं तो बिजली के बिल में 10 पैसे प्रति यूनिट बिल कम आएगा। इसके साथ ही यदि किसी महिला के नाम पर कोई रजिस्टरी होती है तो स्टाम्प पेपर्ज मे भी दो परसैंट की छूट देने का फैसला हमारी सरकार ने किया है। अध्यक्ष महोदय, टीचर्ज की

भर्ती का जहां तक सम्बन्ध है, शिक्षकों की जो भर्ती की जाएगी माननीय मुख्य मन्त्री जी ने उसमें भी महिलाओं के लिए 33% आरक्षण देने का प्रावधान किया है। अध्यक्ष महोदय, हर गांव मे 5000 रुपए प्रति महिला मण्डल को सहायता देने का काम किया है। इसके बाद माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सोशल सैक्टर की चर्चा करना चाहूंगी। सोशल सैक्टर बहुत ज्यादा इम्पोरटैंट सैक्टर है। जब हमारे संविधान निर्माताओ ने संविधान लिखा था तो उस समय उन्होंने एक वैल्फेयर स्टेट की कल्पना की थी। उन्होंने सोचा था कि हर जगह हर व्यक्ति खुशहाल होगा। चाहे वह महिला हो, अनुसूचित –जाति के व्यक्ति हों, गरीब किसान हो या कोई भी हो उन सबके लिए वैल्फेयर स्टेट की कल्पना हमारे संविधान निर्माताओं ने की थी। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन में बताना चाहूंगी कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा खुद आर्यसमाजी हैं और आर्यसमाजी परिवार से सम्बन्ध रखते हैं। इसी कारण से इन्होंने इस सरकार के बनते ही सबसे पहले सोशल सैक्टर में नए आयाम शुरू किए। अगर हम नए आयामों की चर्चा करें तो जहां तक सोशल सैक्टर की बात है पहले गांव में जो एक छोटा सा चौकीदार होता था जिसको कोई नहीं पूछता था, गांव का एक नम्बरदार जिसको कोई नहीं पूछता था, हमारे मुख्यमंत्री जी ने हर उस चौकीदार का, नम्बरदार का, पैच और सरपंच का मान बढ़ाया है। इसके अलावा और बहुत से ऐसे वर्ग हैं जैसे किनर, बोने वर्ग हैं जो हमेशा से उपेक्षित रहे हैं। हमारे मुख्यमंत्री जी ने अपनी कल्याणकारी योजनाओ की घोषणा करते हुए इन सभी की तरफ

ध्यान दिया है। मैं समझती हूं कि किसी भी विकसित देश या प्रदेश के लिए उसकी पहचान के लिए सामाजिक सुरक्षा बहुत जरूरी है। मैं समझती हूं कि हमारी सरकार ने बनते ही सामाजिक सुरक्षा के बहुत ही अच्छे इन्तजाम किए हैं। लेकिन कुछ ऐसे स्वार्थी लोग हैं जो इन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को देखते हुए अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हें और अनाप शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। मैं उन लोगों को बधाई देना चाहती हूं जिन्होने इस सरकार में रहते हुए कभी भी ऐसे बयानो की तरफ ध्यान नहीं दिया और मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा जी के नेतृत्व में हर व्यक्ति को लाभ पहुंचाने का कार्य किया। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के वक्त में आगनवाडी केन्द्रों में टूटे फूटे कमरे हुआ करते थे और मां बाप को यह चिन्ता होती कि कहीं कोई बिल्डिंग उनके बच्चो पर गिर न जाए लेकिन इस बारे में मैं यह कहना चाहती हूं कि हमारी सरकार ने वहां पर बिल्डिंगों मे सुधार किया है, वहां पर बच्चों के लिए खिलौनो और झूलों का भी इन्तजाम किया है। इसके साथ ही 28 आई०सी०डी०एस० प्रोजैक्ट के तहत 11 से 18 वर्ष की लड़कियो के पोषण में सुधार के लिए किशोरीशक्ति नामक योजना लाग की है। सर्वोत्तम माता के लिए हमारी सरकार ने ग्रामीण अंचलों में पुरस्कार देने आरम्भ करे हैं। ग्रामीण अंचल में रहने वाली माता और बहनों के सम्मान के लिए हमारी सरकार ने प्रयास करके हर गांव में शौचालय बनाने का काम किया है। मैं समझती हूं कि अनुसूचित जाति की बात हम करें तो पिछली सरकार के वक्त में अगर किसी ने कष्ट सहा है तो

अनुसूचित जाति ने सहा है। पिछली सरकार के जाने के बाद हरियाणा में चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व वाली सरकार बनी तो मैं समझती हूं कि दलित समाज ने सुख की सांस ली थी। कर्मचारियों को पदोन्नत करने के लिए हमारी सरकार ने 85वां संशोधन लागू किया और हमारे बैकलॉग को पूरा करने के लिए विशेष भर्ती अभियान हमारी सरकार चला रही है। हरिजन कल्याण निगम और विकास कल्याण निगम में ऋण लेने के लिए ब्याज में 1 प्रतिशत की कमी करी है। मकान बनाने के लिए जो अनुदान पहले केवल 10 हजार रुपए था उसको हजार इस सरकार ने 50 हजार रुपए करने का कार्य किया है। इसके अलावा मरम्मत के लिए 10 हजार रुपए देने का कार्य भी इसी सरकार ने किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगी कि पहले हम एक चिट लेकर जाया करते थे कि हमें फलानी हरिजन चौपाल ठीक करवानी है, आज बी०सी० चौपाल ठीक करवानी है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कलम की ताकत से एस०सी० और बी०सी० चौपालों के लिए एक ही बारी में रिपेयर करने का पैसा दे दिया है। इसके लिए हमारी सरकार बधाई की पात्र है। हमारी सरकार ने इक्नौमिक वीकर सैक्शन के लिए हुडा में आरक्षण 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया है। एस०सी० छात्रों के बारे में हम बात करें तो पढ़ने वाले मेधावी छात्रों के लिए अम्बेदकर मेधावी छात्र योजना इस सरकार ने शुरू करी है। इसके अलावा इन्दिरा गांधी पेय जल योजना की अगर बात करें तो हर परिवार अब खुश है, हर मां–बहन खुश है कि अब उन्हें पानी भरने के लिए किसी

दूसरे के कुंए पर नहीं जाना पड़ेगा और न ही किसी की गाली सुननी पड़ेगी। इन्दिरा गांधी पेय जल योजना जो इस सरकार ने शुरू करी है मैं उसके लिए इस सरकार को बधाई देना चाहती हूं। हमारा समाज इस सरकार का इस योजना को शुरू करने के लिए तह दिल से धन्यवादी है। इसके अलावा सैल्फ हैल्प ग्रुप के तहत महिलाओं को सशक्त करने के लिए हमारी सरकार ने बहुत से कार्य किए हैं। माल न्यूट्रिशियन को खत्म करने के लिए मिड–डे–मील स्कीम पर बहुत ज्यादा कार्य किया जा रहा है। सामाजिक–आर्थिक उत्थान स्वयं सहायता समूह के लिए तकरीबन 1675 समूहों का गठन भी हमारी सरकार के दौरान ही हुआ हे। महिलाओ के बारे में यदि हम सोचें तो ब्लॉक लेवल पर ग्रामीण महिलाओ के लिए, गांवों में खेलों के लिए भी व्यवस्था की गयी है। विधवाओं की पैंशन 300 रुपये से बढ़ाकर 350 रुपये कर दी गयी है। इसके अलावा निराश्रित बच्चों की सहायता के लिए 30 रुपये से बढ़ाकर 100 रुपये करने का काम भी हमारी सरकार ने किया है। बेरोजगारों की अगर हम बात करें तो हमें याद है कि पिछली सरकार के दौरान झोले में डिग्रियां उठाए हुए बेरोजगार नौजवान धक्के खाते हुए घूमते फिरते थे। लेकिन अगर किसी के पास पैसा नहीं है तो किसी बेरोजगार युवक को उस समय नोकरी नहीं मिलती थी। मैं बधाई देना चाहूंगी मुख्यमंत्री जी को कि उन्होंने खुले मन से यह घोषणा की कि नौकरियों के मामले में पैसा लेने और पैसा देने वाले दोनों को अंदर किया जाएगा। हमारी सरकार ने मैट्रिक पास बेरोजगारों के लिए 100 रुपये,

स्नातक बेरोजगारों के लिए 1500 रुपये भत्ता देने का कार्य किया है। इसी तरह से स्नातकोत्तर विकलांगों के लिए 2000 रुपये भत्ते के रूप में देने का कार्य भी किया गया है 100 परसैंट हैडिकैप्ड लोगों के लिए पैंशन 300 रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये करने का कार्य भी हमारी सरकार ने किया है। इसी तरह से हरियाणा परिवहन की बसिज में 100 परसैंट हैंडीकैप्ड व्यक्तियों को मुफ्त यात्रा के साथ–साथ एक व्यक्ति को भी उनके साथ फ्री चलने की सुविधा प्रदान की गयी है। विकलांग कर्मचारियों की अगर हम बात करें तो पहले 53 वर्ष जिनकी रिटायरमैंट ऐज थी उसको बढ़ाकर 60 वर्ष हमारी सरकार ने किया है 1 इसी प्रकार से राजीव गांधी परिवार बीमा योजना भी हमारी सरकार ने शुरू की है कि अगर किसी घर में 18 वर्ष से लेकर 60 वर्ष के व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो उस हरियाणावासी को हमारी सरकार ने एक लाख रुपये देने का फैसला किया है। मृत्यु के अलावा अगर वह 100 परसैंट हैंडीकैप्ट होता है तो उस मामले में भी हमारी सरकार उसको एक लाख रुपये देने का कार्य करेगी। सर, अब मैं परिवहन की बात करना चाहूंगी। मुझे याद है कि पहले तो कोई भी हरियाणा की बसिज में चढ़ने के लिए तैयार नहीं होता था लेकिन आज हरियाणा की बढ़िया सड़को पर बहुत ही अच्छी बसिज का बेड़ा गुजरता हुआ नजर आता है। मैं समझती हूं कि हरियाणा की बसिज की व्यवस्था आज बहुत ही अच्छी है। हमारी सरकार के दौरान सारथी नामक बस की सेवा, वोल्वो ए०सी० बस की सेवा, हरियाणा गौरव नाम से बस की सेवा शुरु। की गयी है और

हरियाणा उदय सी०एन०जी० बस सेवा की शुरूआत भी हाल ही में माननीय मुख्यमंत्री जी ने की है। बसों के अलावा सेफ्टी मैयर्ज का भी पूरा ध्यान हमारी सरकार ने रखा है 1 ड्राईविंग ट्रेनिंग्ज स्कूल्ज जो पहले कभी नहीं होते थे उनको भी हमारी सरकार ने शुरु। किया है। इस तरह के बहुत से ट्रेनिंग केन्द्र खोले गए हैं। इसके अलावा बस अड्डों का भी आधुनिकीकरण किया जा रहा दै। पिछली सरकार के दौरान कई कई सालों से बस अड्डों के निर्माण के कार्य नहीं हुए थे लेकिन हमारी सरकार ने बहुत से आधुनिक बस अड्डों का निर्माण कार्य किया है। इसके अलावा हमारे पास जो भी सात वर्ष से पुरानी बसिज हैं उनको बदलने का काम भी हमारी सरकार ने किया है। जो भी 100 परसैंट डिफ एंड डम्ब हैं उनके लिए फ्री ट्रैवलिंग की सुविधा दी गयी है या जिनको नैशनल अवार्ड मिले हैं उनको भी फ्री ट्रैवलिंग की सुविधा देने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं अगर बात करूंगी तो ली एंड आर्डर की बात करूंगी। पिछली सरकार के दौरान भय और भ्रष्टाचार की वजह से न केवल व्यापारी, कर्मचारी बल्कि बेरोजगार यानि सभी हरियाणा छोड़ने के लिए तैयार बैठे थे लेकिन माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व मे जब यहां पर कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी तो यहां पर पूंजी निवेश की जेसे भरमार लग गयी। हर तरफ से यहां पर पूंजी निवेश होना शुरू हो गया। इसी तरह से लोकायुक्त की नियुक्ति की गयी ताकि भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाया जा सके। सूधना अधिकार भी लाग किया गया। पुलिस के आचरण में बदलाव करने

के लिए पुलिस ऐक्ट को मंजूरी हमारी सरकार द्वारा दी गयी। इसी तरह से मोबाइल पैट्रोलिग की भी व्यवस्था हाईवेज पर हमारी सरकार द्वारा की गयी ताकि अगर कोई भी किसी ऐक्सीडैंट्स बगैरा की सूचना दें तो लोगों को जल्द से जल्द फायदा मिल सके। सर, पहले महिलाओं को कई बार पुलिस महकमें में जाने पर प्रताडित किया जाता था लेकिन हमारी सरकार ने पुलिस महिला प्रकोष्ठों की स्थापना की है और हर एस०पी० को आदेश दिए हुए हैं कि 9.30 बजे से लेकर 11.30 बजे तक के बीच में वे अपने मोबाइल खुले रखेंगे ताकि एक आम आदमी भी अपनी शिकायत को वहां पर दर्ज करवा सके। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल जी ने हमारी सरकार के बारे में बहुत ही बढ़िया चर्चा यहां पर की है। मैं धन्यवाद करना चाहूगी और बधाई देना चाहूंगी कि जो सपना हमारे मुख्यमंत्री जी ने देश का नंबर वन प्रांत, हरियाणा प्रदेश को बनाने का देखा है वह जल्दी ही पूरा होगा। मैं विश्वास के साथ कह सकती हूं कि हम रामराज्य के बारे मे सुना करते थे कि हिंदुस्तान में कभी रामराज्य था, यदि हमारी सरकार इसी तरह से काम करती रही तो एक दिन हरियाणा प्रदेश में भी राम राज्य होगा। उस सपने को साकार रूप देने के लिए हमारी सरकार पूर्णतया प्रयासरत है कि हरियाणा प्रदेश को देश का सर्वोत्तम राज्य बनाए। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए आपका धन्यवाद करती हूं।

Mr. Speaker: Motion moved—

That the address be presented to the Governor in the following terms:—

That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on 9th March, 2007 at 2.00 P.M.

धन्यवाद प्रस्ताव पर संशोधन की सूचना

डॉ० सुशील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, मैंने मोशन ऑफ थैंक्स के बारे में कुछ अमैंडमैंट्स दी थीं। उनका क्या फेट है ?

श्री अध्यक्षः वह डिसअलाऊ हो गई हैं। इस बारे में आपको इंटीमेशन दे दी गई है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला (रोडी): अध्यक्ष महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर आपका और इस महान सदन का ध्यान इस तरफ आकर्षित करना चाहता हू कि राज्यपाल का अभिभाषण किसी भी सरकार का विजन डॉक्यूमेंट होता है। मैंने जो अभिभाषण सुना और पढ़ा उसके दृष्टिगत मै यह कह सकता हूं कि इसमे कोई भी ऐसी चीज नहीं दर्शाई गई जिसकी वजह से हम यह कह सके कि प्रदेश सरकार लोगों के हितार्थ कोई ठीक काम करने जा रही है। न ही पिछले दो साल के लेखे–जोखे को उजागर किया गया। प्रस्तावक ने जिस ढंग से

सदन मे चचा की वह गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर चर्चा नहीं थी, वह केवल ओम प्रकाश चौटाला पर चर्चा की गई थी। मुझे कोई आपत्ति नहीं है क्योकि मेरा ऐसा मानना हे कि बटोडे मे से उपले ही निकलते हें। लेकिन मैं इस तथ्य की ओर सदन का ध्यान अवश्य ही आकर्षित करना चाहूंगा कि चेयर की एक जिम्मेदारी होती है कि सदन के माहौल को ठीक रखा जाए, चूंकि यह प्रदेश के हित का मामला है। प्रदेश के हितार्थ यदि अच्छे निर्णय लिए जाएंगे और अच्छे ढंग से इम्प्लीमेंट होंगे तो प्रदेश की जनता को लाभ मिलेगा। हमारी सरकार के वक्त में क्या–क्या काम हुए थे मुझे उसका उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है। वह सबके सामने जाहिर है। प्रदेश की जनता ने हमारे पक्ष में राय नहीं दी। हमें विपक्ष मे बैठने का हुक्म दिया गया। हमने उस आदेश की पालना करते हुए पहले दिन ही एक बात खुलकर कही थी कि सत्तापक्ष ओर विपक्ष को दो बराबर के स्तम्भ होते हैं। विपक्ष की भूमिका विपक्ष के तौर पर निभाते हुए हमारी एक सोच होगी कि प्रदेश के हित मे यदि सरकार अच्छे काम करे तो हम सरकार की सराहना करेंगे। मुझे खुशी होगी कि अगर सरकार कोई अच्छा काम करेगी, तो आज भी हम ऑन दि फ्लोर ऑफ दी हाउस उसकी सराहना करेंगे। महामहिम राज्यपाल महोदय ने कृषि पर विशेष रूप से जोर दिया। बहुत खुशी की बात है कि हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। इस प्रदेश के लोगों की आजीविका का मुख्य साधन खेती है। इस खेती को बढ़ावा देने के लिए कोई भी ऐसा कार्य नहीं किया गया जिससे किसान प्रोत्साहित हो सके। मौजूदा

सरकार ने 2 साल के अर्से में न तो एक बूंद पानी की भी कोई व्यवस्था की है

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, आप कितना टाइम लेंगे ?

श्री ओम प्रकाश चौटालाः सर, टाइम देना तो आपके अख्तियार में है।

श्री अध्यक्षः डिस्कशन के लिए दो दिन रह गए हैं। चौटाला साहब, आपकी पार्टी के हिस्से में 54 मिनट आते हैं क्योंकि आपकी पार्टी के कुल 9 सदस्य हैं और प्रत्येक सदस्य के हिस्से 6 मिनट आते हैं और गवर्नर एड्रेस के लिए दो दिन का समय निश्चित किया गया था। आपको पता होना चाहिए कि बी०ए०सी० की मीटिंग की कार्यवाही को आपके सामने एप्रूव किया गया था और सभी सदस्यो ने हाथ खड़ा करके उसको एप्रूव किया था।

श्री ओमप्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह भी समय आप मेरे भाषण से ले रहे हैं।

श्री अध्यक्षः आपकी पार्टी के कुल 54 मिनट हैं आप चाहे तो 54 मिनट अकेले बोल सकते हैं चाहे इससे कम कर सकते हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, 54 मिनट तक तो मुझे बोलने दें। जितनी देर तक मैं बोलता हूं बोल लूंगा उसके

बाद जितना भी समय बचेगा कोई दूसरा सदस्य बोल लेगा। लेकिन इस समय के बीच में अगर कोई सदस्य मुझे इन्ट्रप्ट करता है तो वह समय आप इस 64 मिनट के समय में से काट लें। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की इन्ट्रप्शन से मेरे समय में से ही कटौती हो रही है। इस समय को भी आप लिखते रहे। अध्यक्ष महोदय, प्रस्तावक और अनुमोदक दोनों ने अपनी बात कही उस समय हमने किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं की। हम चाहते हैं कि प्रजातान्त्रिक तरीके से हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का अधिकार है। सभी सम्मानित सदस्य बराबर का अधिकार रखते हैं। प्रदेश के हितार्थ महामहिम राज्यपाल महोदय ने कृषि को बढ़ावा देने का बहुत उल्लेख किया है। लेकिन मौजूदा सरकार ने इस दो साल के अर्से में न तो एक यूनिट बिजली भी पैदा नहीं की और न ही एक बूंद पानी की व्यवस्था अब तक की है। बल्कि हालत यह है कि (शोर एवं व्यवधान)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। आपकी इजाजत से चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी को बताना चाहूंगा। जैसा कि उन्होंने कहा कि इस सरकार ने एक यूनिट बिजली भी पैदा नहीं की है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि जब वर्तमान सरकार को इस प्रदेश की व्यवस्था मिली थी, जिस दिन चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार ने कार्यभार संभाला उस समय प्रदेश के अन्दर 5000 मैगावाट बिजली की कमी थी। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार

ने अनेकों प्रोजेक्ट्स को बनाने के लिए एम०ओ०यू० साईन किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि यमुनानगर का थर्मल पावर प्लांट जिसका माननीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार ने रंग और पत्थर लगाने के अलावा कुछ नही किया था। इस साल के अन्दर–अन्दर वह पावर प्लांट बिजली की प्रोडैक्शन देना शुरू कर देगा और इस प्लांट से 600 से 900 मैगावाट बिजली वहां पर बननी शुरू हो जायेगी। स्पीकर सर, इस सरकार ने हिसार में एक कोयला आधारित ताप बिजली घर के निर्माण का कार्य प्राईवेट सैक्टर को देने का काम किया है और जिस दिन से यह कान्ट्रैक्ट दिया है उसी दिन से काम शुरू हो गया है और वहां से भी बिजली पैदा होनी शुरू हो जायेगी। इसी प्रकार झज्जर में भी नया पावर प्लांट लगाया जायेगा। इस सरकार का टारगेट यह है कि 5000 मैगावाट बिजली पैदा की जाये। पिछली सरकार के समय में शॉर्ट टर्म के लिए बिजली खरीदी जाती थी वह 600 करोड़ रुपये की बिजली पांच साल में खरीदी गई थी जबकि इस सरकार ने सत्तासीन होने के बाद वर्ष 2006–07 में फरवरी तक 1240 करोड़ रुपये की शॉर्ट टर्म के लिए बिजली खरीदी है। कम से कम माननीय सदस्य बोलते समय यह तो ध्यान रखें कि जो वाक्य सदन मे लिखा हुआ है उसको चौटाला साहब ने कई बार पढ़ा होगा, सदन में जो भी बात बोली जाए वह तथ्यो पर आधारित होनी चाहिए या आकड़ों के आधार पर कही जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि इस सरकार ने दो साल के अर्से मे एक यूनिट बिजली भी पैदा नहीं की है। अध्यक्ष महोदय, भविष्य में क्या होगा किस प्रकार की योजना होगी यह तो आगे की बात है। लेकिन यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट की जो माननीय मंत्री जी बात कर रहे हैं, हमारी सरकार के समय उस प्लांट की आधारशीला रखी गई थी। जिस कम्पनी को हमने बिजली पैदा करने के लिए ठेका दिया था उस कम्पनी ने आगे किसी चाईना की कम्पनी के साथ एग्रीमेंट किया हुआ था। उस एग्रीमेट को तोड़ने के लिए उस कम्पनी ने उस वक्त हमारी सरकार के सामने दरखास्त दी थी कि इस एग्रीमेंट को तोड़ने के लिए अनुमति दी जाए। वह कम्पनी किसी दूसरी चाईना कम्पनी डींग फाँग इलैक्ट्रिक कारपोरेशन जिसके साथ उनका एग्रीमेंट था उसकी बजाय किसी और कम्पनी के साथ एग्रीमेंट करना चाहती थी। जिसकी वजह से हरियाणा प्रदेश की सरकार को 400 करोड़ रुपये का नुक्सान हुआ है। माननीय मुख्यमंत्री जी बैठे है हमारी सरकार के वक्त में उस कम्पनी की मांग को रिजेक्ट कर दिया गया था।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्याइंट ऑफ आर्डर यह है कि मैं आपके माध्यम से आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी से निवेदन करूंगा कि सदन को गुमराह करने से इनकी मंशा पूरी नहीं होगी। मैं इनसे अर्ज करूंगा कि ये यहां सच बात बताये। जिस कंपनी का ये जिक्र कर रहे हैं उस कंपनी को

टेण्डर मेल के मुकाबले पर मिलीभगत से चौटाला जी ने दिया था। जबकि भेल कंपनी कम्पीटेटर थी, उसको टेण्डर नहीं दिया गया। अध्यक्ष महोदय, जिस गाने को चौटाला जी आज यहां गा रहे हैं उसको पहले इन्होंने ही गाया हुआ है और अब ये सदन को गुमराह कर रहे हैं। यमुनानगर के थर्मल पावर प्लांट चौटाला जी के पिता श्री के राज से लेकर आज तक शुरू नहीं हो पाया और उसका कई प्रधान मंत्रियों ने भी दिल्ली में बटन दबाकर उद्घाटन किया था। लेकिन उस पर कोई काम नहीं हुआ। अब हमारे मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से वहां काम शुरू हुआ है उसके लिए इन्हें हमारे मुख्यमंत्री जी को शाबाशी देनी चाहिए, क्रिटीसाईज नहीं करना चाहिए। **श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः** अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्याइंट ऑफ आर्डर है। मैं ओम प्रकाश चौटाला और उनकी पार्टी के सदस्यों को आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार के प्रयासो से यमुनानगर का जो थर्मल पावर प्लांट है वहां पर 600 मैगावाट बिजली वेदा होगी और नवम्बर, 2007 मे यूनिट– 1 शुरू हो जायेगा तथा फरवरी, 2008 तक यूनिट–2 चालू हो जायेगी। जबकि चौटाला साहब के 6 साल के राज मे एक नई यूनिट बिजली वहां पैदा नहीं हुई। इसके अलावा 1200 मैगावाट बिजली कोल बेस्क प्लांट, हिसार में लगना शुरू हो गया है, उसका काम चालू है और वहां से 1200 मैगावाट बिजली पैदा होगी। इसके अतिरिक्त 1500 मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए कोल बेक्स प्लांट का एम०ओ०यू० 24 अगस्त, 2006 को एन०टी०पी०सइा० और एच०पी०जी०सी०एल० दोनों कंपनियो ने

हरियाणा सरकार के बिहाफ पर साईन किया है जिससे 750 मैगावाट बिजली हरियाणा को मिलेगी और 750 मैगावाट बिजली दिल्ली सरकार को मिलेगी। इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने सैन्ट्रल स्पोसर्ड प्रोजैक्ट्स मे भी हिस्सेदारी की है और साथ–साथ प्राईवेट सैक्टर की भी कई कंपनियों से अनुबन्ध किया हे। उभ मैगावाट बिजली का अनुबंध अमर कंटैक्ट प्रोजैक्ट में किया गया है जो कि छतीसगढ़ में है, 70 मेगावाट बिजली का अनुबंध उदिल हाईड्रो प्रोजैक्ट में किया गया है जो कि हिमाचल प्रदेश मे है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से और भी बहुत से प्रोजैक्ट हैं जिनसे हरियाणा प्रदेश को बिजली मिलने वाली है। चौटाला जी की जानकारी के लिए मैं बताना चाहूंगा कि आकड़े कभी झूंठ नहीं बोलते। अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी खेतीबाड़ी की बहुत चिंता करते हैं। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि इनकी सरकार के समय में और हमारी सरकार के समय में खेती के लिए कितनी यूनिट बिजली दी जा रही है। इनकी सरकार के समय में वर्ष 2004–05 के फरवरी माह में 218 लाख यूनिट बिजली खेती के लिए दी गई थी जबकि इस वर्ष फरवरी माह मे हमारी सरकार ने 256 लाख यूनिट बिजली खेती के लिए दी है। इसी तरह से वर्ष 2004–05 के जनवरी माह में 302 लाख यूनिट बिजली खेती के लिए दी गई और इसी वर्ष जनवरी माह में हमारी सरकार ने 341 लाख यूनिट बिजली खेती के लिए दी है। इनकी सरकार के समय दिसम्बर, 2004 में खेती के लिए 269 लाख यूनिट बिजली दी गई और दिसम्बर, 2006 में हमारी सरकार ने 313 लाख यूनिट

बिजली खेती के लिए दी है। अध्यक्ष महोदय, ये बातें मैं आकड़ों के आधार पर बता रहा हूं और आकड़े सही कहानी दर्शातें हैं। आकड़े इनके समय के भी हैं और हमारे समय के भी हैं जो बिजली इन्होंने और हमने सप्लाई की है। अध्यक्ष महोदय, यह बात हम मानते हैं कि बिजली की खपत बढ़ी है और डबल हुई है। हम यह भी मानते हैं कि पिछले दो सालों में जिस तरह से प्रदेश में तरक्की हुई है। उसको देखते हुए बिजली की डिमांड आने वाले सालों मे और बढेगी। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए हमने हजारों मैगावाट बिजली पैदा करने के लिए मुखतलिफ अनुबंध किए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं बडे सम्मान से ओम प्रकाश चौटाला जी को और पूरे सदन को बताना चाहूंगा कि चोटाला जी के पांच साल के कार्यकाल में बिजली पैदा करने के लिए कितना पैसा खर्च किया गया और हमारी सरकार ने अपने दो साल के कार्यकाल मे कितना पैसा खर्च किया है। इनकी सरकार के पांच साल के कार्यकाल में 4 हजार 95 करोड़ रुपये खर्च किए गए जबकि हमारी सरकार के दो साल के कार्यकाल में 3748 करोड़ रुपये बिजली पर कैपीटल एक्सपैंडीचर किया गया है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अपने पांच साल में गवर्नमैंट के 4 हजार 96 करोड़ रुपये में केवल 775 करोड़ रुपये की इक्विटी डाली और हमारी हुड्डा साहब की सरकार ने दो साल के दौरान 3748 करोड़ रुपये में गवर्नमैंट की इक्वीटी 1 हजार 36 करोड़ रुपये की डाली है। जो कि 10वीं पंच वर्षीय योजना में खर्च करनी थी। स्पीकर सर, आज 4600 करोड़ रुपये स्टेट शेयर है और जो कम्पनीज पैसा लगायेंगी अगर वह भी मिला

दे तो 11 वीं पंचवर्षीय योजना में हरियाणा की सरकार 21 हजार करोड़ रुपये बिजली के प्रोडक्शन पर खर्च करेगी।

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, जो माननीय सदस्य ओमप्रकाश जी ने कहा तो यह सच है कि जब से यह सरकार बनी एक भी मैगावाट बिजली हमने नई पैदा नहीं की है।

श्री ओमप्रकाश चौटाला: एक मैगावाट नहीं एक यूनिट भी।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: ठीक है सर, एक यूनिट भी बिजली पैदा नहीं की है मैं आपकी बात से सहमत हूं। नई जर्नेशन शुरू नहीं हुई हमने एक यूनिट भी बिजली पैदा नहीं की लेकिन फिर भी हम पिछली सरकार से ज्यादा बिजली लोगों को दे रहे हैं 1 हम बाहर से बिजली खरीद कर दे रहे हैं। मैं आपकी बात से सहमत हूं आप यह बतायें अगर दुनिया की कोई भी कोल बेस्ड परियोजना शुरू हुई हो और 2 साल में जनरेशन शुरू कर दिया हो। अढ़ाई साल से पहले कोई भी कोल बेस्ट परियोजना शुरू नहीं हुई। मैं आपको यह बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने शुरू की है और नवम्बर में बिजली की प्रोडक्शन शुरू हो जायेगी। आप तो 5 साल तक बैठे रहे। यमुनानगर की परियोजना पर तो जब तक आप थे काम ही नहीं हुआ। उस पर हमारी सरकार आने के बाद काम शुरू हुआ है।

श्री ओमप्रकाश चौटालाः मुख्य मंत्री जी, मैं अध्यक्ष महोदय के माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि यह यूनिट अगर आपकी सरकार ढील न करती तो जो आप नवम्बर की बात करते हैं अब तक यह तैयार हो गई होती। वह दो साल के अर्से में तैयार हो जानी चाहिए थी। उसकी आधारशिला रखी जा चुकी थी और समूचे हिन्दुस्तान में ही नहीं विश्व स्तर का यह पहला थर्मल पावर प्लांट था जिसकी दो कम्पनियों के बीच नैगोशिएशन करके 3,49,50,000– रुपये प्रति मैगावाट के हिसाब से बनाने का कांट्रैक्ट दिया है जो अपने आप में एक? रिकॉर्ड की बात हे। (विध्न) स्पीकर सर, क्या यह योजनाबद्ध तरीके से हो रहा है? मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है क्योकि मुझे तो चौपन मिनट गिननी हैं। क्या इस तरह योजनाबद्ध तरीके से एक–एक आदमी खड़ा होकर मुझे इंट्रप्ट करेगा। (शोर एवं विघन)

Mr. Speaker: What do you mean by योजनाबद्ध? नहीं आप अपनी इनटैशन क्लीयर करें (विघ्न) No आप अपनी इनटैंशन क्लीयर करें कि योजनाबद्ध क्या है ? (विघन) नहीं, what do you mean by योजनाबद्ध No at all.नहीं–नहीं यदि आपको चेयर में विश्वास नहीं है तो you have no right to sit in the House. (Noise & interruptions). Not at all.

श्री ओमप्रकाश चौटालाः मैंने तो चेयर को पहले ही कहा था

श्री के०एल० शर्मा: स्पीकर सर, मेरा प्याईट ऑफ ऑर्डर है।

Mr. Speaker: Mr. Sharma, what is your point of order ?

श्री के०एल० शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्याईट ऑफ ऑर्डर है कि जो तथ्य मंत्री जी ने बताये उसमें जो बाकी रह गया है वह मै बता देता हू। अभी स्पीड की बात की जा रही थी कि 2 साल में चालू कर देनी चाहिए थी। स्पीकर सर, मैं यह बताना चाहता हूँ कि जो हमारी 10वीं पंचवर्षीय योजना थी इसमें सिंचाई, ऊर्जा, सड़क और परिवहन के लिए 4926 करोड़ रुपये हमारे को अलाट हुए थे और एक साल का उसमें बनता है स्पीकर सर, 985. 20 करोड़ रुपये। 2002 –2003 में 985. 20 के अगेन्स्ट इन्होंने किया 698 .49, 2004 में किया 700.64 और 2006 मे किया 811.09 ओर सर यह टोटल 3 साल का जो इनका खर्चा बनती है 2210 करोड़ रुपये। यह टोटल परसेंटेज इनकी बनती है 3 साल की 74. 8 परसेंट। हमारी सरकार आने के बाद माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो नोटिस लिया 2005–06 मे इसी हैड की बात कर रहा हूं जिसकी ये स्पीड की बात कर रहे थे। 2005 –06 में 1097.64 करोड़ रुपये पहले साल का, दूसरे साल का 1250.2 करोड़ तो हो चुका है अनुमानित जो इसमें था 15154 करोड़ रुपये टोटल बनता है 2615.24 करोड़ रुपये और परसेंटेज बनता हे 132.82 परसेट 2 साल की। सर, तीन साल की परसेंटेज बनती 74.9 और 2 साल

की परसेंटेज 132.82। फिर ये स्पीड की बात करते हैं। लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा था कि जिस डले फेग इलैक्ट्रिक कारपोरेशन के साथ रिलायन्स कम्पनी का एग्रीमेंट था उस कम्पनी को बदलने के बजाए किसी दूसरी कम्पनी को बदलने के लिए उन्होने एक दरख्वास्त दी थी। हमारी सरकार के वक्त में इस दरखास्त को इरा लिए रिजेक्ट किया गया था कि नई कम्पनी के मुकाबले जो पहली वाली कम्पनी थी वह अच्छी थी लेकिन रिलायन्स कम्पनी अपने फायदे के लिए ऐसा कर रही थी और जब कांग्रेस पार्टी की सरकार आई, मुख्य मन्त्री जी, मैं आपका ध्यान इस बात की ओर आकर्षित करूंगा कि 13 जून, 2005 को उसी कम्पनी ने फिर अपनी दरख्वास्त दी और 13 जून को उस दरख्वास्त को रह कर दिया गया। फिर दोबारा से जब नए सिरे से आपकी सरकार को दरख्वास्त दी गई तो आपकी सरकार ने उसको एक्सेप्ट कर लिया यानि 13 जून, 2005 को रिजैक्ट की हुई दरख्वास्त को फिर आपने किस लिए एक्सैप्ट किया, इसके बारे में आपको सदन को बताना चाहिए ? पहले उस दरखास्त को किस बिनाह पर रिजेक्ट किया गया और बाद में किस बिनाह पर उसको एक्सैप्ट किया गया। अध्यक्ष महोदय, इसकी वजह से हरियाणा स्टेट को 400 करोड़ रुपये का नुक्सान हुआ है।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी जो बातें पूछ रहे हैं

और वह डेंग फोंग कम्पनी जिसका ये नाम ले रहे हैं वह कम्पनी हाई कोर्ट में गई थी। जो इल्जाम ये लगा रहे हैं उनके साथ इनकी मिली भगत थी और यह बीज इन्हीं का बोया हुआ बीज था। यह तो चाहते ही यह हैं कि स्टेट में बिजली पैदा न हो। जो बात ये कह रहे हैं यह सारी बातें हाई कोर्ट में आ चुकी हैं। माननीय उच्च न्यायालय ने इतना बड़ा फैसला दिया है और उन्होने सरकार के निर्णय को उचित माना है और उनकी रिट पैटीशन को खारिज कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या ये हाई कोर्ट से बड़ी अथोरिटी हैं जो यहां पर इस प्रकार से बात कर रहे हैं?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। मैं यहां पर यह कहना चाहता हूं कि माननीय चौटाला साहब हाउस को मिसलीड कर रहे हैं। जो टोटल है करीबन 21,531 करोड़ रुपये की 11 वीं प्लान में प्रावधान किया गया जब कि इनके समय में 20072 करोड़ रुपये था, कहने का मतलब यह है कि हमारी सरकार तो काम कर रही है और ये इल्जाम लगाने में लगे हुए हैं। अगर काम नहीं हो रहा हो तो कोई बात हाउस के सामने लाएं। अध्यक्ष महोदय, मैंने बताया था कि 300 मेगावाट का प्रोजैक्ट फरवरी, 2008 में चालू हो जाएगा। जिस प्रकार की बात ये कर रहे हैं एक प्रकार से ये हाउस का टाईम खराब कर रहे हैं ये सही टॉपिक पर बात नहीं कर रहे हैं कोई सही बात नहीं बोल रहे हैं और हाउस को गुमराह करने की

बात कर रहे हैं। इनको चाहिए कि ये हाउस में सही बात करें (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, आप अपनी डिस्कशन रिज्यूम करें।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने यह बात कही कि वह कम्पनी हाईकोर्ट में चली गई। कोई भी आदमी किसी कोर्ट में तभी जाता है जब किसी बात का फैसला उसके खिलाफ हो जाता है। इस सरकार ने उसकी दरख्वास्त को रिजेक्ट किया था, सरकार के इस फैसले के खिलाफ वे हाई कोर्ट में नहीं जाएंगे तो क्या करेंगे। हाई कोर्ट क्या फैसला करती है। यह बाद की बात हे, लेकिन सदन में जो ये कह रहे हैं कि वह कम्पनी हाई कोर्ट में चली गई। जब सरकार ने डेंग फोंग कम्पनी की दरखास्त को रिजेक्ट कर दिया तो फिर उनको हाई कोर्ट में जाना ही था। (विघन)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। मैं इनको यह बात समझा रहा हूं कि ये हाई कोर्ट से बड़ी अथोरिटी नहीं हे। जो बातें यह यहां पर कह रहे हैं वे सारी बातें हाई कोर्ट में कही जा चुकी हें और हाई कोर्ट में डबल बैंच ने एक निर्णय दिया है और उस निर्णय के अनुसार ही हरियाणा सरकार ने फैसला किया है कि प्रदेश के हित में बिजली बनाना

सही हे और सरकार द्वारा जो कदम उठाये गये हैं वे सही हैं। (विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मुझे समझाने से पहले ये खुद समझे ले और फिर उसके बाद सदन को समझाएं। उनकी दरख्वास्त रह होने के बाद वे हाई कोर्ट में गए और हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ फैसला दिया। आज भी यह फैसला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हे। आज कौन सी कोर्ट क्या कर दे यह तो न इनके अधिकार क्षेत्र मे है और न ही मेरे अधिकार क्षेत्र की बात है, मेरे कहने का भाव यह है कि सरकार मेरी बात का जवाब दे। (विघन)

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। ये खुद मुख्य मन्त्री रहे हुए हैं विपक्ष के नेता लायक प्रदेश की जनता ने इनको नहीं बनाया क्योंकि कामकाज केसे होता है इस बारे में लोग जानते हैं कि इनको मालूम नहीं है। पूर्व मुख्यमन्त्री होने के नाते इनको यह मालूम होना चाहिए कि जो मामला किसी कोर्ट के विचाराधीन हो या सब–जूडिश मामला हो उस पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती है। (विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, अगर सरकार की सोच ठीक होती और ये उनकी दरख्वास्त को मान लेते तो यह काम दो साल पहले पूरा हो जाता। मैं सरकार से केवल यह

पूछना चाहता हूं कि 13 जून, 2005 को दरख्वास्त रिजैक्ट की गई तो फिर वह एक्सेप्ट क्यो की गई यह सदन को बताएं ? (विघन)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। छः साल तक ये खुद सत्ता में थे। हमारी मन्शा तो इनकी सोच के अनुसार चाहे खराब ही रही हो लेकिन छः सालो के दौरान इन्होंने इसको क्यो नहीं बनाया। (विघ्न एवं शोर) ये तो केवल पत्थर लगवा दिया करते थे जिनको लोग उखाड़ कर ले गए। (विघन एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली पैदा करने का प्रश्न है, नई सरकार बनने के बाद एबन लॉयड कम्पनी ने फरीदाबाद मे गैस बेसड प्लांट लगाना था जिसकी आधारशिला इन्होंने रखी थी। मुख्य मन्त्री जी यह बताएं कि क्या उस पर कोई एक ईंट लगी है? अगर वहां पर एक भी ईट लगी हो तो ये बता दें। अपनी रखी हुई आधारशिला पर एक भी ईंट क्यों नहीं लगाई ?

मुख्यमन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, ये खुद मुख्य मन्त्री रहे हैं और यदि ये जिम्मेदारी से काम करते तो आज इस हालत में नहीं होते। अध्यक्ष महोदय, मेरी क्या जिम्मेदारी है मैं यह अच्छी तरह से समझता हूं लेकिन एबन लॉयड का जहां तक सवाल है, वह सब को मालूम है कि वहां गैस बेस्ट प्लांट

लगाना था लेकिन गैस अवेलेबल नहीं थी इसलिए उस प्रोजैक्ट पर हम कोल बेस्ट प्लांट पर गए हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम यही तो कह रहे हैं कि अगर ऐसी योजना नहीं थी तो आपको आधारशिला रखने की क्या आवश्यकता थी। आपने यह क्यों कहा कि हम बिजली पैदा करने जा रहे है? (विघन)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट आफ आर्डर है। ओम प्रकाश चौटाला जी आधारशिला के बारे में बोलते हुए अच्छे नहीं लगते हैं। जब इनका राज खिसकने को हो गया था तब ये विदेशों में भागने के सपने ले रहे थे। अध्यक्ष महोदय, इनसे यह पूछा जाए कि क्या इन्होंने हरियाणा का कोई गांव या शहर ऐसा छोड़ा था जहां इन्होंने आधारशिला न रखी हो? आज उन सारी आधारशिलाओं पर गधे कमर खुजाते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में इनसे पूछा जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आधारशिला जो रखी जाती है उस पर काम होता है। मुझे यह कहने में फख्र महसूस होता है कि जहां जहां मैंने आधारशिलाए रखी थी तो उनका काम भी मैंने ही शुरू करवाया था, कम्पलीट भी मैंने करवाया था और उद्घाटन भी मैंने किया था। एक ही आधारशिला ऐसी रह गई थी जिस पर काम शुरू नहीं हो सका था और उस पर मुख्यमंत्री महोदय ने दोबारा से पत्थर लगवाने का काम किया

है हमारा अगर कोई काम रूका है तो वह चुनाव आचार संहिता की वजह से ही रूका है।

श्री के०एल० शर्मा: अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर भी चौटाला साहब एक आधारशिला रख कर गए थे और एक साल तक वहां पर कोई ईंट नहीं लगी थी। आप उस वक्त का बजट उठाकर देख लें बजट मे उस काम के लिए 5 रुपए भी नहीं रखे गए थे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार सत्ता में आई तो इन्होंने वहां पर जब आधारशिला रखी थी तो मैंने इनसे सवाल किया था कि आधारशिला रखने का क्या औचित्य हे? अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहता हूं कि उसी दिन से वहां पर मुख्यमंत्री जी के आदेशों से काम शुरू हो गया था।

श्री रणधीर सिंह बरवाला अध्यक्ष महोदय, सदन में भूतपूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा रखी गई आधारशिलाओ पर चर्चा की जा रही है। मैं भी आपके माध्यम से सदन मे बताना चाहता हूं कि मेरे जिले में भी ये 132 केवीए सब–स्टेशन की आधारशिला रख गए थे। लेकिन वह म्यूनिसिप्लीटी की जमीन थी और इस सरकार के आने के बाद मैंने अधिकारियो से और मुख्यमंत्री जी से उस बारे में विचार किया तो इन्होंने बताया कि उस साल 132 केवीए सब–स्टेशन के लिए कोई योजना ही नहीं बनाई गई थी। इस सरकार के आने के बाद ही उसका कोम शुरू हुआ है। अब चौटाला साहब सदन में कह रहे हैं कि

इन्होंने जो आधारशिला रखी थी उनका काम इनके समय में पूरा हुआ है और इन्होंने उसका उद्घाटन भी किया है। अब ये इस सदन में इस बारे में भी बताएं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, यहां पर चर्चा की गई कि इतनी बिजली खरीदी गई। बहुत खुशी की बात हे। उपभोक्ताओं की जरूरत के मुताबिक सरकार की यह जिम्मेवारी बनती है। अगर प्रदेश का प्रोडक्शन बढ़ाना है तो बिजली की जरूरत पड़ेगी ही। लेकिन आज इन्डस्ट्री में और खेती के लिए बिजली पूरी नहीं मिल रही है। अध्यक्ष महोदय, हमने अखबारों में पढा था कि इस सरकार ने उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र को बिजली बेचने का काम किया है। आज हरियाणा के लोगों में बिजली के लिए हाहाकार मचा हुआ है और आप बिजली बेच रहे हैं। इस बार में जब प्रश्न किया गया था तो सिंचाई मंत्री, बिजली मंत्री कुछ नहीं बता पाए थे।

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): स्पीकर सर, यह जो सरप्लस बिजली बेचने की बात कर रहे हैं तो इस बारे में इनको मालूम होना चाहिए कि जब बिजली सरप्लस होती है तो दूसरी स्टेटस के साथ आपस में बिजली शेयर की जाती है। गर्मियों के दिनों में जब हमारी रिक्वायरमैंट होती है तो हम भी दूसरी स्टेटस से बिजली खरीदते हैं। आज सर्दियां हैं और उनको बिजली की ज्यादा रिक्वायरमैंट है। जहां तक इन्होंने सवाल पूछा था कि बिजली कितने घंटे चलती है तो मैंने कहा था कि 20 से

22 घंटे हम शहरों में बिजली आज के दिनों में दे रहे हैं। अगर हमारे पास आज थोड़ी बहुत बिजली सरप्लस है और हमने उसको दूसरे स्टेट को दे दिया तो क्या हुआ और जब गर्मियों में हमारी रिक्यायरमैट होगी तो हम भी उन`एिटस से बिजली ले सकते है। यह हमारा उनके साथ आपस का मामला है। सरकार हमारी है और हमे क्या नहीं करना है, क्या करना है यह हमारा काम हे आपका नहीं है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं तो वही कह रहा हूं जो लोग बिजली के मुत्तलिक कह रहे हैं। मंत्री जी यह बताएं कि हिमाचल और उत्तरांचल में तो सर्दी है। लेकिन क्या महाराष्ट्र मे भी सर्दी है ?

केप्टन अजय सिंह यादवः अगर हमारे पास सरप्लस बिजली है तो हमारी स्टेट दूसरे स्टेट को वह बिजली दे सकती है। जब जरूरत होगी तो हम उनसे बिजली ले लेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला अध्यक्ष महोदय, मैं तो इन्हीं की बात को दोहरा रहा हूं। इन्होंने कहा हे कि सर्दियों में उनको बिजली चाहिए और गर्मियों में हम उनसे बिजली ले लेंगे। क्या महाराष्ट्र में भी सर्दी पड़ रही है? (विघन)

कैप्टन अजय सिंह यादवः हमारे पास सरप्लस बिजली है तो हम दे रहे हैं क्या आपको इतनी समझ नहीं है। अध्यक्ष

महोदय, ये मुख्यमंत्री रहे हैं और इनको इतनी भी समझ नहीं है। (विघन)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप गवर्नर एड्रैस पर बोलें।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं यही कह रहा था कि बिजली का बहुत भारी संकट है और इसके पीछे एक ही कारण है कि मौजूदा सरकार ने अपने दो साल के अर्से में एक यूनिट बिजली भी पैदा नहीं करी है। आगे क्या होगा और कितनी बिजली पैदा होगी मैं इस पर नहीं जाना चाहूंगा। यह अच्छी बात है कि आप हरियाणा में बिजली पैदा करें और आज बिजली के बिना गुजारा नहीं है। यहां पर कृषि पर चर्चा चल रही थी लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि कृषि को बढ़ावा देने के लिए बिजली का बहुत अभाव रहा है, पानी का अभाव रहा है, किसानो को अच्छी क्वालिटी के पर्याप्त बीज नहीं मिल रहे हैं, डी०ए०पी० खाद बिजाई के मौके पर उपलब्ध नहीं थी और तो और यूरिया खाद के लिए भी लोग मारे मारे फिरते हैं। किसानों को केक में खाद खरीदनी पड़ती है। आज किसान को उसकी फसल का वाजिब दाम नहीं मिल पाया है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जब ओम प्रकाश चौटाला जी मुख्यमंत्री थे और केन्द्र मे भारतीय जनता पार्टी लैड बाय एन०डी०ए० की सरकार थी तो उन दिनों डी०ए०पी० और यूरिया के भाव क्या थे ओर इन्होने ये क्या कर दिए थे वह मैं

आपके माध्यम से चौधरी ओम प्रकाश चौटाला साहब को और सारे सदन को बताना चाहता हूं। उस समय 133 रुपये का यूरिया का कट्टा था लेकिन इन्होने वह 242 रुपये किया था। 250 रुपये का डी०ए०पी० का कट्टा था जिसको इन्होंने 366 रुपये तक बढ़ा दिया था लेकिन उस समय ओम प्रकाश चौटाला साहब की किसान हित की पीड़ा नहीं जागी। इसके अलावा उस समय मिट्टी का तेल दो रुपये लीटर होता था लेकिन इन्होने उसको दस रुपये लीटर राशन की दुकानों पर दिया था। उस समय इनकी गरीब हित की पीड़ा नहीं जागी, उस समय किसान हित की पीड़ा नहीं जागी। इसलिए अब कम से कम इनको इस तरह की अनर्गल बाते करने से पहले अपने गिरेबान में झांककर देख लेना चाहिए। **श्री ओम प्रकाश चौटाला:** अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार को तो मंहगाई की बात करते वक्त बहुत सोचने की जरूरत हे। मैं इस पर नहीं जाना चाहता। महगाई हर चीज की बढ़ी है लेकिन किसान के उत्पादन के दाम घट रहे हैं। इससे ज्यादा अफसोसजनक बात और क्या होगी कि पिछले साल 650 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से जो गेहूं खरीदा गया था वह आज बाजारों में 1150 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिक रहा है। इनकी यू०पी०ए० की सरकार लैंड बॉय कांग्रेस विदेशों से 1300 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं खरीद रही है जबकि किसानों को कहा जा रहा है कि अगले साल उनको 750 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से दाम देंगे। अध्यक्ष महोदय, विदेशों से तो गेहूं ये 1300 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीद रहे हैं और यहां के किसान को 750 रुपये

क्विंटल के दाम देने की बात की जा रही है। इसलिए इससे ज्यादा किसानों के शोषण की ओर क्या सोच हो सकती है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको फिर बताना चाहूंगा हालांकि यह प्रान्त का विषय नहीं है बल्कि केन्द्र का विषय है कि 1250 रुपये प्रति क्विंटल पर एन०डी०ए० की सरकार ने गेहूं विदेशों से मंगवाया था। पहली बार यू०पी०ए० की सरकार ने 100 रुपये से अधिक किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अंदर बढ़ोत्तरी दी है। पहली बार दो रुपये से अधिक दो बार मे करके डीजल के रेट कम किए गए। अध्यक्ष महोदय, इस बात के लिए सरकार सचेत है। पहली बार फारवर्ड ट्रेडिंग जो चालू की गयी थी, वह भी बंद की गयी है। अध्यक्ष महोदय, इनके समय मे 12 रुपये से अधिक डीजल के रेट बड़े लेकिन एक? बार भी इनकी पीड़ा नहीं जागी। जिन पांच सांसदों का चौटाला साहब ने उस समय सौदा कर लिया था और जिनके सहारे वाजपेयी जी की सरकार चल रही थी, उनसे जाकर कभी भी इन्होंने इरा बारे में नहीं कहा। उस समय 133 रुपये से यूरिया के रेट 242 रुपये पर आ गये और 250 से 266 रुपये डी०ए०पी० खाद के रेट बढ़े। उस समय दो रुपये लीटर से दस रुपये लीटर तक मिट्टी के तेल के रेट बढ़े थे और 12— 12, 14— 14 रुपये किसान के डीजल के रेट बढ़े थे। उस समय जब 1250 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं विदेशों से आयात हुआ था तो इनको किसानों का हित याद नहीं आया, जब किसानों पर गोलियां

चलायी गयी और जब किसान के खून से इनके हाथ रंगे तब इनको किसानों के हित याद नहीं आए। जब घोड़ों की टीपो से किसानों की पगड़ी रौंदी गयी तब इनको किसानो की याद नहीं आयी इनको उस समय किसानों की याद नहीं आयी जब कंडेला गांव के अंदर हमारी बहनें जो घर के अंदर खड़ी थीं जो पेट से थी उनके पेट के अंदर जो बच्चा था उसके अंदर पुलिस की गोलियां उतार दी जाती थी। उस समय इनको किसानों के हित की बात याद नहीं आयी। जब आपके ही जिले मे दुलीना के अंदर पांच पांच हरिजन नौजवानो की जघन्य हत्या करवायी गयी थी तब आपको उनके हित याद नहीं आए। अध्यक्ष महोदय, इनको किसानों के हित तब याद नहीं आए जब हरसौला से सारे हरिजन और बाल्मिकी भाइयों को निकाल दिया गया था। उस समय इनको किसानों और मजदूरों के हितों की याद नहीं आयी।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, समुचे राष्ट्र के स्तर पर हरियाणा खाद्य पैदा करने वाला दूसरा प्रदेश है। हर चीज के दाम बढ़े हैं यह आप भी मान रहे हो, सारा मुल्क भी मान रहा है और हम भी इसको मानते हैं कि मंहगाई बढ़ी है लेकिन किसानो को अपनी फसल का उत्पादन बढ़ाने के लिए जो जरूरीयात की चीजे हैं वह उनको मौके पर ही मिलनी चाहिए। मेरे कहने का भाव यह है कि डी०ए०पी० उस वक्ता उपलब्ध नहीं हुआ जब गेहूं कि बिजाई हो रही थी और यूरिया उस वक्त नहीं मिला

जब गेहूं को पकाने की जरूरत थी। इसलिए आज किसान को उसकी फसल के भाव नहीं मिल रहे हें।

कृषि मंत्री (सरदार एच०एस० चट्ठा): स्पीकर साहब, हमारे सूबे में डी०ए०पी० खाद की बिलकुल कमी नहीं आयी है। हमने डी०ए०पी० खाद ज्यादा रखी है। जितनी खाद हमें चाहिए थी उससे ज्यादा यह हमारे पास थी। इसी तरह से हमने यूरिया की कमी भी नहीं आने दी। स्पेशल दिल्ली जाकर यूरिया के रैक मंगाए गए। इस तरह से हरियाणा में यूरिया की भी बिलकुल कमी नहीं आयी। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात इनको बताना चाहता हूं कि ये अपने आपको किसान हितैषी कहते हें। इन्होंने पांच साल तक गन्ने का रेट सिर्फ सात रुपये बढ़ाया और हुड्डा साहब ने 21 रुपये बढ़ाया ओर वह भी सिर्फ डेढ़ साल के कार्यकाल में। तब भी ये कहते हैं कि किसानों के हितैषी यहां बैठे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने बनते ही 110 रुपये गन्ने का भाव तय किया था। पहले गन्ने का भाव 90 रुपये से कम था। हमने जब गन्ने का भाव 110 रुपये तय किया था तब बाजार में चीनी का रेट सात रुपये किलो था आज चीनी 21 रुपये किलो के भाव से बाजार मे बिक रही हे। उस हिसाब से गन्ने के रेट 200 रुपये के हिसाब से होने चाहिए। मेरा कहना यह है कि किसान को लागत मूल्य जरूर मिलना चाहिए। (विध्न)

सरदार एच०एस० चट्ठा चीनी का रेट 15 रुपये किलो है न कि 21 रुपये किलो है। हमारी सरकार ने हुड्डा साहब के नेतृत्व मे जो गन्ने का रेट दिया है वह पूरे हिंदुस्तान में सबसे ज्यादा है। अगर ये किसी एक स्टेट का बता दें कि वहां हमारी स्टेट से ज्यादा रेट है तो मैं मान जाऊंगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला: 15 रुपये के हिसाब से चीनी यदि बिकती है तो भी उस रेशो रो भी गन्ने का रेट 234 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से होना चाहिए। जब हमने 117 रुपये गन्ने का रेट दिया था तब चीनी 7 रुपये किलो के हिसाब से बिकती थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय गन्ने की रिकवरी जो है हर शूगर मिल में 9 से 11 परसैंट है। 150 रुपये के आस पास गन्ना पड़ता है। 200–250 रुपये गन्ने का भाव देने की बात कहना ये तो जनता और किसानों को गुमराह करने वाली बात है।

श्री एस०एस० सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यॉयंट ऑफ आर्डर है। ओम प्रकाश चौटाला जी गन्ने के भाव और चीनी के रेट की बात कर रहे हैं। इन्होंने गन्ने का रेट तो बढ़ाया था लेकिन इन्होंने प्राइवेट मिल मालिकों से सांठ गांठ करके उनको हाईकोर्ट से स्टे दिलवा दिया और किसान का गन्ना जो है वह 70 से 30 रुपये प्रति क्विंटल से ज्यादा मे नही बिका। यह रिकार्ड की बात है। इन्होंने मिल मालिको की मदद की। नारायणगढ़ शूगर

मिल प्राइवेट शूगर मिल थी, इन्होंने नारायणगढ़ शूगर मिल को 200–300 करोड़ रुपया अपनी गारंटी पर दिलवाया। इनका अपना ट्रेक रिकार्ड इतना भ्रष्ट है और इतना एंटी किसान है जिसका कोई मुकाबला नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्याइंट ऑफ ऑर्डर है। चोटाला जी का अपना एक अनुभव है जैसा भी भला या बुरा इनका अपना नाम भी है। चौटाला जी अच्छे वक्ता माने जाते हें। मेरा प्याइंट ऑफ आर्डर ये है कि इनको अपने गिरेबां में झांककर अपने काले कारनामों को भी देखना चाहिए। जो ये गन्ने के रेट का जिक्र कर रहे हैं ये बहुत बड़े गुनाहगार हरियाणा के लोगो के हैं। इन्होंने सिरसा जिले में पत्री वाला मोटा में बिना ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट की सलाह के केवल मात्र राजनीतिक फायदा उठाने के लिए इस प्रदेश के कई सौ करोड़ रुपये खर्च करके भूना शूगर मिल लगाई और योग्यता के सारे पैमानों को दरकिनार करके अपने कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती उसमें रोजगार दिया। आज मुख्यमंत्री जी ने उन बेचारे कर्मचारियो का सहारा बनकर उनको दूसरी जगह पर नौकरी दी। इस प्रकार प्रदेश को कई सौ करोड़ रुपये की चोट चौटाला साहब की नासमझी के कारण पहुंची। यह चौटाला साहब की छोटी सोच के कारण हुआ। अगर यही चीनी मिल हरियाणा में किसी दूसरी जगह पर लगाते तो किसानों के हितैषी बनते लेकिन किसानों के हितैषी ये हो ही नहीं सकते। इस बात को ये भी जानते हैं और हरियाणा की जनता भी जानती है।

ये इस गलतफहमी में न रहे क्योकि इनकी हकीकत आज हरियाणा की जनता भी जान चुकी है।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर सर, यहां पर मैं थोड़ा सा करैक्ट करना चाहूंगा। वह यह है कि न तो आज चीनी का भाव 21 रुपये प्रति किलो है और न उस समय चीनी का भाव 7 रुपये प्रति किलो था। चौधरी ओमप्रकाश चोटाला अच्छी तरह से जानते हैं कि इन्होंने घासी राम नैन को कहा पर फूटा था और उन पर देशद्रोही का मामला नारायणगढ़ चीनी मिल के सामने ही बनाया था। वहां पर कभी किसी किसान का गन्ना नहीं बिका और गन्ने का भाव उस समय 35 रुपये प्रति क्विंटल था। आज गन्ने का भाव इतना है कि गन्ना धड़ाधड़ बिक रहा है। आप चौटाला साहब से उस समय का पापुलर का भाव भी पता कर लें क्योंकि उस समय पापुलर का भाव 150 रुपये प्रति क्विंटल था। श्री अर्जन सिंह (छछरोली): स्पीकर सर, आज हालत यह है कि पब्लिक इस सरकार की जय जयकार बोल रही हे। आज जनता श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा की जय जयकार बोल रही है। पिछली सरकार के समय पापुलर का भाव एक ट्राली का 12 हजार रुपये था जबकि आज पापुलर का भाव एक ट्राली का 65 हजार रुपये का है। उस समय गन्ने की ट्राली का भाव 6 हजार रुपये था जबकि आज एक ट्राली का भाव साढ़े सात हजार रुपये है। उस समय गेहूं और जीरी बेचने वाले किसानों के दफड आज तक नहीं गये हैं क्योंकि वे 5–5 दिन तक मण्डी में ही पड़े रहते थे और उनके घर वाले मण्डी में ही उनका

खाना पहुंचाते थे। वहां पर इतने मोटे–मोटे मच्छर होते थे और वे ऐसे काटते थे कि उनके दफड़ आज फोड़े बनकर निकल रहे हैं। इस सरकार के आने के बाद आज बिजली आना शुरू हो गई है। पिछली सरकार के समय मे बिजली के बारे में पता करते थे तो यह पता लगता था कि बिजली नेक भाग जाती हे लेकिन आज जब पता करते हैं तो पता चलता है कि बिजली नेक आ रही है अब मुझे नहीं पता यह नेक क्या होता है। (शोर एवं व्यवधान) मैं बी०एस०पी० पार्टी का अकेला सदस्य हूं। मैं न तो किसी की तारीफ के पुल बांधता हूं और न ही किसी का विरोध करता हूं। (शोर एवं व्यवधान) विरोधी पक्ष के सदस्य तो एक दूसरे को देख कर बात करते हें। बिजली किसी ने अपने घर तो बनाई नहीं लेकिन इस सरकार ने आने के बाद बिजली देना शुरू की है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, माननीय सरंपच अपनी कुछ बात कह रहे हैं तो इण्डियन राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के सदस्यों को चाहिए कि वे उनकी बात सुनें। माननीय सदस्य के अधिकारों का ये हनन क्यों कर रहे हें।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended for half an hour.

Voices: Yes, Sir.

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended for

half an hour .

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अर्जन सिंहः अध्यक्ष महोदय, किसी भी काम का रिजल्ट मिलना चाहिए। मेरे हल्के छछरौली के मानकपुर गांव में एक 14 x 20 फीट का पुल बनना था लेकिन वह पुल आज तक . नहीं बना है और उस पुल पर से एक साईकिल भी नहीं जा सकती। लेकिन पिछली सरकार के समय में कागजों में उस पुल का उद्घाटन भी हो गया और ठेकेदार को पेमेंट भी हो गई। लेकिन आज उस पुल पर से गुजरने वाली एक दो कार या ट्रक रोजाना उसमे गिर जाते हैं। लक्कड़ का पुल बना है और वह भी टेढ़ा है। जैसे पिछली सरकार थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, एक बी०एस०पी० का माननीय सदस्य बोल रहा है और आपकी पार्टी के सदपंच उसको बीच मे इन्हप्ट कर रहे हैं यह ठीक बात नहीं है। इंदौरा जी, आप एक मेंबर की बात तो सुने। अर्जन सिंह जी अपनी पार्टी के अकेले मेंबर हैं और सदन में उसका प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इनकी पार्टी गरीब दलितों की पार्टी है। क्या आप गरीबों की बात नहीं सुनना चाहते। अर्जन सिंह जी ने यह भी कहा है कि वे न इधर की बात करेंगे, न उधर की बात करेंगे जो भी सच्चाई होगी वही बात कहेंगे। (विध्न) इंदौरा जी, प्लीज आप बैठें। (विध्न)

श्री अर्जन सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे बराबर में बैठे साथी बैठे–बैठे कह रहे थे कि मैंने जाम लगवाया था। मैं इनको बताना चाहूंगा कि यदि कोई गलत करेगा तो मैं जाम ही लगवाऊंगा और क्या करूंगा। यदि अब भी कोई गलत करेगा तो जाम ही लगेगा लेकिन आज सबकुछ ठीक–ठाक हो रहा है तो जाम क्यों लगेगा। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने घोषणा की थी कि वे हुडा साहब की सरकार का आज सदन में कच्चा चिट्ठा खोलेंगे। प्रैस के साथी और हम यही सोच रहे थे कि हुड्डा साहब की सरकार की क्या कमियां हैं जो चौटाला साहब को मालूम हे और आज वे सदन में बतायेंगे। हम सुनने के लिए बेताब थे। लेकिन उन्होने सरकार का कोई कच्चा चिट्ठा नहीं खोला बल्कि अपनी चुप्पी से इन्होंने साबित कर दिया कि हरियाणा सरकार जो कार्य कर रही है वे सही कर रही है। इस बात के लिए मैं चौटाला साहब का रिगार्ड करूंगा कि इन्होंने सच्चाई को अपनी चुप्पी से माना है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारों के समय मे छछरौली हल्के मे एक भी पत्थर नहीं लगाया गया बल्कि वहां से रेता भी उठा ले गये और जमुना में 20 गांव बरबाद कर दिए। लेकिन हुडा साहब की सरकार ने हमारे इशारे भर पर ही वहां पर बांध बनवाया ओर वह बांध कारगर साबित हुआ। यदि वहां पर बांध नहीं बनवाया जाता तो वहां बहुत ज्यादा जान–माल का नुक्सान हो जाता। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं। इसी तरह से मेरे हल्के के नयाण गांव में बस–स्टैंड मंजूर करके परिवहन मंत्री श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने मुझे फोन पर

बताया कि वहां पर बस स्टैंड बनाया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारो के समय में हम रो–रो कर मर जाते थे लेकिन हमारे वहां विकास के कार्य नहीं होते थे। अब मेरे हल्के में इशारे भर से ही विकास के कार्य हो रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। इस प्रदेश के किसानो की हालत सुधारने के लिए सरकार की जिम्मेवारी है कि वह किसानों को समय पर पूरा पानी, बिजली, खाद आदि सभी सुविधाएं मुहैया करवाये और किसान की जो लागत खेती पर आती है कम से कम वह तो किसान को वापिस मिले। अभी गन्ने का जिक्र आया। अध्यक्ष महोदय, हम कहां कहते हैं कि किसानों को कम भाव मिला, हम तो यह कहते हैं कि जो चीनी का भाव है उसी रेशों से गन्ने का भाव होना चाहिए क्योंकि चीनी का उत्पादन गन्ने से ही होता है। चड्ढा साहब जैसे जिम्मेवार आदमी ने हमारी सरकार के समय के भाव का जिक्र किया। मैं कहना चाहता हूं कि यदि उस वक्त के भाव और इस वक्त के भाव को तुलनात्मक दृष्टि से देखोगे तो अपने आप अंतर दिखाई दे जायेगा। (विघन)

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्याइंट ऑफ आर्डर है। मेरा प्याइंट ऑफ आर्डर यह है कि एक गरीब परिवार में कितनी चीनी लगती होगी। उसे तो अपने गन्ने का भाव अधिक चाहिए।

श्री के०एल० शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्वाइंट ऑफ आर्डर है। शाहबाद शूगर मिल प्रदेश की नम्बर एक शूगर मिल है। इसकी 8. 50 प्रतिशत गन्ने की रिकवरी है और मार्च के महीने में सबसे ज्यादा रिकवरी होती है। इसकी पूरी की पूरी चीनी 1500 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिकी हे। यह रिकार्ड की बात है। उस 1500 रुपये पर लेबर, गन्ने को पीराने आदि का खर्चा भी लगता है। यदि उस हिसाब से रेशो किया जाये तो गन्ने का भाव 138 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक नहीं बनता। मैं चौटाला साहब की बहुत इज्जत करता हूं लेकिन पता नहीं इन्होने कहा से 234 रुपये प्रति क्विंटल का रेशो निकाल दिया। ये इस बात को स्पष्ट करें।

श्री निर्मल सिंह: अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब को किसानों की चिंता कहां है। ये तो किसानों के नाम पर हमेशा राजनीतिक रोटियां सेकते आये हैं। ये चीनी के भाव की चिंता कर रहे हैं। चीनी के भाव से उस वक्त इनको क्या लेना देना था यदि ये गन्ने के रेट बढ़ा देते। अध्यक्ष महोदय, सच्चाई तो यह है कि इनके राज में गन्ना बिलकुल भी नहीं बिका और किसानों ने गन्ना अपने खेतों से जड़ से उखाड़ फेंका था। लोगो ने गन्ना बीजना ही बन्द कर दिया था। पापुलर की खेती जड़ से मिटा दी थी अब दोबारा किसानो ने पापुलर लगाना शुरू किया है। उसकी ठोस वजह क्या थी श्री घासी राम पर जो देशद्रोह का मुकद्दमा रजिस्टर हुआ वो नारायणगढ़ की मिल पर गन्ने के पीछे ही हुआ

था और उनकी समस्या क्या थी। ये तो प्राईवेट मिलों से किसानो की पेमैंट नहीं करवा सके और अब पेमैंट कैसे हो रही है और बढ़े भावो में हो रही है। स्पीकर सर आपको याद होगा कि किसानो की फसलो पर जो सपोर्टिग प्राईस दिया जाता है इनके राज मे उसको विदड्रा करने की बात शुरू हो गई थी।

श्री नरेश शर्मा प्रधान (बादली): अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि हमारी सरकार से पहले 6 साल तक एक किसान विरोधी सरकार ने काम किया आज पता नहीं इनके अन्दर किसान प्रेम कहां से उपज पड़ा। सरकार ने ओलावृष्टि से नष्ट फसलों के लिए मुआवजा दिया उसके लिए मैं सरकार का धन्यवाद करता हूं। पिछली सरकार ने 2 –2 3–3 रुपये किसानों को मुआवजा दिया था ओलावृष्टि का और किसानों ने उस वक्त जो मुआवजा बांटने वाले थे उनके मुंह पर पैसे फेंके थे और खाली हाथ वापिस आ गये थे आज ये किसान हित की बात करते हैं। जब वोट लेने का समय था उस समय तो कहा कि तुम्हारे बिजली के बिल माफ कर देंगे और जब बिजली के बिल माफ करने की बात आई तो निहत्थे किसानो पर गोलियां चलाई और आज वे लोग शर्माने की बजाय इतरा रहे हैं, शर्म की बात है। उनके लिए तो शर्म की बात है ही हमारे लिए भी शर्म की बात है जो हम चुपचाप उनकी बाते सुन रहे हैं। जब किसानों ने हक की बात की तो उन निहत्थे किसानों पर गोलियां चलवाई और आज वे लोग यहां इतरा रहे हें। ये लोग आज एस०ई०जैड०

की बात कर रहे हैं मैं यह कहना चाहता हूं कि हर किसान 7 जन्म तक इसके लिए चौ० भूपेन्द्र सिंह हुड्डा का आभारी होगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे बादली विधान सभा क्षेत्र की जमीन एक्वायर हुई है, बहादुरगढ़ विधान सभा क्षेत्र की जमीन एक्वायर हुई है। ये लोग 2 .60 लाख मुआवजा देते थे लेकिन आज इस सरकार ने उसी जमीन का 22 लाख रुपये मुआवजा दिलवाया है। हम बीकानेर तक गये तो गाड़ियो और घरों के ऊपर किसानो ने लिखवा रखा है कि जय हुड्डा बाबा। चाय की दुकान पर हमने पूछा भाई हुड्डा बाबा तो हरियाणा मे हैं ये यहां पर कौन सा हुड्डा बाबा आ गया। वो कहने लगे कि राजस्थान और सिरसा के अन्दर 60– 70 हजार रुपये में एक किला बिकता था और जय हुड्डा इसलिए है कि आपकी जमीन तो करोड़ों की हो गई हमारी जमीन के भी 6–7 लाख रुपये एक एकड़ के मिलने लगे हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार में किसानों के हित सर्वप्रिय हैं इसके लिए मैं इस सरकार को बधाई देता हूं। आज

श्री० भूपेन्द्र सिंह हुड्डा 36 बिरादरी को साथ लेकर चल रहे हैं। जो भी योजना बनती है उसमे चाहे कर्मचारी, अधिकारी, किसान, मजदूर सब वर्गों का ध्यान रखा जाता है। इसलिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। हरियाणा में एक खुशी की बात है कि चौ० भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने यह घोषणा की है कि सरकारी नोकरियो में या किसी भी मामले मे अगर कोई रिश्वत लेते या देते पाया गया तो देने वाले को भी अन्दर कर देंगे और लेने वाले को तो

अन्दर करेगे ही। मैं इस बात की मुख्य मंत्री जी को भी बधाई देता हूं।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का समय तो मुझे दिया हुआ है लेकिन बोलने की छूट दूसरे सदस्यों को दे रहे हैं।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आपको बोलने की पूरी छूट है।

श्री ओम प्रकाश चोटालाः अध्यक्ष महोदय सत्ता पक्ष के लोग मुझे बोलने तो नहीं दे रहे हैं।

श्री अध्यक्षः प्यांयट ऑफ आर्डर रेज करना मैम्बर का राईट है और कोई भी मैम्बर प्यायंट ऑफ आर्डर रेज कर सकता हे।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः मेरे कहने का भाव यह था कि इस कृषि प्रधान प्रदेश के किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए खेती की पैदावार बढ़ाने की समुचित व्यवस्था हो, उसको लाभप्रद मूल्य मिले, यह सरकार की सोच होनी चाहिए। सरकार को मेरा सुझाव है और इसके लिए मैंने कहा भी है कि बिजली जरूरी थी, लेकिन बिजली का उत्पादन यह सरकार नहीं कर पाई। इस बारे मे सरकार की जो योजनाएं हैं वे ठीक हैं, अगर सिरे चढ़ेंगी यह बहुत अच्छी बात होगी यदि उसका फायदा आम आदमी और किसान को मिले। यदि किसान को पर्याप्त मात्रा में बिजली

उपलब्ध होगी तो हम सरकार की सराहना भी करेंगे। अध्यक्ष महोदय, रहा सवाल सिंचाई का तौ मैं कह रहा था कि अब तक ये किसानो को एक बून्द पानी भी नहीं दे सके हैं। हरियाणा की जीवन रेखा एसवाई. ' एल. नहर है और दो साल के अरसे में इस सरकार द्वारा उसकी कोई चर्चा नहीं की गयी कि एसवाईएल. नहर बनवाई जानी चाहिए।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। एसवाई. एल. नहर की चर्चा चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने की इसके बारे मे इनका खुद का जो रिकार्ड है वह मैं सदन के सामने रख देता हूं। स्पीकर सर, 1985 में राजीव तांगावाल समझौता हुआ था। स्पीकर सर, एसवाईएल. नहर के ऊपर आज तक जो भी निर्णय आए हैं उसका श्रेय केवल और केवल श्रीमती इन्दिरा गांधी और श्री राजीव गांधी जी को जाता है चाहे श्य मार्च, 1976 का फैसला हो चाहे 1981 का इन्दिरा अवार्ड हो। जुलाई 1985 में राजीव–लौंगोवाल समझौता हुआ तब इराडी कमीशन का गठन हुआ था। जब इराडी कमीशन सुनवाई के लिए तथा हरियाणा प्रदेश के लोगों की व्यथा को जानने के लिए हरियाणा में ट्रैवल किया करता था तब पूरे हरियाणा में चौटाला जी ने स्वयं इस कमीशन को साईमन कमीशन की संज्ञा दी थी तथा उस कमीशन का बायॅकाट किया था। यह कांग्रेस पार्टी ही थी जिसने हरियाणा के पक्ष का केस इराडी कमीशन के साथ लड़ा। चौधरी देवी लाल जी ने 3.5 मिलियन

एकड़ फुट पानी की मांग रखी थी लेकिन 3.83 मिलियन एकड़ फुट पानी हम लेकर आये और उसके बाद जब हमारी सरकार चली गई और इनकी सरकार 1987 से 1991 तक आई तब चौटाला साहब खुद हरियाणा प्रदेश के मुख्य मन्त्री थे और इनके पिता जी स्वयं केन्द्र सरकार में उप–प्रधान मंत्री थे, इनके खुद के लगाए हुए गवर्नर पंजाब के अन्दर थे, चौटाला साहब इस बात को भूल गये कि उस वक्त इराडी कमीशन के अवार्ड को इन्होने ठण्डे बस्ते में डाल दिया था। बादल साहब की चिन्ता इनको फिर सताने लगी कि कहीं बादल साहब के हितों को कोई नुकसान न हो जाए। वर्ष 1987 से 1991 तक इराडी कमीशन और एसवाई. एल. नहर चौटाला साहब को याद नहीं आई, जब पूरे प्रान्त और देश की सरकार इनके पास थी। स्पीकर सर, चौटाला साहब आज भी बाहर गलत बयानी कर रहे हैं कि इन्होने केस फाईल किया था। 1995 में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने स्यूट नं० 1 ऑफ 1995 सुप्रीम कोर्ट में डाला था जिसका फैसला आया और हमें पानी का अधिकार मिला। स्पीकर सर, आज फिर हरियाणा में चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार लड़ाई लड़ रही है और उम्मीद है कि जल्दी ही इसका फैसला आयेगा जिसको संविधान की खण्ड पीठ के पास सुप्रीम कोर्ट में भेजा है और हमारा अधिकार दोबारा बहाल होगा। अध्यक्ष महोदय, हमारा व्यवहार ऐसा नहीं है कि बाहर जा कर इराडी कमीशन को साईमन कमीशन की संज्ञा दें और इराडी कमीशन का बहिष्कार करें और जब सत्ता में हो तो एस. वाई.एल. नहर का निर्माण न करें। अमी बादल साहब के चुनाव के समर्थन

में ये पंजाब गए थे लेकिन ये उनसे इस ईशू पर सही फैसला नहीं करवा पाएंगे। स्पीकर साहब, ये एक बात हाउस के अन्दर करते हैं ओर हाउस से बाहर दूसरी बात करते हैं। जब इनकी अपनी सरकार होती है उस वक्त इनको किसान याद नहीं आते, एसवाईएल. नहर याद नहीं आती लेकिन आज इन को फिर एसवाई. एल. नहर की याद आ रही है। (विघन) जिन लोगो ने इराडी कमीशन को साईमन कमीशन की संज्ञा दी हो उनकी क्या बात सुनें। (विघन)

श्री नरेश मलिकः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अभी माननीय पूर्व मुख्य मंत्री जी ने एसवाईएल. नहर का जिक्र किया हे। एसवाईएल. नहर के मुद्दे को लेकर नारनौल की सड़कों पर आन्दोलन चल रहा था, बादल साहब के खिलाफ रास्ता रोका जा रहा था। बादल साहब के खिलाफ आन्दोलन की कार्यवाही चल रही थी उस वक्त पंजाब के अन्दर चौधरी देवी लाल जी की मूर्ति का अनावरण हो रहा था। वहां पर श्री वाजपेयी जी भी आये हुए थे उस समय इनकी सरकार द्वारा सड़को पर लोगो पर लाठियां चलाई गईं, लोगो का लहू बहाया गया था और 70 के करीब लोगों पर धारा 307 के मुकद्दमे बनाए गये थे और अब इनको एसवाई एल. नहर की याद सत्ता रही है। जब तक इनकी सरकार रही और चौधरी देवी लाल हरियाणा के मुख्य मंत्री थे तब से लेकर अब तक हरियाणा के अन्दर जितना पानी उपलब्ध था इनको उसके बराबर बंटवारे का ध्यान नहीं आया और इस बारे मे

इनकी तरफ से कोई प्रयास नहीं किये गये। मैं माननीय मुख्य मंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी का धन्यवाद करता हूं कि नहरी पानी के बारे में इस सरकार ने विधान सभा के अपने पहले सत्र मे माना कि हम पानी का इक्वल डिस्ट्रिब्यूशन करेगे। दो जिलो के अन्दर सारे हरियाणा का पानी जाता रहा और दक्षिणी हरियाणा के अन्दर इन्होने एक बून्द पानी की नहीं बढ़ाई। यह बात मैं जानता हूं कि इस सरकार में भी हमे पूरा पानी नहीं मिला, ऐसी बात नहीं है कि हमें पानी मिल गया है। दक्षिणी हरियाणा को अभी तक भी पानी नहीं मिला और उस पानी के लिये हमारी लड़ाई जारी है। अध्यक्ष महोदय, अभी भी वर्तमान सरकार और चौटाला साहब की सरकार में एक भी पानी की बून्द दक्षिणी हरियाणा को नहीं मिली है। एसवाई. एल, नहर के मुद्दे पर जब भी लड़ाई लड़ी गई चौटाला साहब की सरकार ने लोगो पर गोलियां चलवाई, लोगों पर लाठियां बरसाईं, लोगो का खून बहाया और लोगो पर झूठे मुकद्दमें बनाए।

श्री राधे श्याम शर्मा अमरः स्पीकर साहब, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। स्पीकर सर, सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के पक्ष में फैसला दिया तो आदरणीय चौटाला साहब ने घोषणा की थी कि ये 15 जुलाई से नहर की खुदाई शुरू करेंगे और हमने भी इनको कहा था कि हमे ऐसा लगता है कि न खंजर उठेगा, न तलवार इनसे। ये बाजू हमारे अजामाए हुये हैं। 15 जनवरी को हमने कहा था कि आप हमें जगह बताएं तो हम भी आपको आदमी लेकर वहीं

पर मिलेगे लेकिन ये कहीं न पहुंचे। स्पीकर सर, बादल साहब के चुनावों का दबाव पड़ा और इन्होने हरियाणा के हितो के खिलाफ काम किया। सर, अब जब बादल साहब ने धारा 5 निरस्त करने की बात कही तो एसवाई. एल. नहर की बात करने वाले हमारे बुजुर्ग चौटाला साहब 3 तरीख से चुप बैठें हैं इन्होंने कोई भी व्यान उस बारे में नहीं दिया कि बादल क्या बोलता है। वह इनके मित्र हैं, दोस्त हैं और इनको हरियाणा के हितों के लिए उनको इस बारे में समझाना चाहिए। लेकिन यह रिकार्ड की बात है कि आज तक ये कुछ भी उनको नहीं बोले हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि यहां पर एसवाईएल. नहर के बारे में इनको बोलने का क्या अधिकार है।

Mr. Speaker: Chautala Ji, you resume your speech. (विघ्न) ज्ञान चन्द जी, आप अपनी सीट पर बैठें। (विध्न) पता नहीं क्या बात है आप हर बात पर बोलने के लिए खडे हो जाते हैं। (विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इसमें बहुत पेशंस दिखाने वाली बात है। इसमे मेरा कोई व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं है। यह प्रदेश के हित का मामला है। मैं उस अनर्गल बात मे नहीं जाना चाहूंगा, जो कुछ सदस्यों ने यहां पर बिना सोचे समझे कही है। जो एक लांछन बार बार लगाया जा रहा है कि हमारे प्रकाश सिंह बादल से पारिवारिक सम्बन्ध है तो मैं आज भी तसलीम करता हूं कि हां हमारे उनके साथ पारिवारिक सम्बन्ध हैं। लेकिन

हरियाणा के हितो पर कुठाराघात होता तो हम बर्दाश्त नहीं करेगे। हमारे सामने हरियाणा का हित सर्वोपरि है। एसवाईएल. नहर का मुद्दा सर्वप्रथम चौधरी देवी लाल जी जब इस प्रदेश के मुख्यमंत्री थे और सरदार प्रकाश सिंह बादल पंजाब के मुख्यमंत्री थे तो उस समय भूमि का अधिग्रहण करके उसका काम शुरु हुआ था। जब पंजाब के लोगों ने ढील पैदा करने की कोशिश करी तो प्रकाश सिंह के मुख्यमंत्रीत्व काल मे मेरे पिता चौधरी देवी लाल इस ईशू को सबसे पहले अदालत में लेकर गए थे। (विध्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, आपके पीछे जो खम्बा है उस पर लिखा हुआ है कि या तो सदन में प्रवेश नहीं किया जाए अगर किया जाए तो सत्य बात कही जाए। (विध्न) चौटाला जी ने यह असत्य कहा है। (विध्न) अगर आप सदन मे गलत बात कहेंगे या असत्य बात कहेगे तो हम उसको दुरूस्त करेंगे। (विध्न)

श्री अध्यक्ष आप क्या सदन से जाना चाहते हैं। (विध्न) आप इनकी बात सुने और आपको अपनी सीट से बोलना चाहिए। (विध्न) क्या आप सभी सदन से जाना चाहते हैं? (विघन) जब आप किसी की बात नहीं सुनेगे तो आपकी बात को कौन सुनेगा। (विघन) वे पार्लियामैंट अफेयर मिनिस्टर हैं और वे सदन में रिकार्ड के अनुसार बात बताना चाहते हैं आप उनकी बात को सुनें। (विध्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, आपके पीछे खम्बे पर लिखा हे कि या तो सभा मे प्रवेश नहीं किया जाए और अगर प्रवेश करते हैं तो सत्य ही बोलें। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी आज यह प्रोजैक्ट कर रहे हैं कि एसवाईएल. नहर के पानी का निपटारा स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी ने और इनकी पार्टी ने करवाया था। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सदन में इनसे यह पूछना चाहूंगा कि क्या यह सही नहीं है कि 24 मार्च, 1976 को हमारे पंजाब पुनर्गठन अधिनियम की धारा 76 के तहत श्रीमती इन्दिरा गांधी ने निर्देश दिए थे कि हरियाणा को 3. 5 मिलियन एकड़ फुट पानी मिलेगा। ये यह बताएं कि क्या यह बात असत्य है, अगर यह बात सत्य है तो ये अपना रिवर झुका कर स्वीकार करें कि एसवाई. एल. नहर के मामले का निपटारा इन्होंने नहीं करवाया था।

श्री एस०एस० सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन मे बताना चाहूंगा कि 1977 में मैं भी एम०एल०ए० था। चौधरी देवी लाल जी उस वक्त मुख्यमंत्री थे और मैं उस वक्त कांग्रेस पार्टी का मैम्बर था। उस समय एक इन्वीटेशन छपा था कि प्रकाश सिंह बादल एस०वाई०एल० नहर की खुदाई शुरु करने का पत्थर रखेंगे और चौधरी देवी लाल जी उस फंमान को प्रिजाईड करेंगे। अध्यक्ष महोदय, वह इन्वीटेशन मुझे भी आया था और मैंने उस इन्वीटेशन को आज भी सम्भाल कर रखा हुआ है। पंजाब हरियाणा के बाकी

लोगो को भी ये लैटर आए थे लेकिन वह तारीख आज तक नहीं आयी वह तारीख कभी नहीं आई। न तो फैक्शन हुआ और न पत्थर रखा गया तथा न हीं किसी ने प्रिजाईड किया। अध्यक्ष महोदय, इससे बड़ा कोई और झूठ नहीं है। इन्होने उस वक्त जो मुकदमा किया था वह प्रकाश सिंह बादल से सलाह करके इस बात को कुंए में डालने के लिए किया था। कांग्रेस ने जनवरी, 1981 को दोबारा से वह तीनों केस विदड्रा करवाकर तीनों स्टेटस से फैसला करवाकर फिर से हरियाणा को पानी दिया और पंजाब से कमिटमैंट करवायी कि वे दो रसल में नहर बनवाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इराडी ट्रिब्यूनल का केस भी मैंने लड़ा था। 1982 से लेकर 1987 तक जब मैं मंत्री था तो काग्रेस के उसी राज में ही 85 परसैंट यह नहर बनी थी। इन्होने तो इस बारे में कुछ नहीं किया। ये तो असल में हरियाणा के पानी के सबसे ज्यादा विरोधी रहे हैं। ये तो यह चाहते थे कि किसी भी तरह हरियाणा को पानी न मिले। इस तरह से झगड़ा होता रहा और ये बार बार इस मामले को लेकर वोट लेते रहे। इनका तो यह पोलिटिकल गेम रहा है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है 1 सर, श्री ओम प्रकाश चौटाला जी को एक बात आज तक याद नहीं आयी कि जब बादल साहब ने यह बयान दिया कि हम पंजाब वाटर अर्मिनेशन ऐक्ट की सैंक्शन 5 को लाजसलशन के भू डिलीट कर देंगे तो इन्होंने आज तक एक बार भी यह नहीं

कहा कि प्रकाश सिंह बादल ने हरियाणा के खिलाफ क्यों इतना भंयकर बयान दिया है। ये अब एस०वाई०एल० कैनाल का जिक्र तो कर रहे हैं लेकिन इन्होने उनके बयान के बारे मे कुछ नहीं कहा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक बात के लिए रूलिंग चाहता हूं कि जो मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन हो ओर जिस मामले की जल्दी ही बहस के लिए तारीख तय हो तथा जिस मामले से दोनों प्रदेशो खासकर हरियाणा के किसानों का भविष्य निर्भर करता हो तो क्या एक भूतपूर्व मुख्यमंत्री रहे हुए एक सीनियर मैम्बर को यह शोभा देता है कि उस लम्बित मामले का वह यहां पर जिक्र करे। सर, मैं इस बारे में आपकी रूलिंग चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष नहीं, कोई भी मैटर जो सब जुडिश हो उस पर कोई भी डिसकशन या चर्चा सदन में नहीं हो सकती।

श्री रामकिशन फौजीः अध्यक्ष महोदय, पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी यह कहते हैं कि मेरे पारिवारिक सबंध प्रकाश सिंह बादल के साथ हें। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने हरियाणा में राज किया है। हरियाणा के लाखो लोगों का बादल साहब पानी नहीं दे रहे हैं जिसके कारण लाखो लोग हमारे प्यासे मर रहे हें। पानी न मिलने की वजह से हमारे प्रदेश के बच्चे भूखे मरेंगे। मैं आपके माध्यम से एक बात ओम प्रकाश चौटाला जी रो पूछना चाहता हूं कि क्या लाखों लोगों की हिमायत के लिए एक परिवार से संबंध रखना उन लाखो लोगों को मारने जैसा नहीं है क्या ये उस परिवार से लाखों लोगों की हिमायत के लिए संबंध तोडेगें ?

अध्यक्ष महोदय, इनको उस परिवार से संबंध तोड़ना चाहिए और हमारे साथ चलना चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि 24 मार्च, 1976 को इसका फैसला हुआ था। लेकिन उसके बाद देश मे एमरजैन्सी लगी। दो साल तक उस नहर को कम्पलीट किया जा सकता था लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिणामस्वरूप आज तक यह मामला लटक गया है। बाद में सर्वोच्च न्यायालय से इस नहर का फैसला करवाने मे हमारी सरकार सफल हुई। हमारे समय में ही सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह एस०वाई०एल० कैनाल को एक साल के अंदर–अंदर बनाएगी।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ये फिर असत्य कह रहे हैं। मैं फिर आपके माध्यम से हाथ जोड़कर इनसे विन्रम अनुरोध करूंगा कि आपके पीछे जो लिखा हुआ है उसको ये अवश्य पढ़ लें। अध्यक्ष महोदय, जो पहले इनकी सरकार के समय में इस बारे में मुकदमा किया था तो उसके बाद 1931 में जब फिर से इंदिरा गांधी जी प्रधानमंत्री बनी थी तो उन्होंने ट्राईपार्टाईट ऐग्रीमैंट करवाया था। इस ऐग्रीमैंट में राजस्थान भी शामिल था, पंजाब भी शामिल था और हरियाणा भी शामिल था। उसके बाद ही हरियाणा को फिर 3. 5 एम०ए०एफ० पानी दिया गया था। लेकिन इसके बाद फिर इन्होंने अकाली दल को कहकर मोर्चे लगवाए थे और इस नहर को बनने नहीं दिया था। अध्यक्ष

महोदय, जब पंजाब आग की लपटों में झुलस रहा था तो उस समय राजीव गांधी जी ने उन सब बातो को छोड़ते हुए जुलाई, 1985 में राजीव लोगोवाल समझौता किया था और इराडी कमीशन बनाने का निर्णय किया था। मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब से पूछना चाहता हूं कि क्या यह सच नहीं कि इन्होने इराडी कमीशन का बायकाट किया था? अध्यक्ष महोदय, आप इस बात की जांच के लिए एक कमेटी बना दें इस बात की जांच होनी ही चाहिए। क्या यह सच नहीं कि इन्होंने इराडी कमीशन को काले झंडे दिखाए थे और क्या यह सच नहीं कि इन्होंने इराडी कमीशन गो बेक के नारे लगाए थे? जब हम हरियाणा का केस लड़ते थे तो ये उसका विरोघ करते थे। क्या यह सच नहीं कि कांग्रेस पार्टी की सरकार ने केरा लड़कर 3. 5 एम०ए०एफ० पानी इराडी कमीशन से लिया था? जब जून, 1987 में इनकी सरकार आयी तो ये बताएं कि 1987 से लेकर 1991 तक क्यों इन्होने हरियाणा के हितों की रक्षा नहीं की जबकि इनके पिता उप–प्रधानमंत्री थे, ये मुख्यमंत्री थे और वर्मा साहब को इनके कहने पर ही पंजाब का राजपाल लगाया गया था? उस समय ये क्यों सोए हुए थे? अध्यक्ष महोदय, इस बात की भी जांच होनी चाहिए। आप इस बात के लिए भी एक कमेटी बना दे ताकि सच का सच और झूठ का झूठ सामने आ जाए। क्या यह बात सच नहीं कि हरियाणा मे कांग्रेस की सरकार ने एरे०वाई०एल० नहर के मामले को लेकर मुकद्दमा दायर किया था जिसका निर्णय हमारे हक मे आया। चौटाला जी ने एस०वाई०एल० नहर के मुद्दे पर भी राजनीतिक रोटी सेकी और

उस पर राजनीतिक रोटी सेक कर उस पर भी वोट बटोरने का काम किया।

श्री आनंद सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, यह जो सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया था वह चौटाला जी के राज में आया था, उसी फैसले को लाग करने की बात आई थी 7 जो पहले फैसले हुए थे जैसे इराडी कमीशन का फैसला था, राजीव लौंगोवाल समझोता हुआ था।

श्री अध्यक्ष राजीव लोंगोवाल समझौते के विरोध में तो आप भी खड़े हुए थे। उसी गल्ली मे हम मी एक बार फंस गए थे।

श्री आनंद सिंह डांगीः सर, वही बात मैं लाना चाहता हूं। उस बारे में हम सब के सब हरियाणा प्रदेश की जनता के प्रति दोषी हैं। सब के सब पापी हैं। जो पीछे सुप्रीम कोर्ट ने राजीव लोगोवाल के समझौते को लागू करने के लिए फैसला दिया उस वक्त सारे प्रदेश को सघर्ष में झोंक दिया था। इस संघर्ष में हरियाणा प्रदेश के लोगों की जानें गई, किसी की टांग टूटी, ट्रैक्टर टूटे। इस हरियाणा प्रदेश का सत्यानाश हुआ और जब उस फैसले की बात आई तो प्रदेश में घी के दीये जलाए जा रहे थे। यदि उस फैसले को उसी वक्त मान लिया जाता और अमल में लाने की कोशिश की जाती तो एस०वाई०एल० नहर का पानी आ जाता। हमेशा इस इशू पर राजनीति होती रही और हमारे जैसे

लोग बहकावे में आते गए। जिसका खामियाजा इस हरियाणा प्रदेश को भुगतना पड़ा है। यह आसान बात नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चोटालाः यह सबकी जानकारी के लिए एक बहुत ही अहम मुद्दा है। मुख्यमंत्री जी बार–बार एक बात कहते है कि राजीव लौंगोवाल समझौता मान लिया जाता तो नहर कभी की बन गई होती।

श्री अध्यक्षः चौटाला जी, आपको बोलते हुए 53 मिनट हो गए हैं। (विघ्न) आप अगर कंट्रोवर्शियल बात कहोगे तो ऐसा ही होगा। आप विजनरी बात करो आप सुधार की बात करो। कंट्रोवर्शियल बात करोगे तो अगले तो जवाब देंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः मैं तो सुधार की ही बात कह रहा था।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब को यह भी याद दिलाना चाहूंगा कि जब वे यहां बैठा करते थे तो उस समय के स्पीकर चौटाला साहब का इशारा देखकर आपको पांच मिनट में ही मार्शल के द्वारा हाउस से बाहर निकलवा दिया करते थे। आपकी फिराखदिली है कि आपने विपक्ष को घंटों का समय दिया हे। उस समय अपमान की नजर से सदस्यो को देखा जाता था। सदस्यों के अधिकारों का हनन किया जाता था। चोटाला 'जी, कुछ न कुछ खुद में भी सुधार की जरूरत है आप अपने अंतरमन में भी झांक लें।

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब से जानना चाहूंगा कि जो इन्होने अकाली दल को इस चुनाव में सपोर्ट किया वह क्यों किया क्योंकि न तो इनकी पार्टी अकाली दल से है, न ही इनका उनकी पार्टी के साथ अलायंस था तो किस बेसिज पर स्पोर्ट किया। पारिवारिक संबंधों के चलते किया तो उसके बारे में इस सदन को बताएं। यह तो सर्व विदित है कि राजीव लौगोवाल समझौते को इन्होंने अपोज किया और इराडी ट्रिब्यूनल को भी अपोज किया। इसके लिए इनको हरियाणा प्रदेश की जनता से दो बार हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए। इन्होंने उस बादल को भी स्पोर्ट किया जिसने सैक्शन 5 को निरस्त करने की बात कही थी। या फिर ये ऑन रिकार्ड इस हाउस में यह कहे कि मैं बादल साहब से आज ही अपने सारे पारिवारिक सबंध तोड़ता हूं। चौटाला इस प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं इसलिए इस प्रदेश के प्रति इनकी भी जिम्मेदारी बनती है। जिस आदमी ने हरियाणा के हितों का इतना भारी कुठाराघात करने के लिए सैक्शन 5 तक को निरस्त करने की बात कही हो, इसके लिए इनको हरियाणा की जनता से दो बार हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended for 15 minutes.

Voices: Yes, Sir.

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended for 15 minutes.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): अध्यक्ष महोदय, जिस परिवार ने हमारे प्रदेश के साथ इतना बड़ा भारी आघात किया हो और सैक्शन 5 को निरस्त करने की बात कही हो। उनके बारे में आप क्या सोच सकते हैं। इस केस की 28 मार्च को रैगुलर हीयरिंग शुरु होगी। आज तक इन्होंने उस बात के लिए कोई प्रयास नहीं किया। आज ये जनता से माफी भी मांगे और इसका जवाब जनता के समक्ष भी दे।

प्रो० छतर पाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, मेरे विधायक साथी कर्ण सिंह दलाल ने आपसे रूलिंग मांगी थी। हरियाणा प्रदेश के इस्ट्रैस्ट कांग्रेस की सरकार के हाथों में हमेशा से प्रौटेक्ट रहे हैं। आप इस बारे में रूलिंग दे चुके हैं कि जो मैटर कोर्ट में विचाराधीन है उस पर चर्चा नहीं हो सकती। आप इस बारे में फैसला दे चुके हैं इसलिए इसके ऊपर यहां पर चर्चा नहीं होनी चाहिए।

19.00 बजे

श्री ओम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, राजीव–लौंगोवाल समझौता की क्लाज 9(1) को शायद सरकार ने

पढ़ा नहीं है। हमने उस समझौते का विरोध इसलिए किया था क्योंकि उसमे यह लिखा हुआ था।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, जो एसवाईएल. नहर से परटेनिग मामला है वह सब– ज्यूडिश है।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात आपके नोटिस में लाना चाहता हूं

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, मेरे नोटिस मे नहीं बल्कि सदन के नोटिस में लाओ क्योकि आप सदन मे बोल रहे हैं।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, चोटाला साहब यह बात तो मान गये हैं कि इन्होंने राजीव लौंगोवाल समझौते का विरोध किया था।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह मामला सब–ज्यूडिश कैसे हो सकता है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तो केवल रैफरैंश दिया है। रैफरैश भी इस बात के लिए दिया है कि क्या यह मामला संविधान के मुताबिक है या नहीं ओर जो पंजाब की सरकार ने एक्ट बनाया था उसके बारे में केन्द्र की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से केवल यह पूछा है कि क्या यह एक्ट संविधान के मुताबिक है या नहीं जबकि सरकार को इस बात का ज्ञान नहीं है कि इस बारे में कोई मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन नहीं है और न ही कोई मामला लम्बित है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, जब पंजाब सरकार ने टर्मिनेशन ऑफ एक्ट का कानून पास किया उस समय चौटाला साहब इस तरफ बैठा करते थे, ये प्रदेश के मुख्यमंत्री थे और इनकी सरकार उसके बाद भी कई महीने रही। उस समय वर्तमान मुख्यमंत्री जी ने औम प्रकाश चौटाला जी से कई बार यह मांग की कि आप इस एक्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती क्यों नहीं देते। लेकिन चौटाला साहब सरदार प्रकाश सिंह बादल के कहने पर इस मामले पर चुपी साधे रहे।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह कोई केस नहीं था।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, वर्तमान सरकार बनने के बाद चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, हमारे नहरी मंत्री ओर बाकी माननीय सदस्य केन्द्रीय सरकार के पास, सरदार मनमोहन सिंह जी के पास गये और उनसे अनुरोध किया कि इस विधेयक को खत्म किया जाए। स्पीकर सर, आपको तो यह मालूम है कि केन्द्रीय सरकार दो प्रान्तों के मामले मे कोई दखलअंदाजी नोरमली नहीं करती। परन्तु केन्द्रीय सरकार ने अप्रत्याशित कदम उठाये और धारा 143 का उपयोग किया और एक सवैंधानिक खण्डपीठ के पास सरदार मनमोहन सिंह जी और श्रीमती सोनिया गांधी ने भेजा ताकि हरियाणा के हितों पर कोई कुठाराघात न कर सके। परन्तु चौटाला साहब की सरकार इस फैसले के आने के बाद भी सोई पड़ी थी।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, सर्वोच्च न्यायालय में वह जाता है जिसके खिलाफ फैसला हो। फैसला हमारे पक्ष में था। पंजाब की सरकार ने उस नहर को बनाना था। लेकिन उसने नहीं बनाया। उसके बाद केन्द्र की सरकार के सुपुर्द यह मामला किया और केन्द्र की सरकार ने लिखित रूप में इस नहर को बनाने का काम सी.पी.डबलयू.डी. को दिया। यह सरकार सैक्शन 5 की बात करती हे हम तो पूरे के पूरे एक्ट के खिलाफ थे। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या ये इस एक्ट के पक्ष में हैं जिसे पंजाब सरकार ने पास किया है।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, सवाल यह था कि जब पंजाब सरकार ने टर्मिनेशन ऑफ एक्ट को पंजाब विधान सभा में पास किया तो आपकी सरकार ने उस एक्ट को चेलेज क्यो नहीं किया।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, उसको चेलेंज किया गया था। इसके लिए हम तत्कालीन प्रधान मंत्री जी से मिले थे।

श्री अध्यक्षः सर्वोच्च न्यायालय मे चेलेंज नहीं किया गया था।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः वहां पर जाने की हमारी सरकार को आवश्यकता नहीं थी। इसके लिए केन्द्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट में जाना चाहिए था। (विघन)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब हरियाणा के हितों को सुरक्षित नहीं रखना चाहते थे इन्हे शर्म आनी चाहिए। आज ये सदन में खड़े होकर एस. वाई.एल. नहर के लिए हरियाणा के हितों की बात करते हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इस मामले के लिए केन्द्र की सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय से सिर्फ रिफरैश मांगा है कि क्या यह संवैधानिक मामला है या नहीं।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, हम और आप जब विपक्ष में बैठते थे तब पूरे विपक्ष ने यह मांग की थी कि इस टर्मिनेशन एक्ट को निरस्त किया जाए और इस बारे मे मामले को सुप्रीम कोर्ट में चेलेंज किया जाए लेकिन चौटाला साहब की सरकार ने इस एक्ट को चौलेंज नहीं किया। वर्तमान सरकार आने के बाद इस एक्ट को चेलेंज किया गया है और केन्द्र की सरकार ने इस बारे में रिफरैंस मांगा है। लेकिन चौटाला साहब ने प्रकाश सिंह बादल के कहने पर जानबूझकर इस मामले को चौलेंज नहीं किया था क्योंकि ये अकालियों से मिले हुए थे, हमेशा इन्होंने हरियाणा के हितों पर कुठाराघात किया है और इस मामले को लटकाया हे। यह बात पंजाब के चुनाव में साबित भी हो गई है ये उनसे मिले हुए हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर यह है कि आपके द्वारा रुलिंग देने के बाद भी मैं हैरान हूँ

कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी जो खुद दसवीं कक्षा भी नकल से पास करके आये हैं इनको क्या पता कि कानून क्या होता है और मैटर सब–ज्यूडिश है या नहीं ये किस एथोरिटी से यह मानते हैं कि मैटर सब–ज्यूडिश नहीं है। केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से इस बारे में रिफरैंस मांगा है और सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार की बात को एसैप्ट भी कर लिया है। ये किस आधार पर यह बात कह रहे हैं इनकी नीयत ठीक नहीं है।

डा. सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय.....

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब, आप अपनी सीट पर जाईये आप दूसरे सदस्य की सीट पर बैठकर कोई बात नहीं पूछ सकते। आप अपनी सीट पर जायें।

डा. सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, आप इस तरह से मुझे धमका नहीं सकते।

Mr. Speaker: Dr. Indora, I warn you आप दूसरे मैम्बर की सीट पर बैठ कर इस प्रकार की बात नहीं कर सकते। आप अपनी सीट पर जाईये।

डा० सुशील इन्दौराः स्पीकर सर, मैं भी एक जनता का चुना हुआ मैम्बर हूँ आप इस प्रकार से मेरे से दुर्व्यवहार नहीं कर सकते।

Mr. Speaker: Dr. Indora, I warn you. I warn you. Dalai Sahib, what is your point of order ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्याइंट ऑफ आर्डर है। मैं चौटाला साहब को कहना चाहूंगा कि ये सीनियर मैंबर हैं इनको अनर्गल बाते करके सदन को गुमराह नहीं करना चाहिए। एस. वाई. एल. नहर का मामला सुप्रीम कोर्ट में पैंडिंग है और इस बारे में अध्यक्ष महोदय, आपने रूलिंग भी दे दी है फिर भी चौटाला जी कह रहे हैं कि यह मैटर सुप्रीम कोर्ट में पैंडिंग नहीं है। मैं इनको कहना चाहूंगा कि अध्यक्ष महोदय की रूलिंग आने के बाद इस बारे में इनको कोई बात नहीं करनी चाहिए। यदि इनको वाकई मे एस०वाई०एल० नहर की ज्यादा चिंता हे तो ये अपना वकील करके सुप्रीम कोर्ट में केस लड़े। अध्यक्ष महोदय, लेकिन हकीकत कुछ और है इनको एस०वाई०एल० नहर से कोई लेना–देना नहीं है ये तो सिर्फ एस०वाई०एल० नहर के नाम पर राजनेतिक रोटियां सेकते हैं। ये अब भी बादल के घर जाते हैं और वहीं पर रोटियां खाते हैं। यदि ये एस०वाई०एल० नहर के हक में होते तो जिस दिन बादल ने यह घोषणा की थी कि पंजाब टमिनल एक्ट का सैक्शन–5 डिलिट करेंगे उसी दिन इनको कहना चाहिए था कि बादल साहब यदि आप ऐसा करोगे तो हरियाणा के किसानों के पानी के हित्त मारे जायेंगे और मैं आपसे बात तक नहीं करूंगा। लेकिन इन्होंने ऐसा नहीं किया। ये आज भी उनके घर रोटी खाते हैं।

प्रो० छत्तर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्याइंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, दो साल से चौटाला साहब सदन में नहीं आये थे तब तक इनके साथी सदन मे अच्छा आचरण करते थे और कई दफा अच्छी बातें भी करते थे। अब चौटाला साहब के सदन में आने पर ये लोग सदन को राजनीति का अखाड़ा बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि ये लोग उस अखाड़े में अपनी राजनैतिक रोटियां सेक सकें। अध्यक्ष महोदय, मैं चौटाला साहब को आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि इनको पंजाब से थोड़ी सीख लेनी चाहिए। प्रकाश सिंह बादल ने पंजाब के हितों के लिए पानी के एक्ट को रह करने के लिए वहां की कांग्रेस सरकार का साथ दिया था लेकिन आज बड़े शर्म की बात है कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडा की कांग्रेस पार्टी की सरकार हरियाणा के लोगों को न्याय दिलवाना चाहती है और अपोजीशन के साथी कोपरेट नहीं करना चाहते और अपनी राजनैतिक रोटियां सेकने पर लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, जिस मैटर पर आपने सबज्यूडिस की रूलिंग दे दी है उस ईश को ये कन्टीयूसली दोहरा रहे हैं। हरियाणा की जनता अपोजीशन के इस तरह के व्यवहार के लिए कभी इन्हें माफ नहीं करेगी और इनके इस तरह के व्यवहार के लिए हर तरफ इनकी सेम–सेम होगी। अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० कैनाल के मैटर पर आपकी रुलिग आ चुकी फिर भी ये उसको क्यो दोहरा रहे हैं। कम से कम इनको उस घर से तो सीख लेनी चाहिए जिसमें ये रहते हैं और मुफ्त में रोटियां खाते हैं। वे अपने हित्तों की रक्षा के लिए कहा–कहा तक चले जाते हैं इस बारे में इनको उनसे सीख

लेनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, क्या ये लोग हरियाणा के हितो के लिए आपकी रूलिंग को नहीं मान सकते। यदि ये इस मैटर पर सरकार का साथ नहीं देना चाहते थे तो ये जो वाक आऊट की प्रथा है उसको पूरा करके चले जाते लेकिन ये इस तरह से प्रदेश की जनता के हितों की अवहेलना तो न करें।

श्री अमीरचन्द मक्कडः अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्याइंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, सदन में हम सभी सच बोलने के लिए आते हैं और आपकी सीट के पीछे ऐसा लिखा भी हुआ है। लेकिन बड़ी हैरानी की बात है कि चौटाला साहब ने आज यहां पर जितनी भी बाते कहीं हैं उनमे से किसी एक बात में भी सच्चाई नहीं हे। अध्यक्ष महोदय, हमारा फर्ज बनता है कि हम जनता को गुमराह न करें। क्या विपक्ष के साथी भूल गये हैं कि इन्होंने किस तरह से राजीव–लौंगोवाल के समझौते को लाग न करने के लिए प्रदेश की जनता को गुमराह किया और दिल्ली तक पैदल मार्च किया। यदि उस समय ये राजीव–लौंगोवाल समझौते का विरोध नहीं करते तो हरियाणा को कब का उसके हिस्से का पानी मिल गया होता। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों ने हमेशा जनता को कभी बिजली के बिलों की माफी के नाम पर, कभी कर्ज की माफी के नाम पर बहकाया है और कुछ नहीं किया। ये लोग किसानों को कहते थे कि तुम्हारे बिजली के बिल माफ होंगे। उसके बाद बिजली मुफ्त दी 'जायेगी। न मीटर होगा, न बिल होगा और न मीटर रीडर होगा। ये लोग हमेशा इस तरह की बाते करते आये हैं

और किसानो को गोलियों से भुनवाया है और उनको मुआवजा भी नहीं दिया। अब हुड्डा साहब ने उन किसानो को जो चौटाला राज में कण्डेला कांड और दूसरे काण्डों मे मारे गये थे उनके आश्रितों को मुआवजा दिया हे और परिवार के एक–एक सदस्य को नौकरी दी है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब किस मुंह से बात करते हैं कि इन्होने किसानों की सेवा की है। इन्होंने तो किसानों को बहकाया है, सेवा नहीं की है।

श्री रामकिशन फौजी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूँ कि वे पंजाब में कैप्टन अमरेन्द्र सिंह के चुनाव प्रचार में गये वहाँ पर कैप्टन साहब ने इनको तलवार भेंट की तो इन्होंने कहा कि आपके खिलाफ तो तलवार नहीं उठाऊंगा लेकिन एस०वाई०एल० नहर के पानी के लिए इसका यूज जरूर करूँगा। मैं आपके माध्यम से माननीय ओमप्रकाश चौटाला जी से पूछना चाहता हूँ कि वे भी श्री प्रकाश सिंह बादल के इलैक्शन मे जाते थे और तलवार इनको भी भेंट की गई थी। क्या ये बतायेंगे कि इन्होंने भी क्या इस तरह का बयान दिया है।

Mr. Speaker: Chaudhary Sahib, please conclude your speech, Resume the discussion on the Governor's Address.

श्री ओमप्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, जिस राजीव लोंगोवाल समझौते का जिक्र किया गया है वह दो पार्टियों के बीच

का समझौता था। वो कोई सरकारी समझौता नहीं था। एक अकाली दल और एक कांग्रेस पार्टी के बीच में समझौता था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह बात भी असत्य है, जब वे कोई बात ठीक से कहते ही नहीं तो हमें बीच में बोलना तो पड़ेगा ही। स्पीकर सर, देश के प्रधानमंत्री के साथ यह समझौता हुआ था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप दो साल में पहली बार हाउस में आये हो। आपके हल्के की भी कुछ समस्याएं होंगी आप उनको उठाईये, आप उन पर बात करिये ताकि उनका समाधान हो सके।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः मेरे हल्के की कोई समस्या नहीं है मैं तो हरियाणा प्रदेश की बात करूँगा। मेरे सामने प्रदेश का हित है और मैं प्रदेश के हित की बात करना चाहता हूँ। आप मुझे समय दीजिए मैं ऐसे कैसे बैठ जाऊं। (शोर एवं विघन)

श्री अध्यक्षः आप अपनी स्पीच को कनकलुड कीजिए।

श्री ओमप्रकाश चौटालाः मैं कनकलूड करूँगा लेकिन आप इनको रोकिये तो सही। जुलाई, 1985 मे जो समझौता हुआ वो दो पार्टियों का समझौता था और उस समझौते के मुताबिक हरियाणा प्रदेश ..... (शोर एवं विघन)

Mr. Speaker: Nothing to be recorded.

श्री ओमप्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय .....

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इस व्यान से इनके जो काले कारनामे हैं वो नहीं छिपने वाले। सर, यह देश के प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी और सन्त हरचरण सिंह लोंगोवाल के बीच मे किया गया समझौता था जिस पर देश की संसद ने सर्वसम्मति से मौहर लगाई। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, ये बता रहे हें कि इस समझौते पर देश की संसद ने मोहर लगाई थी। यह मामला सबज्यूडिस है। (विघन)

श्री रामकुमार गौतमः स्पीकर सर, मुझे तो बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ता है जिन लोगों का हरियाणा से कुछ लेना देना नहीं जिनका धन्धा ही लूट खसोट करना है वे इस तरह की बातें करते हैं। मैं रिकॉर्ड की बात करना चाहता हूँ कि जब ये पावर में थे तो उस समय एक सड़क बन रही थी चण्डीगढ़ से दिल्ली। इन्होंने वो सड़क रूकवा दी और ठेकेदार को कहने लगे कि मेरे हिस्से के रूपये लाओ। ठेकेदार ने कहा कि हमारी तो सैन्टर से डिलिंग है हम जो कुछ भी करते हैं वहीं पर करते हैं। चौटाला साहब कहने लगे कि नहीं यह सड़क मेरी स्टेट में बन रही है अगर सड़क बनाओगे तो रुपये देकर और इस कारण वह सड़क कई साल तक रुकी रही। उसके बाद फिर कई गुणा पैसे से

वो सड़क पूरी हुई और जहाँ तक इनकी पार्टी के बाकी भाईयों का सवाल है ये सारे अच्छे लोग हैं इन बेचारों को मैं कहा करता हूँ मोहम्मद गौरी और मौहम्मद गजनवी जब अटैक करते थे इंडिया पर तो राजपूत भाई गाँय पर हथियार नहीं उठाते थे। तो वे इनके आगे गायों का च्योणा छोड़ देते थे और राजपूत भाई गॉयों पर तलवार नहीं उठाते थे और बेचारे हार जाते थे। ये जो भाई हैं ये तो मौहम्मद गौरी की गावडी हैं बेचारे। ईमानदारी से कहता हूँ कि जब चौटाला साहब का राज था तब भी ये अपने एम०एल०एज० को नहीं पूछते थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आपका एक मिनट रह गया है, आपको बोलते हुए डेढ़ घण्टा हो गया है। आप 5.47 पर खड़े हुए थे। (विघन)

श्री ओमप्रकाश चौटालाः सर, मुझे बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि.....

श्री अध्यक्षः आप अगर ऐसी कंट्रोवर्सियल बात करोगे तो कैसे काम चलेगा। सदन का हर आदमी अपनी बात कहने का इच्छुक है।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः आप अपनी कुर्सी की गरिमा का तो ख्याल करिये।

श्री अध्यक्षः कुर्सी की गरिमा का हमें पूरा ख्याल है। मैं आपकी तरह अनर्गल बात नहीं करूँगा। जिस तरह से आप अनर्गल बातें करते हैं, हम वैसी बातें नहीं करेंगे। (व्यवधान)

श्री ओमप्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने ही नहीं दिया, आप मुझे सुनना ही नहीं चाहते।

श्री अध्यक्षः आप अगर इस तरह से अनर्गल बातें करोगे तो उसका जवाब सरकार देगी। (विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः यह कोई तरीका नहीं है। इस तरह से अच्छा नहीं लगता। मैं भी सदन का सम्मानित सदस्य हूँ। ठीक है, आप हाउस के कस्टोडियन हैं लेकिन आप मुझे बोलने से नहीं रोक सकते, सदन में इस तरह से नहीं चलेगा। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप अनर्गल बातें करते हो। मै आपकी बदौलत नहीं हूँ। Your time has finished.

Now, the House is adjourned till 9.30 a.m. tomorrow, the 13th March 2007.

19.15 Hrs.

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. Tuesday, the 13th March, 2007)